वार्षिक प्रतिवेदन
२०१७-१८

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

www.cug.ac.in

वार्षिक प्रतिवेदन
२०१७-१८

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(भारत की संसद के अधिनियमसं. २५, २००९ के तहत स्थापित)

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT
(Established by an Act of Parliament, 2009)

Sector-29, Gandhinagar-382030, Gujarat, INDIA
www.cug.ac.in

कुलाधिपति की ओर से

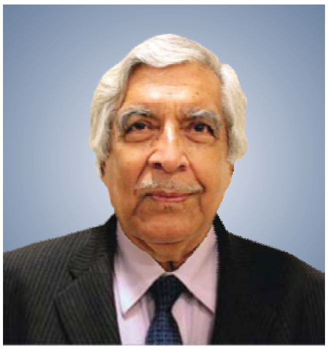

मुझे यह बताते हुए अपार खुशी हो रही है कि हमारे विश्वविद्यालय के लिए वडोदरा के ग्रामीण इलाके में भूमि आवंटित कर दी गई है। इस दशक में स्थापित किए गए केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में हमारा यह गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय कई रूपों में विशेष है। इस विश्वविद्यालय के संकाय/व्याख्याता बहुत ही अच्छे हैं, गुजरात के बाकी सभी विश्वविद्यालयों की तुलना में इस विश्वविद्यालय में सबसे बेहतरीन उपकरणों की सुविधा प्रदान की गई है और इस विश्वविद्यालय का प्रशासनिक निकाय बहुत ही सक्रिय है।

इन सभी चीजों को आगे बढ़ाने के लिए मात्र एक बेहतरीन परिसर की आवश्यकता है। हालांकि इस राज्य की राजधानी से दूर जाने के लिए कुछ ज्यादा मेहनत करने की जरूरत नहीं है। सभी चीजें इसी जगह पर आसानी से उपलब्ध हैं। इसके बावजूद, एक लंबे समय से मेरा यह अनुभव रहा है कि- जिस तरह से हमारा यह विश्वविद्यालय विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है, यह बहुत ही जल्दी न केवल अकादमिक जगत की उपलब्धियों की दिशा में आगे बढ़ रहा है बल्कि विश्वविद्यालयी जीवन की दृष्टि से जेएनयू, आईआईएम और आईआईटी जैसे संस्थानों से भी आगे निकलने की पूरी सकारात्मक संभावना बनाए रखता है। इसके अतिरिक्त हम गुजरात राज्य के वडोदरा और अहमदाबाद जैसे शहरों में अन्य दूसरे शैक्षणिक और अनुसंधान संस्थानों के साथ एक आपसी समझौते के अनुसार सम्बद्ध केन्द्रों की शुरुआत कर सकते हैं।

वर्तमान स्थितियों के अनुसार हम अपने नए परिसर के क्षेत्रीय परिदृश्य के हिसाब से एक मजबूत शैक्षणिक संस्थान बनाने तथा हरा-भरा और दूसरों के लिए सहयोगी परिसर बनाने के लिए काम कर सकते हैं।
मैं इस विश्वविद्यालय की सभी तरह की सफलताओं के लिए शुभकामना देता हूँ।

योगिंदर के. अलघ
कुलाधिपति

कुलपति की तरफ से

केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात आज अपने नौवें साल में पहुँच चुका है। इसने पहले ही अपनी शिक्षण प्रक्रिया, शोध और दूसरी महत्त्वपूर्ण गतिविधियों द्वारा अपनी पहचान बनायी है। यहाँ के छात्र और अध्यापकों को अकादमिक विकास के लिए प्रशासन का भरपूर समर्थन मिलता है। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी जैसे ईसी, एसी और एफ़सी आदि भी विश्वविद्यालय के चहुंमुखी विकास के प्रति पूर्णतः सहयोगी बने रहते हैं। इस विश्वविद्यालय ने अपने नए अध्ययन कार्यक्रमों और संरचनात्मक उपलब्धियों द्वारा उल्लेखनीय विकास किया है।

अस्थायी परिसर की सीमाओं के बावजूद, इस विश्वविद्यालय ने यहाँ के कर्मचारियों और छात्रों को पर्याप्त सुविधाएं प्रदान करने की कोशिश की है जैसे कि- डिजिटल पुस्तकालय, ऑनलाइन इन्टरनेट सुविधा, किताबों और पत्रिकाओं की सुलभता, इसके अतिरिक्त भाषा सीखने के लिए उत्कृष्ट सॉफ्टवेयर के साथ एक उन्नत भाषा प्रयोगशाला आदी।

वडोदरा में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय को भूमि आवंटित करने के लिए गुजरात सरकार का धन्यवाद। इस सहयोग से हम अंततः यह उम्मीद कर सकते हैं कि विश्वविद्यालय का अपना परिसर होगा और मुझे यकीन है कि यह तेजी से पूरा हो जाएगा तथा जल्द से जल्द चालू भी हो जाएगा। इससे विश्वविद्यालय के बुनियादी ढांचे और जगह से संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति हो जाएगी, जिसकी कमी एक लंबे समय से महसूस हो रही थी।

विश्वविद्यालयों की स्थापना समाज के विभिन्न वर्गों के छात्रों की उच्च शैक्षणिक मांगों को पूरा करने के लिए की जाती है और इस विश्वविद्यालय (सीयूजी) में हमने जाति समुदाय, क्षेत्र, धर्म और लिंग की दूरियों को ख़त्म करते हुए प्रत्येक छात्र को बराबरी और समानता का अवसर प्रदान किया है।

यह वार्षिक प्रतिवेदन बीते पूरे एक साल की झलक प्रदान करता है।

एस. ए. बारी
कुलपति

विषय सूची

क्रम संख्या	शीर्षक	पृष्ठ सं.
	कुलाधिपति की तरफ से	
	कुलपति की तरफ से	
१.	**गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के बारे में**	१
१.१.	विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाएँ	६
१.२.	केंद्रीय उपकरण सुविधा(सीआईएफ)	९
२.	**महत्त्वपूर्ण बिंदु**	१३
२.१.	विश्वविद्यालय द्वारा पढाए जाने वाले पाठ्यक्रम	१५
२.२.	विश्वविद्यालय द्वारा हस्ताक्षरित एमओयूएस	१९
२.३.	प्रमुख उपलब्धियाँ और गतिविधियाँ	२४
३.	**विश्वविद्यालय प्रशासन**	२९
३.१.	कार्यकारी परिषद्	३१
३.२.	अकादमिक परिषद्	३४
३.३.	वित्त परिषद्	३८
3.4.	अकादमिक, प्राधिकरण और समन्वय विभाग	३९
३.५.	प्रवेश और मूल्यांकन	४१
3.6.	वित्त एवं लेखा	४३
३.७.	विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ और समितियाँ	४४
३.८.	विश्वविद्यालय में सुविधाएँ	७५
३.९.	खेलकूद गतिविधियाँ	७८
४.	**संस्थान और केंद्र**	९३
४.१.	रसायनिक विज्ञान संस्थान	९५
४.२.	पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान	१०४
४.३.	अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	११६
४.३.१	सुरक्षा अध्ययन केंद्र	११६
४.४	राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान	११७
४.४.१.	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अध्ययन केंद्र	१२६
४.५.	भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान	१३३
४.५.१.	चीनी भाषा एवं संस्कृति अध्ययन केंद्र	१३३
४.५.२.	तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र	१३७
४.५.३.	अंग्रेजी अध्ययन केंद्र	१४१

४.५.४.	जर्मन अध्ययन केंद्र	१४९
४.५.५.	हिंदी भाषा एवं साहित्य अध्ययन केंद्र	१५३
४.५.६	गुजराती भाषा एवं साहित्य अध्ययन केंद्र	१६५
४.५.७.	सिंधी भाषा एवं साहित्य अध्ययन केंद्र	१६५
४.६.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान	१६६
४.७.	जीव विज्ञान संस्थान	१७५
४.८.	नैनो विज्ञान संस्थान	१९०
४.९.	सामाजिक विज्ञान संस्थान	२००
४.९.१	अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र	२०१
४.९.२.	सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र	२१५
४.९.३.	समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र	२२२
४.९.४.	विज्ञान, तकनीकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र	२३३
४.९.५.	गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र	२४४
४.९.६.	समाजकार्य में एम.ए. कार्यक्रम	२५४
४.१०.	विशेष केंद्र	२५५
४.१०.१.	अनुप्रयुक्त रसायन अध्ययन केंद्र	२५५
४.१०.२.	प्रवासी अध्ययन केंद्र	२६३
५.	**केंद्रीय पुस्तकालय**	२७२
६.	**परिशिष्ट**	२७७
६.१.	वर्ष 2017-18 में नामांकन हेतु प्रवेश परीक्षा में हिस्सा लेने वाले छात्रों का विवरण	२७९
६.२.	एम.फिल.- पीएच.डी. पाठ्यक्रम हेतु सामान्य प्रवेश परीक्षा मे शामिल विद्यार्थियों का विषयवार विवरण	२८१
६.३.	विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विवरण	२८३
६.३.१.	नियमित शिक्षण कर्मचारी	२८३
६.३.२.	नियमित शिक्षणेत्तर कर्मचारी	२८८
६.३.३.	शिक्षणेत्तर कर्मचारी(संविदा)	२८८
६.३.४.	शैक्षणिक कर्मचारी(संविदा)	२९०
६.४.	प्रदान की गयी उपाधियाँ	२९०
६.५.	उपचारात्मक कोचिंग प्रकोष्ठ में शामिल विद्यार्थियों की सूची	२९४
६.६	2017-18 के दौरान पीएच. डी. डिग्री से सम्मानित छात्रों की सूची	२९६
६.७.	वार्षिक बजटः एक दृष्टि में	२९८
७.	वार्षिक प्रतिवेदन समिति के सदस्य	३००

विश्वविद्यालय के बारे में

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

परिचय:

गुजरात केंदीय विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 2009 में संसद के अधिनियम के द्वारा की गई थी। इस विश्वविद्यालय का अधिकार क्षेत्र पूरे गुजरात राज्य में फैला हुआ है। यह विश्वविद्यालय गुजरात के और पूरे देश के युवाओं की अकादमिक, बौद्धिक और पेशेवर जरूरतों को पूरा करते हुए उच्च शिक्षा के क्षेत्र में मानव सेवाओं को प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, यह विश्वविद्यालय आवश्यक मानव संसाधनों को उत्पन्न करने और प्रदान करने में अपनी क्षमता का योगदान करता है जिससे भारत को जीवंत ज्ञान समाज के रूप में उभरने में सहायता हो।

सिद्धान्त:

इस विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय के छात्रों को समाज और उद्योग अंतरफलक के माध्यम से ज्ञान व रोजगार के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान करना है।

लक्ष्य:

विश्वविद्यालय (सीयूजी) का लक्ष्य गुणवत्ता युक्त शिक्षा तक छात्रों को पहुंच प्रदान करना और उभरते हुए नवाचारों और तकनीकी चुनौतियों, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं के स्तर पर और इसके साथ-साथ वैचारिक स्तर पर छात्रों को प्रभावी ढंग से इनमें संलग्न होने के लिए प्रोत्साहित करना व इस तरह के अवसर प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त यह विश्वविद्यालय (सीयूजी) देश के लिए ज्ञान, धन और समृद्धि के निर्माण के साथ-साथ मानव जाति की शांति और खुशी के लिए उद्यमशीलता और शैक्षिक क्षमताओं के विकास के महत्व के बारे में भी जागरूक है।

दृष्टिकोण:

इस विश्वविद्यालय का मुख्य दृष्टिकोण सामाजिक प्रतिबद्धता के साथ उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में आधुनिक, वैज्ञानिक व तकनीकी ज्ञान व कौशल को एक साथ जोड़ते हुए बुनियादी मानव व्यवहार एवं आचार के मूल्यों के रूप में खुद को एक मानक के रूप में स्थापित करना है। यह विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान एवं व्यक्तिगत विकास के स्तर पर एक मानक स्थापित करेगा और मानव संसाधन के विकास के रूप में एक ज़िम्मेदारी की भावना से युक्त समाज, देश व दुनिया के बड़े पैमाने पर मानव संसाधन तैयार करेगा।

उद्देश्य:

- सीखने की विभिन्न शाखाओं में निर्देशक और अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करके ज्ञान का प्रसार और उन्नति।
- शैक्षणिक कार्यक्रमों में मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत पाठ्यक्रमों के लिए विशेष प्रावधान करना।
- अध्ययन-अध्यापन विधियों और अंतःविषय प्रशिक्षण और अनुसंधान में नवाचारों को बढ़ावा देने के लिए उचित उपाय करना।
- देश के विकास के लिए मानव संसाधन को शिक्षित करना और प्रशिक्षण देना।

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में प्रगति को बढ़ावा देने के लिए अकादमिक-उद्योग साझेदारी की स्थापना करना।
- विशेष रूप से बौद्धिक, अकादमिक और सांस्कृतिक विकास से संबंधित भारत के लोगों की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों और कल्याण में सुधार के लिए विशेष ध्यान देना।
- बौद्धिक, अकादमिक और सांस्कृतिक विकास के माध्यम से लोगों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार सुनिश्चित करना।

अकादमिक संरचना और पाठ्यक्रम के पहलू:

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के अंतर्गत वर्तमान में कुल आठ संस्थान और दो स्वतंत्र केंद्र संचालित हो रहे हैं। इन संस्थानों के अंतर्गत कुल तेरह केंद्र शामिल हैं। ये भाषा, मानविकी, सामाजिक विज्ञान और विज्ञान के विषयों से लेकर बहुआयामी विषयों से संबन्धित हैं। वर्तमान में, विश्वविद्यालय में तीन एकीकृत मास्टर कार्यक्रम, एम. फिल. पीएच. डी. एकीकृत कार्यक्रम, और तेरह चौदह स्टैंड अलोन कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। कुछ संस्थान अपने यहाँ पीएच. डी. में सीधे प्रवेश भी देते हैं। यह विश्वविद्यालय शिक्षण, अनुसंधान और व्यापक गतिविधियों में उत्कृष्टता को बढ़ाने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है।

अकादमिक कार्यक्रमों की पाठ्यक्रम सामग्री को हितधारकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एवं इनके जरूरतों को पूरा करने के लिए बहुत विस्तार से बनाया गया है। ताकि इन्हें एक विस्तारित क्षितिज प्रदान किया जा सके। प्रत्येक पाठ्यक्रम की संरचना में आईसीटी युक्त अभिनव अध्ययन और अध्यापन, प्रयोगशाला प्रयोग (जहां पर जरूरी है), प्रस्तुतियां, संगोष्ठी कक्ष, अध्यादेश, स्वाध्याय और शोध प्रबंध आदि शामिल हैं। प्रौद्यौगिकी, उद्योग और ज्ञान प्रदान करने व इसे संचालित करने के तरीकों को विकसित करने की दिशा में यह विश्वविद्यालय लगातार प्रयासरत है।

अध्ययन की बदलती प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों को संशोधित किए जाने के प्रयास लगातार किए जाते रहते हैं। कोर्स सामग्री को अपडेट और अपग्रेड करने का काम संबंधित केंद्रों और संस्थाओं के अध्ययन बोर्डों द्वारा व देश भर के प्रमुख शैक्षणिक और वैज्ञानिक संस्थानों के विशिष्ट बाहरी सदस्यों के सुझावों के द्वारा किया जाता है। इस प्रयास का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किए गए पाठ्यक्रमों में गुणवत्ता का विस्तार करना और छात्रों को लाभ प्रदान करना है। इस तरह का पाठ्यक्रम राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के संदर्भ में रोजगार दिलाने, सामाजिक और आर्थिक प्रासंगिकता पर जोर देने के अलावा हमारे स्नातकों को वैश्विक स्तर पर सक्षम बनाता है।

इस विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के बाद चुनाव आधारित क्रेडिट प्रणाली योजना को शुरू किया है। इसे शुरू करने के बाद संस्थानों और केंद्रों में मूल अनिवार्य, मूल वैकल्पिक और आधारभूत पाठ्यक्रम के रूप में पाठ्यक्रमों में अंतर-अनुशासनात्मक और अन्तःअनुशासनात्मक विषयों के चुनाव के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए हैं। यह करने के साथ-साथ पाठ्यक्रमों में और अधिक वांछित अकादमिक लचीलापन भी शामिल किया गया है।

विश्वविद्यालय ने एक स्थान पर पाठ्यक्रम की संरचना व सामग्री से संबन्धित छात्रों की प्रतिक्रियाओं को पूरा करने के लिए एक औपचारिक तंत्र भी स्थापित किया है। छात्रों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने व बाहरी विशेषज्ञों के अवलोकन और सुझाव द्वारा पाठ्यक्रम और अध्यापन प्रक्रिया को परिष्कृत करने एवं इसे संशोधित करने और अद्यतन करने हेतु एक ठोस आधार प्राप्त होता है।

यह विश्वविद्यालय अपनी स्थापना के दस्तावेजों में उद्धृत उद्देश्यों और दायित्वों के अनुरूप पाठ्यक्रमों को संचालित करता है। विश्वविद्यालय के आंतरिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक प्रबंधन, नवाचार नीति, सामाजिक इंजीनियरिंग, डायस्पोरा अध्ययन, कैंसर जीव विज्ञान, संगणकीय रसायन शास्त्र, भौतिक विज्ञान, नैनो विज्ञान, औद्योगिक रसायन शास्त्र, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण स्थाईत्व जैसे विषयों पर शोध कार्य संचालित करवाता है। ये पाठ्यक्रम और शोध कार्य गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के लिए एक अभिनव बढ़त प्रदान करते हैं। इन नए एवं अल्पविकसित शैक्षणिक क्षेत्रों में काम करते हुए यह विश्वविद्यालय बदलती जरूरतों की कमी को दूर करने और भारतीय समाज की जरूरी प्राथमिकताओं के लिए अपने पाठ्यक्रम को लगातार अद्यतन और उन्नत करता रहता है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की मंजूरी के साथ इस विश्वविद्यालय ने प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और दूरस्थ संवेदन, प्रबंधन, शिक्षा, स्वास्थ्य, संस्कृति और व्यक्तित्व विकास जैसे संस्थानों के तहत कई और पेशेवर और अनुप्रयुक्त पाठ्यक्रमों को शुरू करने का प्रस्ताव पास किया है।

अध्यापन अधिगम और मूल्यांकन:

यह विश्वविद्यालय अपने सभी अकादमिक और मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता का पालन करता है। यहाँ पर पढ़ाए जाने वाले सभी शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार की व्यवस्था भी सुनिश्चित करता है। इस विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले सभी कार्यक्रमों में प्रवेश परीक्षा अखिल भारतीय स्तर पर विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा के माध्यम से संचालित की जाती है। ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया आयोजित करने के लिए गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय नए स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों के बीच में अपने प्रकार का ऐसा पहला विश्वविद्यालय है। इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी केन्द्रीय प्रवेश समिति द्वारा की जाती है। जिसमें परीक्षा नियंत्रक, स्कूलों के अधिष्ठाता, विभिन्न विद्यालयों के संकाय सदस्यों और एससी, एसटी, ओबीसी, महिला और अल्पसंख्यक की श्रेणियों का प्रतिनिधित्व करने वाले वर्ग से एक एक सदस्य शामिल होते हैं। इस विश्वविद्यालय के बारे में नए विद्यार्थियों को अवगत कराने के लिए विश्वविद्यालय ने अकादमिक छमाही की शुरूआत में ही अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है, इस तरह के पाठ्यक्रमों की मुख्य विशेषताओं यह होती है कि इन्हें पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद विद्यार्थियों द्वारा चुना जा सकता है और इनके अवसर विद्यार्थियों के लिए खुले होते हैं।

अकादमिक कैलेंडर का पालन सभी संस्थानों द्वारा किया जा रहा है।अध्यापन की प्रक्रिया को छात्र केंद्रित बनाने के लिए सभी संभव उपाय सुनिश्चित किए जाते हैं। अधिकांश अध्ययन-अध्यापन पद्धतियां आईसीटी आधारित हैं।

हर समय अध्ययन हेतु लैन कनेक्टिविटी के माध्यम ई लर्निंग के माध्यम से सभी सुविधाएं छात्रों को आसानी से उपलब्ध हो जाती है। संकाय सदस्य शिक्षार्थियों के बीच रचनात्मकता की संस्कृति को भी बढ़ावा देते हैं।

शिक्षकों को प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय शैक्षणिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि वे प्रतिष्ठित शिक्षाविदों के साथ बातचीत करने में सक्षम बन सकें।

विश्वविद्यालय केंद्र/संस्थान स्तर पर छमाही के अंत में विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाहरी मूल्यांकन पद्धति के माध्यम से छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन करने हेतु परीक्षा की पारदर्शी और मानक प्रणाली का पालन करता है। छात्रों के मूल्यांकन के लिए यूजीसी के दिशानिर्देशों का पालन किया जाता है।

अनुसंधान और विस्तार:

शोध कार्य विश्वविद्यालय का मुख्य केंद्र बना रहा है। कई संस्थान और केंद्र अंतःअनुशासनिक दृष्टिकोण से अपने यहाँ शोध कार्यक्रम संचालित करते हैं। इस विश्वविद्यालय में उपलब्ध अनुसंधान आधारभूत संरचना शायद पश्चिमी भारत के बाकी विश्वविद्यालयों की तुलना में सबसे बेहतर व सर्वश्रेष्ठ है। सेंट्रल इंस्ट्रुमेंटेशन के रूप में जाना जाता है। इसे आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाया गया है। यह विश्वविद्यालय विज्ञान विषय के सीमावर्ती क्षेत्रों में अनुसंधान गतिविधियों बढ़ावा देने के वादे को पूरा करने के लिए अत्यधिक सक्रिय है। यह एक्सआरडी, एनएमआर और एमएलडीआई, टीओएफ़ जैसे वर्णलेखन, स्पेक्टरोसकोपी और माइक्रोस्कोपी युक्त उपकरणों की डबल्यूके विस्तृत श्रींखला की सुविधा यहा के छात्रों को प्रदान की गई है। उपकरणों की इस तरह की विविध उपलब्धता न केवल इसके छवि को बढ़ाती है, बल्कि शोधकर्ताओं को चुनौतीपूर्ण शोध उद्देश्यों का पता लगाने के लिए भी प्रोत्साहित करती है। सीआईएफ जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और नैनो विज्ञान में शोध को सुविधाजनक बनाने में सहायता करता है। इसमें अनुसंधान की सुविधा के लिए भी संभावनाएं हैं जिन्हें अनुप्रयुक्त पदार्थ विज्ञान, पृथ्वी विज्ञान और रिमोट सेंसिंग तकनीकी जैसे विज्ञान की कई अन्य शाखाओं को निकट भविष्य में प्रस्तावित किया जा सकता है। रसायन विज्ञान संस्थान, जीव विज्ञान संस्थान, पर्यावरण विज्ञान और सतत विकास संस्थान और नैनो विज्ञान संस्थान ने कला प्रयोगशालाओं ने उन्नत स्तर के वैज्ञानिक अनुसंधान को निष्पादित करने के लिए परिष्कृत और अग्रिम उपकरण से युक्त एक राष्ट्रीय प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में ख्याति प्राप्त की है।

इसके अलावा, संस्थानों और विशेष केंद्रों में उन्नत अध्ययन और अनुसंधान (सीएएसआर) की स्थापना की गई है। इस समिति में पात्र पर्यवेक्षकों के अतिरिक्त सभी संस्थानों के अधिष्ठाता या केंद्र के अध्यक्ष शामिल होते हैं। ये विश्वविद्यालय में कराए जाने वाले एम. फिल. और पीएच. डी. के शोध की योजना, निरीक्षण और मूल्यांकन आदि का काम करते हैं। एम. फिल. और पीएच. डी. से संबंधित मामलों का काम सीएएसआर द्वारा संचालित किया जाता है। जैसे कि पीएच. डी. के शोध प्रस्तावों की स्वीकृति, शोध निर्देशक की मंजूरी और शोध प्रबंध या शोध ग्रंथ के शीर्षक की पुष्टि आदि का काम।

इस विश्वविद्यालय ने अनुसंधान योजनाओं के सुचारू रूप से कार्यान्वयन की सुविधा हेतु सभी तरह ही परियोजना से संबंधित गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए एक स्वतंत्र परियोजना सेल गठित कर दिया है। इस सेल के उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- विभिन्न विषयों में शोध प्रस्तावना को जमा करने के प्रति प्रोत्साहित करना और इसके लिए सहयोग करना।
- जांचकर्ताओं द्वारा किए गए निर्गमन/ खरीद संबंधी प्रक्रियाओं को आसान बनाना
- शोधकर्ताओं द्वारा अनुसंधान पहल को आगे बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय और संस्थानों केन्द्रों के बीच / ऊपरी खर्च की साझेदारी को सुनिश्चित करना।
- अनुदान की समयानुसार वितरण को सुनिश्चित करना।
- वित्त पोषण प्राधिकरणों का समयानुसार लेखा परीक्षा और उपयोग प्रमाण पत्र जमा करने का काम देखना।
-

ज्ञान और विस्तार को साझा करने के मामले में सहायक व्याख्याताओं को विश्वविद्यालय का एक संपत्ति हिस्सा माना जाता है। इसलिए, विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिष्ठान के विभिन्न संस्थानों और विश्वविद्यालयों के सहायक संकाय सदस्यों को आमंत्रित करता है। ये संकाय सदस्य पीएच. डी. और एम. फिल. अनुशासनों में संयुक्त शोध पर्यवेक्षकों के रूप में सहयोग करते हैं और विश्वविद्यालय को आधार प्रदान करते हैं। विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसरों की भागीदारी अंतःविषय अनुसंधान की संस्कृति को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, छात्रों के शोध कार्यों के माध्यम से कई संस्थानों / विश्वविद्यालयों को भी सुविधा प्रदान की जाती है।

प्रसारी गतिविधियां:

उच्च शिक्षा के अतिरिक्त वे घटक जिसमें यह विश्वविद्यालय उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहता है वो इसकी विस्तार प्रदान करने वाली गतिविधियों है। जन समुदाय तक इस परिसर को बढ़ाने व छात्रवृत्ति की सेवाओं को बढ़ाने, प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नित नवाचार करने हेतु यह विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध है, इसके अतिरिक्त यह विश्वविद्यालय समाज के कुछ विशेष मुद्दों को भी हल करने का प्रयास करता है। हम सभी जानते हैं की विश्वविद्यालयों को सकारात्मक सामाजिक बदलाव के एक सूचक के रूप में देखा जाता है। उदाहरण के लिए, उचित दवाओं को तैयार करना, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास आदि जैसे पाठ्यक्रमों को जहां एक तरफ लोगों के सामाजिक जीवन और भौतिक गुणों को बेहतर बनाने के एक संभावित कारक के रूप से देखा जाता है, वहीं दूसरी ओर ये पाठ्यक्रम, मानव संसाधन उत्पन्न करते हैं। जिनका उपयोग सामाजिक अभियांत्रिकी के विकसित करने के एक माध्यम के रूप में देखा जा सकता है। विश्वविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के केंद्रों द्वारा हस्ताक्षरित कई एमओयू विश्वविद्यालय की विस्तार प्रोफ़ाइल को समृद्ध करने की क्षमता रखते हैं। विश्वविद्यालय के संगणकिय रसायन समूह (कम्प्यूटेशनल कैमिस्ट्री ग्रुप) द्वारा केटीएच के विकसित वैज्ञानिक/अनुसंधानशाला के साथ, स्टॉकहोम और अप्सला विश्वविद्यालय स्वीडन के साथ, कोलोराडो विश्वविद्यालय के साथ और भारत ग्रामीण जीवनशैली फाउंडेशन के साथ, उन्नत भारत अभियान के तहत गांव अंगीकरण कार्यक्रम के साथ और विद्यालयों का

अंगीकरण करना कार्यक्रम के साथ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के बी. वॉक. कार्यक्रम के साथ कई प्रकार के एमओयूज पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन पहलों को विश्वविद्यालय की प्रसारी छवि को मजबूत करने के लिए उठाए गए कुछ पहलुओं में से एक के रूप में उद्धृत किया जा सकता है। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम विकास परिषद (एनएसडीसी) के साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रमों और मौजूदा पाठ्यक्रमों के व्यावसायिकीकरण के संभावित मार्गों के बारे में पता करने के लिए एक बहस की शुरुआत कर दी है। विश्वविद्यालय ने गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ गुजरात में व्यापार, वाणिज्य और व्यापार समुदायों को इंटरफेस और ब्लॉक प्लेसमेंट के अवसरों के साथ हितधारकों के रूप में शामिल करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किया है। यूनिवर्सिटी-इंडस्ट्री इंटरफेस सेल और विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किया गया नया अनुशासन बी. वॉक. दवा निर्माण के उचित दृष्टिकोण आदि कार्यक्रमों विशेष रूप से गुजरात क्षेत्र में स्थित औद्योगिक इकाइयों और कई दवा उद्योगों के बीच पहल करने के अवसर छात्रों को प्रदान करते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा दी जाने वाली सुविधाएं

मूलभूत सुविधाएं एवं अध्ययन के संसाधन:

यह विश्वविद्यालय एक ट्रांसिट परिसर के रूप में एक सरकारी प्राथमिक विद्यालय के परिसर में स्थित है। हालांकि यह विश्वविद्यालय अपने छात्रों व संकाय सदस्यों को अध्ययन, अनुसंधान और अवसंरचना के स्तर पर प्रदान की जाने वाली सुविधाओं में किसी तरह की कमी नहीं करता है। जगह की कमी की स्तर पर देखा जाए तो इस विश्वविद्यालय का मानना है की ध्यान मात्रा की बजाए गुणवत्ता पर और प्रसार के बजाए तीव्रता पर होनी चाहिए। अच्छी तरह से सुसज्जित और पूर्णतः तैयार कक्षाएँ, आधुनिक किश्म की प्रयोगशालाएँ, पुस्तकों के ढेर से भरा हुआ पुस्तकालय आदि की व्यवस्था ने यह साबित कर दिया है कि अकादमी और वैज्ञानिक उद्यम की भावना के विकास में इस विश्वविद्यालय परिसर की बेहतरी को उजागर कर दिया है।

यहा की बड़ी-बड़ी कक्षाएँ गतिशील और केन्द्रित चर्चाओं के लिए सबसे अनुकूल वातावरण प्रदान करती हैं। इन कक्षाओं को व्याख्यानों और प्रस्तुतियों की दृष्टि से इन्हें विश्लेषण हेतु तैयार किया गया है। इन कक्षाओं में एलसीडी प्रोजेक्टर और ऑडियो-विज़ुअल शिक्षण उपयोगी उपकरणों से तैयार किया गया है। अंग्रेजी में बातचीत करने के लिए विशेष सत्रों का आयोजन, नेट-सेट की परीक्षाओं के लिए विशेष कोचिंग कक्षाओं का संचालन आदि किया जाता है। ये सभी तरह की सुविधाएं छात्रों में नेतृत्व की भावना, सामूहिकता की भावना और विश्लेषणात्मक कौशल के विकास के लिए आयोजित की जाती हैं।

इस विश्वविद्यालय परिसर में में 50 से 250 सीटों वाले चार सम्मेलन कक्ष स्थित हैं। ये सम्मेलन कक्ष सम्मेलनों और अन्य कार्यक्रमों के लिए उपयोग करने के लिए उपलब्ध कराए जाते हैं। इनके अतिरिक्त दो छोटे संगोष्ठी कक्ष भी हैं जो छोटे पैमाने पर अकादमिक कार्यक्रमों के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। इन कक्षों में उन्नत प्रस्तुति उपकरण लगाए गए हैं।

इस विश्वविद्यालय में 10 से अधिक अत्याधुनिक विज्ञान प्रयोगशालाएं हैं। छात्र सैद्धान्तिक विषयों के माध्यम से जो कुछ सीखते हैं, उनका प्रयोग व्यावहारिक स्तर पर करने के लिए इन प्रयोगशालाओं में प्रयोग करने की अनुमति दी जाती है।

इस विश्वविद्यालय के सभी स्कूल / केंद्र एक बेहद सुरक्षित वर्चुअल निजी नेटवर्क के माध्यम से जुड़े हुए हैं, इसमें लगाए गए उपकरण 1 जीबीपीएस ब्रॉडबैंड कनेक्शन के माध्यम से जुड़े हुए हैं। विश्वविद्यालय के दोनों ही परिसरों में वाई फाई युक्त अत्याधुनिक कंप्यूटर नेटवर्क सुविधा प्रदान की गई है। जो पर्याप्त कंप्यूटिंग सुविधाओं को प्रदान करता है। इसमें नवीनतम कंप्यूटर, संचार और प्रिंट सेवाओं से जुड़ी नवीनतम प्रकार के कंप्यूटर लगाए गए हैं। सीयूजी पूरी तरह से वायरलेस कैंपस बन चुका है और यहाँ पर पढ़ाएँ जाने वाले कई कार्यक्रमों में छात्रों को लैपटॉप की सुविधा भी प्रदान जाती है ताकि वे इंटरनेट की सहायता से किसी भी समय कहीं पर भी अपनी पहुंच बना सकें। इन कम्प्यूटरों को कुछ नवीनतम प्रकार के सॉफ्टवेयर से जोड़ा गया है जिनमें डेटा विश्लेषण, सीएडी, सीएएम, प्रयोगशालाओं और पुस्तकालयों आदि से जुड़े काम को आसान करने के लिए लोड किया गया है। इंट्रानेट सुविधा द्वारा कैंपस के अंदर संकाय और छात्रों के बीच ऑन-लाइन बातचीत आसान हो गया है और यह सुविधा इनके सम्बन्धों को मजबूत करने में सहायक होता है।

विश्वविद्यालय में होने वाले विविध प्रकार के कार्यों (समनुदेशन) के लिए बाहर से आने आगंतुक संकाय सदस्यों व दूसरे अधिकारियों हेतु अतिथि गृह की सुविधा उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त वीआईपी अतिथि गृह की भी सुविधा है। विश्वविद्यालय ने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु तीन बड़े-बड़े अपार्टमेंटों को किराए पर लिया है और इन्हें अच्छे से सुसज्जित करवाए हैं।

विश्वविद्यालय परिसर की सामान्य आधारभूत संरचनाएं एवं सुविधाएं:

यह विश्वविद्यालय दो परिसरों के रूप में संचालित होता है: सेक्टर 29 विश्वविद्यालय परिसर एवं सेक्टर 30 विश्वविद्यालय परिसर।

विश्वविद्यालय परिसर सेक्टर 29

विश्वविद्यालय के परिसर सेक्टर 29 में विविध प्रकार के कार्यालय और संस्थान स्थित हैं। इनके अंतर्गत शामिल हैं...

- प्रशासनिक और वित्त विभाग
- भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान का सीओई कार्यालय
- सामाजिक विज्ञान संस्थान

- अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान
- शिक्षा संस्थान
- अध्ययन कक्ष और महिला कक्ष
- संकाय खंड
- अकादमिक व प्रशासनिक खंड
- संगोष्ठी कक्ष
- वर्चुअल अध्यापन स्रोत केंद्र
- भाषा प्रयोगशाला
- जलपानगृह
- व्यायामशाला
- केनरा बैंक शाखा और एटीएम

विश्वविद्यालय परिसर सेक्टर 30

विश्वविद्यालय के परिसर 30 में जो विविध प्रकार की संस्थाएं स्थित हैं: इनमें निम्नलिखित संस्थाएं स्थापित हैं

- जीव विज्ञान संस्थान
- रसायन विज्ञान संस्थान
- नैनो विज्ञान संस्थान
- पर्यावरण विज्ञान संस्थान
- केंद्रीय पुस्तकालय
- योगा क्लब
- केन्द्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ़)
- अध्ययन कक्ष और महिला कक्ष
- अकादमिक खंड
- प्रयोगशाला
- संकाय खंड
- साज-सज्ञा भवन
- सम्मेलन और बहुद्देशीय कक्ष
- जलपानगृह
- खेल-कूद कक्ष
- स्वास्थ्य और परामर्श सुविधा
- ओपन एयर वाईफाई स्थल

केंद्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ़)

यह विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा प्रदान करने के क्षेत्र में एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है। यहां विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान में उच्च शिक्षा प्रदान की जा रही और अनुसंधान हो रहे हैं। उपकरणों की आवश्यकता विविध प्रकार के अनुशासनों में पड़ती है। इन बहू-विषयक अनुशासनों के अंतर्गत रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, और नैनो विज्ञान आदि के अनुसंधान क्षेत्र आते हैं। इन उपकरणों को केंद्रीय उपकरण सुविधा (सीआईएफ़) के अंतर्गत स्थापित किया गया है। इस विश्वविद्यालय में इस क्षेत्र के अंतर्गत सबसे बेहतरीन उपकरणों की सुविधा है। इस क्षेत्र के दूसरे संस्थान भी इन सुविधाओं का लाभ उठाते हैं।

सीआईएफ़ में उपलब्ध उपकरण

1. पावडर एंड सिंगल क्रिस्टल एक्स रे डिफ़्फ्रेक्सन (पी एक्सआरडी / एससी एक्सआरडी)
2. लिक्विड क्रोमैटोग्राफी/मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी/एमसी-क्यूटीओएफ़)
3. इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी फॉर केमिकल अनालिसिस (ईएससीए)
4. 500 एमएचज फ्यूरियर ट्रान्सफ़ोर्म न्यूक्लियर मैगनेटिक रेजोनेन्स (एफ़टी एनएमआर)
5. हाई रिजोल्यूसन ट्रांसमिसन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एचआर टीईएम)
6. इंडक्टिवली क्यूपल्ड प्लाजमा ऑप्टिकल एमिसन स्पेक्ट्रोमीटर (आईसीपी ओईएस)
7. एटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी (एएफ़एम)
8. स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (एसईएम)
9. स्कैनिंग इलेक्ट्रोकेमिकल माइक्रोस्कोपी (एसईसीएम)
10. इस्पेक्ट्रोस्कोपी एल्लिप्सोमीटर
11. ब्रूनौएर एम्मेत्त टेल्लर (बीईटी) सरफेस एरिया एनालायजर
12. टोटल ओर्गनीक कार्बन (टीओसी)
13. फ्लुरोसेंस एक्टिवेटेड सेल सॉर्टिंग (एफ़एसीएस)
14. रियल टाइम पीसीआर (आरटी पीसीआर)
15. मैट्रिक्स एस्सिस्टेड लेजर दिजोर्प्सन/ आयोनाइजेशन (एमएएलडीआई टीओएफ़)
16. कोंफोकल लेजर स्कैनिंग माइक्रोस्कोपी (सीएलएसएम)
17. फास्ट प्रोटीन लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एफ़पीएलसी)
18. फ्लुरोसेंस माइक्रोस्कोपी
19. डीएनए सीक्वेंसर
20. हाई स्पीड सेंट्रीफ्यूग
21. अल्ट्रा सेंट्रीफ्यूग
22. डायनामिक लाइट स्कैटरिंग (डीएलएस)
23. थर्मो ग्रैविमेट्रिक / डिफ्रेंसियल थर्मल एनालिसिस (टीजी/डीटीए)
24. पोरोजीमीटर

25. ओजोनोलिसिस
26. एलीमेंटल एनालाइजर (सीएचएनएस/ओ)
27. एटोमिक एब्जोरप्सन स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (एएएस)
28. गैस क्रोमैटोग्राफी (जीसी)
29. हाई परफ़ोर्मेंस लिक्विड क्रोमैटोग्राफी (एचपीएलसी)
30. फ्यूरियर ट्रांसफॉर्म इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफ़टीआईआर)
31. डिफरेंटियल स्कैनिंग कैलोरीमेट्रिक (डीएससी)
32. जेल परमिसन क्रोमैटोग्राफी (जीपीसी)
33. यूवी-विजिबल स्पैक्ट्रोमीटर
34. पोलोरीमीटर
35. पोटैनटियोस्टैट
36. रेफ्राक्टोमीटर इंडेक्स (आरआई)

वाई-फाई और आईसीटी सुविधा:

यह विश्वविद्यालय वाई-फाई युक्त है। विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किए गए एक व्यक्तिगत आईडी और पासवर्ड द्वारा छात्र इसे चला सकते हैं। छात्र चौबीसों घंटे वाई-फाई की सुविधा के माध्यम से केंद्रीय पुस्तकालय और अन्य संबंधित विभागों के साथ आसान कनेक्टिविटी प्राप्त कर सकते हैं।

केंद्रीय पुस्तकालय:

केंद्रीय पुस्तकालय ईथरनेट नेटवर्क के माध्यम से पूरे परिसर भर में संचालित होता है। पुस्तकालय में एक अध्ययन केंद्र नेत्रहीन छात्रों के लिए है। यहां पर ब्रेल सॉफ्टवेयर को विशेष रूप से डाला गया है। इसके अतिरिक्त दूसरे सॉफ्टवेयर जैसे कूजवेल, सारा, जिफ़्फ़ी स्कैनर आदि भी यहां उपलब्ध हैं। वर्तमान में, इस विश्वविद्यालय द्वारा 66 पत्र पत्रिकाओं और लगभग 8903 से अधिक ई-जर्नल की सदस्यता ली हुई है। इनमें से प्रमुख पत्र पत्रिकाओं को शोधसिंधु और उच्च शिक्षा और एलेक्ट्रोनिक संसाधनों के सहायता द्वारा संचालित किया जाता है। यहां पर 32,450 किताबें और 2,800 ई बुक्स हैं। ई कंटेंट सामग्री/किताबें/पत्रिकाएं आदि एक लाख से भी अधिक मात्र में उपलब्ध हैं। किताबों की सुरक्षा हेतु और सेल्फ चेक इन और सेल्फ चेक आउट हेतु पुस्तकालय का संचालन डेस्क आरएफ़आईडी तकनीकी से सुरक्षित है। दोनों ही परिसरों की पुस्तकालयी सुविधा को बेहतर संचालन से मजबूत बनाने हेतु पुस्तकालय पोर्टल को मजबूत किया जा रहा है। केंद्रीय पुस्तकालय परिसर से बाहर होने पर पुस्तकालय के संचालन की सुविधा ई जर्नल और डाटाबेसेस से एज़प्रोक्सी सॉफ्टवेयर के माध्यम से प्रदान की जाती है।

वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स सेंटर (वीएलआरसी)

द वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स सेंटर एक वेब आधारित सूचना पुनर्प्राप्ती सेवा है। यह विद्युतीय सूचनाओं को उपलब्ध कराने हेतु केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात पुस्तकालय वेबसाइट से संचालित होता है। यह सभी प्रकार के विद्युतीय

सूचनाओं और ई डाटाबेसेस का केंद्र है। इस इंटरफेस के माध्यम से पुस्तकालय ओपीएसी और संदर्भ सामग्री का भी उपयोग किया जा सकता है। वीएलआरसी छात्रों को इन्टरनेट उपयोग करने की सुविधा प्रदान करता है। इस सुविधा से छात्र विद्युतीय संसाधनों, ई डाटाबेसेस, शैक्षणिक वीडियो सेवाओं आदि को उपयोग में ला सकते हैं। इसमें जर्मन और चायनीज़ भाषा अध्ययन हेतु भाषा लैब भी है।

छात्रावास:

विश्वविद्यालय में छात्रावास का आबंटन, गुजरात के बाहर के छात्रों को, पुरुष व महिला दोनों ही तरह के छात्रों को पहले आओ और पहले पाओ की नीति के आधार पर किया जाता है। छात्रावास शुल्क का निर्धारण विश्वविद्यालय के मानदंडों के अनुरूप किया जाता है।

कर्मचारियों के लाभार्थ हेतु विश्वविद्यालय की बेहतरीन नीतियाँ:

- प्रवेश परीक्षा और प्रवेश प्रक्रियाओं का पूर्ण स्वचालन
- परीक्षा नियंत्रक के कार्यालय का स्वचालन
- परिणामों की समय पर घोषणा
- हर 3 साल में एक बार पाठ्यक्रम का नियमित अद्यतन
- सीबीसीएस का सभी संस्थानों में पालन
- आईसीटी युक्त अध्ययन एवं अध्यापन
- अंतर्राष्ट्रीय प्रस्तुतियों के लिए छात्रों को वित्तीय सहायता
- व्यक्तिगत व पारिवारिक चिकित्सा सुविधा और प्रतिपूर्ति
- चिकित्सकीय सुविधाओं हेतु चार महत्त्वपूर्ण अस्पतालों के साथ आपसी समझौते और भर्ती होने की स्थिति में नगदी मुक्त चिकित्सा सहायता
- एम्बुलेंस सुविधा
- व्यक्तिगत व पारिवारिक यात्रा भत्ता की छूट
- व्यायामशाला
- नई पेंशन योजना
- करियर विकास योजना
- अध्ययन अवकाश
- संकाय सदस्यों के अकादमिक भागीदारी हेतु यात्रा अनुदान
- समूह बीमा योजना

छात्र व कर्मचारी शिकायत निवारण

- छात्र कल्याण डीन कार्यालय
- एससी/एसटी संपर्क अधिकारी

- समान अवसर सेल
- आंतरिक शिकायत समिति
- विशेष आरक्षण कक्ष
- ओबीसी संपर्क अधिकारी
- छात्र परिषद कार्यालय
- शिकायत निवारण समिति

सामान्य बुनियादी ढांचा और सुविधाएं

- ऑडियो विजुअल एवं पर्याप्त सुविधाओं से सुसज्जित कक्षाएँ
- वर्चुअल कक्षाएँ
- आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित विज्ञान प्रयोगशालाएं
- केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा
- वर्चुअल अध्ययन स्रोत केंद्र (वर्चुअल लर्निंग रिसोर्स सेंटर)
- भाषा प्रयोगशाला
- संगोष्ठी / सम्मेलन कक्ष / संकाय कक्ष
- जलपान गृह
- एटीएम एवं बैंक
- बस सेवा
- एम्बुलेंस सेवा
- लेडीज रूम और आम अध्ययन कमरे
- सुरक्षित पेयजल (आरओ प्रणाली)
- वाई-फाई कनेक्टिविटी और सीसीसी निरीक्षण/निगरानी
- विश्वविद्यालय द्वारा पायलट परियोजनाओं के लिए संकाय सदस्यों को अनुसंधान वित्त पोषण
- यात्रा अनुदान
- प्रकाशन अनुदान

महत्वपूर्ण बिन्दु

विश्वविद्यालय द्वारा पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम

संस्थान	केंद्र	पढ़ाएँ जाने वाले पाठ्यक्रम (यूजी/पीजी/अनुसंधान)	पाठ्यक्रम के शुरू किए जाने का वर्ष
समाज विज्ञान संस्थान	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनव नीति अध्ययन केंद्र	विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनव नीति में अध्ययन में एम. फिल.	2018-19
		विज्ञान, समाज और विकास में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी. (प्रतिवेदन वर्ष 2014-15 में नाम बदल दिया गया विज्ञान, तकनीकी और अभिनव नीतियाँ की जगह पर)	2009-10 और 2014-15
	समाज और विकास अध्ययन केंद्र	समाज व विकास में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2011-12
		समाजशास्त्र में एम. ए.	2015-16
		समाज कार्य में एम. ए.	2017-18
	अर्थव्यवस्था और योजना अध्ययन केंद्र	अर्थशास्त्र में एम. ए.	2015-16
		अर्थशास्त्र में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2010-11
	सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र	सामाजिक प्रबंधन में एम. ए.	2017-18
		सामाजिक प्रबंधन में एम. ए. (5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम)	2010-11
		सामाजिक प्रबंधन में पीएच.डी.	2017-18
	गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र	गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2011-12
		राजनीति विज्ञान में एम. ए.	2017-18
भाषा, साहित्य एवं	अँग्रेजी अध्ययन केंद्र	अँग्रेजी में एम. ए.	2010-11
		तुलनात्मक साहित्य में एम. फिल.	2018-19

संस्कृति अध्ययन संस्थान	तुलनात्मक साहित्य और अनुवाद अध्ययन केंद्र	तुलनात्मक साहित्य में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2009-10
		तुलनात्मक साहित्य में पीएच.डी.	2018-19
	हिन्दी अध्ययन केंद्र	हिन्दी में एम. ए.	2015-16
		हिन्दी में एम. फिल.	2018-19
		हिन्दी भाषा एवं साहित्य में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2011-12
	गुजराती भाषा एवं साहित्य केंद्र	गुजराती में एम. ए.	2012-13
		गुजराती में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2018-19
	चीनी भाषा अध्ययन केंद्र	चायनीज़ में एम. ए.	2011-12
		चायनीज़ भाषा व संस्कृति में एम. ए. (5वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम)	2012-13
		चायनीज़ में बी. ए.	2017-18
	जर्मन अध्ययन केंद्र	जर्मन में एम. ए.	2011-12
		जर्मन अध्ययन में एम. ए. (5 वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम)	2012-13
		जर्मन में बी. ए.	2017-18
अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र	राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध में एम. ए.	2012-13
		अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एम. फिल.	2018-19
		अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2012-13
		अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में पीएच. डी.	2018-19
	सुरक्षा अध्ययन केंद्र	सुरक्षा अध्ययन में एम. फिल.	2018-19

राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान		आंतरिक सुरक्षा में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी. (प्रतिवेदन वर्ष 2012-13 में नाम बदल दिया गया सुरक्षा अध्ययन में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी. की जगह पर)	2009-10, 2012-13
		सुरक्षा अध्ययन में पीएच. डी.	2018-19
	रणनीति प्रौद्यौगिकी अध्ययन केंद्र(साइबर/ स्पेस सुरक्षा)	शीघ्र घोषित होगा	
	समुद्री सुरक्षा अध्ययन केंद्र	शीघ्र घोषित होगा	
पुस्तकालय और सूचना अध्ययन संस्थान		स्नातकोत्तर डिप्लोमा- डिजिटल पुस्तकालय एवं सूचना प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएलआईएम)	2017-18
		एमएलआई विज्ञान (पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में एम. ए.)	2012-13
		पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पीएच. डी.	2017-18
डायस्पोरा अध्ययन केंद्र		स्थानांतरण/प्रव्रजन और डायस्पोरा अध्ययन में एम. ए.	2017-18
		डायस्पोरा अध्ययम ने एम.फिल.	2018-19
		डायस्पोरा अध्ययन में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2011-12
पर्यावरण सतत विकास संस्थान		पर्यावरण विज्ञान में एम. एससी.	2015-16
		पार्यवारण एवं सतत विकास में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2011-12

	पर्यावरण एवं सतत विकास में पीएच. डी.	2018-19
	जलवायु परिवर्तन और सतत विकास में एम. एससी.	2017-18
जीव विज्ञान संस्थान	जीव विज्ञान में एम. एससी.	2012-13
	जीव विज्ञान में एकीकृत एम. फिल. और पीएच.डी.	2010-11
	जीव विज्ञान में पीएच. डी.	2018-19
रसायन विज्ञान संस्थान	रसायन विज्ञान में एम. एससी.	2012-13
	रसायन विज्ञान में एम. फिल.	2018-19
	रसायन विज्ञान में एकीकृत एम. फिल. और पीएच. डी.	2010-11
	रसायन विज्ञान में पीएच. डी.	2018-19
अनुप्रयुक्त रसायन केन्द्र	औद्योगिकी रसायन में एम. एससी.	2011-12
नैनो विज्ञान संस्थान	नैनो तकनीकी में एम. एससी.	2016-17
	नैनो विज्ञान में एकीकृत एम. फिल. और पीएच. डी.	2012-13
	नैनो विज्ञान में पीएच. डी.	2017-18
शिक्षा संस्थान	शिक्षा में एम. फिल.	2018-19
	शिक्षा में पीएच. डी.	2018-19
बी. वोक.	दृष्टिबाधितों के लिए विश्लेषणात्मक तकनीक में छह महीने का सर्टिफिकेट कोर्स (CCATVC)	2011-12
	बी. वोक. (बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स ऑन रेशनल अप्रोच टू ड्रग डिजाइन)	2017-18

विश्वविद्यालय द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (MOU)

क्रम संख्या	विश्वविद्यालय और संस्थानों के बीच में	दिनांक	अवधि
1	टीआरआई-पार्टिट एमओयू केन्द्रीय गुजरात विश्वविद्यालय, एमएचआरडी और यूजीसी 2018-19	28/06/2018	2018-19 और 2017-18
2	केन्द्रीय गुजरात विश्वविद्यालय और आईआईटी नई दिल्ली, उन्नत भारत अभियान	28/02/2018	अनिर्धारित अवधि
3	केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात और जॉर्जिया विश्वविद्यालय रीजेंट्स बोर्ड प्रणाली, जॉर्जिया विश्वविद्यालय, एथेंस, यूएसए	01/09/2016	5 वर्ष
4	केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात और जीनान विश्वविद्यालय बीजिंग विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालय, चीन	26/05/2016	5 वर्ष
5	केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात और भारत ग्रामीण आजीविका संस्थान (बीआरएलएफ़)	24/06/2015	3 वर्ष
6	केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात और तस्मानिया विश्वविद्यालय कला संकाय	22/02/2016	5 वर्ष
7	केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात और कंडेंस्ड मैटर थ्योरी समूह (सीएमटी), मटेरियल्स सिद्धांत अनुभाग, उप्पसला विश्वविद्यालय, उप्पसला, स्वीडेन	01/06/2015	5 वर्ष
8	केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात और सैद्धांतिक रसायन विज्ञान और जीवविज्ञान विभाग, केटीएच रॉयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (केटीएच), स्टॉकहोम, स्वीडन	01/06/2015	5 वर्ष
9	केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात और कोलोराडो विश्वविद्यालय, डेनवर	01/12/2014	3 वर्ष

		30/09/2014 और 09/08/2014	
10	केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात और फ़्लॉरिडा विश्वविद्यालय	01/09/2016	5 वर्ष

पाठ्यक्रमानुसार 2017-18 के दौरान प्रवेश

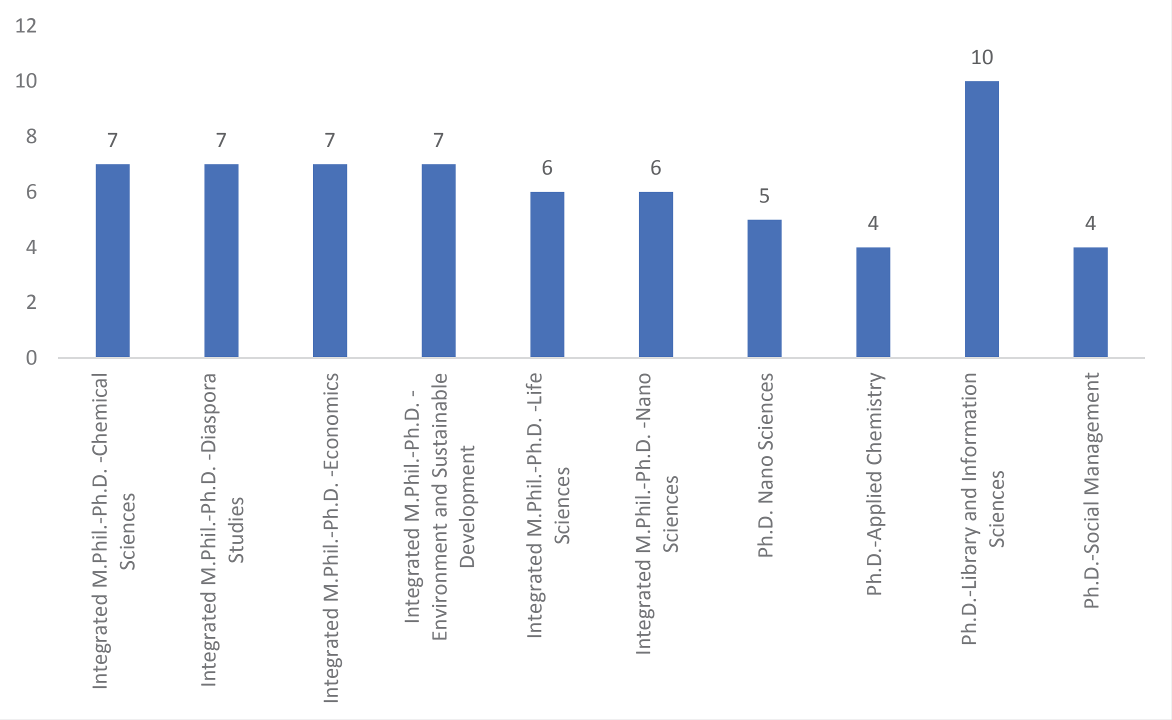

विश्वविद्यालय में छात्रों का वर्गानुसार वितरण

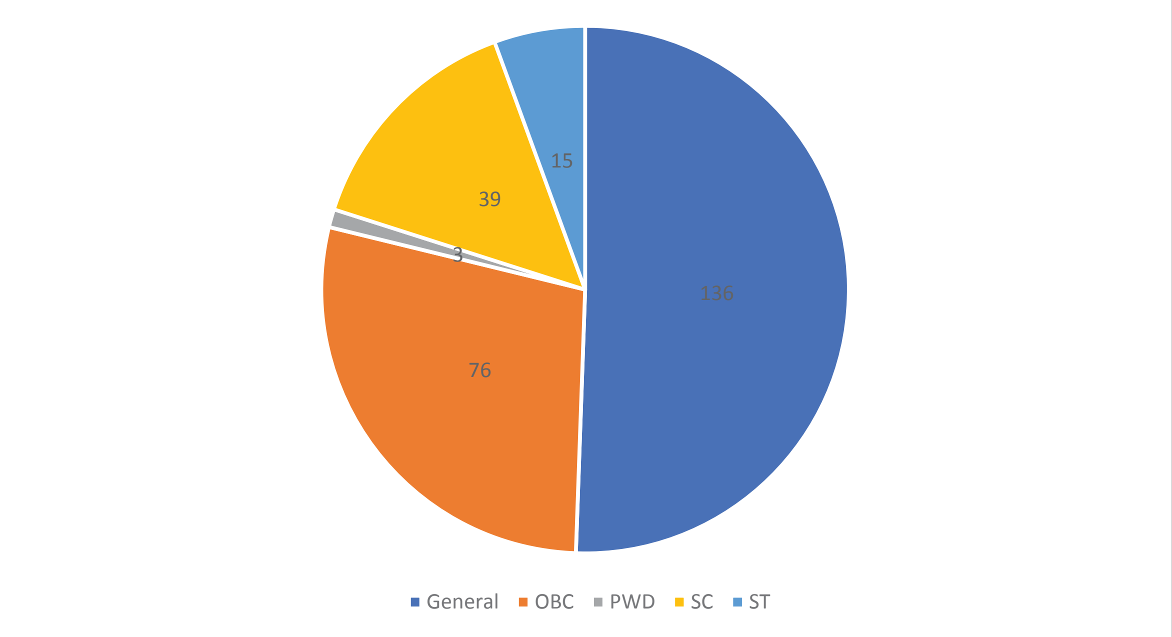

छात्रों का लैंगिक वितरण

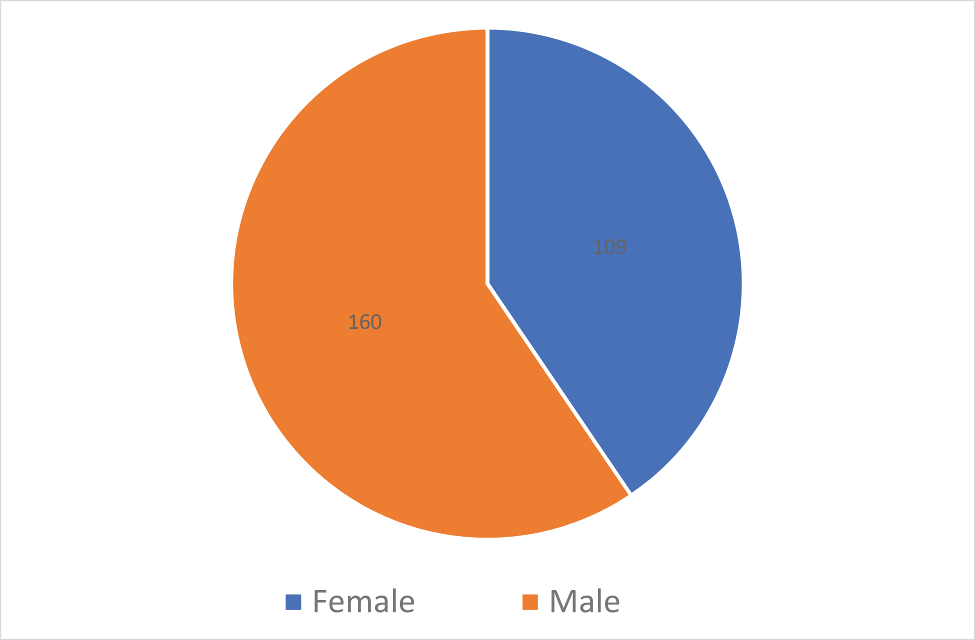

वर्गानुसार प्रवेश

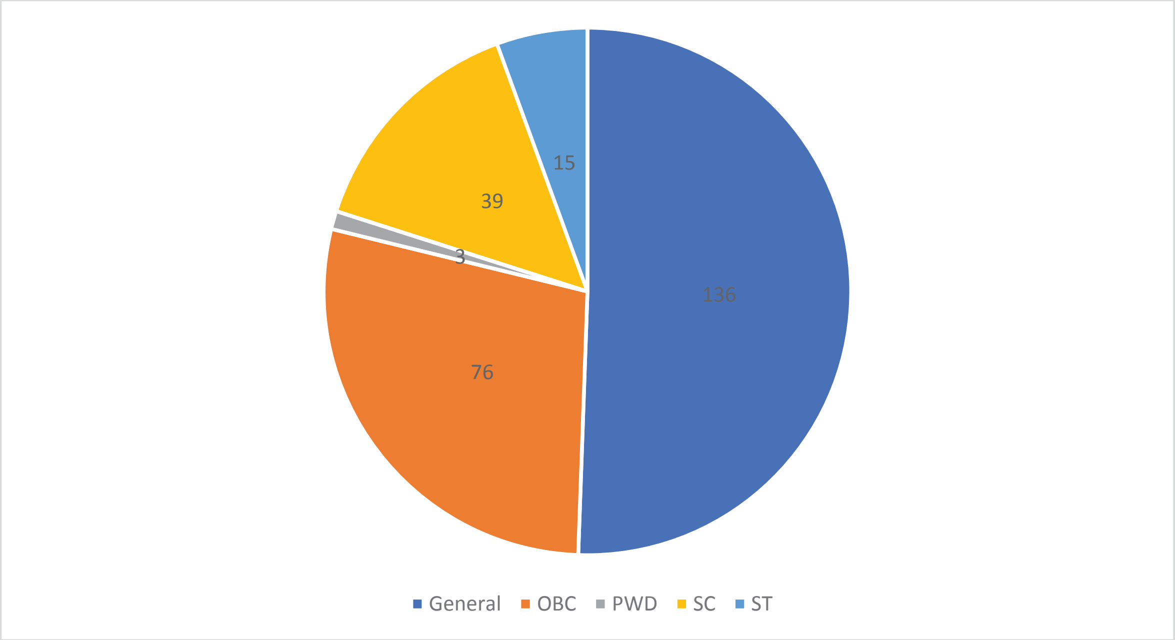

विश्वविद्यालय में संकाय सदस्यों द्वारा अनुसंधान कार्य

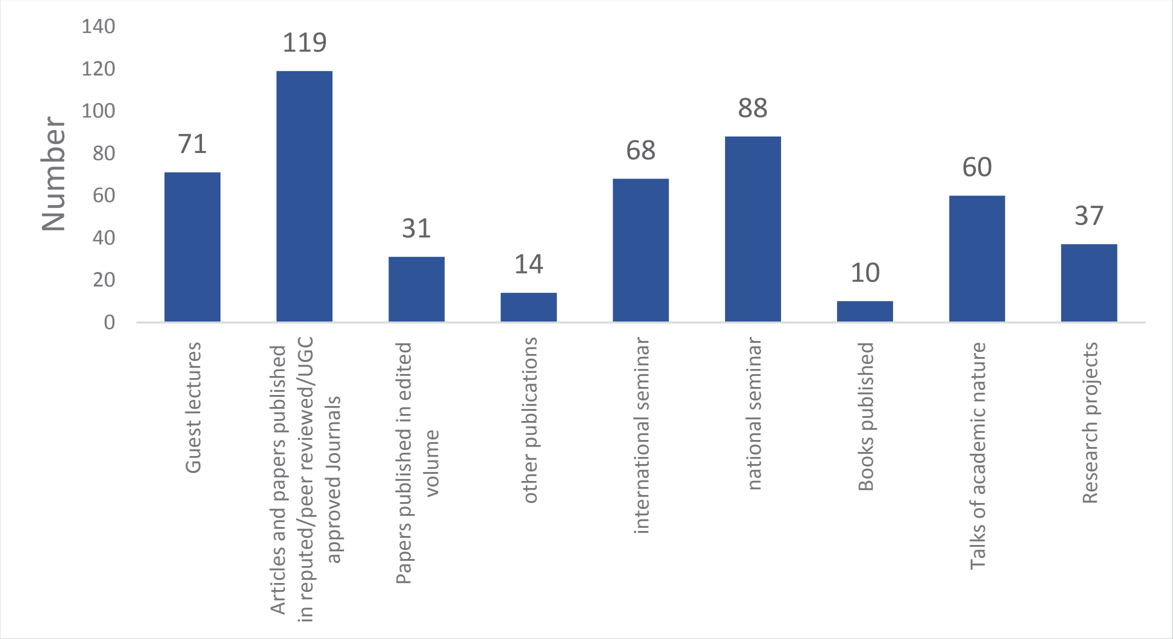

पाठ्यचर्या गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी

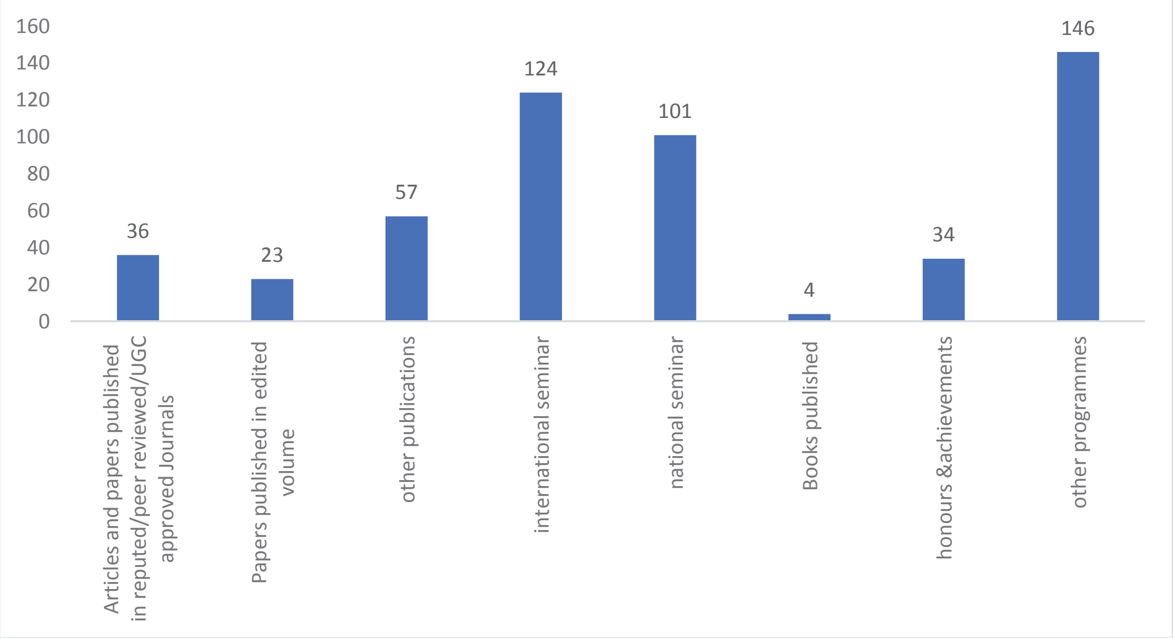

प्रमुख उपलब्धियां और गतिविधियां

विश्वविद्यालय में अकादमिक कार्यक्रम:

- "युवा विद्वानों के लिए सामरिक मुद्दे" पर एक कार्यशाला केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के सुरक्षा अध्ययन केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान और कार्नेगी एंडोमेंट ऑफ इन्टरनेशनल पीस, वासिंगटन डीसी के संयुक्त तत्वाधान में, 6-10 नवंबर, 2018 को आयोजित की गई थी।
- "युवा विद्वानों के लिए सामरिक मुद्दे" पर एक कार्यशाला केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के सुरक्षा अध्ययन केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान और कार्नेगी एंडोमेंट ऑफ इन्टरनेशनल पीस, वासिंगटन डीसी के संयुक्त तत्वाधान में, 6-10 नवंबर, 2017 को आयोजित की गई थी।
- हिन्दी अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, द्वारा दिनांक 17-18 नवंबर 2017 को "भारतीया साहित्य और हिंदी सिनेमा का अंर्तमंबंध" विषय पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठीका आयोजन किया गया था।
- दक्षिण एशिया में महिलाएं और सांप्रदायिक हिंसाः कल्पना और वास्तविकता· विषय पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनः 9-10 नवंबर 2017 को आयोजित किया गया था।
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा 25-27 अक्टूबर 2017 के दौरान ग्लोबल ओपन एक्सेस सप्ताह समारोह के साथ ओपन एक्सेस की ओर जागरूकता बढ़ाने का अभियान चलाया गया था ।
- समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा 30 अक्टूबर -31, 2017 को " रिथिंकिंग जेंडर एंड बॉडी इन टाइम्स ऑफ हेल्थ सेक्टर रीफ़ोर्म्स इन इंडिया" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित किया था।
- विज्ञान, तकनीकी और अभिनव नीतियाँ अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा "सैंटोमेट्रिक्स" विश्लेषण पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 27 मार्च से 28 मार्च 2018 के बीच किया था।
- गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा 20 दिवसीय 2017 को "सत्यग्राह सैकड़ों वर्ष चंपारण सत्याग्रह" पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित किया।
- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान द्वारा 25-27 अक्टूबर 2017 से ग्लोबल ओपन एक्सेस सप्ताह समारोह के साथ ओपन एक्सेस की ओर जागरूकता बढ़ाने का अभियान चलाया गया।
- केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा भारतीय विश्वविद्यालयों के संयुक्त प्रायोजन में 19-21 दिसंबर, 2017 को "विश्वविद्यालय प्रबंधन में सूचना प्रौद्योगिकी में उभरते रुझान" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर द्वारा 'एल्सेवियर लेखक कार्यशाला· का आयोजन 8 अगस्त, 2017 को किया गया और एलसेवियर से एक विशेष अतिथि को आमंत्रित किया गया था।

- केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात द्वारा 2 नवंबर, 2017 को केन्द्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालय ब्लॉग के माध्यम से मुफ्त ई-पुस्तकों तक पहुंच बनाने के लिए एक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया था।
- "जे ' गेट- डिस्कवरींग स्कोलर्ली जर्नल आर्टिकल्स" विषय पर एक कार्यक्रम 6 मार्च, 2018 को सेमिनार हॉल, सीयूजी सेक्टर 29 परिसर, गांधीनगर के संगोष्ठी कक्ष में आयोजित किया गया था।
- गंदीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा ¤राजपिप्ला सोशल सर्विस सोसाइटी (आरएसएसएस) की स्थापना की।
- डायस्पोरा अध्ययन केंद्र द्वारा 21-23 फरवरी, 2018 को वैश्वीकरण के युग में "अंतर्राष्ट्रीयता, संस्कृति और डायस्पोरा" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

संकाय सदस्यों की उपलब्धियां:

* कुमार नरेश, डायस्पोरा अध्ययन केंद्र, 29 अक्टूबर से 4 नवंबर तक आईयूएसएसपी ट्रवेल ग्रांट द्वारा सम्मानित। केप टाउन, दक्षिणी अफ्रीका।
* कौर इस्मीत, अँग्रेजी अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, आईआईएएस शिमला द्वारा एसियन (एएसईएएन) एसोसिएट के रूप में नामित।
* अग्रवाल, सरिता, अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, क्वीन मार्गरेट विश्वविद्यालय, एडिबर्गा द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की वैज्ञानिक परिषद की सदस्या के रूप में नियुक्त।
* त्रिपाठी, तूलिका, अर्थशास्त्र और योजना अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, यूजीसी रमन पोस्ट-डॉक्टरल छात्रवृत्ति 2016-17 द्वारा सम्मानित।

छात्रों की उपलब्धियां:

* मोहम्मद अथर, रासायनिक विज्ञान संस्थान डीएसटी-इन्सपाइर एसआरएफ़ छात्रवृत्ति द्वारा सम्मानित विज्ञान और तकनीकी डीएसटी मंत्रालय, भारत द्वारा।
* मोहम्मद अथर, रासायनिक विज्ञान संस्थान, डीएसटी-एसईआरबी ट्रवेल ग्रांट द्वारा चयनित, "अटलांटिक बेसिन कोन्फरेंस ऑन केमिस्ट्री" विषय पर प्रवक्ता के रूप में आमंत्रित, 23-26 जनवरी 2018, कंकुन, मेक्सिको।
* गोपाल अवस्थी, रासायनिक विज्ञान संस्थान, बायोमटेरियल्स एंड टिस्स्यु इंजीनियरिंग· विषय पर आयोजित सिंपोजियम में सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तुति के रूप में सम्मानित। "एडवांसेस इन मटीरियल्स एंड प्रोसेसिंगः चैलेंजेज्स एंड ओप्पट्युनिटीज़" (एएमपीसीओ 2017) 30 नवंबर से 2 दिसंबर, भारतीय

प्रौद्यौगिकी संस्थान, रुर्की, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन इंवेस्टिगेशन ऑफ केमिकल्ली फंक्शनलाइज्ड ग्राफेन ऑक्साइड टूवड्र्स बायोमेडिकल एप्लिकेशंस विषय पर पोस्टर प्रस्तुति।

* गोपाल अवस्थी, रासायनिक विज्ञान संस्थान, "एसिया ओसियानिया सोनोकेमिकल सोसायटी" द्वारा एसिया ओसियानिया सोनोकेमिकल सोसायटी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एओएसएस-3) विषय पर एसआरएम अनुसंधान संस्थान, एसआरएम विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु, भारत द्वारा 14-17 सितंबर 2017 के बीच आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "अल्ट्रासाउंड एस्सिटेड डाइरेक्ट कोवालेंट फंक्सनलाइज्ड ऑफ ग्राफेने ऑक्साइड" विषय पर सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तुति सम्मान द्वारा नामित।

* कोंथला, रवि शंकर, नैनो विज्ञान संस्थान, "इन्टरनेशनल कोन्फरेंस फ्रोंटियर्स इन नैनो बायोटेक्नोलोजी 2017 (आईसीएफ़एनबी 17)" विषय पर तमिलनाडु में 8-9 सितंबर को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिकी प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार द्वारा सम्मानित।

* लक्ष्मी, के., गांधीवादी विचारधारा और शांति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, स्टेटलेसनेस नेटवर्क एसिया पैसिफिक (एसएनएपी) फेल्लो, मलेसिया 2018-19 द्वारा सम्मानित।

* डि·सिल्वा, रसेल, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, एसियान स्नातक छात्रवृत्ति 2018, एसियान अनुसंधान संस्थान, सिंगापूर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय द्वारा (छः साप्ताहिक निवास छात्रवृत्ति) सम्मान द्वारा सम्मानित।

* अंटो, जसमी सी, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, नेशनल काउंसिल ऑफ रुरल इंस्टीट्यूट, हैदराबाद द्वारा 27 अप्रैल, 2018 को एनसीआरआई पीएच. डी. शोध छात्रवृत्ति द्वारा सम्मानित।

* बेनीवाल, रजनी, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, वर्ष 2017-18 के (सांस्कृतिक आयोजन) अर्थात (सभी सांस्कृतिक कार्यक्रमों को शामिल करते हुए) प्रमुख रचनात्मक व्यक्ति के रूप में सम्मानित।

* कुमार, गोपाल, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, एमएचआरडी, भारत सरकार और चायना छात्रवृत्ति परिषद (सीएससी), चायना सरकार द्वारा (4 वर्ष) एम. ए. के अध्ययन कार्य हेतु (विदेशी भाषा के रूप में चायनीज़ का अध्ययन) चीन में, 08 अगस्त, 2017 में सम्मानित।

* प्रियांक, प्रियतोष, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, को एमएचआरडी, भारत सरकार और चाइना छात्रवृत्ति परिषद (सीएससी), चाइना सरकार द्वारा 08 अगस्त, 2017 को एक-वर्षीय अग्रिम अध्ययन (एडवांस स्टडीज़) हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति सम्मान।

* कुमारी, रोनक, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, को एमएचआरडी, भारत सरकार और चाइना छात्रवृत्ति परिषद (सीएससी), चाइना सरकार द्वारा 08 अगस्त, 2017 को एक-वर्षीय अग्रिम अध्ययन (एडवांस स्टडीज़) हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति सम्मान।
* कुमार, आशीष, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, को एमएचआरडी, भारत सरकार और चाइना छात्रवृत्ति परिषद (सीएससी), चाइना सरकार द्वारा 08 अगस्त, 2017 को एक-वर्षीय अग्रिम अध्ययन (एडवांस स्टडीज़) हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति सम्मान।
* कुमार, राजीव, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, चाइना छात्रवृत्ति परिषद (सीएससी), चाइना सरकार द्वारा अगस्त, 2017 में, 4वर्ष हेतु, पीएच. डी. शोध पूर्ण छात्रवृत्ति सम्मान।
* मिश्रा, ज्ञानेन्दु, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, 200-सदस्यीय भारतीय युवा सम्मेलन 2017 चाइना हेतु, युवा अफेयर्स मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा सम्मानित। इन्हें 25मई 2017 को स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ और ये 7-17 जून 2017, के दौरान चाइना दौरे पर रहे।
* कुमार, राजीव, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, 200-सदस्यीय भारतीय युवा सम्मेलन 2017 चाइना हेतु, युवा अफेयर्स मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा सम्मानित। इन्हें 15 मई 2017 को स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ और ये 7-17 जून 2017, के दौरान चाइना दौरे पर रहे।
* कुमारी रोनक, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, 200-सदस्यीय भारतीय युवा सम्मेलन 2017 चाइना हेतु, युवा अफेयर्स मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा सम्मानित। इन्हें 15 मई 2017 को स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ और ये 7-17 जून 2017, के दौरान चाइना दौरे पर रहीं।
* दीप्ति, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, 200-सदस्यीय भारतीय युवा सम्मेलन 2017 चाइना हेतु, युवा अफेयर्स मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा सम्मानित। इन्हें 15 मई 2017 को स्पष्टीकरण प्राप्त हुआ और ये 7-17 जून 2017, के दौरान चाइना दौरे पर रहीं।

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि मण्डल द्वारा चीन भ्रमण

पीआरसी के बीजिंग विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालय (बीएफ़एसयू) के निमंत्रण पर केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (सीयूजी) के एक प्रतिनिधि मण्डल का जिसमें प्रोफेसर आलोक कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान से, श्रीमान प्रभात कौशिक, सहायक व्याख्याता और संचालक, चीनी भाषा अध्ययन एवं शोध केंद्र से, का चुनाव माननीय कुलपति महोदय द्वारा एवं विदेशी अध्ययन विश्वविद्यालयों के वैश्विक संगठन और बीजिंग, पीआरसी द्वारा 18 से 20 मई 2017 के बीच में आयोजित क्षेत्रीय अध्ययन एवं वैश्विक संचालन परिषद द्वारा चुनाव किया गया था।

बीएफ़एसयू के हिन्दी विभाग के व्याख्याता ली के साथ व्याख्याता गुप्ता

जीएएफ़एसयूसीयूजी के आयोजन बैठक के दौरान

मा टीएशि को *चक्र* प्रस्तुत करते हुए सीयूजी के प्रतिनिधि

बीएलसीयू में मा टीएशि के साथ सीयूजी के प्रतिनिधि

विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय प्रशासन

केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के वैधानिक निकाय

कार्यकारी परिषद:

i.	कुलपति	**प्रोफेसर एस. ए. बारी** माननीय कुलपति (अध्यक्ष, पूर्व अधिकारी)
ii.	उप-कुलपति	रिक्त
iii.	केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति या एमिनेन्स के एक सेवारत विश्वविद्यालय के प्रोफेसर, उपराष्ट्रपति की सिफारिश पर कार्यकारी परिषद द्वारा मनोनीत,	**डॉ. जी. गोपा कुमार**, कुलपति, केरल केंद्रीय विश्वविद्यालय
iv.	डीन, छात्र कल्याण	**प्रोफेसर संजय कुमार झा**, डीएसडबल्यू, सीयूजी.
v.	पाँच संस्थानों के डीन; जिसमें तीन से अधिक लोग नहीं हो सकते, ये वरिष्ठता क्रम के अनुसार, घूर्णन (रोटेसन) क्रम द्वारा निम्न समूहों में से निर्दिष्ट होंगे; समूह-I सामाजिक विज्ञान, प्रबंधन और मानविकी संकाय समूह-II विज्ञान, प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य विज्ञान संकाय	समूह-I (1) **प्रोफेसर संजय कुमार झा**, अधिष्ठाता, (एसआईएस), (शेष अवधि के लिए) (2) **प्रोफेसर इन्दिरा दत्ता**, अधिष्ठाता, (एसएसएस) समूह-II (1) **प्रोफेसर जे. पी. एन. मिश्रा**, अधिष्ठाता, (एसएलएस) (2) **प्रोफेसर टी. बागची**, अधिष्ठाता, (एसएनएस) (3) **प्रोफेसर के. मुथइया**, पूर्व-अधिष्ठाता, (एसएलआईएस)
vi.	एक प्रोफेसर, जो डीन नहीं है, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा, कुलपति द्वारा मनोनीत	**प्रोफेसर संजीव कुमार दुबे**
vii.	एक एसोसिएट प्रोफेसर, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा, कुलपति द्वारा मनोनीत	स्पष्टता की दृष्टि से स्थगित रखा गया है।
viii.	एक सहायक प्रोफेसर, वरिष्ठता के अनुसार रोटेशन द्वारा, कुलपति द्वारा मनोनीत	**डॉक्टर विनय कुमार डोंतुला**, सीजीएस, एसएलएल एंड सीएस

ix.	गठन के समय, निर्वाचित सदस्यों में से चुने गए न्यायालय के दो सदस्य, इनमें से कोई भी विश्वविद्यालय का कर्मचारी या छात्र न हो और ना ही विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त या संबद्ध किसी भी संस्थान से जुड़ा हुआ हो।	सीयूजी का दूसरा न्यायालय संविधान के अधीन है।
x.	अलग-अलग अकादमिक जगत के चार व्यक्ति, अतिथि (विजिटर्स) सदस्यों द्वारा मनोनीत	(1) **डॉक्टर सी. एन. पटेल**, अधिष्ठाता, औषधि (फार्मसी) संकाय, गुजरात तकनीकी विश्वविद्यालय, अहमदाबाद। (2) **डॉक्टर शेखर चन्दात्रे**, प्रहलाद्रि डालमिया लायन्स कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मलाड, मुंबई। (3) **प्रोफेसर अतुल जौहरी**, जीव विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली। (4) **डॉक्टर पंकज अरोडा**, शिक्षा संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।
xi.	विभिन्न श्रेणियों के एक-एक सदस्य, अर्थात् अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिलाएं और शारीरिक रूप से अक्षम श्रेणी से, जो विश्वविद्यालय या अन्य केंद्रीय / राज्य विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के सदस्यों के रूप में कुलपति द्वारा मनोनीत।	(1) **प्रोफेसर बी. ए. चोपड़े**, कुलपति, डॉक्टर बाबा साहेब अंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद। (2) **प्रोफेसर टी. वी. कट्टीमनी**, कुलपति, इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य-प्रदेश। (3) **प्रोफेसर वाई. नरसिंहुलु**, निदेशक, यूजीसी- एचआरडीसी, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद।

		(4) **प्रोफेसर ए. एम. पठान**, पूर्व कुलपति, के. यू. धारवाड़; एमएएनएनयू, हैदराबाद और सीयूके गुलबर्गा। (5) **प्रोफेसर अमिता सिंह**, सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ लॉ एंड गवर्नेंस, जेएनयू,नई दिल्ली। (6) **प्रोफेसर एम. के. श्रीधर**, सीबीएसएम, बंगलौर विश्वविद्यालय, बंगलौर।
xii.	कुलसचिव	**प्रोफेसर आलोक कुमार गुप्ता**, (एसएसीएचआईडबल्यू, एक्स ओफसीओ)

अकादमिक परिषद:

I.	कुलपति	**प्रोफेसर एस. ए. बारी** माननीय कुलपति (अध्यक्ष, पूर्व अधिकारी)
II.	उप-कुलपति	रिक्त
III.	केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति या विश्वविद्यालय के एमिनेन्स में सेवारत प्रोफेसर, कुलपति की सिफारिश पर कार्यकारी परिषद द्वारा मनोनीत,	**प्रोफेसर संतोष पंडा**, प्रोफेसर, दूरस्थ शिक्षा, स्टाफ प्रशिक्षण और अनुसंधान संस्थान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली
IV.	अध्ययन संस्थानों के अधिष्ठाता (डीन)	1. **प्रोफेसर मान सिंह**, अधिष्ठाता, रासायनिक विज्ञान संस्थान 2. **प्रोफेसर एम. एच. फुलेकर**, अधिष्ठाता, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान 3. **प्रोफेसर इन्दिरा दत्ता**, अधिष्ठाता सामाजिक विज्ञान संस्थान 4. **प्रोफेसर जे. पी. एन. मिश्रा**, अधिष्ठाता, जीव विज्ञान संस्थान 5. **प्रोफेसर टी. बागची**, अधिष्ठाता, नैनो विज्ञान संस्थान 6. **प्रोफेसर संजय कुमार झा**, अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान 7. **प्रोफेसर एच. बी. पटेल**, अधिष्ठाता, एसओसी 8. **प्रोफेसर के. मुतैय्या**, अधिष्ठाता, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान (भरा जाए)
V.	अध्ययन केन्द्रों के अध्यक्ष	1. **प्रोफेसर आलोक कुमार गुप्ता**, सीएचएलएल 2. **प्रोफेसर बालाजी रंगनाथन**, सीसीएल और टीएस 3. **प्रोफेसर अतनु भटाचार्य**, सीईएस 4. **प्रोफेसर सरिता अग्रवाल**, सीएसआरईपी

		5. **डॉक्टर अतानु मोहपात्रा**, सीएसआरडी 6. **डॉक्टर प्रकाश सी. झा**, सीएसआरएसी 7. **प्रोफेसर मनीष**, सीआईपी और जी 8. **डॉक्टर अरुण विश्वनाथन**, सीएसएस 9. **प्रोफेसर एच. बी. पटेल**, एसओसी
VI.	छः व्याख्याता, रोटेशन क्रम द्वारा, विभिन्न अध्ययन संस्थानों के प्रतिनिधि, वरिष्ठता क्रमानुसार, कुलपति द्वारा मनोनीत	1. **प्रोफेसर बालाजी रंगनाथन**, सीसीएल और टीएस 2. **प्रोफेसर अतानु भट्टाचार्या**, सीईएस 3. **प्रोफेसर संजीव कुमार दुबे**, सीएचएल और एल 4. **प्रोफेसर सरिता अग्रवाल**, सीएसईपी 5. **प्रोफेसर मनीष**, सीआईपी और जी
VII.	छः एसोसिएट व्याख्याता, रोटेशन क्रम द्वारा, विभिन्न अध्ययन संस्थानों के प्रतिनिधि, वरिष्ठता क्रमानुसार, कुलपति द्वारा मनोनीत	1. **डॉक्टर जय प्रकाश प्रधान** (पूछताछ कार्यवाही लंबित होने की दृष्टि से अस्थगित रखा गया है) 2. **डॉक्टर प्रकाश सी. झा**, सीएसआरएसी 3. **डॉक्टर भावना पाठक**, एसईएसडी 4. **डॉक्टर दिनेश कुमार**, सीएससीएस 5. **डॉक्टर अतानु महोपात्रा**, सीएसआरडी 6. **डॉक्टर इंद्राणी बैनर्जी**, एसएनएस
VIII.	छः सहायक व्याख्याता, रोटेशन क्रम द्वारा, विभिन्न अध्ययन संस्थानों के प्रतिनिधि, वरिष्ठता क्रमानुसार, कुलपति द्वारा मनोनीत	1. **श्री प्रभात कुमार**, सीसीएस 2. **डॉक्टर एल. राजू चौहान**, सीएसआरएसी 3. **डॉक्टर किशोर जोश**, सीएसएस 4. **डॉक्टर पार्वती के अइय्यर**, सीएसटी एंड आईपी 5. **डॉक्टर पौलामी साहू**, एसईएसडी 6. **डॉक्टर राजेश वसीता**, एसएलएस
IX.	छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीन)	**प्रोफेसर संजय कुमार झा**
X.	पुस्तकलायाध्यक्ष	**डॉक्टर के. बी. अगाडी** (आई/सी)
XI.	एक कुलानुशासक (प्रोक्टर) श्रेष्ठता रोटेशन क्रम के अनुसार	**डॉक्टर इंद्राणी बैनर्जी**

XII.	प्रोवोस्ट	**प्रोफेसर अतानु भट्टाचार्या**
XIII.	वार्डेन	**डॉक्टर किशोर जोश**
XIV.	चार ऐसे व्यक्ति जो विश्वविद्यालय की सेवा में नियुक्त नहीं हैं, इनका चयन अकादमिक परिषद द्वारा विशेष ज्ञान के लिए किया गया होता है।	1. **प्रोफेसर उत्तम भोइते** 2. **प्रोफेसर शशि बाला सिंह** 3. **प्रोफेसर एम. मुनीयम्मा** 4. **डॉक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी**
XV.	गठन के समय, निर्वाचित सदस्यों में से चुने गए न्यायालय के दो सदस्य, इनमें से कोई भी विश्वविद्यालय का कर्मचारी या छात्र न हो और ना ही विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त या संबद्ध किसी भी संस्थान से जुड़ा हुआ हो।	
XVI.	दो छात्र प्रतिनिधि, मेरिट के आधार पर कुलपति द्वारा मनोनीत, विश्वविद्यालय की छात्र परिषद में से, रोटेशन के आधार पर। इन सदस्यों को अकादमिक परिषद में उपस्थित होने की अनुमति6 नहीं होगी जब निम्न विषयों पर मीटिंग संचालित होगी तोः (a) संकाय पद, नियुक्ति, अकादमिक सेवा एवं स्वतन्त्रता की शर्तें निर्धारित करते समय। (b) छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन और मेरिट संबंधी वास्तविक प्रक्रिया के संचालन के समय।	1. **मिस्टर तरुण कुमार अहिरवार**, एसईएसडी 2. **मिस्टर अनुराग चौबे**, एसएलएल एंड सीएस
XVII.	निम्नलिखित प्रतिनिधिः • एक अनुसूचित जाति से • एक अनुसूचित जनजाति से • एक अन्य पिछड़ा वर्ग से • एक अल्पसंख्यक समुदाय से • एक महिला वर्ग से;और • एक शारीरिक रूप से अक्षम वर्ग से	1. **प्रोफेसर आर. जी. सौन्कावाड़े**, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर 2. **प्रोफेसर सी. एन. कृष्ण नाईक**, श्री कृष्णदेवराय विश्वविद्यालय 3. **प्रोफेसर पी. एन. गज्जर**, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद 4. **प्रोफेसर अली रजा मूसवी**, उप-कुलपति, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हैदराबाद

	कुलपति द्वारा विश्वविद्यालय के अध्यापक सदस्यों में से अथवा अन्य केन्द्रीय/राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों में से मनोनीत किया जाएगा।	5. **प्रोफेसर मालबिका देव**, पॉण्डिचेरी विश्वविद्यालय, पॉण्डिचेरी 6. **प्रोफेसर एच. सी. सरदार**, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद
XVIII.	कुलसचिव - सचिव	**प्रोफेसर आलोक कुमार गुप्ता** (एक्स-ओफिसीओ सचिव)

वित्त समिति:

17(1)(i)	कुलपति	**प्रोफेसर एस. ए. बारी, कुलपति** (अध्यक्ष-एक्स-ओफिसीओ)
17(1) (ii)	उप-कुलपति	रिक्त
17(1) (iii)	न्यायालय द्वारा मनोनीत एक व्यक्ति।	**श्री दिनेश सी. पटेल** (शेष अवधि हेतु) तीसरा तल, संकेत-II, नियर गिफ्ट, लंबवेल रोड, आनंद-388001, गुजरात.
17(1) (iv)	कार्यकारी परिषद द्वारा तीन व्यक्ति मनोनीत किए जाएंगे, जिनमें से कम से कम एक व्यक्ति कार्यकारी परिषद का सदस्य होगा।	1. **प्रोफेसर छगनभाई एन. पटेल,** 2. अधिष्ठाता और व्याख्याता, फार्मास्यूटिकल कैमिस्ट्री विभाग, श्री सर्वजनिक फार्मेसी कॉलेज, महेसाणा, गुजरात-384001। 3. **डॉक्टर शेखर चंद्रात्रे,** 4. ए/402, दिव्या दीप सीएचएस, नियर. प्रणय नगर, वजीरा नाका, बोरिवली वेस्ट, मुंबई-400092 5. **प्रोफेसर किरण कालिया,** 6. निदेशक, एनआईपीईआर, पलाज, गांधीनगर, गुजरात-382355
17(1) (v)	तीन व्यक्ति अतिथियों (विजिटर्स) द्वारा मनोनीत किए जाते हैं।	1. **जेजेएस एंड एफ़ए,** एमएचआरडी, नई दिल्ली 2. संयुक्त सचिव (सीयू एंड एल), एमएचआरडी, नई दिल्ली 3. संयुक्त सचिव, यूजीसी, नई दिल्ली
	वित्त अधिकारी	**प्रोफेसर संजय कुमार झा** (एक्स- ओफोसिओ सचिव)

अकादमिक, प्राधिकरण और समन्वय विभाग

विभाग का संक्षिप्त विवरण:

अकादमिक, प्राधिकरण और समन्वय विभाग विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई और लागू की गई अकादमिक नीतियों के अनुरूप काम करता है। ये नीतियाँ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों और सन् 2009 विश्वविद्यालय अधिनियम द्वारा दिए गए जनादेश का पालन करता है। यह विश्वविद्यालय अपने यहाँ की नीतियों को बनाने, सुधार करने, अध्यादेशों और कानूनों के निर्माण, संशोधन, अधिसूचना और आवेदनों, शिक्षाविदों, विभिन्न अधिकारियों और इसी तरह से संबंधित मौलिक मामलों के लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार रहता है। एक ब्यूरो के रूप में यह विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद, कार्यकारी परिषद और न्यायालय जैसे बैठकों की, अधिकारियों से संबंधित सभी कार्यों को समन्वयित करने हेतु, विभाग के एजेंडा मामलों की तैयारी, रिकॉर्डिंग संकल्प और संकल्प के प्रस्तावों पर कार्रवाई की करने हेतु तैयारी करता है।

यह विभाग विभिन्न वैधानिक निकायों, पेशेवर परिषदों और भारत सरकार के साथ एक मध्यस्थ के रूप में भी कार्य करता है। यह विभाग समय-समय पर अनुमोदन प्राप्त करने और उन्हें रिपोर्ट रूप में भेजने के मामलों की देख रेख करता है। प्रोफेसर आलोक गुप्ता, कुलसचिव (ओएफ़एफ़जी) के द्वारा संचालित होता है। विभाग का प्रबंधन हेमांग देसाई (उप-सचिव) द्वारा किया जाता है। श्री मुकेश परमार, सहायक सचिव हैं, श्री तरुण सोनी, अनुभाग अधिकारी और एक अवर श्रेणी लिपिक (लोवर डिवीजन क्लर्क) हैं।

शासन प्रणाली:

अकादमिक, प्राधिकरण और समन्वय विभाग की प्रशासनिक संरचना निम्नानुसार हैः -

कुलसचिव

↑

उप-कुलसचिव

↑

सहायक कुल-सचिव और अनुभाग अधिकारी

↑

अवर श्रेणी लिपिक

अकादमिक, प्राधिकरण और समन्वय विभाग के कार्य

- यूजीसी और एमएचआरडी निर्देशों के अनुसार अकादमिक नीतियों का निर्माण और कार्यान्वयन

- प्रारूप निर्माण, संशोधन, अधिसूचना और विश्वविद्यालय के नियमों और विधियों संबंधी आवेदन तैयार करना
- एजेंडा वस्तुओं की तैयारी, संकल्प रिकॉर्डिंग और विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा बैठकों के प्रस्तावों पर की गई कार्रवाई की सूचना तैयार करना
- विभिन्न सांविधिक निकायों, पेशेवर परिषदों और भारत सरकार के साथ अन्य मामलों की मंजूरी मांगने के लिए समन्वय बनाना।
- सार्वजनिक शिकायतों, राजभाषा सेल, स्वास्थ्य केंद्र और परियोजना कक्ष से संबंधित प्रशासनिक मामलों पर कार्य करना

अकादमिक, प्राधिकरण और समन्वय विभाग की महत्त्वपूर्ण गतिविधियां

- विश्वविद्यालय के एम. फिल. / पीएच.डी. छात्रों के यूजीसी नॉन-नेट छात्रवृत्ति के कार्यान्वयन हेतु विस्तृत एवं स्पष्ट दिशा निर्देशों को तैयार करने का काम करना।
- यूजीसी और एमएचआरडी के साथ विश्वविद्यालय द्वारा हस्ताक्षर किए गए त्रिकोणीय संगठनात्मक ज्ञापन (एमओयू) को अंतिम रूप देने का काम करना।
- बाहरी वित्त पोषित प्रमुख अनुसंधान परियोजना और विश्वविद्यालय के नव-नियुक्त शिक्षकों को स्टार्ट-अप रिसर्च अनुदान दिलाने के लिए एसओपी को परिभाषित करने वाले संपूर्ण दिशानिर्देशों का निर्माण करना और कार्यान्वयन करना।
- अकादमिक संबंधी मामलों में विशेष रूप से अनुसंधान की डिग्री दिये जाने के मामले में यूजीसी के नियमों और भारत सरकार के नियमों के अनुरूप विश्वविद्यालय के अध्ययदेशों को तैयार करना और इनका संशोधन करना।
- विश्वविद्यालय को महत्वपूर्ण स्थान दिलाने, विश्वविद्यालय संविधान में 10वां स्थान दिलाने और विश्वविद्यालय के स्कूलों और केंद्रों के संविधान में 40वां स्थान दिलाने का काम करना। यह स्थान माननीय आगंतुक (विजिटर) द्वारा अनुमोदित किया गया है।
- एमएचआरडी और यूजीसी के निर्देशों के अनुसार परियोजना मामलों में जरूरी बुनियादी ढांचे के विकास के लिए, एडसिल के सहयोग से विश्वविद्यालय के संशोधित लागत अनुमान (आरसीई) को अंतिम रूप देना और जमा करने का काम करना।

प्रवेश और मूल्यांकन

गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूजी) की स्थापना वर्ष 2009 में संसद के एक अधिनियम द्वारा पूरे गुजरात राज्य में क्षेत्राधिकार स्थापित करने की दृष्टि से की गई थी। यह विश्वविद्यालय पूरे गुजरात राज्य के स्तर पर और पूरे देश के स्तर पर मानवीय सेवाओं हेतु युवाओं को और अकादमिक शिक्षकों को, बौद्धिकों को और पेशेवरों को तैयार करने का अर्थात बनाने का काम करता है। यह विश्वविद्यालय सितंबर 2016 में नाक (एनएएसी) समिति के परीक्षण द्वारा बी ++ रेटिंग से सम्मानित किया गया।

विश्वविद्यालय के प्रवेश और मूल्यांकन विभाग का संचालन परीक्षा नियंत्रक द्वारा किया जाता है। यह विभाग दो हिस्सों में है, अर्थात् एक हिस्सा प्रवेश का और दूसरा हिस्सा मूल्यांकन का है। यह विभाग विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए एक प्रवेश द्वार के रूप में काम करता है। छात्र के प्रवेश लेने से लेकर अपने संबन्धित विषय में अपनी पढ़ाई पूरी करने और विश्वविद्यालय को छोड़कर जाने तक की सारी प्रक्रिया हेतु एक प्रवेश द्वार की भूमिका अदा करता है। विभागों के क्रियाकलाप छात्रों के अकादमिक जीवन और उनके कॅरियर के विकास हेतु हितोन्मुख अर्थात हित आधारित हैं। यह विभाग पूरे देश के स्तर पर विभिन्न केंद्रों में प्रवेश लेने हेतु कंप्यूटर (अखिल भारतीय स्तर पर) आधारित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है।

2017-18 की प्रवेश प्रक्रिया एक दृष्टि में:

यूजीसी ने यह निर्देश दिया है की सन् 2016 से 2017 के बाद सभी विश्वविद्यालयों में ऑनलाइन परीक्षाएँ संचालित की जाएंगी। केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात ने पहले से ही अर्थात सन् 2015-16 में ही ऑनलाइन परीक्षाएँ करानी शुरू कर दी थी। पिछले तीन सालों से, यह विश्वविद्यालय सफलता पूर्वक राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश परीक्षाएँ पूर्णतः ऑनलाइन पद्धति पर संचालित करवा रहा है।

प्रवेश परीक्षा की समय सीमा आमतौर पर सभी प्रमुख समाचार पत्रों में एक अधिसूचना के रूप में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होने की घोषणा किए जाने के बाद प्रकाशित की जाती है। अकादमिक वर्ष 2017-18 के दौरान, अखिल भारतीय स्तर पर कंप्यूटर आधारित ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा पूरे देश भर के विभिन्न केंद्रों पर अर्थात 26 केन्द्रों के रूप में 09 जून 2017 को आयोजित की गई थी। इनमें कुल 2517 आवेदक थे । जिनमें से 1568 (62.30%) आवेदक प्रवेश परीक्षा में उपस्थित हुए थे और कुछ 949 (37.70%) आवेदक अनुपस्थित थे। विभिन्न अध्ययन केंद्रों के हिसाब से प्रवेश परीक्षा में उपस्थित 1568 उम्मीदवारों के नतीजों की घोषणा के लिए एक योग्यता सूची तैयार की गई थी। हालांकि, अकादमिक वर्ष 2017-18 के दौरान विश्वविद्यालय में 506 रिक्तियों के स्थान पर 269 नए छात्रों ने प्रवेश लिया था। 2017-18 में प्रवेश लेने वाले छात्रों की सबसे अधिक संख्या गुजरात (95) राज्य से थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश (32) से, पश्चिम बंगाल (16) से, राजस्थान (17) से, बिहार (24) से, ओडिशा (07) से, मध्य प्रदेश (09) से दिल्ली (07), हरियाणा (07) और असम से (14) थी।

शैक्षणिक वर्ष 2017-18 के लिए प्रवेश परीक्षा की निर्धारित समय रेखा:

क्रम संख्या	महत्त्वपूर्ण तिथियाँ	तिथियाँ
1.	विज्ञापन की तिथि (राष्ट्रीय समाचार पत्रों में और विश्वविद्यालय की वेब साइट पर उपलब्ध करने जाने की तिथि)	27 मई, 2017
2.	वेब साइट पर ऑनलाइन आवेदन पत्र उपलब्ध कराए जाने की तिथि	29 मई, 2017
3.	ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि	19 जून, 2017
4.	प्रवेश परीक्षा की तिथि (केवल ऑनलाइन माध्यम द्वारा)	09 जुलाई, 2017
5.	परिणाम उद्घोषणा की तिथि	12 जुलाई, 2017
6.	मानसून सत्र शुरू किए जाने की तिथि	22 जुलाई, 2017

वर्ष 2017-18 में नामांकित छात्रों की कुल संख्या:

(i) विश्वविद्यालय में छात्रों की कुल संख्या (31.03.2018 तक): 740

(ii) इस वर्ष के दौरान नए छात्रों के प्रवेश लेने की कुल संख्या: 269

प्रदान की गई कुल उपाधियाँ (डिग्रीयां):

अकादमिक वर्ष 2017-18 के दौरान, निम्नलिखित उपाधियाँ प्रदान की गई हैं:

क्रम संख्या	प्रदान की गई उपाधियों का प्रकार	प्रदान की गई उपाधियों की संख्या
1.	मास्टर डिग्री	72
2.	एम फ़िल डिग्री	39
3.	पीएच. डी. डिग्री	37

विभागों की प्रमुख विशेषताएँ:

- अकादमिक वर्ष 2017-18 के दौरान पूर्ण सफलता के साथ ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा विविध अकादमिक कार्यक्रमों में संचालित की गई।
- नए छात्रों को ऑनलाइन नामांकन कराने की सुविधाएं प्रदान की गई थी।
- एनएडी (NAD) की स्थापना और कार्यान्वयन।
- परिणामों की समानुसार घोषणा और अंकों/ग्रेड शीट आदि का समानुसार वितरण।

विभागों की भावी योजनाएँ:

विभाग ने मानसून सत्र से छात्र सूचना और परीक्षा प्रक्रिया प्रबंधन प्रणाली को अपनाने का प्रस्ताव रखा है।

वित्त विभाग

विभाग का परिचय:

वित्त और लेखा विभाग केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम के तहत, प्रासंगिक अध्यादेशों और कार्यकारी परिषद के दिशा निर्देश के अनुसार कार्य करता है। इस विभाग के दिन-प्रति-दिन के कार्य वित्त अधिकारी के निर्देशन के अनुसार कुलपति के निरीक्षण में किया जाता है।

यह विभाग विश्वविद्यालय के निधि (फ़ंड्स) का सामान्य पर्यवेक्षण का काम विस्तार से करता है। भारत सरकार के प्रासंगिक नियमों के ढांचे के भीतर रहते हुए विश्वविद्यालय की वित्तीय नीति के संबंध में कुलपति और कार्यकारी परिषद को सलाह देता है। साथ ही, यह विभाग सक्षम प्राधिकारी द्वारा सौपे गए अन्य दूसरे वित्तीय कार्य भी संचालित करता है। विभाग के मुख्य कार्य के अंतर्गत वित्त समिति और कार्यकारी परिषद की निगरानी में वार्षिक बजट की तैयारी करना, आंतरिक नियंत्रण बनाए रखना, आंतरिक लेखापरीक्षा और भुगतान की प्रक्रिया आदि संबंधी काम शामिल हैं।

कार्यकारी परिषद के दिशा निर्देश में विश्वविद्यालय का वार्षिक लेखा (ऐन्यूअल अकाउंट) और तुलन पत्र (बैलेंस शीट) आदि हर साल इस विभाग द्वारा तैयार किया जाता है। विश्वविद्यालय का वार्षिक लेखा हर साल सी और एजी (कैग) भारत सरकार, द्वारा जांच किया जाता है। लेखा परीक्षित वार्षिक खाते न्यायालय, वित्त समिति, कार्यकारी परिषद के सामने भेजे जाते हैं, और एमएचआरडी को आगे जमा करने से पहले संसद के समक्ष प्रस्तुत किए जाते हैं

वित्त और खाता (अकाउंट) विभाग प्रोफेसर संजय कुमार झा की अध्यक्षता में संचालित होता है। वित्त अधिकारी का सहयोग, डॉक्टर सौरभ शर्मा द्वारा किया जाता है। डीडीओ श्री डी वी राव हैं आईएओ (आस्थाई रूप में) श्री शमशेर के लिए गठित किया गया है। सिंह (अनुभाग अधिकारी) और कर्मचारी सहयोगी अधिकारी हैं। इस विभाग को तीन अलग अलग कार्यों को करने हेतु गठित किया गया है। अर्थात् वित्त और बजट, लेखा परीक्षा और लेखा और भुगतान अनुभाग। इस विभाग में निर्वहन हेतु कुल 11 अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

प्रमुख विशेषताएँ:

- पीएफएमएस पोर्टल के ईएटी मॉड्यूल को सफलतापूर्वक कार्यान्वित करने वाले विश्वविद्यालयों में से यह विश्वविद्यालय पहला है।
- इस विश्वविद्यालय ने छात्रवृत्ति से संबंधित सभी तरह के कार्यों के संचालन के लिए वित्त अधिकारी के नियंत्रण में एक अलग फैलोशिप सेल बनाया है।

- इस विश्वविद्यालय ने वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान 100 प्रतिशत नकदी रहित लेन-देन के लिए एमएचआरडी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को हासिल किया है।
- विश्वविद्यालय के लेखा प्रणाली और वित्तीय प्रबंधन को व्यवस्थित करने के प्रयासों की सराहना एफसी और ईसी दोनों ने की है।

विश्वविद्यालय की प्रकोष्ठ और समितियां

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

क्रम संख्या	बनावट	
1.	अध्यक्ष	प्रोफेसर एस. ए. बारी, कुलपति, सीयूजी
2.	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी	(ए) कुलसचिव (बी) वित्त अधिकारी (सी) परीक्षा नियंत्रक
3.	विश्वविद्यालय के अध्यापक	(ए) प्रोफेसर एम. एच. फुलेकर, डीन, एसईएसडी (बी) प्रोफेसर मान सिंह, डीन, एससीएस (सी) प्रोफेसर संजय कुमार झा, डीन, छात्र कल्याण (डी) डॉ. इंद्रानी बनर्जी, सहयोगी प्रोफेसर, एसएनएस (ई) डॉ. भवना पाठक, एसोसिएट प्रोफेसर एसईएसडी (एफ) डॉ. जगन्नाथम बेगारी, सहायक प्रोफेसर, एसएसएस (जी) डॉ. पालामी साहू, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी (एच) डॉ. मानसी सिंह, सहायक प्रोफेसर, एसआईएस
4.	कार्यकारी परिषद के एक सदस्य	प्रो. सी. एन. पटेल, डीन, फार्मेसी संकाय, गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद।
5.	स्थानीय क्षेत्र, छात्र और पूर्व छात्रों में से एक नामांकित व्यक्ति,	मिस्टर गौतम एम. जैन, अध्यक्ष, राजस्थान अस्पताल एलटीडी, अहमदाबाद
6.	कर्मचारी / उद्योगपति / हितधारकों से एक नामांकित व्यक्ति	श्री धर्मेंद्र जोशी, महासचिव, गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, अहमदाबाद।

7.	आईक्यूएसी के निदेशक के रूप में वरिष्ठ शिक्षकों में से एक व्यक्ति	प्रोफेसर जे. पी. एन. मिश्रा, निदेशक, डीन, एसएलएस, सीयूजी

केन्द्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा (सीआईएफ) की निगरानी, रखरखाव और समीक्षा के लिए विशेषज्ञों की समिति अन्य प्रयोगशालाओं में उपकरण:

1. प्रोफेसर एम. एच, फुलेकर, डीन, एसईएसडी -अध्यक्ष
2. प्रोफेसर मान सिंह, डीन, एससीएस -सदस्य
3. प्रोफेसर जे.पी.एन. मिश्रा, डीन, एसएलएस -सदस्य
4. प्रोफेसर टी. बागची, डीन, एसएनएस -सदस्य
5. डॉ. भावना पाठक, एसईएसडी -सदस्य
6. डॉ. हिरण्यमय यादव, एसईएसडी -सदस्य
7. डॉ. दिनेश कुमार, एससीएस -सदस्य
8. डॉ. लेनिन दंडमुडी, एससीएस -सदस्य
9. डॉ. उमेश सी. यादव, एससीएस -सदस्य
10. डॉ. राजेश वसीता, एसएलएस -सदस्य
11. डॉ. इंद्रानी बनर्जी, एसएनएस -सदस्य
12. डॉ. चारू लता दुबे, एसएनएस -सदस्य
13. डॉ. प्रकाश झा, एसएएस -सदस्य
14. डॉ. एल. राजू चौहान, एसएएस -सदस्य

प्रवेश संबंधित मामलों की शिकायत समिति:

(1) प्रोफेसर एम. एच .फुलेकर, संपर्क अधिकारी एससी / एसटी।
(2) प्रोफेसर मान सिंह, संपर्क अधिकारी, ओबीसी।
(3) प्रोफेसर आलोक कुमार गुप्ता, डीन, एसएलएल और सीएस।
(4) प्रोफेसर संजय के झा, डीएसडब्ल्यू।
(5) प्रोफेसर अतानु भट्टाचार्य, प्रोवोस्ट।
(6) प्रोफेसर संजीव कुमार दुबे, सीओई।
(7) प्रोफेसर सरिता अग्रवाल, प्रोफेसर, सीएसआरईपी।

अग्रिम (एडवांश) अध्ययन और अनुसंधान समिति (सीएएसआर), जीव विज्ञान संस्थान:

1.	प्रो. जे. पी. एन. मिश्रा, अधिष्ठाता, एसएलएस	
2.	प्रो. टी. बागची, अधिष्ठाता, एसएनएस	सहयोजित

3.	डॉ. प्रकाश सी. झा, एसोसिएट प्रोफेसर, एसएएमएस	सहयोजित
4.	डॉ. राजेश वसिटा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएलएस	
5.	डॉ. सुनीता पटेल, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएलएस	

गुजराती भाषा और साहित्य (ऍड-हॉक) के लिए अध्ययन परिषद समिति, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान:

क्रम संख्या.	विश्वविद्यालय का नाम	
1.	प्रो. आलोक गुप्ता, अधिष्ठाता, एसएलएलव सीएस, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2.	प्रो. सतीश व्यास, सेवानिर्वित्त प्रोफेसर, गुजराती विभाग, गुजरात विश्वविद्यालय	सदस्य
3.	प्रो. उषा उपाध्याय, प्रोफेसर, गुजराती विद्यापीठ, अहमदाबाद	सदस्य
4.	प्रो. कांतिलाल के. मलस्तर, एसोसिएट प्रोफेसर, गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद	सदस्य
5.	प्रो. अतानु भट्टाचार्य, प्रोफेसर, अंग्रेजी अध्ययन विभाग, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
6.	प्रो. बालाजी रंगनाथन, प्रोफेसर, तुलनात्मक साहित्य एवं अनुवाद अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य

वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17 की तैयारी हेतु समिति:

1.	प्रो. संजय कुमार झा, अधिष्ठाता, एसआईएस	संयोजक
2.	प्रो. सरिता अग्रवाल, प्रोफेसर, सीएसईपी, एसएसएस	सदस्य
3.	डॉ. मानसी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएसएसआर, एसआईएस	सदस्य
4.	डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएचएलएल, एसएलएल व सीएस	सदस्य
5.	डॉ. इंद्राणी बनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, एसएनएस	सदस्य
6.	डॉ. भक्ति गाला, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएल व आई एससी	सदस्य

7.	मिस जसप्रीत कौर लायल, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीजीएस, एसएलएल व सीएस	सदस्य

एमएलडीआई-टीओएफ और एफपीएलसी से संबन्धित समिति:

(1) डॉ उमेश सी एस यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एसएलएस
(2) डॉ. राजेश वसीता, सहायक प्रोफेसर, एसएलएस
(3) डॉ. सुनीता पटेल, सहायक प्रोफेसर, एसएलएस

यह समिति अधिकृत है:

(1) एमएएलडीआई टीओएफ और एफपीएलसी की क्रमानुसार, इंडेंट, खरीद, स्थापना, संचालन, उपयोग और मरम्मत के समय व्यापक मूल्यांकन आदि जैसे कार्य करने के लिए।
(2) मशीन की आपूर्ति कंपनियों के साथ समझौता करने, और भारत के प्राधिकृत एजेन्टों के साथ मशीनों को कार्यात्मक बनाने की संभावनाओं का पता लगाने के लिए।
(3) मरम्मत की अनुमानित लागत और बाद में एएमसी का काम करने के लिए ताकि बाद में इन मशीनों का उपयोग किया जा सके जिससे निर्धरित उद्देश्यों को हासिल किया जा सके।

नोडल अधिकारी, सीआईएफ टीम को मशीनों तक पहुंच प्रदान करेगा। इसके अलावा, नोडल अधिकारी, सीआईएफ और डीन, जीव विज्ञान संस्थान के संकाय सदयों को जो पहले से मशीनों की खरीद और प्रबंधन में शामिल थे, इनकी टीम को सभी उपलब्ध जानकारी / दस्तावेज प्रदान करेगा ताकि आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रशासनिक विभाग एक उद्देश्यात्मक मूल्यांकन को प्राप्त करने की दिशा में सक्षम बन सके।

सीआईएफ के उपकरण / मशीनरी से संबन्धित समिति:

(1) डॉ. दिनेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर एससीएस
(2) डॉ. राजेश वसीता, सहायक प्रोफेसर, एसएलएस
(3) ०डॉ. राजेश सिंह, सहायक प्रोफेसर, एसईएसडी
(4) डॉ. चारू लता दुबे, सहायक प्रोफेसर, एसएनएस

स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन संबंधी संचालन समिति:

(1) प्रोफेसर टी. बागची	अध्यक्ष
(2) प्रोफेसर अतानु भट्टाचार्य	सदस्य
(3) डॉ. अतानु मोहापात्रा	सदस्य
(4) डॉ. जाकिया फिरदौस	सदस्य
(5) डॉ. लिट्टी डेनिस	सदस्य

(6) डॉ. भावना पाठक — सदस्य

(7) मुकेश परमार — सदस्य

सीयूजी के नॉन-नेट छात्रवृत्ति संबंधी समिति:

1. प्रोफेसर मान सिंह, डीन, केमिकल साइंसेज स्कूल — 'अध्यक्ष
2. प्रोफेसर आलोक कुमार गुप्ता, डीन, एसएलएल और सीएस — 'सदस्य
3. प्रोफेसर टी. बागची, डीन, स्कूल ऑफ नैनो विज्ञान — 'सदस्य
4. डॉ. सरिता अग्रवाल, प्रोफेसर, सीएसईपी, एसएसएस — 'सदस्य
5. डॉ. हेमांग ए. देसाई, उप निबंधक (अकादमिक) — -संयोजक

स्थानीय खरीद समिति:

1. डॉ. जयप्रकाश एम. सोनी, सहायक कुलसचिव (अकादमिक) — -संयोजक
2. श्री मुकेश परमार, सहायक कुलसचिव — -सदस्य
3. श्री तरुण कुमार सोनी, अनुभाग अधिकारी, अकादमिक और स्थापना — -सदस्य
4. डॉ. जसप्रीत कौर लायल, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीजीएस, एसएलएलव सीएस — -सदस्य

सामान्य वस्तुओं की खरीद के लिए स्थानीय खरीद समिति:

1. डॉ. जयप्रकाश एम. सोनी, सहायक कुलसचिव(अकादमिक) — -संयोजक
2. श्री मुकेश परमार, सहायक कुलसचिव — 'सदस्य
3. डॉ. सरला दसारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएसईपी, एसएसएस — 'सदस्य
4. डॉ. किशोर जोस, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएसएस, एसआईएस — -सदस्य

यह समिति छह महीनों के लिए गठित की गई है।

विज्ञान से संबंधित वस्तुओं की खरीद के लिए स्थानीय खरीद समिति:

1. डॉ. हेमांग ए. देसाई, सहायक कुलसचिव(अकादमिक) — -संयोजक
2. डॉ. जयप्रकाश एम. सोनी, सहायक कुलसचिव(अकादमिक) — -सदस्य
3. डॉ. दिनेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर, सीएससी, एससीएस — -सदस्य
4. डॉ. रीना कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसईएसडी — -सदस्य
5. डॉ. राजेश वसिटा, असिस्टेंट प्रोफेसर, एसएलएस — -सदस्य

विश्वविद्यालय स्तरीय खरीद समिति:

1. प्रो. आलोक कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, एसएलएलव सीएस — -अध्यक्ष
2. प्रो. मान सिंह, अधिष्ठाता, एससीएस — -सदस्य

3. प्रो. एम. एच. फुलेकर, अधिष्ठाता, एसईएसडी -सदस्य
4. प्रो. अतानु भट्टाचार्य, एसईएस, एसएलएल व सीएस -सदस्य
5. डॉ. इंद्राणी बनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर, एसएनएस -सदस्य
6. श्री डी. वी. राव, आईएओ (संविदा आधारित) -सदस्य
7. डॉ. जयप्रकाश एम. सोनी, सहायक कुलसचिव(अकादमिक) -संयोजक

इस समिति का गठन संस्थानों, केन्द्रों और अन्य विभागों की जरूरत संबंधी सामानों की खरीद हेतु विशेष रूप से किया गया है।

सीयूजी पोर्टल हेतु स्टैंडिंग कमिटी (समिति):

1. प्रो. मुथैय्या कोंगानुरमथ -अध्यक्ष व नोडल अधिकारी
2. प्रो. संजय झा -सदस्य
3. प्रो. संजीव कुमार दुबे -सदस्य
4. मि. जयप्रकाश सोनी -सदस्य
5. प्रो. अतानु भट्टाचार्य -सदस्य
6. सभी स्कूल के अधिष्ठाता -सदस्य
7. स्वायत्त केंद्रों के अध्यक्ष -सदस्य
8. डॉ. हेमांग देसाई -संयोजक

एनएसएस सलाहकार समिति:

1.	प्रो. एस. ए. बारी, माननीय कुलपति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	अध्यक्ष
2.	कुलसचिव, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
3.	प्रशासनिक प्रभाग के आयुक्त या उसके प्रतिनिधि	मनोनीत किए जाएंगे
4.	सचिव सेवाएयुवा / शिक्षा निर्देशक	मनोनीत किए जाएँगे
5.	एनएसएस क्षेत्रीय कार्यालय के संबंधित अध्यक्ष	सदस्य
6.	टीओसी/टीओआरसीसंयोजक	मनोनीत किए जाएँगे
7.	तीन संकाय सदस्य	

1. डॉ. लिट्टी डेनिस, असिस्टेंट प्रोफेसर, समाज प्रबंधन अध्ययन केंद्र,गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

	2. डॉ. धीरज राठौड़, असिस्टेंट प्रोफेसर, पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय 3. डॉ. मनु शर्मा, प्रोफेसर, नैनो विज्ञान केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	
8.	चार महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य/केंद्रों के अधिष्ठाता	एन/ए
9.	एनएसएस के एक या दो छात्र प्रतिनिधि	मनोनीत किए जाएंगे
10.	एक या दो कार्यक्रम अधिकारी 1. डॉ. रजनीश कुमार गुप्ता, असिस्टेंट प्रोफेसर, प्रवासन अध्ययन केंद्र, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	सदस्य
11.	राज्य संपर्क अधिकारी, एनएसएस	पदेन सदस्य
12.	संबन्धित सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं से पाँच प्रतिनिधि विभागीय/ जिला स्तर के जैसे एनवाईके) स्काउट्स और गाइड, एनसीसी एनजीओ इत्यादि क्रम युवा कार्य (ग्रामीण/सामाजिक कार्य/ विकास कार्य में शामिल संगठन)	मनोनीत किए जाएंगे
13.	छात्र कल्याण अधिष्ठाता	सदस्य
14.	वित्त अधिकारी	सदस्य
15.	प्रो. आलोक कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, एसएलएल व सीएस	गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय, कार्यक्रम संयोजक, नएसएस

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म उत्सव समारोह आयोजन:

अक्टूबर 31, 2017 को सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म उत्सव समारोह पर, प्रोफेसर आलोक कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, ने अपने संचालन में विविध प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन किया था, इन कार्यक्रमों में निम्नलिखित कार्यक्रमों को शामिल किया गया था:

1. शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में छात्रों द्वारा अखंड भारत का संदेश लेकर एकता दौड़ का आयोजन।
2. एकता के थीम पर आधारित प्रत्येक संस्थान के बीच अंतर-विभागीय प्रतियोगिता का आयोजन।
3. एकता के थीम पर आधारित नाट्य प्रस्तुति, संगीत प्रस्तुति और खेल प्रस्तुति। इसमें से सबसे बेहतर और रचनात्मक थीम को पुरस्कार वितरण आयोजन।
4. सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर ऐतिहासिक निबंध लेखन-साथ ही साथ पुरस्कार वितरण का आयोजन।
5. "आज के भारत में सरदार पटेल की प्रासंगिकता और महत्त्व" विषय पर निबंध लेखन एवं भाषण प्रस्तुति।

6. एकता के थीम पर टी-शर्ट और टोपी बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन।
7. एकता के थीम पर मौलिक गद्य लेखन, काव्य लेखन, संगीत गायन आदि का आयोजन।
8. छात्रों द्वारा इस क्षेत्र से संबन्धित पूर्व-स्वतन्त्रता सेनानियों के प्रति इनकी रिकॉर्डिंग के माध्यम से, कहानियों के माध्यम से, इनके सहयोग और सरदार पटेल के साथ इनके सम्बन्धों पर धन्यवाद ज्ञापन और इनके प्रति चेतना का जागरण। इसके अतिरिक्त एकता की वर्तमान स्थिति पर सरदार पटेल और इनके समकालीन स्वतन्त्रता सेनानियों के विचारों पर बात-चित का आयोजन।

शिकायत निवारण समिति:

1. प्रो. आलोक कुमार गुप्ता, अधिष्ठाता, एसएलएल व सीएस ‘अध्यक्ष
2. प्रो. संजय कुमार झा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता ‘सदस्य
3. प्रो. अतानु भट्टाचार्य, प्रोवोस्ट ‘सदस्य
4. डॉ. इंद्राणी बनर्जी, कुलानुशासक ‘सदस्य
5. डॉ. किंगसन सिंह पटेल, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएचएलएल, एसएलएल व सीएस ‘सदस्य
6. डॉ. लेनिन वी. दंडामुडी, असिस्टेंट प्रोफेसर, सीएससी, एससीएस ‘सदस्य
7. डॉ. सीमा रावत, एसोसिएट प्रोफेसर, एसएलएस नोडल अधिकारी, ऑनलाइन छात्र शिकायत प्रकोष्ठ
8. संयोजक, छात्र परिषद ‘विशिष्ट आमंत्रण

अध्यादेश और संविधान समिति:

1. प्रो. संजीव कुमार दुबे अध्यक्ष
2. प्रो. मान सिंह सदस्य
3. प्रो. सरिता अग्रवाल सदस्य
4. प्रो. अतानु भट्टाचार्य सदस्य
5. प्रो. मनीष सदस्य
6. डॉ. उमेश कुमार यादव सदस्य
7. डॉ. कुणाल सिन्हा सदस्य
8. डॉ. हेमांग देसाई, सहायक कुलसचिव-अकादमिक सदस्य

डीपीआर / आरसीई की पुष्टि करने के लिए समिति:

(एम/एस. ईडीसीआईएल इंडिया एलटीडी, नई दिल्ली द्वारा जमा किया गया और यदि आगे की तत्कालीन जरूरत हेतु सुधार की दृष्टि से कोई सुझाव देना हो तोः)

1. प्रो. मान सिंह, अधिष्ठाता, एससीएस ‘अध्यक्ष
2. प्रो. जे. पी. एन. मिश्रा, निदेशक, आईक्यूएसी ‘सदस्य
3. प्रो. अतानु भट्टाचार्य, सीईएस, एसएलएल व सीएस ‘सदस्य
4. डॉ. शुभ्रा डे, कुलसचिव ‘सदस्य
5. प्रो. संजय कुमार झा, वित्त अधिकारी ‘सदस्य

6. प्रो. संजीव कुमार दुबे, परीक्षा नियंत्रक ‘सदस्य
7. श्री जयप्रकाश एम. सोनी, सहायक कुलसचिव(प्रशासनिक) ‘सदस्य
8. डॉ. हेमांग ए. देसाई, सहायक कुलसचिव(अकादमिक) ‘सदस्य

पाठ्यक्रम निर्माण समिति ‘ एम. एड. के कार्यक्रम हेतु:

शिक्षा संस्थान

1.	अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय	1. डॉ. जयेन्द्र कुमार नथालाल अमीन	संयोजक
2.	एसोसिएट प्रोफेसर	1. डॉ. गावीसीदप्पा रुद्रप्पा अंगादी	सदस्य
3.	असिस्टेंट प्रोफेसर	1. डॉ. विजय लक्ष्मी यंदूरी 2. डॉ. शंकर लाल बीका 3. डॉ. शमीम. आरा हुसैन 4. डॉ. शिल्पा संदीपकुमार पोपट	सदस्य
4.	पाठ्यक्रम विकास समिति द्वारा मनोनीत पाँच सदस्य	1. प्रो. आशुतोष बिसवाल, सीएएसई, एम एस यू, बड़ौदा 2. डॉ. संजय गुप्ता, कड़ी सर्व विश्वविद्यालय, गांधीनगर 3. प्रो. एस. सी. पाणिग्रही, सीएएसई, एम एस यू, बड़ौदा 4. प्रो. आर. एस. पटेल, एस ओ ई, गुजरात विश्वविद्यालय अहमदाबाद 5. डॉ. भरत जोशी, गुजराती विद्यापीठ, अहमदाबाद	सदस्य

विश्वविद्यालय निर्माण समिति:

I.	कुलपति और अध्यक्ष	प्रो. एस. ए. बारी
II.	विश्वविद्यालय योजना परिषद का एक प्रतिनिधि	बाद में मनोनीत किया जाएगा
III.	उपभोक्ता विभाग का एक प्रतिनिधि	आवश्यकता होने पर

IV.	कुलपति द्वारा मनोनीत विश्वविद्यालय का व्याख्याता/ सम्बद्ध (एसोसिएट) व्याख्याता	1. प्रो. मान सिंह, अधिष्ठाता, एस सी एस 2. प्रो. संजय कुमार झा, अधिष्ठाता, एस आई एस
V.	विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी	वित्त अधिकारी
VI.	इंजीनियरिंग कॉलेज के प्राध्यापक अथवा सिविल इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष (इन दोनों में से जो भी उपस्थित हों) अन्यथा आस-पास के किसी विश्वविद्यालय/कॉलेज के समान पद वाला कोई दूसरा व्यक्ति	प्रो. एच. एम. पटेल, प्रोफेसर व विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी विभाग, सदस्य, तकनीकी एवं अभियांत्रिकीएम. एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा.
VII.	मुख्य अभियंता (सिविल) सीपीडीडबल्यू अथवा राज्य पीडबल्यूडी अथवा इनके द्वारा नियुक्त कोई अन्य प्रतिनिधि लेकिन यह अधीक्षक (सुप्रीटेंडेंट) अभियंता के नीचे के पद का नहीं होना चाहिए।.	श्री विवेक कपाड़िया, मुख्य अभियंता,नर्मदा परियोजना, गुजरात सरकार
VIII.	सीपीडबल्यूडी/ राज्य पीडबल्यूडी/ सार्वजनिक क्षेत्र के निकाय से संबन्धित एक सेवा निवृत्त मुख्य अभियंता / अधीक्षक अभियंता (सिविल)	श्री पी. पी. वखारिया, सेवानिविरित्त मुख्य अभियंता, लोक कल्याण विभाग, गुजरात राज्य
IX.	सीपीडब्ल्यूडी या पीडब्ल्यूडी, गुजरात राज्य का कोई अधीक्षक / कार्यकारी अभियंता (विद्युत)।	श्री प्रतीक मेहता, अधीक्षक अभियंता, सड़क व भवन विभाग, गुजरात सरकार
X.	अधीक्षक/कार्यकारी अधिकारी(जन स्वास्थ्य) सी पी डब्ल्यू डी व पी डब्ल्यू डी, गुजरात राज्य	श्री हेमंत पांड्या, मुख्य अभियंता, गुजरात सरकार
XI.	विश्वविद्यालय अभियंता	रिक्त
XII.	विश्वविद्यालय के वरिष्ठ वास्तुकार (जहां पर भी यह विद्यमान है), अन्यथा एक मुख्य वास्तुकार या किसी भी पड़ोसी विश्वविद्यालय / कॉलेज से समान पद वाला व्यक्ति।	1. श्री शरद एम. पंचाल, एसोसिएट प्रोफेसर, निरमा विश्वविद्यालय 2. श्री नवीन ओझा, विश्वविद्यालय अभियंता, एम. एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा।
XIII.	मुख्य वास्तुकार / उप मुख्य वास्तुकार या केंद्रीय या राज्य विभाग से समकक्ष पद वाला व्यक्ति।	श्री विशाल व्यास, मुख्य वास्तुकार (आर्किटेक्ट), गुजरात सरकार।

XIV.	विश्वविद्यालय के वरिष्ठतम भूनिर्माण विशेषज्ञ (जहां यह मौजूद है), अन्यथा किसी भी पड़ोसी संस्थान / सरकारी विभाग / सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम से चुना व्यक्ति अथवा सीमित अवधि के लिए विश्वविद्यालय द्वारा सलाहकार के रूप में काम पर रखा जाएगा।	श्री अरूप घोष, वरिष्ठ परिदृश्य वास्तुकार
XV.	विश्वविद्यालय के कुलसचिव	सचिव
निर्माण समिति के सदस्यों में से कम से कम आधे सदस्य निर्माण समिति की बैठक आयोजित करने के लिए कोरम का गठन करेंगे। हालांकि, इन सदस्यों में कम से कम तीन अभियन्ताओं और एक वास्तुकार की उपस्थिति अनिवार्य होगी।		

अनुशासन समिति:

1. प्रो. एम. एच. फुलेकर -कुलपति द्वारा नामित
2. छात्र कल्याण अधिष्ठाता -सदस्य
3. संबन्धित संस्थानों के अधिष्ठाता/ अलग-अलग केन्द्रों के अध्यक्ष- जहां तक उनके संस्थान से संबन्धित मामले होगे उन्हें समिति के सम्मुख विचार विमर्श हेतु उपस्थित होने की जरूरत होंगी।
4. वार्डेन जो की- अपने हॉल ऑफ रेसिडेंस से संबन्धित मामले में समिति के सम्मुख विचार विमर्श हेतु उपस्थित होने की जरूरत होगी।
5. प्रोक्टर- सदस्य सचिव

कैंटीन सेवाओं की बेहतरी के लिए समिति:

1. प्रोवोस्ट ‘अध्यक्ष
2. वरिष्ठ कुलानुशासक ‘सदस्य
3. मिस आयुषी लिंग्वा, छात्र, एसएसएस, छात्र प्रतिनिधि सदस्य, सेक्टर-29 कैंपस
4. श्री अनुराग चौबे, छात्र, एकएलएलव सीएस, छात्र प्रतिनिधि सदस्य, सेक्टर-29 कैंपस
5. मि. अंशुल गौतमी, छात्र, एससीएस, छात्र प्रतिनिधि सदस्य, सेक्टर-30 कैंपस
6. मि.गोपाल अवस्थी, छात्र, एससीएस, छात्र प्रतिनिधि सदस्य, सेक्टर-30 कैंपस
7. श्री जयप्रकाश एम. सोनी, सहायक कुलसचिव(प्रशासनिक) -संयोजक

पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी समारोह के आयोजन हेतु समिति:

"पंडित दीनदयाल उपाध्याय के जन्म शताब्दी समारोह" को व्यवस्थित रूप से संचालित करने के लिए गठित समिति डायस्पोरा अध्ययन (स्वतंत्र केंद्र) अध्ययन और अनुसंधान केंद्र के एसोसिएट प्रोफेसर और अध्यक्ष डॉ अतानु कुमार महापात्रा को मनोनीत किया गया था।

अकादमिक वर्ष 2018-19 के लिए प्रवेश समिति:

1. परीक्षा नियंत्रक -अध्यक्ष
2. सभी अधिष्ठाता या मनोनीत सदस्य - सदस्य
3. सभी केंद्रों के अध्यक्ष -सदस्य
4. सभी केंद्रों के संचालक -सदस्य

स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज की छोटी जरूरतों की खरीद के लिए समिति:

1. प्रो. जे. पी. एन. मिश्रा, अधिष्ठाता, एसएलएस -अध्यक्ष
2. प्रो. टी. बागची, अधिष्ठाता, एसएनएस -सदस्य
3. डॉ. प्रकाश सी. झा, अध्यक्ष, सीएससी -सदस्य
4. डॉ. उमेश चंद सिंह यादव, एसोसिएट प्रोफेसर, एसएलएस -सदस्य
5. डॉ. सीमा रावत, एसोसिएट प्रोफेसर, एसएलएस -सदस्य

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के पुरातन छात्र संघ:

केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात भूतपूर्व छात्र संघ (सीयूजीएए) की स्थापना अधिसूचना संख्या 46/2016-17 के अनुसार, दिनांक 9 अगस्त, 2016 को अध्यादेश संख्या 22 जो कि केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के भूतपूर्व छात्र संघ की स्थापना से संबन्धित है इस अध्यादेश के अनुसार किया गया था।

संविधान और संरचना:

अधिसूचना संख्या 46/2016-17 दिनांक 9 अगस्त, 2016 के अनुसार माननीय कुलपति महोदय ने सीयूजीएए की स्थापना निम्नलिखित सदस्यों के साथ की थी।

- **संरक्षक**

  प्रो. एस. ए. बारी‘ माननीय कुलपति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
- **कार्यकारी सदस्य**
  1. माननीय कुलपति, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
  2. कुलसचिव, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय
  3. वित्त अधिकारी, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय

संस्थापक सदस्य:

संकाय सदस्य, गैर शिक्षण कर्मचारी और सीयूजी के पूर्व छात्र सदस्य (17 सदस्य शामिल हैं)

1. प्रो. एम. एच. फुलेकर
2. प्रो. मान सिंह
3. प्रो. बालाजी रंगनाथन
4. डॉ. राजेश वसिता
5. डॉ. अतुल मिश्रा
6. डॉ. पौलमी साहू
7. डॉ. खाइखोलेन हाओकिप
8. श्री तरुण सोनी
9. डॉ. मुकेश लाकुम
10. डॉ. विजय सोलंकी
11. डॉ. मनसुख झपड़िया
12. डॉ. प्रदीप प्रसन्न
13. डॉ. सचिन बी. उंद्रे
14. मि. शांक्य भाट
15. श्री संकेत शिरसाट
16. श्री दिनेश राठवा
17. डॉ. सोनी कुंजप्पन, संयोजक, सी यू जी ए ए

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालया के पुरातन छात्र संघ (सीयूजीएए) का संविधान लेखन संविधान प्रारूपण समिति द्वारा तैयार किया गया था और गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद के समक्ष विचार और अनुमोदन के लिए प्रस्तुत किया गया था।

उद्देश्य:

- विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के साथ मजबूत और स्थायी संबंध विकसित करने हेतु जो पूर्व छात्रों के बीच बातचीत को बढ़ावा देगा और उन्हें मूल्यवान सामाजिक और व्यावसायिक परिणाम के लिए योगदान देने के लिए प्रेरित करने हेतु।
- पूर्व छात्रों, वर्तमान छात्रों और पूर्व युवा छात्रों के बीच परस्परिक रूप से एक-दूसरे की मदद करने के लिए, भावी छात्रों की मदद करने के लिए विशेषकर उन छात्रों की जो उच्च शिक्षा में आगे बढ़ना चाहते हैं और संभावित करियर में प्रवेश करने के लिए उचित मार्गदर्शन पाना चाहते हैं, उनकी मदद करने के लिए।

- ऐसे कार्यक्रमों को लागू करने के लिए जो विश्वविद्यालय और इसके पूर्व छात्रों के हितों को बढ़ावा देने के लिए, संबंधित क्षेत्रों में ज्ञान और कार्य अनुभव का साझा करके पारस्परिक रूप से दोनों को लाभान्वित करने के लिए।

वर्ष के दौरान किए गए प्रमुख आयोजन और गतिविधियां:

सीयूजीएए संस्थापक सदस्यों की बैठक आयोजित की गई थी। इसमें प्रोफेसर एस एल हिरेमाथ, कुलसचिव और प्रोफेसर संजय कुमार झा, वित्त अधिकारी ने विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में बैठक में भाग लिया था। यह संविधान प्रारूपण समिति निम्नलिखित सदस्यों के साथ गठित की गई थीः

- प्रो. एम. एच. फुलेकर
- प्रो. मान सिंह
- प्रो. संजय कुमार झा
- डॉ. सोनी कुंजप्पन

संविधान प्रारूपण समिति ने विश्वविद्यालय प्राधिकरणों को मसौदा प्रारूप प्रस्तुत किया और इसे विचार विमर्श हेतु और अनुमोदन के लिए सीयूजी की कार्यकारी परिषद में जमा कर दिया था।

बैचलर ऑफ वोकेशनल (बी. वॉक) "ड्रग डिज़ाइनिंग का तर्कसंगत दृष्टिकोण"

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने कॉलेज / विश्वविद्यालय में शिक्षा के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में उच्च शिक्षा आधारित कौशल विकास योजना शुरू की है, जैसे कि बैचलर ऑफ वोकेशनल कोर्स (बीवीओसी) कार्यक्रम की स्थापना की है। इसके अंतर्गत कई तरह की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है। जैसे (i) सीधे कार्यक्षेत्र में पहुँचने की रुचि रखने वाले छात्रों हेतु करियर आधारित शिक्षा और कौशल (ii) स्थानीय नियोक्ताओं के लिए अनुबंध आधारित प्रशिक्षण और शिक्षा कार्यक्रम (iii) माध्यमिक विद्यालय के स्नातकों के लिए उच्च-स्तरीय उपचारात्मक शिक्षा सुविधा जो छात्र परंपरागत कॉलेजों में दाखिला लेने के लिए तैयार नहीं है, उन्हें तीन या चार साल संस्थानों में स्थानांतरित होने का रास्ता उपलब्ध कराना, और (iv) व्यक्तिगत विकास और रुचि के लिए समुदाय के लिए सामान्य रुचि आधारित पाठ्यक्रम। बैचलर ऑफ वोकेशन में कई तरह के अर्थात बहूप्रकारिय विकल्प हैं जैसे कि एनएसक्यूएफ (राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क) के तहत डिप्लोमा और एडवांस्ड डिप्लोमा जैसे कई विकल्प होते हैं।

एक बड़े स्तर पर बैचलर ऑफ वोकेशन का मॉडल समुदाय के लोगों द्वारा बड़ी संख्या में आसानी से सुलभ होगा, यह स्थानीय स्तर पर कम लागत में उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्रदान करेगा, इसमें व्यावसायिक कौशल विकास के साथ साथ परंपरागत अध्ययन कार्य दोनों ही शामिल होंगे, जिससे छात्रों को सीधे तौर पर रोजगार के क्षेत्र में जाने या उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जाने के लिए अवसर प्राप्त होंगे। यह कार्यक्रम समुदाय आधारित जीवन पर्यंत शैक्षणिक जरूरत को पूरा करने हेतु एक लचीला और मुक्त शैक्षणिक प्रणाली का माहौल प्रदान करता है।

कार्यक्रम का परिचय:

इस कार्यक्रम की रूपरेखा शिक्षित और कुशल मानवशक्ति के विकास हेतु बनाया गया है ताकि छात्र अपने अध्ययन के समय प्राप्त ज्ञान के द्वारा समाज की सेवा कर सकें। इस पाठ्यक्रम में नामांकन करवाने वाले छात्रों को कई रूपों में फायदे होंगे। इस पाठ्यक्रम में पढ़ने वाला छात्र अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए ही कॉलेज में या किसी औद्योगिक क्षेत्र में काम कर सकता है। यदि किसी छात्र ने अपने पाठ्यक्रम संबंधी पढ़ाई का एक साल सफलता पूर्वक उत्तीर्ण कर लिया है तो वह एक डिप्लोमा कार्यक्रम द्वारा सम्मानित होगा/होगी और वह किसी भी अकादमिक संस्थान अथवा औद्योगिक इकाई में प्रयोगशाला सहायक के रूप काम करने हेतु पर्याप्त रूप में सक्षम हो सकता / सकती है। बैचलर ऑफ वोकेशनल कार्यक्रम में पढ़ने वाले जिस किसी छात्र ने सफलता पूर्वक अपनी पढ़ाई के दो साल उत्तीर्ण कर लिए हैं तो वह एडवांस्ड डिप्लोमा से पुरस्कृत होगा / होगी। और यदि किसी छात्र ने फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री में एडवांस्ड डिप्लोमा की पढ़ाई उत्तीर्ण कर लिया है तो एडीएल, क्यूसी और किसी भी दवा के औद्योगिक इकाई के उत्पादन विभाग में काम करने हेतु उपयुक्त हो सकता है। इस पाठ्यक्रम के पूरे तीन साल की पढ़ाई सफलता पूर्वक उत्तीर्ण करने वाला उम्मीदवार बैचलर ऑफ वोकेशन इन फार्मास्युटिकल केमिस्ट्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा और यह फार्मास्युटिकल औद्योगिक इकाई के किसी भी श्रेणी के लिए उपयुक्त हो सकता है। हमने अपने यहाँ यह पाठ्यक्रम पिछली छमाही- जनवरी 2017 से शुरू कर दी है और इसमें कुल 10 छात्रों इस समय अध्ययनरत हैं।

(सीआईएफ़)
केंद्रीय उपकरणीकरण सुविधा

केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात की स्थापना संसद के अधिनियम 2009 के अनुसार की गई है। केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उच्च शिक्षा में अध्यापन और अनुसंधान प्रदान करने के एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में उभर रहा है। रासायनिक विज्ञान, जीव विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और नैनो विज्ञान के क्षेत्र में बहुआयामी अनुसंधान के लिए आवश्यक उपकरणों की खरीद की जाती है।

विभिन्न संस्थानों की जरूरतों के अनुसार केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात द्वारा खरीदे गए उपकरण केन्द्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा (सीआईएफ) में रखे गए हैं ताकि इसकी सुविधा सभी अनुसंधान छात्र / संकाय सदस्यों जैसे की विभिन्न संस्थान यानि पर्यावरण और सतत विकास संस्थान, रसायन विज्ञान संस्थान, जीव विज्ञान संस्थान और नैनो विज्ञान संस्थान तक पहुँच सके। इस दिशा में इस तरह के विकास हुए हैं।

इस क्षेत्र के सक्षम अधिकारियों ने 01.09.2015 की अधिसूचना संख्या 47/2015-16 के अनुसार यह नीति निर्णय लिया कि 15 लाख से अधिक के उपकरण केंद्रीय इंस्ट्रूमेंटेशन सुविधा के तहत स्वीकार किए जाएंगे। प्रो. एम.एच. फ्यूलेकर को नोडल अधिकारी सीआईएफ़ के रूप में नियुक्त किया गया है। जो सीआईएफ उपकरण सुविधा की देखभाल करेंगे ताकि इस सुविधा के माध्यम से सभी विज्ञान संस्थानों में विश्लेषणात्मक सेवाएं प्रदान की जा सके और सीआईएफ के प्रभावी कामकाज को जारी रखा जा सके।

सीआईएफ़- अनुसंधान एवं विकास

- गुणवत्ता युक्त अनुसंधान के लिए और सीआईएफ के सिद्धांत की समझ, कार्य प्रणाली और सीआईएफ़ के अनुप्रयोग आदि पर समझ विकसित करने के लिए 15-17 सितंबर 2016 के बीच "एडवांस इंस्ट्रुमेंटेशन पर राष्ट्रीय कार्यशाला" का आयोजन किया गया था।
- सीआईएफ बुकलेट मुद्रण- प्रोफेसर एसए बारी माननीय कुलपति ने 15-17 सितंबर, 2016 को एडवांस इंस्ट्रुमेंटेशन पर राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन के दौरान सीआईएफ बुकलेट जारी किया। (http://www.cug.ac.in/latest/cif.php)
- अधिसूचना संख्या 55/2016-17 दिनांक 2 सितंबर 2016 को अधिसूचना अन्य विश्वविद्यालय / संस्थान, आदि तक सीआईएफ-उपकरणों की विस्तृत सेवाओं को बढ़ाने के लिए जारी की गई।
- एमओयू- एनईईआरआई (नीरी) के साथ सीयूजी का एमओयूः राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (एनईईआरआई), नागपुर के साथ केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (सीआईएफ, एसईएसडी) के बीच एमओयू निदेशक एनईईआरआई और रजिस्ट्रार, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा हस्ताक्षरित किया गया है। यह एमओयू शोध छात्रों के लिए और संकायों के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान कार्यों में विशेषज्ञता युक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए यह फायदेमंद होगा।
- सीआईएफ- उपकरणों की स्थितिः निम्नलिखित उपकरणों को आईसीपी ओईएस, सीएनएनएस / ओ, जीसी, एचआर-टीईएम, एएफएम, एसईएम, एससी एक्सआरडी, एलसी / एमएस क्यूटीओएफ, टीओसी जैसे संचालन में पुनर्स्थापित/मरम्मत की गई है।
- नमूना विश्लेषण की स्थितिः लगभग 10,000 की संख्या में शोध नमूने का विश्लेषण सीयूजी के शोध छात्रों / संकाय सदस्यों का और अन्य विश्वविद्यालय / संस्थानों के नमूनों का विश्लेषण किया गया है। इनके विवरण अनुलग्नक में दिये गए हैं।

प्रतियोगी परीक्षा प्रशिक्षण प्रकोष्ठ (सीईटीसी)

प्रकोष्ठ के बारे में:

इस प्रकोष्ठ की स्थापना प्रतिस्पर्धी परीक्षा के लिए छात्रों का प्रशिक्षण शुरू करने के लिए किया गया था।

संविधान और संरचना:

इस प्रकोष्ठ की निगरानी विज्ञान संस्थान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान संस्थान के संकाय सदस्यों द्वारा गठित एक समिति द्वारा की जाती है। विशेषतः इस समिति में निम्नलिखित सदस्य हैं

1. डॉ. जय प्रकाश प्रधान, नोडल अधिकारी
2. डॉ. अनुष्का गोखले, सदस्य
3. डॉ. बी. जगन्नाथम, सदस्य
4. डॉ. आसिमा जेना, सदस्य
5. डॉ. धनंजय राय, सदस्य
6. डॉ. राजू चौहान, सदस्य

7. डॉ. निवेदिथा कलारीक्कल, सदस्य

उद्देश्य:

- प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए सीयूजी के छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए:
  (a) सरकारी परीक्षाएं (यूपीएससी, अन्य सरकार और बैंकिंग)
  (b) जीआरई, जीमैट, सीएटी, आईईएलटीएस इत्यादि जैसे प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी हेतु, और
  (c) यूजीसी नेट / सीएसआईआर की परीक्षाओं की तैयारी हेतु
- सरकारी परीक्षा कैलेंडर के अनुसार पाठ्यक्रम व्यवस्थित करने के लिए
- अल्प कालिक अवधि के पाठ्यक्रम / दीर्घ कालिक अवधि के पाठ्यक्रम / क्रैश पाठ्यक्रम आयोजित करने के लिए
- संस्थान के बाहर के छात्रों को / काम कर रहे पेशेवरों को / महिलाओं को स्नातक प्रकोष्ठ में शामिल करने के लिए

समान अवसर प्रकोष्ठ

समान अवसर प्रकोष्ठ को 2015-16 में कार्यालय आदेश क्रमांक -193 / 2015-16 में पुनर्गठित किया गया था। सेल के सदस्य इस प्रकार हैं: -

1. प्रोफेसर एम. एच. फुलेकर, डीन, एसईएसडी - अध्यक्ष
2. प्रो. मान सिंह, डीन - एससीएस
3. डॉ. जकिया फिरदौस, सहायक प्रोफेसर - एसएलएल और सीएस
4. डॉ. इश्मीत कौर चौधरी, सहायक प्रोफेसर - एसएलएल और सीएस
5. डॉ. जयश्री अम्बेवाडीकर, सहायक प्रोफेसर, एसएसएस
6. डॉ. शिजू सैम वर्गीज, सहायक प्रोफेसर, एसएसएस
7. डॉ. धीरज राठौर, सहायक प्रोफेसर, एइएसडी
8. डॉ. प्रिय रंजन कुमार, सहायक प्रोफेसर, एसएसएस
9. डॉ. गजेंद्र कुमार मीणा, सहायक प्रोफेसर - एसएलएल और सीएस

एक भारत श्रेष्ठ भारत

31 अक्टूबर 2015 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 140वीं जन्म शती आयोजन पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा इस वर्षगांठ के उपलक्ष्य में “एक भारत श्रेष्ठ भारत” कार्यक्रम की घोषणा की गई थी। यह कार्यक्रम मूलरूप से कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा, भाषा, शिक्षा इत्यादि के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत देश के विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के बीच कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा, शिक्षा, भाषा आदि का आदान-प्रदान होगा। केन्द्रीय स्तर पर दो राज्यों एवं दो केंद्रशासित प्रदेशों की जोड़ियाँ बनाई जाएगी फिर इनके बीच आपसी लेन-देन का काम विभिन्न स्तरों पर किया जाएगा। इस कार्यक्रम की पहल के रूप में गुजरात राज्य एवं छत्तीसगढ़ राज्य को एक दूसरे के साथ जोड़ा गया

है। इस कार्यक्रम की सबसे महत्त्वपूर्ण योजना यही रही है कि यह देश के विभिन्न राज्यों के कला, संस्कृति, इतिहास और राज्यों की परंपरा आदि के लिए समझ विकसित करना है। यह कार्यक्रम भारत की एकता एवं अखंडता को मजबूती प्रदान करेगा। माननीय प्रधानमंत्री जी ने इस कार्यक्रम में कहा था की- सरदार वल्लभभाई पटेल ने एक भारत दिया था, अब यह 125 करोड़ भारतियों की ज़िम्मेदारी है कि वे इसे श्रेष्ठ भारत बनाएँ। इस कार्यक्रम के पहले चरण में छात्र इस पहल के केंद्र में हैं। अर्थात छात्रों को केंद्र मेन रखते हुए इस कार्यक्रम के पहले चरण को कार्यान्वित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के तहत कुछ चुने हुए छात्रों को उन दो राज्यों में जिन्हें एक जोड़ा राज्य के रूप में चुना गया होता है, उन राज्यों के विभिन्न संस्थानों में कला, संस्कृति, इतिहास, परंपरा, आदि को सीखने-समझने एवं एक रिस्ता मजबूत करने की दिशा में भ्रमण हेतु भेजा जाता है।

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत संचालित की जाने वाली योजनाएँ:

केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात में एक भारत श्रेष्ठ भारत· कार्यक्रम सन् 2017 से ही संचालित हो रही है। एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीसएसबी) योजना के तहत, इसके निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने हेतु केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात ने गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, विलासपुर के साथ एक एमओयू (आपसी समझौता ज्ञापन) हस्ताक्षरित किया है। इस योजना के तहत सन् 2017-18 के बीच निम्नलिखित गतिविधियों को शुरू किया गया है:

(1) 17 से 25 जून 2017 के बीच केन्द्रीय विश्वविद्यालय के एक दल का गुरु घासीदास विश्वविद्यालय का भ्रमण किया गया।

(2) 25 अक्टूबर 2017 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात में ।स पर्यटन पार्टी का निरीक्षण किया गया।

(3) 31 अक्टूबर 2017 को सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म शती का उत्सव मनाया गया है।

(4) 26 सितंबर से 3 अक्टूबर 2017 तक के बीच गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के एक छात्र दल द्वारा केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर का भ्रमण किया गया।

ईबीएसबी के तहत गतिविधियाँ

आंतरिक शिकायत समिति:

यौन उत्पीड़न के खिलाफ विश्वविद्यालय द्वारा लैंगिक संवेदशीलता समिति का गठन 13 अप्रैल सन् 2011 को किया गया था। बाद में 25 मार्च 2015 को इस समिति का नाम बदलकर आंतरिक लैंगिक संवेदनशीलता समिति (आईसीसी) के रूप में कर दिया गया। इस समिति को जीएससीएएस के अधिनियम के रूप में कार्य स्तहल पर महिलाओं के साथ लैंगिक छेड़छाड़ निषेध और निवारण 2013 के तहत किया गया था। इस समिति में निम्नलिखित सदस्य शामिल हैं...

1. प्रो. इन्दिरा दत्ता, प्रोफेसर और अधिष्ठाता, सामाजिक विज्ञान केंद्र,अधिष्ठाता
2. डॉ. सोनी कुंजप्पन, समाज विज्ञान अध्ययन केंद्र, सदस्य

3. डॉ. पार्वती के. अय्यर, असिस्टेंट प्रोफेसर, विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार अध्ययन केंद्र,नीति सदस्य
4. डॉ. मानसी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, रक्षा अध्ययन केंद्र, सदस्य
5. मि. बेला चोलाविया, उच्च अनुभाग लिपिक' सदस्य
6. श्री तरुण सोनी, अनुभाग अधिकारी' सदस्य
7. डॉ. इला भट, एसईडब्लूए, सदस्य

इस प्रकोष्ठ की आंतरिक शिकायत समिति व्याख्यान, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, ऑडियो-विजुअल प्रदर्शनों आदि के माध्यम से यौन उत्पीड़न से जुड़े मुद्दों के बारे में सभी केंद्रों, संस्थानों और छात्रावास प्रशासन आदि में सूचना प्रसारित करके लैंगिक संवेदीकरण और अभिविन्यास पर काम करती है। इन सूचनाओं में यौन उत्पीड़न की बुनियादी परिभाषाएं, शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया और समिति के सदस्य कौन हैं इसकी सूचना और इससे संबन्धित पुस्तिकाओं, नोटिस और ब्रोशर के आदि के माध्यम से सूचनाएँ प्रदान किया जाता है। यह आंतरिक शिकायत समिति विश्वविद्यालय प्राधिकरणों के साथ मिलकर एक प्रणाली बनाने हेतु समन्वय रूप में संकट प्रबंधन और मध्यस्थता का काम भी करती है जिसके द्वारा समिति के सदस्यों को किसी भी घटना के बारे में नियमित जानकारी दी जा सकती है। केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात की आंतरिक शिकायत समिति विश्वविद्यालय के यौन उत्पीड़न से पीड़ित व्यक्ति की सहायता विश्वविद्यालय के अधिकारियों के पास, पोलिस के पास और उचित मामलों में और उचित प्राधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराने में सहायता करती है। यह समिति विश्वविद्यालय के बाहर के मामलों में भी सहायता करती है।

यह आंतरिक शिकायत समिति यह सुनिश्चित करती है और शिकायतों का बचाव करने वाले सभी व्यक्ति को परामर्श देती है और लैंगिक संवेदीकरण की प्रक्रिया से गुजरने की सलाह देती है। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए, आंतरिक शिकायत समिति चेतावनी, झगड़ा या वंचना करने के लिए उनका चुनाव करती है। आरोपी से लिखित माफी और अच्छे व्यवहार का आश्वासन भी मांगा जाता है। दोषी साबित होने पर आरोपी को एक छमाही तक या अध्ययन की पूरी अवधि तक के लिए हॉस्टल आवास से निष्काषित अथवा दूसरे हॉस्टल में स्थानांतरण करवा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार के दंड के प्रावधान भी इसमें शामिल हैं। गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय से आधिकारिक चरित्र प्रमाण पत्र के अधिकार को वापस ले लेना, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय से दो छमाही तक की अवधि तक के लिए बाहर निकाल दिया जाना, गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर से निष्कासन और, विश्वविद्यालय की किसी भी प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होने पर और इसकी जानकारी बाद में होने पर, विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली डिग्री को रोक दिया जाना आदि जैसे दंड शामिल हैं।

घटनाओं की संगीनता के आधार पर जुर्माना आंतरिक शिकायत समिति द्वारा लगाया जा सकता है।छात्र को दिए जाने वाले सभी तरह के दंडों की व्यक्तिगत फाइल बनाकर रखी जाती है।

विश्वविद्यालय की यह आंतरिक शिकायत समिति बाहरी लोगों पर भी चेतावनी देने, झगड़ा या संवेदना के रूप में जुर्माना लगाती है। अभियुक्त को लिखित माफी और अच्छे व्यवहार के आश्वासन देने के लिए कहा जाता है। यह समिति नियोक्ता या निवासी अभियुक्त के साथ किए गए दुर्व्यवहार के बारे में बताते हुए एक पत्र जारी करती है। दोषी को केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के परिसर की सीमा को इस मामले से बाहर घोषित किया जा सकता है और दोषी को किसी भी परीक्षा, साक्षात्कार में हिस्सा लेने या गुजरात के केंद्रीय विश्वविद्यालय के अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने से वंचित किया जा सकता है।

यह आंतरिक शिकायत समिति सेवा प्रदाताओं के खिलाफ आए शिकायतों के मामले में जुर्माना लगा सकती है। इस आंतरिक शिकायत समिति ने अपनी स्थापना के बाद यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार के कई मामलों को हल किया है। उदाहरण के लिए, सन् 2011 में छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया गया था जिसमें आरोपी को आंतरिक शिकायत समिति द्वारा 2 छमाही के लिए निलंबित कर दिया गया था। सन् 2014 में, आंतरिक शिकायत समिति ने आचार संहिता और यौन उत्पीड़न के उल्लंघन के 2 मामलों का निपटारा किया था। इसमें आरोपी को विस्तृत जांच के बाद 1 छमाही के लिए निलंबित कर दिया गया था। इस समिति ने फेसबूक पर अश्लील संदेश और फ़ोटोज़ डालने व मानसिक उत्पीड़न करने के जुर्म में 2 छमाही के निष्कासन की भी मांग की थी।

अभी तक, लगभग 15 मामलों की सुनवाई हो चुकी है। जिसमें छात्रों और अध्यापकों दोनों से ही संबन्धित मामले रहे हैं। विश्वविद्यालय अपने यहाँ पर आई हुई शिकायत को त्वरित रूप में संज्ञान में लेती है। और दोनों ही पक्षों को ध्यान में रखते हुए उचित और तटस्थ हल प्रदान करती है।

यह विश्वविद्यालय लांगिक चैंपियंस का एक सक्रिय विंग भी संचालित करता है। इसमें संकाय सदस्य और विश्वविद्यालय के छात्र दोनों ही शामिल हैं। ये लैंगिक मुद्दों के बारे में जागरूकता फैलाने और सामंजस्यपूर्ण एवं लैंगिक समानता अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने का प्रयास करते हैं। लैंगिक चैंपियंस ने लैंगिक संसाधन केंद्र (जेंडर रिसोर्स सेंटर), अहमदाबाद के सहयोग से कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुसार एक कार्यशाला का आयोजन किया था।

एससी/एसटी/ओबीसी (नॉन कृमि लेयर) और अल्पसंख्यक समुदाय हेतु रेमेडियल अर्थात सुधारात्मक कोचिंग प्रकोष्ठ

यह विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति / नॉन कृमि लेयर के ओबीसी और अल्पसंख्यक समुदायों के लाभ के लिए एक उपचारात्मक कोचिंग प्रकोष्ठ चलाता है। डॉ जगन्नाथ बेगारी इस प्रकोष्ठ के समन्वयक नियुक्त नियुक्त किए गए हैं। इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य एससी / एसटी / ओबीसी और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों जैसे समाज के वंचित वर्गों के लिए विशेष रूप से कोचिंग की व्यवस्था अकादमिक गतिविधियों का संचालन करने के उद्देश्य से प्रस्तावित किया गया है। यह प्रकोष्ठ निम्नलिखित उद्देश्यों को पूरा करने हेतु प्रतिबद्ध है।

उद्देश्य:

- विभिन्न विषयों में छात्रों की अकादमिक कौशल और भाषाई दक्षता में सुधार करना।
- आगे के शैक्षिक काम के लिए एक मजबूत नींव प्रदान करने के लिए बुनियादी विषयों की समझ का स्तर बढ़ाना।
- ऐसे विषयों में ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण को मजबूत करने के लिए जहां मात्रात्मक और गुणात्मक तकनीक शामिल हैं ताकि कार्यक्रम के तहत आवश्यक मार्गदर्शन और प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके और इससे छात्रों को उच्च अध्ययन करने के लिए आवश्यक शैक्षिक स्तर को बढ़ाने में सक्षम बनाया जा सके।
- क्षमता निर्माण के संदर्भ में छात्रों का कैरियर मार्गदर्शन करना और मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रदान करना।
- शोध छात्रों के लिए शोध प्रविधि की कक्षाएं आयोजित करना।
- यूजीसी-नेट जेआरएफ / सीएसआईआर और एसईटी जैसे राष्ट्रीय स्तर के परीक्षणों में प्रभावी ढंग से प्रदर्शन करने के लिए अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, ओबीसी (नॉन-कृमि लेयर) और अल्पसंख्यक समुदायों के उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करना और तैयारी करने के लिए प्रोत्साहित करना ताकि विश्वविद्यालय प्रणाली में शिक्षकों के रूप में चयन के लिए उम्मीदवारों की पर्याप्त संख्या उपलब्ध कराई जा सके।
- आईएएस, राज्य लोक सेवा, बैंक भर्ती इत्यादि जैसी सेवाओं के चयन के लिए आयोजित विशेष परीक्षाओं के लिए छात्रों को प्रोत्साहित करना।
- विद्यार्थियों को किसी भी जटिल और अवसादग्रस्त स्थितियों के खिलाफ उनकी रक्षा करने के लिए परामर्श प्रदान करना और शिक्षाविदों और अन्य क्षेत्रों में उत्पादक और समृद्ध करियर के संदर्भ में सभी बाधाओं से लड़ने के लिए नई भावना और आत्मविश्वास को बढ़ावा देना।

उपर्युक्त उद्देश्यों को पूरा करने के लिए यह प्रकोष्ठ विभिन्न गतिविधियों के स्तर पर कार्य करता है, इनमें शामिल हैं:

प्रकोष्ठ द्वारा किए जाने वाले काम:

1. व्यक्तित्व विकास-अभिविन्यास कार्यक्रम
2. छात्रों के लिए परामर्श
3. कुलपति के साथ बातचीत
4. अनुसंधान प्रविधि की विशेष कक्षाएं
5. यूजीसी-नेट-जेआरएफ / सीएसआईआर की कोचिंग कक्षाएं
6. प्रतिस्पर्धी कक्षाएं

छात्र कल्याण अधिष्ठाता (डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफ़ेयर)

प्रविधि और जिम्मेदारियाँ

छात्र कल्याण अधिष्ठाता ३ साल की अवधि के लिए कुलपति की सिफारिश पर कार्यकारी परिषद द्वारा विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों में से ही नियुक्त किए जाते हैं।

1. छात्र कल्याण अधिष्ठाता के कर्तव्य एक व्याख्याता के कर्तव्यों के अतिरिक्त अन्य कार्य भार होता है। वह अतिरिक्त कार्य के बदले कार्यकारी परिषद द्वारा निर्धारित मासिक मानदंड के हकदार है।
2. छात्र कल्याण अधिष्ठाता के अतिरिक्त कर्तव्य के अंतर्गत व्याख्याता का कर्तव्य भी शामिल होता है। इस अतिरिक्त कार्य के एवज में उन्हें कार्यकारी परिषद द्वारा निर्धारित अतिरिक्त भत्ता भी मिलता है।
3. छात्र कल्याण अधिष्ठाता छात्र परिषद के अध्यक्ष होते हैं।
4. छात्र कल्याण अधिष्ठाता छात्रों के सामान्य कल्याण की देखभाल करते हैं और छात्रों के बौद्धिक और सामाजिक जीवन के बीच मजबूत और फलदायी रिश्ते को बढ़ाने के लिए उचित प्रोत्साहन प्रदान करते हैं और कक्षा के बाहर विश्वविद्यालय के जीवन के विभिन्न पहलुओं में योगदान देने के लिए जो कि उन्हें परिपक्व और जिम्मेदार मनुष्य के रूप में उनके विकास और वृद्धि में सहायक होता है।
5. छात्र कल्याण अधिष्ठाता विभाग का प्रमुख होता हैं इसके अतिरिक्त वह हॉस्टल, खेल, स्वास्थ्य केंद्र, विश्वविद्यालय सांस्कृतिक समितियां और इस तरह की अन्य समितियां, डे स्कॉलर्स और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों सहित छात्रों के कल्याण के लिए भी जिम्मेदार होता है।
6. छात्र कल्याण अधिष्ठाता, अन्य बातों से संबंधित मामलों में छात्रों के मार्गदर्शन और सलाह देने की व्यवस्था भी करते हैं
   - (i) छात्रों के निकायों का संगठन और विकास;
   - (ii) परामर्श और छात्र; मार्गदर्शन की सुविधाएं;
   - (iii) छात्रों के माता-पिता / अभिभावकों के साथ संपर्क;
   - (iv) छात्रों की अतिरिक्त पाठ्यचर्या और खेल गतिविधियों के प्रति प्रोत्साहन;
   - (v) सह-पाठ्यचर्या और सामाजिक गतिविधियों में छात्रों की भागीदारी का प्रचार;
   - (vi) छात्रों की वित्तीय सहायता;
   - (vii) छात्र-संकाय और छात्र-प्रशासन संबंध;
   - (viii) करियर सलाह सेवाएं;
   - (ix) छात्रों के लिए स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाएं;
   - (x) भूतपूर्व छात्रों का आवासीय जीवन;
   - (xi) छात्रों के लिए शैक्षिक पर्यटन और भ्रमण के लिए सुविधाएं प्रदान करना;
   - (xii) देश और / या विदेश में आगे के अध्ययन के लिए छात्रों के लिए सुविधाएं प्रदान करना;
   - (xiii) पूर्व छात्रों की गतिविधियां।

7. छात्र कल्याण अधिष्ठाता उपरोक्त सभी तरज की जिम्मेदारियों का वहन करते हैं और उपरोक्त उद्देश्यों के लिए काम करते हैं और ऐसे कर्तव्यों का पालन करते हैं जिन्हें उन्हें समय-समय पर कुलपति द्वारा सौंपा जा सकता है।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता कार्यालय:

डीएसडबल्यू कार्यालय

डीएसडबल्यू ' प्रोफेसर संजय कुमार झा

नायब डीएसडबल्यू ' डॉक्टर जाकिया फिरदौस

लिपिक- मिस्टर गजेन्द्र सिंह राठौड

प्रवोस्ट कार्यालय

प्रवोस्ट- प्रोफेसर अतानु भट्टाचार्या

वरिष्ठ वार्डेन- डॉक्टर किशोर जोश

वार्डेन- डॉक्टर पार्वथी अय्यर (महिला छात्रावास)

वार्डेन- डॉक्टर सरला दसरा (महिला छात्रावास)

वार्डेन- डॉक्टर लेनिन (पुरुष छात्रावास)

वार्डेन- डॉक्टर कुणाल सिन्हा (पुरुष छात्रावास)

वार्डेन- डॉक्टर पौलमी साहू (महिला छात्रावास)

लिपिक- मिस्टर हर्निश चौहान

केयरटेकर- मिस्टर रोहित पटेल (पुरुष छात्रावास)

केयरटेकर- मिस्टर मोहब्बत सिंह (पुरुष छात्रावास)

केयरटेकर- श्रीमति ट्विंकल पटेल (महिला छात्रावास)

केयरटेकर- श्रीमति कोकिलाबेन (महिला छात्रावास)

8 **वां वार्षिक दिवस** - 6 **अप्रैल** 2017:

केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात का आठवां वार्षिक दिवस समारोह 6 अप्रैल 2017 को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया था। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रोफेसर एसए बारी ने समारोह का उद्घाटन किया और अकादमिक वर्ष 2016-17 के दौरान विश्वविद्यालय की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए इस अवसर पर उद्घाटन भाषण भी दिया।

उद्घाटन समारोह में अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्य और प्रशासनिक कर्मचारियों ने भी भाग लिया था। छात्रों ने माननीय कुलपति, विभिन्न संस्थानों के अधिष्ठाता, वरिष्ठ प्रशासनिक कर्मचारी और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिह्न प्रस्तुत किया।

उद्घाटन समारोह के बाद छात्र पत्रिका "मनसा" के दूसरे अंक का विमोचन किया गया था। इस आयोजन का मुख्य आकर्षण फैशन शो था जिसमें विभिन्न केंद्रों के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया था। छात्रों ने समूह नृत्य भी किया जो कि देश के विभिन्न राज्यों जैसे गुजरात, राजस्थान, पंजाब, मणिपुर और महाराष्ट्र जैसे राज्यों की संस्कृति और पारंपरिकता को प्रदर्शित करता हुआ था। यहाँ वाद्य संगीत कविताएं थी, जिसमें तबला और गिटार

वादन किया गया था, इसके अतिरिक्त एक ऑर्केस्ट्रा शो भी शामिल था, जहां छात्रों और कर्मचारियों ने एक दूसरे के साथ शानदार एकल और समूह कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया था।

वार्षिक दिवस समारोह तीन घंटों से भी अधिक समय तक चलता रहा। उत्साही दर्शकों ने अपनी भारी उपस्थिति और उत्साह से यह कार्यक्रम देखा। इन दर्शकों में छात्र, कर्मचारी और संकाय के गणमान्य व्यक्ति और छात्रों के परिवार के सदस्य आदि को आमंत्रित किया गया था।

पुरस्कार वितरण समारोह ‘ 12 मई 2017:

वार्षिक खेल मीटिंग कार्यक्रमों और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के लिए छात्रों में पुरस्कार वितरण भी किया गया था। यह पुरस्कार वितरण 12 मई 2017 को आयोजित किया गया था। माननीय कुलपति, विभिन्न संस्थानों के संकाय अध्यक्ष, वरिष्ठ प्रशासनिक कर्मचारी और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

अगले दिन निम्नलिखित कार्यक्रम मनाए गए थे:

1. राष्ट्रीय हथकरघा दिवस ‘ 8 अगस्त 2017
2. 9 अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन।

स्वतंत्रता दिवस समारोह: 15 अगस्त 2017

15 अगस्त 2017 को, स्वतन्त्रता दिवस कार्यक्रम सुबह 8:30 बजे ध्वजा रोहण के साथ शुरू हुआ था। माननीय कुलपति प्रोफेसर एस ए बारी ने स्वतंत्रता भाषण दिया था। इस भाषण से न केवल भारत की विविधता के बारे में बताया गया बल्कि स्वतंत्रता दिवस के महत्त्व का मूल्यांकन भी किया था। स्वतन्त्रता दिवस के इस संघर्ष ने हमारे देश को स्वतंत्र बनाया गया। स्वतंत्रता के थीम पर आधारी निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया:

स्वच्छता पखवाड़ा‘ 1से 15 सितंबर 2017: निम्नलिखित दिवसों में मनाया गया

परिसर स्वच्छता दिवस‘ 1 सितंबर 2017

छात्रावास स्वच्छता दिवस‘ 2 सितंबर 2017

हरित परिसर दिवस ‘ 3 सितंबर 2017

निबंध प्रतियोगिता ‘ 5सितंबर 2017

छात्रावास कक्ष स्वच्छता प्रतियोगिता ‘ 13सितंबर 2017

भाषण- 14 सितंबर 2017

परंपरागत सांस्कृतिक कार्यक्रम ‘ 26 सितंबर 2017

इस दिवस का आयोजन गुजरात के सांस्कृतिक विरासत के रूप में मनाया जाता है।

अन्तः विश्वविद्यालयी युवा समारोह (वेस्ट जोन) 15 से 19 दिसंबर, 2017 उदयपुर में यह विश्वविद्यालय शामिल हुआ था।

26 जनवरी 2018

ध्वज-आरोहण समारोह के अतिरिक्त, इस दिन बहुसांस्कृतिक भारत की भावना को मानचित्रित करता हुआ कई सारे प्रदर्शन कार्यक्रमों के साथ मनाया जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा एडोप्ट (अंगीकृत किए गए) प्राथमिक विद्यालय के छात्रों द्वारा एक समूह नृत्य प्रदर्शन भी किया गया था।

मातृभाषादिवस - 27 फरवरी 2018

निम्नलिखित आयोजन किए गए गए थे।

पोस्टर बनाना, नारा लेखन व निबंध लेखन।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ‘ 8 मार्च 2018

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च 2017 को महिलाओं के आंदोलन की कथाओं और मुक्ति और समानता की दिशा में उनकी संघर्षों की याद में मनाया गया था।

इस दिन निम्नलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था:

नारा प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता।

मंसा खंड- 2

यह गुजरात विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा प्रकाशित की जाने वाली द्विभाषी पत्रिका 'मंसा' है। केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात की इस पत्रिका का यह दूसरा खंड प्रकाशित किया गया है। 'मंसा' शब्द के अर्थ और सार को ध्यान में रखते हुए यह पत्रिका छात्रों को उनके रचनात्मक और महत्वपूर्ण विचारों को व्यक्त करने के लिए एक जगह प्रदान करती है। इस पत्रिका में कथाओं, कविताओं, तस्वीरों, लघु कथाओं और भारत के सांस्कृतिक बहुलवाद का प्रतिनिधित्व करने वाले लेखों के रूप में व्यक्त विचारों को प्रकाशित किया जाता है। इसके अलावा, भारतीय विविधता और अनेकता आदि का आयोजन विभिन्न विषयों जैसे बंगाल के खाद्य व्यंजनों, पटचित्र बंगाल) (की लोक कला, यक्षगाना कर्नाटक)का लोक नृत्य, (अनेकता और लोकतंत्र, कश्मीर घाटी और सूत काटता

हुआ पहिया आदि जैसे विषयों के रूप में मनाया जाता है। यह पत्रिका सीखने के विषय पर आधारित आलेखों, बलिदान, सपनों और हाशिए के प्रतिनिधित्व आदि जैसे विषयों पर लिखे लेख भी शामिल करता है।

इस संस्करण की कविताएं अपने रूप और सामग्री दोनों ही स्तरों पर विषम रूपी रही हैं। जैसे कि- एलियंस की कविताएं, लाइफ लाइब्रेरी पारंपरिक काव्य शैली को खारिज करती है। कुछ कविताओं ने जैसे कि- प्रकृति और मैं, राइट एंड राइज़, बचपन, वो मुझसे पुछते है, मैं सच हूँ आदि ने आंतरिक आवाज और संवेदनाओं को प्रकट करते हुए लिखी गई हैं। कुछ कविताएं जैसे- निवेदन, स्त्री और मादा प्रलाद जैसी कविताएं महिलाओं के मुद्दों पर स्थित हैं।

संपादकीय समिति:

प्रो. संजय कुमार झा (छात्र कल्याण अधिष्ठाता)
डॉ. ज़ाकिया फिरदौस (उप-छात्र कल्याण अधिष्ठाता)
डॉ. प्रमोद तिवारी (असिस्टेंट प्रोफेसर)
डॉ. भक्ति गाला (असिस्टेंट प्रोफेसर)
मिस जसप्रीत कौर (असिस्टेंट प्रोफेसर)
श्री राकेश कुमार मिश्रा (छात्र परिषद)
मिस मंतासा सिद्दकी (छात्र परिषद)

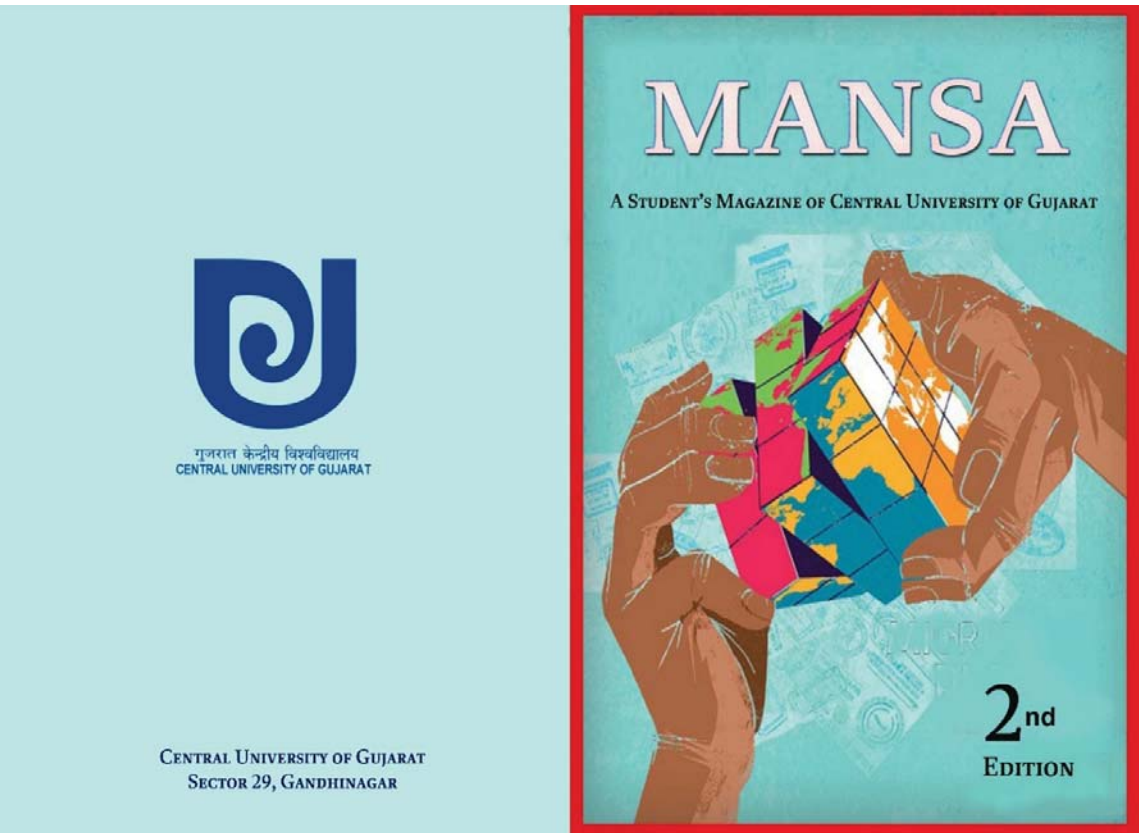

सुविधाएं:

व्यायामशाला:

विश्वविद्यालय में कर्मचारियों और छात्रों दोनों के उपयोग के लिए एक बहु-कार्यात्मक व्यायाम सुविधा उपलब्ध है। इसमें एक प्रशिक्षक भी है जो इनकी गतिविधियों की निगरानी करता है।

परिवहन:

विश्वविद्यालय में दो बसें एक वातानुकूलित बस और दूसरी गैर-वातानुकूलित बस है जो छात्रों के लिए उपलब्ध हैं। इन बसों को विभिन्न छात्रावासों से दोनों परिसरों के बीच में चलाया जाता है।

छात्रावास:

केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात अपने यहाँ पढ़ने वाले छात्रों को छात्रावास की सुविधा भी प्रदान करता है। गांधीनगर में लड़कियों और लड़कों का छात्रावास फैला हुआ है। कुल 700 छात्रों में से लगभग 339 छात्रो को छात्रावास की सुविधा प्रदान की गई है, जिसमें 209 लड़के और 130 लड़कियां शामिल हैं।

सीयूजी छात्रावास विवरण 2017-18				
क्रम सं.	छात्रावास का नाम	आवासीय क्षमता	आवंटित	खाली
1	पेठापुर महिला छात्रावास	84	60	24
2	खंड-20 महिला छात्रावास	24	21	3
3	खंड-30 महिला छात्रावास	62	49	13
4	पेठापुर पुरुष छात्रावास	70	33	37
5	खंड-24 पुरुष छात्रावास	110	102	8
6	खंड-20 पुरुष छात्रावास	42	37	5
7	खंड-30 पुरुष छात्रावास	54	42	12
	योग	446	344	102

छात्रावास की सुविधाएं:

- 24 घंटे बिजली
- प्रत्येक छात्र के लिए एक कोट, एक कुर्सी और एक मेज
- 24 घंटे सुरक्षा

- शुद्ध पानी
- परिवहन
- टेबल टेनिस, कैरम, शतरंज, बैडमिंटन, वॉलीबॉल इत्यादि।
- टीवी वाला कमरा
- वचनालय
- समाचार पत्र
- कंप्यूटर सुविधा

जलपानगृहः

विश्वविद्यालय में कैंटीन और डाइनिंग हॉल है जहां दोपहर का भोजन, रात का खाना, स्नैक्स, चाय, कॉफी सारी चिजे विश्वविद्यालय के दोनों ही परिसरों यानि सेक्टर-29 और सेक्टर-30 के परिसरों में उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य सुविधाएंः

विश्वविद्यालय में चार डॉक्टर सोमवार से शनिवार को 03:00 बजे से शाम 05:00 बजे तक उपलब्ध रहते हैं। यह सुविधा प्राथमिक रूप से छात्रों के स्वास्थ्य मुद्दों को संबोधित करने के लिए हैं। इसके अलावा, किसी भी चिकित्सा आपातकाल की स्थिति को देखते हुए 24 घंटे एक एम्बुलेंस को उपलब्ध रखा जाता है।

खेलकूद गतिविधियां:

विश्वविद्यालय शिक्षा में, छात्रों के एकीकृत व्यक्तित्व के विकास में खेल-कूद एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अतिरिक्त, प्रतिस्पर्धी खेलों में छात्रों की सक्रिय भागीदारी जीवन में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को भी उत्पन्न करता है।

विश्वविद्यालय के छात्रों ने अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालयी और वेस्ट ज़ोन टूर्नामेंट जो अशोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज़ (एआईयू) द्वारा प्रायोजित किया गया

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी क्रॉस-कंट्री चैम्पियनशिप जो 30 अक्टूबर 2017 को वीटीयू बेलगावी कर्नाटक में आयोजित किया गया था इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागी।

वेस्ट जोन इंटर-यूनिवर्सिटी बैडमिंटन (पुरुष और महिला) टूर्नामेंट 1 9वीं से 23 दिसंबर 2017 को उत्तरीय महाराष्ट्र विश्वविद्यालय जलगांव में आयोजित किया गया था।

लक्ष्मण चेट्टई (एसआईएस) ने ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी वेट-लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में भाग लिया था, जो चंडीगढ़ विश्वविद्यालय मोहाली में 20 से 23 दिसंबर 2017 के बीच आयोजित किया गया था। इस चैंपियनशिप में लगभग 70 विश्वविद्यालयों ने भाग लिया था। श्री लक्ष्मण चेट्टई को 62 किलो वजन श्रेणी में 5 वां स्थान मिला। यह हमारे विश्वविद्यालय के लिए बहुत ही गर्व का विषय है कि हमारे विश्वविद्यालय ने अखिल भारतीय इंटर-यूनिवर्सिटी वेट-लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में 5 वां स्थान हासिल किया।

विश्वविद्यालय ने उनकी इस उपलब्धि के लिए उन्हें नकद पुरस्कार और किट बैग से सम्मानित किया।

खेल महाकुंभ की खेल उपलब्धियां

खेल-महाकुंभ-2017 में जिला स्तर में दूसरा स्थान प्राप्त कीया (महिला बैडमिंटन डबल्स)।

खेल-महाकुंभ-2017 में जिला स्तर में तीसरा स्थान प्राप्त कीया (लम्बी कूद)।

खेल-महाकुंभ-2017 में जिला स्तर में तीसरा स्थान प्राप्त कीया (ट्रिपल जंप)।

लक्ष्मण चेट्टई ने राज्य स्तर खेल महाकुंभ वजन भारोत्तोलन चैंपियनशिप (69 किलो ओपेन श्रेणी) में स्वर्ण पदक जीता और राज्य के लिए एक नया रिकॉर्ड बनाए। हालांकि इन्होंने अपना ही पिछला रिकॉर्ड तोड़ा था।

वडोदरा इंटरनेशनल अर्ध मैराथन 7 जनवरी 2018 को आयोजित किया गया था। ये इसमें हिस्सा लेने प्रतिभागी हैं। इसमें बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया था।

गांधीनगर में एसएआई सेक्शन 15 में 9वीं वार्षिक खेल बैठक के दौरान सीयूजी के छात्रों पहले भारतीय पैराओलम्पिसियन देवेंद्र झजरिया के साथ बातचीत की। इस प्रथम पैरालाम्पिक्स ने दो स्वर्ण पदक जीते हैं, इन्हें अर्जुन पुरस्कार, पद्मश्री राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के रूप में देश का सर्वश्रेष्ठ खेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। प्रतिभागियों ने बहुत बड़ी संख्या में बहुत ही उत्साह के साथ भाग लिया था।

केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात ने 9वीं वार्षिक खेल बैठक 2017-18 के अकादमिक वर्ष में हुई थी। 9वां वार्षिक खेल उत्सव 18 फरवरी को शुरू हुआ था और 3 अप्रैल 2018 को खतम हुआ था। एसएआई सेक्टर 15 गांधीनगर में क्रिकेट, फुटबाल, बैडमिंटन, एथलेटिक, कबड्डी और खो-खो आदि जैसी बाहरी खेल गतिविधियों का आयोजन हुआ था। सेक्टर 30 में वोलीबॉल और टग ऑफ वार जैसे खेल का आयोजन किया गया था। सेक्टर 29 के परिसर में इंडोर जैसी खेल गतिविधियां जैसे- चेस, कैरम, टेबल टेनिस आदि जिसे इंडोर खेलों का आयोजन हुआ था। इस खेल प्रतियोगिता में इंडोर और आउटडोर खेलों में लड़के और लड़कियों की कुल संख्या लगभग 600 थी। इस पूरे वार्षिक-खेल के दौरान सभी खिलाड़ियों ने बहुत ही अच्छा प्रदर्शन किया था और इनमें सामूहिक भावना, अनुशासन, नेतृत्वकारी गुण, खेलने का तरीका आदि बहुत ही बेहतरीन था।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ:

सीयूजी की आईक्यूएसी यूनिट ने निर्धारित अवधि के दौरान उल्लिखित गतिविधियों की शुरुआत की है:

I. पहली पोस्ट मान्यता (पोस्ट अक्रेडेशन) वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित किए जाने के बाद एनएएसी (नाक) की टिम को जमा की गई थी।

II. आईक्यूएसी ने अध्ययन-अध्यापन की संस्थान द्वारा ग्रहण की गई अभिनव प्रक्रियाओं की शुरुआत की:

- भाषा प्रयोगशाला और आईसीटी सुविधा युक्त कक्षाओं का उपयोग, ऑडियो को सुनना, वृत्तचित्रों (डोक्यूमेंट्रीज़) को देखना, वीडियो और फिल्मों को देखना, इसके साथ-साथ देशी चीनी वक्ताओं के साथ बातचीत करना आदि अध्यापन के उपकरणों का उपयोग चीनी समाज, संस्कृति इत्यादि को समझने के लिए व्याख्यान के अलावा इन सभी का उपयोग शिक्षण उपकरण के रूप में किया जाता है।
- इंटरैक्टिव कक्षा शिक्षण / सीखने के अलावा व्यावहारिक ज्ञान को ऑन-फील्ड रूप में सीखना।
- तकनीकी का उपयोग, पूर्व और बाद के सत्र के लिए, आउट की तैयारी करना और छात्रों के लिए संगोष्ठियों का आयोजन करना।
- बहु-मीडिया प्रयोगशाला का उपयोग करना और बी.ए. और एम.ए. स्तर पर अध्ययन में जर्मन भाषी देशों की संस्कृति, वर्तमान मामलों और समाज आदि पर अभिनव सामग्री को एकीकृत करवाना
- क्षेत्र कार्य (फील्ड वर्क) से प्राप्त अनुभवी शिक्षा पर विशेष जोर दिया जाता है और यह पाठ्यक्रम का 40% है। इनके अलावा, प्रत्येक पाठ्यक्रम में विभिन्न प्रकार के अधिन्यास (असाइनमेंट) और परियोजनकार्य होते हैं जो विभिन्न विकास संगठनों के साथ बातचीत करते समय छात्रों की शिक्षा में वृद्धि करते हैं। छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार के कार्यशालाओं का आयोजन भी किया गया है।
- शिक्षकों और छात्रों के बीच नियमित द्विपक्षीय वार्ता अध्ययन अध्यापन का एक रिफ्लेक्सिव तरीका है और यह अकादमिक प्रयास का एक महत्वपूर्ण घटक बनता है। छात्रों का ज्ञान विज्ञान की

नवीनतम प्रणालियों से अकादमिक दुनिया सामना होता रहता है। आलोचनात्मक सोच की भावना को तैयार करना, और पूछताछ की भावना को विकसित करना यह सब चीजें सीखने और अनुसंधान करने जैसी गतिविधियों के लिए एक महत्त्वपूर्ण अभिन्न अंग है।

क्रम संख्या	कार्य की योजना	उपलब्धियां
	छमाही की योजनाओं की अनुसूची बनाना	सफलतापूर्वक लागू किया गया
	विभिन्न अकादमिक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन प्रवेश परीक्षा की शुरुआत	सफलतापूर्वक लागू किया गया
	अध्यापन अनुसूचीयां	प्रत्येक योजना के अनुसार लागू किया गया
	खेलकूद सप्ताह	प्रत्येक योजनानुसार लागू किया गया
	एनएएसी (नाक) पीयर टीम भ्रमण	एनएएसी (नाक) द्वारा दिये गए अनुसूची के अनुसार संचालित
	छमाही परीक्षाएँ	अनुसूची के अनुसार
	परिणाम घोषणा	अनुसूची के अनुसार

III. आईक्यूएसी की महत्त्वपूर्ण गतिविधियां और योगदान

- विश्वविद्यालय में पीयर टीम के पहले आकलन और मान्यता के भ्रमण के समय दिए गए सुझावों को लागू किए जाने की सुविधा उपलब्ध कराना
- केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात द्वारा अनुसूचित संकाय सदस्यों के कॅरियर के लिए उन्नत योजना की सुविधाएं प्रदान करना।
- विश्वविद्यालय के वैधानिक निकायों से लेकर विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानोंकेंद्रों में शिक्षण / , प्रशिक्षण और अनुसंधान में गुणवत्ता की वृद्धि करने हेतु संबंधित उपायों के सुझाव देना और अनुमोदन करना।

IV. कार्य योजना आईक्यूएसी/ परिणाम

वर्ष की शुरुआत में गुणवत्ता वृद्धि से लेकर और वर्ष के अंत तक प्राप्त नतीजे की दिशा में आईक्यूएसी द्वारा किए गए कार्यों की योजना निम्नलिखित है:

V. **इस अकादमिक वर्ष के दौरान पेश किए गए नवाचारों ने संस्थान के कामकाज पर सकारात्मक प्रभाव डाला है:**

आईक्यूएसी के सुझाव आधार पर विश्वविद्यालय ने अलग-अलग कोर प्रतिबद्धताओं का निर्णय लिया है जो इस उच्च शिक्षा के क्षेत्र में बहुभाषी और बहु-सांस्कृतिक परिदृश्य में पहली बार शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को पूरा कर सकेंगे। इस विश्वविद्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय मानकों से समानता बनाए हुए अध्ययन, अध्यापन और मूल्यांकन, अनुसंधान और प्रसारी गतिविधियों के मानकों में सुधार करने के लिए स्वयं को वचनबद्ध किया है। इस विश्वविद्यालय ने अब तक न प्राप्त लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए और सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को बढ़ाने के लिए सभी संभव प्रयास कर रहा है। यहाँ का पाठ्यक्रम शिक्षण और विस्तार के अलावा समावेशी शोध पर ध्यान केंद्रित करने की दृष्टि से डिज़ाइन किया गया है।

अंततः यह विश्वविद्यालय मजबूत नैतिकता के कार्यों का विकास कर रहा है और विश्वविद्यालय शिक्षा के सभी पहलुओं में जागरूक रूप से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। इस विश्वविद्यालय ने अपनी स्थापना के समय से ही बहुत से नवाचार किए हैं।

अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) प्रकोष्ठ

उद्देश्य:

इस प्रकोष्ठ की स्थापना विश्वविद्यालय के ओबीसी छात्रों व संकाय सदस्यों द्वारा सामना किए जाने वाले शिकायतों के निवारण हेतु किया गया है।

ओबीसी प्रकोष्ठ के छात्रों और संकायों के प्रतिनिधियों की सूची, जो सीयूजी द्वारा निर्धारित किए गए थे, ओबीसी प्रकोष्ठ की प्रतिक्रिया के साथ उनके विवरण नीचे दिए गए हैं। इस प्रकोष्ठ ने समस्याओं हेतु बेहतरीन समाधान खोजने की दिशा में बहुत सरहनीय काम किया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के ध्यान में लाने के लिए सबसे अच्छे प्रयास किए हैं, ताकि सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित किए जा सकें।

(1) डॉ. सोनी कुंजप्पा, सहायक प्रोफेसर, सीएसएसएम / एसएसएस, सीयूजी, इन्होंने अपने सीएएस पदोन्नति के लिए एक प्रस्ताव दिया था। ओबीसी प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय प्रशासन को एक लिखित प्रस्ताव देने के साथ हस्तक्षेप किया और इनकी सीएएस पदोन्नति समय पर कारवाई गई है।

(2) जर्मन भाषा के छात्र श्री गौरव यादव ने जाति-आधारित भेदभाव करने और प्राकृतिक न्याय से वंचित रखे जाने के संबंध में एक शिकायत की थी। इनके पक्ष में एक न्यायपूर्ण समाधान खोजने के लिए इस समस्या को विश्वविद्यालय प्रशासन के ध्यान में लाया गया था। सीयूजी प्रशासन के साथ मिलकर ओबीसी प्रकोष्ठ ने इस मामले की जांच की थी।

(3) डॉ. जया प्रकाश प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र, एसएसएस ने अपने सीएएस पदोन्नति के लिए एक प्रस्ताव दिया था। ओबीसी प्रकोष्ठ इनके सीएएस पदोन्नति को एक

प्राकृतिक न्याय के रूप में सुनिश्चित कराए जाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ मिलकर उचित प्रयास कर रहा है।

विद्यालय अंगीकरण कार्यक्रम:

विद्यालय अंगीकरण कार्यक्रम (स्कूल एडोप्सन प्रोग्राम)

विद्यालय अंगीकरण कार्यक्रम मार्च 2015 में केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के उपसचिव (सीयू) (12 जून, 2015 के संदर्भ पत्र, डीओ संख्या एफ 19-34 / 2015- डेस्क-यू) के निर्देशों के बाद शुरू किया गया था। इन्होंने कहा कि हमारा उच्च शिक्षा संस्थान 5 वर्षों की अवधि के लिए पड़ोस के उच्च माध्यमिक, माध्यमिक और उच्च प्राथमिक विद्यालय की देखरेख करने के काम शामिल हैं। इन्हें "प्रबंधन संस्थान" कहा जाएगा।

केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (सीयूजी) ने अपने दृष्टिकोण के साथ-साथ सामाजिक प्रतिबद्धता को बढ़ाने इस विश्वविद्यालय को एक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में स्थापित करने और समाज, देश और दुनिया के प्रति उत्तरदायित्व की भावना के विकास में कुशल मानव संसाधन बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए विश्वविद्यालय ने मार्च 2015 से एक परियोजना शुरू की साथ ही साथ छात्रों के कौशल को विकसित करने के लिए भी सहायक गतिविधियां शुरू कीं गई हैं, यह सरकारी प्राथमिक विद्यालय संख्या 1, सेक्टर 29, गांधीनगर, के ठीक पड़ोस में है।

यह परियोजना डॉ इश्मीत कौर, सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, एसएलएल और सीएस के परामर्श से और डॉ. लिट्टे डेनिस, सहायक व्याख्याता, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र के अध्यक्ष, एसएसएस, सह-संयोजक समन्वय और विस्तारी कार्यकलापों एवं जो ग्राम अंगीकरण कार्यक्रम के समन्वयक हैं, इन दोनों के शुक्ष्म निरीक्षण व परामर्श के आधार पर संचालित होती है।

इस कार्यक्रम के तहत निम्नलिखित तरह के पहल किए गए हैं:

- **सुधारात्मक कक्षाएँ**: पिछले वर्षों की तरह इस बार भी विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों के छात्रों ने उत्साह पूर्वक छोटे शिक्षार्थियों के साथ मिलकर विभिन्न प्रकार के कौशल से युक्त काम करने में लगे थे। इन्होंने अंग्रेजी, गणित और कंप्यूटर विज्ञान जैसे विषयों के लिए उपचारात्मक कक्षाएँ भी ली।
- **कंप्यूटर लैब**: कंप्यूटर लैब छात्रों ने विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित कंप्यूटर प्रयोगशाला : में छोटे बच्चों को कंप्यूटर भी पढ़ाया।
- **सैनिट्री पैड वेंडिंग मशीन**: लड़कियों की संख्या में एक बड़ी वृद्धि का मुख्य कारण इस वेंडिंग मशीन की स्थापना है।
- **सिलाई मशीनें**: स्कूल के छात्रों को सिलाई मशीन प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।
- **साप्ताहिक फल वितरण अभियान**: स्कूल के छात्रों में फल वितरण करने का काम इस विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों द्वारा की गई एक कहत्त्वपूर्ण पहल है।

- **स्कूल ड्रेस**: विश्वविद्यालय के कुछ संकाय सदस्यों ने छात्रों के स्कूल ड्रेस के लिए अपनी उदारता से दान किया है।
- **हिन्दी पखवाड़ा में भागीदारी**: विश्वविद्यालय में आयोजित हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम में कविता पाठ, गायन और लोक भाषण आदि के रूप में कुल तीन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इसमें स्कूल के इन छात्रों ने पहली, दूसरी और तीसरी स्थिति हासिल की।
- **पुस्तकालय**: इन छात्रों के लिए विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों की सहायता व समर्थन से पुरानी और नई किताबों के रूप में स्कूल में एक पुस्तकालय स्थापित कर दिया गया है।

सैनिट्री पैड वेंडिंग मशीन का उपयोग करते हुए छात्राएँ।

हिन्दी पखवाड़ा 2017 में भाग लेते हुए छात्राएँ।

फल वितरण कार्यक्रम।

विश्वविद्यालय औद्यौगिक अंतरफलक प्रकोष्ठ
(यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री इंटरफेस सेल) (यूआईआईसी)

यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री इंटरफेस प्रकोष्ठ (यूआईआईसी) की स्थापना केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात द्वारा अकादमिक गतिविधियों और उद्योग की गतिशील आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इनके बीच एक रास्ता खोजने की दृष्टि से किया गया था। यूआईआईसी कैरियर विकल्पों को प्रदान करने के लिए छात्रों और संकाय सदस्यों के बीच जागरूकता बढ़ाता है और अवसरों को बढ़ाने के लिए यह प्रकोष्ठ समर्पित है। इसके अलावा, यूआईआईसी उद्योग प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उद्योग प्रशिक्षण के कार्यक्रम, औद्योगिक परियोजनाएं, औद्योगिक यात्राएं, अतिथि व्याख्यान, कार्यशाला, केस स्टडीज और शोध कार्य जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करता है और इस तरह की विभिन्न गतिविधियों के संचालित किए जाते रहते की व्यवस्था भी करता है। स्टेट ऑफ आर्ट इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा को भुगतान किए जाने के आधार पर इन औद्योगिक इकाइयों को भी प्रदान किया जाता है जिससे ये आत्म-निर्भर बन सकें। विश्वविद्यालय बाहरी रूप से वित्तीय सहायता की व्यवस्था करने के लिए अपने संकाय सदस्य को प्रोत्साहित करता रहता है।

यह विश्वविद्यालय अपने छात्रों को औद्यौगिक जरूरतों को जानने समझने की दिशा में मजबूत बनाता है और इन्हें इस चीज की शिक्षा भी देता है। यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री इंटरफेस प्रकोष्ठ (यूआईआईसी) व्यवसाय की जिम्मेदारियों को बढ़ाता है और औद्यौगिक सकारात्मक वातावरण यानि माहौल भी तैयार करता है जिससे कि विस्तृत, व्यापक व्यवसाय के विकल्पों को समझने में छात्र सक्षम हो सकें। इस यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री इंटरफेस प्रकोष्ठ (यूआईआईसी) का उद्देश्य विश्वविद्यालय और औद्यौगिक इकाइयों के बीच की दूरी को कम करना है। यह इंटरफेस अकादमिकों के लिए नई चीजों को जानने व औद्यौगिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करता है।

उद्देश्य: -

- छात्रों के लिए औद्योगिक परिदृश्य को समझने हेतु बनाए जाने वाले पाठ्यक्रम के निर्माण में औद्योगिक क्षेत्र के विशेषज्ञों को शामिल करना।
- औद्योगिक यात्राओं के लिए योजना बनाना।
- औद्योगिक विशेषज्ञों और संकाय के संयुक्त दिशानिर्देश के तहत औद्योगिक अनुसंधान और परियोजनाओं को चलाना।
- औद्यौगिक इकाइयों की मदद से नौकरी दिलाने और छात्रवृत्ति उपलब्ध कराने की ज़िम्मेदारी उठाना।
- ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप (प्रशिक्षण) कार्यक्रम आयोजित करना।
- औद्योगिक समस्या को समझने और सामाजिक-आर्थिक विकास की समस्या के समाधान हेतु अभिनव समाधान विकसित करना।

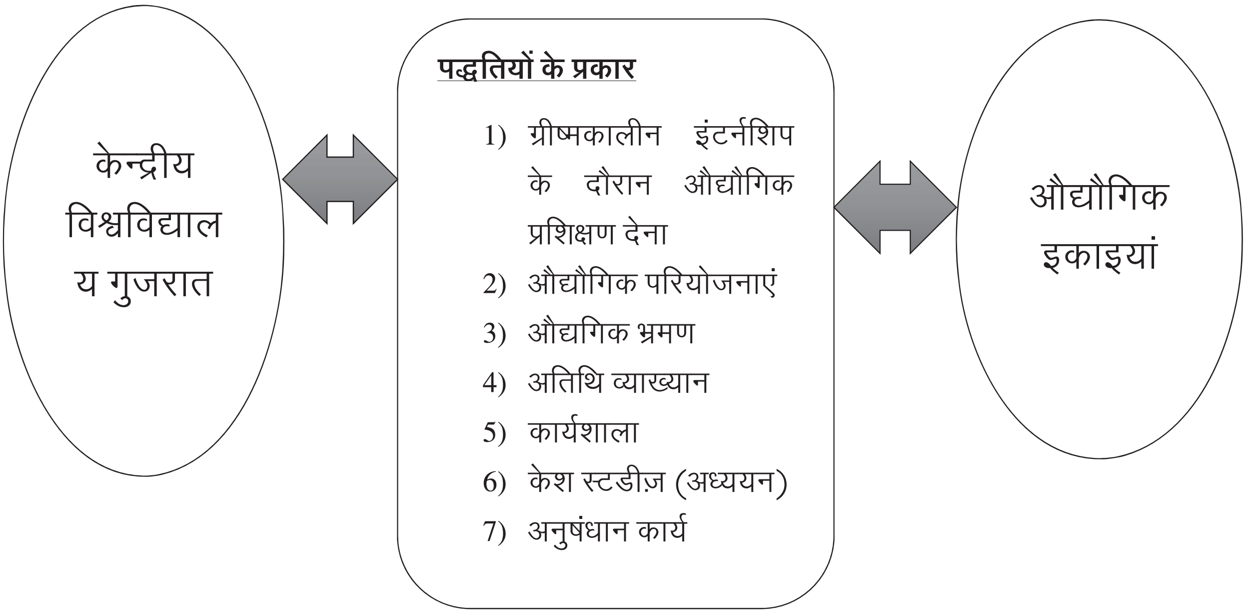

ग्राम अंगीकरण प्रकोष्ठ

केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात अपने द्वारा एक सक्रिय कार्य के रूप में गाँव अंगीकरण प्रकोष्ठ चलाता है। इस प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए गांव के विकास की दिशा में अच्छी पहल की है। इस प्रकोष्ठ में विभिन्न विभागों से चुने गए संकाय सदस्यों को शामिल किया गया होता है:

(1) प्रोफेसर एम एच फुलेकर, अधिष्ठाता एसईएसडी

(2) डॉक्टर भावना पाठक, एसोसिएट प्रोफेसर, एसईएसडी

(3) डॉक्टर लिट्टी डेनिस, सहायक व्याख्याता, एसएसएस

यह गाँव अंगीकरण कार्यक्रम जो लंबे समय तक चलता रहेगा। इसे निम्नलिखित उद्देश्यों को प्राप्त करना है:

कार्यक्रम के उद्देश्य:

- 'लैब टू लैंड' दृष्टिकोण से विश्वविद्यालय के छात्रों को अनुभव के माध्यम से सीखने के लिए प्रेरित करना।
- देश में नागरिकों को अधिक सामाजिक रूप से संवेदनशील बल के रूप में बनाने के लिए काम करना।
- अंगीकृत गांव की सामाजिक और आर्थिक स्थितियों को बढ़ाने के लिए काम करना।
- अंगीकृत गांव में पर्यावरण के अनुकूल माहौल बनाने के लिए सतत विकास की ओर अग्रसर होने के लिए काम करना।
- जनसांख्यिकीय लाभांश से लाभ उठाने के लिए अंगीकृत किए गए गांव के निवासियों को प्रशिक्षित करना।

पिछले वर्ष, विश्वविद्यालय के इस प्रकोष्ठ ने गांधीनगर जिले के काका नु तारापुर नामक गांव को अंगीकृत किया गया (अपनाया) था। विश्वविद्यालय द्वारा चुने गए इस गांव की गतिविधियां प्राथमिक रूप से पर्यावरण और सतत विकास संस्थान के माध्यम से प्रबंधित की जाती हैं। यह संस्थान पर्यावरण अनुकूल वातावरण बनाने और गांव में सतत विकास के लिए समर्थन प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करता है। विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी गांव में आयोजित स्वच्छता अभियान में भागीदारी करने के माध्यम से अपना सहयोग दिया था।

साथ ही साथ यह विश्वविद्यालय उन गांवों की पहचान के लिए एक अध्ययन भी किया जिसके आधार पर निरंतरता आधार पर दूसरे गांवों को इस कार्यक्रम के तहत अपना सकते हैं। यह विश्वविद्यालय पहले ही एमओयू के माध्यम से मानव संसाधन विकास मंत्रालय के उन्नत भारत अभियान की नोडल एजेंसी के साथ एक आपसी सहमति बना चुका है। इस योजना के तहत विकास कार्यों के लिए धन प्रदान किया जाता है। अब तह इस कार्यक्रम के तहत कुछ पांच और गांवों को अपनाने का प्रस्ताव है। अंगीकरण लिए गए गांवों को वास्तविक अर्थों में मॉडल गांवों के रूप में बनाने के लिए इस विश्वविद्यालय द्वारा अपने सभी हितधारकों को शामिल करने और इनसे योगदान करवाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

काका नु तारापुर गाँव की तस्वीरें।

योग क्लब:

दुनिया भर में योग के बारे में जागरूकता बढ़ाने के मद्देनजर, इस विश्वविद्यालय ने सोचा कि विश्वविद्यालय परिसर में भी योग क्लब होना चाहिए। इच्छुक छात्रों को स्वास्थ्य, प्रतिरक्षा और अनुशासन के लाभों का फायदा उठाने के लिए यह सबसे उपयुक्त होगा। तदनुसार, योग क्लब का उद्घाटन 11 अप्रैल, 2016 को माननीय कुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात द्वारा विश्वविद्यालय सेक्टर-30 के परिसर में किया गया था। इस अवसर पर, कुलसचिव, अध्यक्ष (वाईपीआईसी), डीएसडब्ल्यू और विभिन्न संकाय सदस्यों के कई अधिकारियों के साथ-साथ इस उद्घाटन समारोह में लगभग सौ शोध छात्रों और अन्य छात्रों ने भाग लिया था। यह उद्घाटन योग प्रशिक्षक श्री आलोक कुमार पाण्डेय द्वारा योग अभ्यास के प्रदर्शन के साथ-साथ किया गया था।

उद्देश्य:

1. छात्रों को आत्म-अनुशासन और आत्म-नियंत्रण करने के लिए जागरूक करना, और एकाग्रता एवं चेतना के उच्च स्तर की ओर बढ़ने हेतु इन्हें सक्षम बनाना है।
2. छात्रों के आध्यात्मिक-सह-वैज्ञानिक व्यक्तित्व को विकसित करना।
3. मन, मनोविज्ञान और शरीर के बीच समझ विकसित करना और इनके अंतर-संबंध की समझ विकसित करना। इसके अतिरिक्त मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक संतुलन हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना।

योग क्लब संविधान:

इस समिति के सदस्यों के नाम निम्नलिखित हैं:

1. प्रो. जे. पी. एन. मिश्रा - अध्यक्ष
2. डॉ. पी. सी. झा - सदस्य
3. डॉ. हिरण्मय यादव - सदस्य
4. श्री तरुण सोनी - सदस्य
5. श्री आलोक कुमार पाण्डेय - सदस्य

घटनाक्रम / गतिविधियां:

12 अप्रैल, 2017 से छात्रों के लिए नियमित योग कक्षाएं शुरू की गईं हैं। योग प्रशिक्षक के मार्गदर्शन में चार नियमित कक्षाएं निर्धारित की गई हैं।

योग कक्षाओं का समय निम्नानुसार निर्धारित हैं:

- **कक्षा** 1: 6:30 से 7:30 बजे तक। यह कक्षा आसन और प्राणायाम के लिए है।
- **कक्षा** 2: 7:35 पूर्वाह्न से 8:35 बजे तक। यह कक्षा षट्कर्म और प्राकृतिक चिकित्सा के लिए है।
- **कक्षा** 3: 5:30 बजे से शाम 6:30 बजे तक। यह समय संकाय सदस्यों के लिए है।
- **कक्षा** 4: 6:35 बजे से शाम 7:35 बजे तक। यह समय शोध छात्रों और अन्य छात्रों के लिए है।

दोनों, कक्षाएं 3 और 4 आसन और प्राणायाम के लिए हैं। सभी कक्षाएँ विश्वविद्यालय के सभी शोधार्थियों और छात्रों के लिए खुले हैं।

योग उत्सव:

केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के योग क्लब ने योगा उत्सव के बैनर के तले निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए हैं:

- योग अभ्यास पर आधारित एक संगीतमई शाम और इसके साथ-साथ सांस्कृतिक आयोजन जिसमें योग अभ्यास पर आधारित फिल की प्रस्तुति की गई है। साथ ही साथ इसके भावनात्मक प्रबंधन और व्यक्तित्व विकास से संबंधित इसके लाभों को भी बताया/दिखाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून, 2017:

अन्तराष्ट्रिय योग दिवस 21 जून, 2017 को मनाया गया था। इस कार्यक्रम की रूपरेखा निम्नलिखित रूप में हैं:

- माननीय कुलपति द्वारा उदघाटन समारोह
- अकादमिक ब्लॉक, संगोष्ठी कक्ष में योग संबंधी पोस्टर एवं चित्रों की प्रदर्शनी।
- माननीय कुलपति जी द्वारा योग अभ्यास की हस्त पुस्तिका/हैंड बूक (नवीनतम संस्कारण) का विमोचन किया गया।
- विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरण।
- प्रतिभागियों में प्रतिभागिता प्रमाणपत्र का वितरण।

यह आयोजन माननीय कुलपति, कुलसचिव, डीएसडब्ल्यू, अधिष्ठाता, अध्यक्षों और सभी शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों, शोधार्थियों और छात्रों की उपस्थिति से आकर्षक हो गया था। छात्रों ने भारत सरकार के आयुष विभाग द्वारा प्रदान किए गए सामान्य योग प्रोटोकॉल के अभ्यास में भी भाग लिया था।

संस्थान और केंद्र

रासायनिक विज्ञान संस्थान

संस्थान का परिचयः

रासायनिक विज्ञान संस्थान (एससीएस) सीखने की दृष्टि से एक अद्वितीय केंद्र है। यह केंद्र प्राकृतिक विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न विषयों के माध्यम से अंतःविषय और इंटरैक्टिव शिक्षण और शोध कार्यों द्वारा अभिनव वैज्ञानिक विचारों को बढ़ावा देता है। यह संस्थान एप्लाइड एंड ग्रीन कैमिस्ट्री, टेक्सटाइल और पॉलिमर कैमिस्ट्री, पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स, सुपरमोल्यूक्लियस और मैक्रोमोल्यूल्स, काइनेटिक्स और कैटलिसिस, फिजिकल ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री, सिंथेटिक कार्बनिक और अकार्बनिक कैमिस्ट्री, नैनो कैमिस्ट्री, और बायोऑर्गनिक कैमिस्ट्री आदि विषयों के क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य करवाता है। इस संस्थान में पढ़ने वाले छात्रों को रासायनिक विज्ञान के लगभग कई चरणों से गुजरना पड़ता है जो कि बहुत ही व्यापक और गहरे होते हैं। जिनसे छात्रों को सैद्धांतिक, अनुप्रयुक्त, यांत्रिक, कम्प्यूटेशनल और प्रयोगात्मक आदि चरणों के बारे में ज्ञान मिलता है।

संस्थान द्वारा पढ़ाएँ जाने वाले पाठ्यक्रमः

- रासायनिक विज्ञान में एम. एससी.
- रासायनिक विज्ञान में एम. फिल.
- रासायनिक विज्ञान में पीएच. डी.
- एनालिटिकल टेक्निक फॉर विजुयल्ली चैलेंज्ड (एटीवीसी) सर्टिफिकेट कोर्स छह महीने की अवधि का।

एससीएस ऊर्जा, पानी और स्वास्थ्य इन तीन प्रमुख राष्ट्रीय चिंताओं के सतत समाधान खोजने हेतु बहुत गंभीरता से प्रयास कर रहा है। इन विषयों के एक दायरे में, एससीएस ने निम्नलिखित विषयों पर शोध कराने की कोशिश कर रहा है:

- डेन्ड्रिमर आधारित दवा निकालने की प्रणाली, प्रोटीन-लान्थेनाइड नैनोमल्सन, जैव संगत सर्फैक्टेंट के साथ नैनोमल्सन, और औद्योगिक उपयोगों के लिए आयनिक तरल पदार्थ का विकास करना;
- समाज के लिए पर्यावरण अनुकूल ईंधन प्रदान करने के लिए गैर खाद्य तेलों का उपयोग करके बायोडीजल का संश्लेषण करना,
- समाज को सुरक्षित पेयजल प्रदान करने के लिए अकार्बनिक जल विषाक्त पदार्थों का पता लगाना और इन्हें दूर करने के लिए नैनोसेन्सर और नैनोडोर्सबेंट का विकास करना;
- कैंसर-रोधी और टीबी-रोधी प्रकृतिक उत्पादों के विकास की दिशा में बायोएक्टिव प्राकृतिक उत्पादों का पूर्ण संश्लेषण करना और जैव-सक्रिय कार्बनिक नैनोमटेरियल्स और पेप्टाइडोमिमैटिक्स का संश्लेषण करना;

- जैविक प्रतिक्रियाशील अणुओं को विकसित करने के लिए बायोएक्टिव कार्बनिक अणुओं, एनएंटिऑसेलेक्टिव फ़्लोरिनेशन और डोमिनो सायक्लिजेशन प्रतिक्रिया का संश्लेषण;
- बायोमेमेटिक अणुओं के रूप में ओलिगोमर्स का संश्लेषणः डीएनए मिमिक एड्स और अन्य रेट्रोवायरल रोगों के इलाज के लिए एक नया दृष्टिकोण पैदा कर सकता है। इस विषय पर शोध करवाना।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

प्रोफेसर मान सिंह, डीन और प्रोफेसर, रासायनिक विज्ञान संस्थान
अनुसंधान रुचियाँ: भौतिक रसायन विज्ञान, ज्वीट्टेरिओनिक लिक्विड सोल्यूसन ऑफ थर्मोडायनामिक्स, डेंड्रीमरलांटेनहाइड इंतिरेक्सन, डेंड्रीमर ड्रग रिलीज सिस्टम, स्मार्ट रेजिन, एमयूएफ़, एमडीयूएफ़, हिसिकोकेमिकल प्रॉपर्टीज़ ऑफ प्रोटीनलान्थेनाइड नैनोमल्शन, सरक्यूमिन इन ओ/डबल्यू नैनोएम्युलीजन विथ बायोकम्पैतिबल सरफैकटेन्स फॉर बिट्टर सरक्यूमिन इंटेक, आयनिक तरल पदार्थ का संरचनात्मक विज्ञान, ग्राफीम का कार्यान्वयन, सुप्रमोलोक्यूलरऔर समन्वयक रसायन शास्त्र, बायोडीजल।
आविष्कार: सर्विमीटर (सार्ववाद) बोरोसिल द्वारा कामर्सियालाइज्ड, ओस्कोसर्विमीटर, विजनमीटर, नोशिया, फिक्रकोसिटी, मानसिंह समीकरण, टेंट्रोपी, आईएमएमएफ़टी, डीएफ़आई

डॉक्टर दिनेश कुमार, एसोसिएट प्रोफेसर
शोध रुचियां: सिंथेटिक इनोर्गेनिक केमिस्ट्री एंड नाइनोकेमिस्ट्री

डॉक्टर धनंजय मंडल, सहायक व्याख्याता
शोध रुचियां: बायोएक्टिव प्राकृतिक उत्पादों का पूर्ण संश्लेषण; बायोएक्टिव नैनोमटीरियल का संश्लेषण, जैविक रूप से सक्रिय अणुओं पर आधारित नई पद्धति, पेप्टाइडोंमिमैटिक्स आयनिक तरल पदार्थ

डॉक्टर दंडमुदी वी लेनिन, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: सिंथेटिक ओर्गेनिक केमिस्ट्री।

डॉक्टर गुरुराजा जी एन, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रूचि: सिंथेटिक कार्बनिक रसायन शास्त्र।

डॉक्टर पंचमी प्रभाकरन, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: ओर्गेनिक और बायोर्गेन्निक केमिस्ट्री।

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और प्रपत्र:

क्र. सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रम के अनुसार	लेख और प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	महिना/ प्रकाशन वर्ष खंड संख्या के साथ
1.	पैनुली, आर.; जोशी, पी.; कुमार, डी.	कॉस्ट-इफेक्टिव सिंथेसिस ऑफ़ बाईफंक्शनल सिल्वर नैनोपार्टिकल्स फॉर साइमलटेनीअस कॉलोरिमेट्रिक डिटेक्शन ऑफ़ एआई (III) एंड डिसइनफेक्शन	*सेंसर्स एंड एक्ट्यूएटर्स: बी. केमिकल*	2018. 272, पृ. सं. 79-90
2.	गोयल, पी. चंद्रा, एस. कुमार, डी.	नाइटिबैक्टीरियल स्क्रीनिंग ऑफ़ नाइट्रोजन एंड सल्फर डोनर एटम कॉनटैनिंग मेथिलकारबामाटेथियोसिसिकारबाज़ोन एंड इट्स (एमएन) (II) कॉम्प्लेक्सेसः सिंथेसिस स्पेक्ट्रोस्कोपिक एप्रोच, मोलेक्यूलर मॉडलिंग	*ईरानियन जर्नल ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसएक्शन एः साइंस*	2018. पृ. सं. 1-11
3.	शर्मा, आर. ढिल्लों ए. कुमार, डी.	मेंथा-स्टेब्लाइज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स फॉर हाई-परफॉरमेंस कॉलोरिमेट्रिक डिटेक्शन ऑफ़ एआई (III) इन एक्यूस सिस्टम	*साइंटिफिक रिपोर्ट*	2018. 8 (1).
4.	राघव, एस. कुमार, डी.	एड्सार्प्शन इक्यूलीब्रियम, कैनेटीक्स, एंड थर्मोडायनामिक स्टडीज ऑफ़ फ़्लोराइड बाई यूजिंग टेट्रामेटालिक ऑक्साइड एड्सॉर्बेंट	*जर्नल ऑफ़ केमिकल एंड इंजीनियरिंग डाटा*	2018. 63 (5). पृ.सं. 1682-1697
5.	ढिल्लों ए. नेहरा एन. चौधरी बी.एल. कुमार डी. प्रसाद, एस.	एक्सीलेंट डिसइन्फेक्शन एंड फ़्लोराइड रिमूवल यूजिंग बाईफंक्शनल नैनोकम्पोजिट	केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल	2018. 337. पृ.सं. 193-200,

6.	जांगिड़, अशोक कुमार; मालिक, पार्थ; सिंह, मान.	मिनरल एसिड मॉनिटर्ड फिजियोकेमिकल स्टडीज ऑफ़ आयल-इन-वाटर	*जर्नल ऑफ़ मॉलेक्यूलर लिक्विड*	मार्च 2018. 259.
7.	वशिष्ठ, निधि; चंद्रा, अभिषेक; सिंह, मान.	इन्फ्लुएंस ऑफ़ रोडमाइन बी ऑन इंटरेक्शन बीहैवीअर ऑफ़ लान्थेनाइड नाइट्रेट्स विथ 1स्ट टियर डेंडड्रीमेर इन एक्यूएस डीएमएसओः अ फिजियोकेमिकल, क्रिटिकल एग्रीगेशन कंसंट्रेशन एंड एंटीऑक्सीडेंट एक्टिविटी स्टडी	*जर्नल ऑफ़ मॉलेक्यूलर लिक्विड्स*	मार्च 2018. 260.
8.	कुमार, अनिल; बेरा, स्मृतिलेखा; सिंह मान; मंडल, धनंजोय.	एग्रोबैक्टीरियम-असिस्टेड सेलेनियम नैनोपार्टिकलः मॉलेक्यूलर आस्पेक्ट ऑफ़ एंटीफंगल एक्टिविटी	*एडवांस इन नेचुरल साइंसः नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी*	दिसंबर, 2017. 9(1):015004 .
9.	अवस्थी, गोपाल; श्रीकांत मत्तेदर; सिंह, मान.	स्क्रूटिनाज़ाइन एक्सएएफएस स्पेक्ट्रोसकॉपी एंड बायोकॉम्पैटीबिलिटी ऑफ़ एन-ड्रॉप्ड एज-फंक्शनलाइज़ड ग्राफीन ऑक्साइड	*आर्टिकल इन एक्ट क्रिस्टेलोग्राफिक अ सेक्शन अः फाउंडेशन एंड एडवांसेज*	दिसंबर 2017. 73 (ए2): सी 690 'सी 690.
10.	इन्वती, गजेन्द्र कुमार; राव, यश; सिंह, मान	माइक्रोवेभ एनडिस्ड प्लैटिनम एनपीएस ग्रोथ	*नैनोस्केल रिसर्च लैटर्स*	सितम्बर 2017.
11.	इन्वती, गजेन्द्र कुमार; राव, यश; सिंह, मान	इन सीटू ग्रोथ ऑफ़ लो-डाईमेंसनल सिल्वर नैनोक्लिस्टर्स विथ देअर ट्यूनेबल प्लास्मोनिक एंड थर्मोडाईनामिक बीहैवियर	*एसीएस ओमेगा पब्लिकेशन*	सितम्बर 2017.
12.	राव, यश; इन्वती, गजेन्द्र कुमार; सिंह, मान.	ग्रीन सिंथेसिस ऑफ़ कैप्ड गोल्ड नैनोपार्टिकल्स एंड देयर इफ़ेक्ट ऑन	*फ्यूचर साइंस*	सितम्बर 2017

		ग्राम-पॉजिटिव एंड ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया		
13.	सिंह, मान; मालिक पार्थ	स्टडी ऑफ़ करक्यूमिन एंटीऑक्सीडेंट एक्टिविटीज इन रोबस्ट आयल-वाटर नैनोइमल्शन्स	*न्यू जर्नल ऑफ़ केमेस्ट्री*	सितम्बर 2017. 41 (21).
14.	सचिन, केएम; चंद्रा, अभिषेक; सिंह, मान.	(पीडीएफ) नैनोडिसपरसन ऑफ़ फ़्लेवनोइड्स इन अक्यूएस डीएमएसओ-बीएसए कैटलाईज़्ड बाई कैटोनिक सर्फेक्टेंट्स ऑफ़ वेरिएबल अल्कल चैन एट टी = 298.15 टू 308.15 के	*जर्नल ऑफ़ मॉलेक्यूलर लिक्विड्स*	सितम्बर 2017. 246.
15.	श्रीकांत मक्तेदर, श्रीकांत; मालिक, पार्थ; अवस्थी, गोपाल सिंह, मान.	डिसपर्सन एनहेंसिंग इफ़ेक्ट ऑफ़ सोनोकेमीक फंक्शनलाइज़्ड ग्राफीम ऑक्साइड फॉर कैटालायिंग एंटीऑक्सीडेंट एफ्फेक्सी ऑफ़ करक्यूमिन	अल्ट्रासोनिक्स सोनोकेमेस्ट्री	अप्रैल 2017. 39.
16.	सिंह, मान; सिंह सुनीता; इनामुद्दीन सी डी; असीरी, अब्दुल्लाह एम.	आईएफटी एंड फ्रिस्कोसिटी स्टडी ऑफ़ फार्मूलेशन, वेटिंग, डीवेटिंग ऑफ़ लिक्विड सिस्टम्स युसिंग ऑस्कोसर्विसमीटर	*जर्नल ऑफ़ मॉलेक्यूलर लिक्विड्स*	2017. 244. पृ.सं. 7 ‘ 18.
17.	पटेल, श्वेता; जना, सर्मिता; शेट्टी, राजलक्ष्मी; ठाकुर, सोनल; सिंह, मान; देवकर, रंजितसिंह.	टीआई ओ2 नैनोपार्टिकल्स इनड्यूस ओमफलसील इन चिकन एम्ब्रयों बाई डिसरोप्टिंग डब्ल्यू सिंग्रलिंग पाथवे	*साइंटिफिक रिपोर्ट्स*	मार्च 2018.
18.	इन्वती, गजेन्द्र कुमार; राव, यशवंत; सिंह, मान.	थर्मोडायनामिकली इनडूसेड इन सितु एंड ट्यूनेबल सीयू प्लास्मोनिक बीहैविअर	*साइंटिफिक रिपोर्ट्स*	फरवरी 2018

संपादित खण्डों में प्रकाशित प्रपत्र:

क्र. सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशक/प्रकाशन महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	ढिल्लों, अंकिता; कुमार, दिनेश.	हाईड्रोजेल्स नैनोकॉमपोजीशन फॉर ड्रग डिलीवरी	*नैनो कार्रिएर्स फॉर ड्रग डिलीवरी: एल्सवेयर बुक सीरीज*	2018. आईएसबीएन: 9780128140338. अध्याय 10.
2.	थाती, शीनम; वर्मा, रोहित; खुराना, पारुल; गोयल, पल्लवी; कुमार, दिनेश.	वाटर क्वालिटी स्टैंडर्ड्स, इट्स पालुशन एंड ट्रीटमेंट मेथड्स	*अ न्यू जनरेशन मटेरियल ग्राफीन: एप्लीकेशन इन वाटर टेक्नोलॉजी*	2018. पार्ट ऑफ़ स्प्रिंगर नेचर (इंडिया) : स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग एजी, आईएसबीएन 978-3-319-75484-0, पृ. सं. 21-42.
3.	राघव, सपना; पैनुली, ऋतू; कुमार, दिनेश.	थ्रिएट्स टू वाटर: इश्यूज एंड चैलेंजेस रिलेटेड टू ग्राउंड वाटर एंड ड्रिंकिंग वाटर	*अ न्यू जनरेशन मटेरियल ग्राफीन: एप्लीकेशन इन वाटर टेक्नोलॉजी*	2018. पार्ट ऑफ़ स्प्रिंगर नेचर (इंडिया) : स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग एजी, आईएसबीएन 978-3-319-75484-0. पृ. सं. 01-20.
4.	ढिल्लों, अंकिता; कुमार, दिनेश.	रिसेंट एडवांसेज एंड पर्सपेक्टिव्स इन पॉलीमर-बेस्ड नैनोमैटेरियल्स फॉर सीआर (विआई) रिमूवल	न्यू पॉलीमर नैनोकॉमपोजीशन्स फॉर एनवायर्नमेंटल रेमेडिशन	2018. नीदरलैंडस: एल्सवियर, आईएसबीएन: 9780128110331. *सीएच*. 2, *पृ.सं.*29-46.

प्रकाशित किताबें:

क्र. सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	किताब का शीर्षक	प्रकाशक/प्रकाशन महिना/वर्ष और स्थान का नाम
01	सिंह, मान	*सरवाईसमीटर फंडामेंटल्स, डिवाईसेस एंड एप्लीकेशन्स*	पैन स्टैनफोर्ड फुब्लिशिंग

संगोष्ठी/सम्मेलन के अलावा प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षिक वार्ता आदि

क्र.सं.	नाम	दिए गए वार्ता/व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1.	कुमार, दिनेश	एनएमआर स्पेक्ट्रोस्कोपी	अ गेंस्त लेक्चर सीरीज एट डिपार्टमेंट ऑफ़ केमेस्ट्री, श्री यू पी आट्र्स, श्रीमति. एमजी पंचाल साइंस एंड श्री वी एल शाह कॉमर्स कॉलेज, पिल्वई, गुजरात. मार्च 3, 2018.	अतिथि वक्ता
2.	कुमार, दिनेश	वाटर रेमेडीएशन टेक्नोलॉजीइस	वन-डे वर्कशॉप कम अवेयरनेस प्रोग्राम एट भातेर्दिया विलेज, वनस्थली, राजस्थान, दिसंबर 16, 2017.	आमंत्रित वक्ता
3.	कुमार, दिनेश	मोसबाओर स्पेक्ट्रोस्कोपी, क्रयो-इलेक्ट्रान माइक्रोस्कोपी एंड इएससीए	नेशनल वर्कशॉप फॉर फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम. डिपार्टमेंट ऑफ़ केमेस्ट्री, वनस्थली विद्यापीठ, राजस्थान. नवंबर 18 - 19, 2017.	आमंत्रित वक्ता
4.	कुमार, दिनेश	एमओटी	डिपार्टमेंट ऑफ़ केमेस्ट्री, वनस्थली यूनिवर्सिटी, राजस्थान. सितम्बर 27, 2017.	अतिथि वक्ता
5.	कुमार, दिनेश	मोसबाओर स्पेक्ट्रोस्कोपी	डिपार्टमेंट ऑफ़ केमेस्ट्री, श्री यू पी आट्र्स, श्रीमति. एमजी पंचाल साइंस एंड श्री वी एल शाह कॉमर्स कॉलेज, पिल्वई. सितम्बर 16, 2017.	आमंत्रित वक्ता

6.	कुमार, दिनेश	यूनिफायिंग प्रिंसिपल्स ऑफ़ स्पेक्ट्रोस्कोपी	डिपार्टमेंट ऑफ़ केमेस्ट्री, श्री यू पी आर्ट्स, श्रीमति. एमजी पंचाल साइंस एंड श्री वी एल शाह कॉमर्स कॉलेज, पिल्वई. सितम्बर 09, 2017.	आमंत्रित वक्ता
7.	कुमार, दिनेश	करीकुलम ऑफ़ केमेस्ट्री	यूजीसी स्पोंसर्ड स्टेट लेवल वन-डे वर्कशॉप ऑन केमेस्ट्री करीकुलम. अगस्त 12, 2017.	आमंत्रित वक्ता
8.	कुमार, दिनेश	वाल्श डायग्राम	अ गेस्ट लेक्चर सीरीज. डिपार्टमेंट ऑफ़ केमेस्ट्री, वनस्थली यूनिवर्सिटी, राजस्थान, जुलाई 22, 2017.	आमंत्रित वक्ता
9.	सिंह, मान	हिंदी पखवाड़ा उत्सव 2017	एट नेशनल इन्नोवेंशन फाउंडेशन ‘ इंडिया, सितंबर 07, 2017.	मुख्य अतिथि
10	सिंह, मान	डिलीवर लेक्चर	मगध यूनिवर्सिटी, बोधगया, बिहार. नवंबर 17, 2018.	मुख्य वक्ता

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं:

क्र. सं.	नाम	परियोजना का शीर्षक	वित्तपोषित एजेंसी	अनुमोदित राशी	परियोजना की स्थिति
01	सिंह, मान	“डेवलपमेंट ऑफ़ ग्राफीन बेस्ड एडवांस्ड फंक्शनल इलेक्ट्रोकटालिसिस फॉर एनर्जी एप्लीकेशन्स”	यूजीसी-डीएइ सीएसआर, इंदौर	10 लाख	चल रही है
02	सिंह, मान	“प्रिपरेशन ऑफ़ लांथनाइड नैनोपार्टीकल्स, कैरेक्टराईजेशन एंड देयर नैनोमल्सन फॉर्मूलेशन फॉर डॉकिंग एंड डेवलपिंग देयर मुल्टीफंक्शनल कॉनफॉरमेशनल स्टेट्स”	डीआरडीओ	20.02 लाख	पूर्ण
03	लेनिन, दंडामुडी. वी.	डेवलपमेंट ऑफ़ नोवल मेथोड़ोलाजिस फॉर द सिंथेसिस ऑफ़ हेटरोसाईकल एंड कारबोसाईकल कंपाउंड्स यूसिंग बयलिस-हिलमैन एडक्स	यूजीसी	10 लाख	चल रही है

04	लेनिन, दंडामुडी . वी.	एप्लीकेशन्स ऑफ़ बेलिस-हिलमैन एडक्स फॉर द सिंथेसिस ऑफ़ हेटरोसाईकल एंड कारबोसाईकल कंपाउंड्स.	सीयूजी	1लाख	चल रही है

शोध छात्र: निर्देशित

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, एमफिल./पीएच. डी. .	निर्देशित छात्रों की संख्या
01	प्रो. मान सिंह	एमफिल./पीएच. डी. .	05

विश्वविद्यालय प्रशासन में संकाय के सदस्यों के रूप में विभाग की भागीदारी या अतिरिक्त जिम्मेदारियां:

प्रो. मान सिंह, डीन, एससीएस

- गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के समानता समिति
- गुजरात विश्वविद्यलय के पूर्व छात्र संघ (सीयूजीएए) ' संस्थापक सदस्य
- ओबीसी प्रकोष्ठ के संपर्क अधिकारी, सीयूजी
- अध्यक्ष, आईपीआर समिति, सीयूजी
- अध्यक्ष, एआरसी समिति, सीयूजी
- अध्यक्ष, विश्वविद्यालय स्तर खरीद समिति, सीयूजी
- सदस्य, विश्वविद्यालय बिल्डिंग समिति, सीयूजी
- सदस्य, सीएएसआर, एसइएसडी, सीयूजी

डॉ. दिनेश कुमार, एसोसिएट प्रोफ़ेसर, एससीएस

- सदस्य, अकादमिक परिषद
- स्थानीय खरीद समिति के सदस्य
- सीआईएफ की जाँच के लिए विशेषज्ञ समिति के सदस्य
- सीआईएफ की विशेषज्ञ उपसमिति के सदस्य
- एक भारत श्रृष्ट भारत समिति के सदस्य (इबीएसबी)
- सदस्य, सीएएसआर ' एसएनएस

पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान

पर्यावरण प्रकृति में प्रचलित कुल स्थितियों का योग है जिसमें जीव जीवित रहते हैं और जैविक और अजैविक घटकों के बीच इनका आपसी संपर्क होता रहता है। पर्यावरण की दीर्घकालिक स्थिरता, पृथ्वी पर जीवन हेतु पृथ्वी पर जीवन की निरंतरता हेतु और इसके अखंडता के रखरखाव के लिए आवश्यक है। मानव-पर्यावरण संबंध से यह पचा चलता है कि पर्यावरण के प्रदूषित होने और इसमें गिरावट आने के कारणों में एक सामाजिक संबंध है। आज के समय में पर्यावरण प्रदूषण एक प्रमुख वैश्विक चिंता बन गया है। वैश्विक समाज को वायु, पानी, मिट्टी, पर्यावरण की गुणवत्ता में सुधार और पारिस्थितिक संतुलन को बनाए रखने की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। औद्योगिकीकरण, शहरीकरण, आधुनिक कृषि विकास और ऊर्जा उत्पादन के विकास के परिणामस्वरूप मानव इच्छाओं और जरूरतों को पूरा करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध शोषण हुआ है, जिसने पारिस्थितिक संतुलन को खराब करने में योगदान दिया है और इसी पर हमारे पर्यावरण की गुणवत्ता निर्भर करती है। हाल के दिनों में, पर्यावरण में लगातार गिरावट से मानव जीवन के लिए एक बड़ा खतरा बनाता जा रहा है। आज एसिड बारिश, ओजोन क्षरण, ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, कीटनाशकों और उर्वरक के प्रभाव, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, खतरनाक अपशिष्ट-उपचार और निपटान इत्यादि जैसी पर्यावरणीय समस्याएं हैं हमारे सामने खड़ी हैं। सतत विकास पर्यावरण-समाजों की प्रगति और समृद्धि के लिए प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग पर, उद्योगों के उत्पादन, प्रसंस्करण और संचालन के लिए अनुकूल प्रौद्योगिकी के उपयोग पर जोर देता है। इसलिए, पर्यावरण जागरूकता और पर्यावरण शिक्षा के लिए कौशल और ज्ञान को समझना और विकसित करना आवश्यक है।

एसईएसडी ने 21वें बिजनेस स्कूल अफेयर्स (बीएसए) द्वारा और देवांग मेहता बिजनेस स्कूल द्वारा एजुकेशन लीडरशिप अवार्ड प्राप्त किया है।

संस्थान द्वारा पढ़ाये जानेवाले पाठ्यक्रम

पर्यावरण और सतत विकास में पीएच. डी.

पर्यावरण और सतत विकास में एकीकृत एम. फिल. और पीएच. डी. कार्यक्रम

पर्यावरण विज्ञान में एम.एस.सी.

जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास में एम.एस.सी.

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल

प्रोफेसर एम एच फूलेकर, अधिष्ठाता

शोध रुचि: पर्यावरण विज्ञान, पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी; पर्यावरण नैनो प्रौद्योगिकी

डॉक्टर भावना पाठक, एसोसिएट प्रोफेसर
शोध रुचि: पर्यावरण पारिस्थितिकी, जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण जैव प्रौद्योगिकी

डॉक्टर हिरण्यमयी यादव, एसोसिएट प्रोफेसर
शोध रुचि: जैव चिकित्सा, कार्बनिक खेती, मृदा गुणवत्ता परीक्षण/जांच।

डॉक्टर राजेश सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचि: अपशिष्ट जल उपचार, प्रदूषण परीक्षण।

डॉक्टर पौलामी साहू, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचि: जलविज्ञान, भूजल मॉडलिंग, भूजल प्रबंधन

डॉक्टर रीना कुमारी, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचि: जल विज्ञान, भू-रसायन, आइसोटोप जलविज्ञान, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस

डॉक्टर धीरज राठौड़, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचि: स्ट्रेस फिजियोलॉजी, पारिस्थितिकी

प्रतिष्ठित / विशेषज्ञ समीक्षित / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और प्रपत्र:

क्र. सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना का नाम खंड संख्या के साथ
1.	एकता पुरस्वानी और भावना पाठक	सोइल कार्बन स्टॉक्स इन डिफरेंट लैंड-यूज क्लासेस ऑफ़ गांधीनगर, गुजरात	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस इंजीनियरिंग एंड रिसर्च डेवलपमेंट (आईजेएइआरडी	नवंबर 2017 खंड 4, सं.11, पृ.सं. 937- 942
2.	जितेन्द्र कुमार सिंह और भावना पाठक	बैक्टीरियल डाइवर्सिटी ऑफ़ मैन्ग्रोव राईजस्फेयर सोइल- गल्फ ऑफ़ खम्भात, गुजरात, इंडिया	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस इंजीनियरिंग एंड रिसर्च डेवलपमेंट (आईजेएइआरडी	नवंबर 2017 खंड 4, सं.11, पृ.सं. 857- 861

3.	सुनैना नाथ भावना पाठक	इफ़ेक्ट ऑफ़ नॉनकॉन्वेंशनल साल्वेंट एक्सट्रैक्शन ऑन फायोकेमिकल कॉन्सट्रेशन्स एंड एंटीऑक्सीडेंट एक्टिविटीज इन थेस्पिजिया लैम्पस	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एडवांस रिसर्च	नवंबर 2017 खंड (10), पृ.सं.1749-1757
4.	ज्योति फुलेकर, डिंपल पी. दत्ता, बी. पाठक, एम.एच. फुलेकर	नावेल माइक्रोबिअल एंड रूट मेडीएटेड ग्रीन सिंथेसिस ऑफ़ टीआईओ2 नैनो पार्टिकल्स एंड इट्स एप्लीकेशन इन वेस्टवाटर रेमेडीएशन	जर्नल ऑफ़ केमिकल टेक्नोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी	ऑक्टूबर 2017 दिनांकः 10.1002/jctb.5423
5.	सुनैना नाथ संदीप रावत रणवीर एस. रावल, इंद्रा डी.भट्ट, भावना पाठक एमएच फुलेकर	सोइल कांसिसटूएंट इंफ्लुएंस अक्यूमूलेशन ऑफ़ फाइटोकेमिकल्स एंड न्यूट्रिशनल कंटेंट इन राइटिया टिनक्टोरिया ऑफ़ नार्थ गुजरात, इंडिया	इंडियन जर्नल ऑफ़ प्लांट फिजियोलॉजी	जुलाई 2017 खंड 22,(2), पृ.सं. 197‘205.
6.	सुरियप्रभा आर, समरीन खान, भावना पाठक, एम एच फुलेकर	स्फेरिकल सर्फस्ड मैग्नेटिक (Fe3O4) नैनोपार्टिकल्स ऐज नैनो एसोर्बेंट मटेरियल फॉर ट्रीटमेंट ऑफ़ इंडस्ट्रियल डाई एफ्लूएंट्स	आईएनटी. जे. नैनो साइंस नैनोटेक्नो..	जून 2017 खंड. 13, संख्या2, पृ.सं. 169-175
7.	ज्योति फुलेकर, भावना पाठक और एम.एच. फुलेकर	डेवलपमेंट ऑफ़ माइकोरहांइज़ेसफेयर यूजिंग सोरघम	आईएनटी. जे. करेंट्स. री.एसीए.रीइवि.	जून 2017 खंड. 5 (6), पृ.सं. 42-48

		बाईकलरफॉर राइज़ेसफेयर बायोमीडिएशन		
8.	मोहम्द. अरसद सिद्दीकी और हिरान्मइ यादव आर.	फिजियो केमिकल चेंजेस ड्यूरिंग द बायोकनवर्सन ऑफ़ सोइल्ड आर्गेनिक वेस्टेस यूजिंग वर्मीटेक्नोलॉजी	एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ़ रिसर्च	2017. खंड.I (LVIII):65-71
9.	कल्प भूसन और राजेश सिंह	सीवेज स्लज एंड फ़ूड वास्ट को-डाइजेशन टू मीथेनः अ मल्टी रिस्पांस एंड काइनेटिक मॉडलिंग स्टडी टू ईवालूएट द डायनामिक्स इन कॉम्पोजिशनल परामीटर	बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट	10.1016/j.biteb.2018.05.005
10.	कल्प भूसन और राजेश सिंह	काइनेटिकमॉडलिंग ऑफ़ मीथेन प्रोडक्शन ड्यूरिंग बायो इलेक्ट्रोल्सिस फ्रॉम अनारोबिक को-डाइजेशन ऑफ़ सीवेज स्लज एंड फ़ूड वास्ट	बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी	10.1016/j.biortech.2018.05.036
11.	डॉक्टर, डी.ए.एंड साहू, पी.	अस्सेमेंट ऑफ़ बायोमॉस एंड कार्बन स्टॉक इन टेमपरेट फारेस्ट ऑफ़ नार्थन कश्मीर हिमालय, इंडिया.	प्रोसीडिंग ऑफ़ द इंटरनेशनल अकादमी ऑफ़ इकोलॉजी एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज	2018, खंड. 8(2), पृ.सं.139-150.

12.	डॉक्टर डी.ए.,एंड साहू, पी.	अस्सेमेंट ऑफ़ सोइल आर्गेनिक कार्बन स्टॉक इन फाइव फारेस्ट टाइप्स ऑफ़ नार्थन कश्मीर हिमालय.	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ थ्यूरोटिकल एंड एप्लाइड साइंसेज	2018. खंड 10(1), पृ.सं.86-92.
13.	स्वयं सिद्ध और पौलमी साहू	अस्सेमेंट ऑफ़ ग्राउंडवाटर पोटेंशियल ऑफ़ गांधीनगर रीजन, गुजरात	जर्नल ऑफ़ द जियोलाजिकल सोसाइटी ऑफ़ इंडिया	खंड.91, (2018), 91-98
14.	रतन सिंह और धीरज राठोर	ओक्सीडेटिव स्ट्रेस डिफेन्स रेपोंसेस ऑफ़ व्हीट (ट्रिटिकम एसटीवम एल.) एंड चिल्ली (कैप्सिकम एनम एल.) कल्टिवार्स ग्रोन अंडर टेक्सटाइल एफ्लुएंट फर्टिलाजेशन	प्लांट फिजियोलॉजी बायोकेमेस्ट्री	10.1016/j.plaphy.2017.12.027
15.	रतन सिंह, बर्नर आर, ग्लिक्क एंड धीरज राठोर	बायोसरफैक्टेन्स ऐज अ बायोलॉजिकल टूल टू इन्क्रेज माइक्रोनुट्रीएनट अवैलिबिलिटी इन सोइलः अ रिव्यु	पेडोस्फेयर	28(2):170-189
16.	प्रसाद एस., राठोर डी. और सिंह ए.	रीसेंट एडवांस इन बायोगैस प्रोडक्शन	केमिकल इंजीनियरिंग एंड प्रोसेस तकनीक	(2017). 3(2): 1038.

संपादित खंडो में प्रकाशित प्रपत्र

क्र. सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशक/प्रकाशन महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1	भावना पाठक, शालिनी गुप्ता आयर रीता वर्मा	बायोसोर्पप्सन एंड बायोडीग्रेशन ऑफ़ फोलीकॉर्बन बाई माइक्रोअलगी	इन ग्रीन अडसोरबेंट फॉर पोलुशन रिमूवल. फंडामेंटल्स एंड डिज़ाइन, बुक सीरीजः एनवायर्नमेंटल केमेस्ट्री फॉर अ सुस्टनेबल वर्ल्ड	पब्लिशरः स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, (2018)
2	साहू, पौलमी	फ़्लोराइड पोलुशन इन ग्राउंडवाटर एन ओवरव्यू	ग्राउंडवाटर डेवलपमेंट एंड मैनेजमेंटः इश्यूस एंड चैलेंजेस इन साउथ एशिया	2018, स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग, कंपनी, न्यू दिल्ली, इंडिया

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, अखबार, वेब पोर्टल्स)

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	शीर्षक	प्रकाशक/प्रकाशन महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1	एम एच फिलेकरंड भावना पाठक	एनवायर्नमेंटल नैनोटेक्नोलॉजी	ऑक्ट. 2017 (कैटलॉग नं. K25821, 340 पृ.सं. आईएसबीएनः 978-1-4987-2623-8. सीआरसी प्रेस

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मलेन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत पत्र

क्र. सं.	लेखक/लेखकों के नाम क्रमानुसार	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/ सम्मेलन / कार्यशाला की विषय-वस्तु	आयोजक संस्था और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	भावना पाठक	अपवार्ड शिफ्ट इन प्लांट डिस्ट्रीब्यूशन शिफ्ट इन प्लांट डिस्ट्रीब्यूशन विथ क्लाइमेट चेंजः कुमौन, वेस्ट हिमालय, इंडिया. (एक्सपर्ट लेक्चर)	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	एसइएसडी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	22-23 मार्च 2018
2.	भावना पाठक	नैनोटेक्नोलॉजी फॉर वैस्ट वाटर ट्रीटमेंट ‘ अ सस्टैनबल वैस्ट प्यूरीफिकेशन एप्रोच फॉर वाटर मनेजमेंट	“वर्कशॉप ऑन वाटर कान्सर्वेशन एंड रिलेटेड इश्यूज”	सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड, अहमदाबाद	15 नवंबर 2017
3.	मनोज कुमार और राजेश सिंह	मिटिगैशन ऑफ़ कॉर्बन फूट प्रिंट फ्रॉम वैस्ट्वॉटर सेक्टर थ्रू कन्स्ट्रक्टड वेट्लैन्ड्स	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
4.	मनोज कुमार और राजेश सिंह	म्युनिसिपल वैस्ट्वॉटर ट्रीटमेंट यूजिंग कॉन्सट्रक्टेड वेट्लैन्ड्स : अ सस्टैनबल टेक्नोलॉजी	58th एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ एसोसिएशन ऑफ़ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ़ इंडिया एंड इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन माइक्रोबेस फॉर सस्टैनबल डेवलपमेंटः स्कोप एंड एप्लीकेशन्स	बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी (अ सेंट्रल यूनिवर्सिट)	नवंबर 16 - 19, 2017

5.	मनोज कुमार और राजेश सिंह	कॉन्सट्रक्टेड वेट्लैन्ड्स : द नेक्स्ट जनरेशन ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजी फॉर म्युनिसिपल वैस्ट्वॉटर	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजीज फॉर सस्टैनबल एग्रीकल्चर फ़ूड, हेल्थ, एनर्जी एंड इंडस्ट्री	गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार	फ़रवरी 21-23, 2018
6.	कल्प भूसन और राजेश सिंह	मॉडलिंग द कनेटिक्स ऑफ़ बायो इलेक्ट्रालसीस फॉर मीथेनप्रोडक्शन फ्रॉम ऐनरोबिक को- डाइजेसन ऑफ़ सूइज स्लज एंड फ़ूड वैस्ट	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बायो एंड नैनो टेक्नोलॉजीज फॉर सस्टैनबल एग्रीकल्चर फ़ूड, हेल्थ, एनर्जी एंड इंडस्ट्री	गुरु जंभेश्वर यूनिवर्सिटी ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, हिसार	फ़रवरी 21-23, 2018
7.	स्वयं सिद्ध और पौलमी साहू	इंपैक्ट ऑफ़ क्लाइमेट चेंज ऑन ह्यूमन डीज़ीज आउटब्रेक पैटर्न	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
8.	भावना निगम और धीरज राठौर	रोल ऑफ़ एक्सोजनस प्रोटेक्टेनट्स सप्लाई ऑन प्लांट अंडर साल्ट स्ट्रेस टू मिटीगेट साल्ट-इन्डूस्ट डैमजेस	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
9.	भावना निगम और धीरज राठौर	रोल ऑफ़ एक्सोजनस प्रोटेक्टेनट्स सप्लाई इन प्लांट ग्रोन अंडर साल्ट स्ट्रेस (पोस्टर)	इन्टरडिसप्लेनरी रिसर्चः कंट्रीबुशन टुवर्ड्स ग्लोबल स्ट्रेंथ एंड वर्कशॉप ऑन साइंटिफिक राइटिंग	गनपत यूनिवर्सिटी, मेहसाना, गुजरात, इंडिया	8 ‘ 9 मई 2017

10	स्मृति मेहरोत्रा और भावना पाठक	बायोमिटिगैशन ऑफ़ कार्बन डाइऑक्साइड टूकॉम्बैट क्लाइमेट चेंज यूजिंग माइक्रोऐल्जी	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
11	स्मृति मेहरोत्रा	एडवांस्ड माइक्रोस्कोपी एंड इमेजिंग टेक्निक्स	ज्वाइनटली ऑर्गनाइज़ड बाई सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान, डी. एसएस इमेजटेक एंड ओलम्पस मेडिकल सिस्टम	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान	जून 29 to जुलाई 01 2017
12	स्मृति मेहरोत्रा	एयर क्वालिटी मैनेजमेंट वर्कशॉप	एयर क्वालिटी मैनेजमेंट वर्कशॉप	सेंटर फॉर एनवायरनमेंट एजुकेशन	6 सित्, 2018
13	नीरज कुमार सिंह और राजेश सिंह	सस्टैनबल एप्रोच फॉर हाइड्रोजन प्रोडक्शन यूजिंग माइक्रोबिअल इलेक्ट्रालसीस सिस्टम	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
14	मोहम्मद अरसद सिद्दीकी एंड हिरण्यमयी यादव आर	आर्गेनिक फार्मिंग एज एन एडाप्टेशन स्ट्रेटजी टू क्लाइमेट चेंज इम्पैक्टस ऑन एग्रीकल्चर	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
15	इंद्रा जीत चौधरी और धीरज राठोर	रिलेटिव सेंसिटिविटी असेसमेंट ऑफ़ ओजोन ऑन ग्राउंडनट कल्टीवार्स यूजिंग ओटीसी एंड इडीयू	इंटरनेशनल साइंस कांग्रेस एंड एनवायरनमेंट रिसर्च (आईसीइआर-2018)	एमिटी यूनिवर्सिटी ग्वालिअर, इंडिया	(8-10 फ़रवरी , 2018).

16	अपेक्षा चवन और एम.एच. फुलेकर	बायोकारः सस्टेनबल एप्रोच टू मीटिगेट क्लाइमेट चेंज	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
17	नेहा चौधरी, अशिता राय, एम एच फुलेकर	राइजोस्फेयरः ग्रीन टेक्नोलॉजी फॉर मिटिगेशन ऑफ़ क्लाइमेट चेंज इम्पैक्ट	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
18	श्रेया एम. मोदी, समरीन हीना खान, निशा चौधरी, सुरियाप्रभा आर, वीरेंद्र कुमार यादव, भावना पाठक एंड एम.एच.फुलेकर	नैनोटेक्नोलॉजी-सलूशन टू कॉम्बैट क्लाइमेट चेंज	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
19	शालिनी चौधरी, ज्योति फुलेकर, एम. एच. फुलेकर	माइक्रोएल्जीः प्रोमिसिंग टेक्नोलॉजी फॉर कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
20	आशा हम्बल और धीरज राठौर	इम्पैक्ट ऑफ़ यूवी-बी रेडिएशन ऑन फोटोसिंथेटिक मशीनरी ऑफ़ प्लांट	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
21	जितेंद्र कुमार सिंह और भावना पाठक	इम्पैक्ट ऑफ़ क्लाइमेट चेंज ऑन मैंगग्रोव	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 ‘ 23 मार्च 2018

		ईकोसिस्टम इन गुजरात			
22	सलीम अहमद यातू और पौलमी साहू	क्लाइमेट चेंज एंड फ़ूड्स: चैलेंजेज एंड स्ट्रैटजिस फॉर कश्मीर वैली	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
23	कृष्णा रावत, भावना पाठक, एम. एच. फुलेकर	एनवायर्नमेंटल इम्पैक्ट ऑफ़ कोल बेस्ड थर्मल पॉवर प्लांट्स एंड क्लाइमेट चेंज	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
24	वंदना देवी, एम. एच. फुलेकर, भावना पाठक और मानिक एच.कालुबर्मे	मैपिंग ऑफ़ फारेस्ट कवर चेंज इन ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018
25	दावूद अहमद डार एंड पौलमी साहू	एल्टीट्यूडनल वेरिएशन ऑफ़ सोइल आर्गेनिक कार्बन (एसओसी) स्टॉक्स इन टेम्परेट फारेस्ट ऑफ़ वेस्टर्न हिमालय ऑफ़ जम्मू एंड कश्मीर, इंडिया	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टैनबल डेवलपमेंट	सीयूजी, गांधीनगर	22 - 23 मार्च 2018

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रिफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1	डॉ. धीरज राठौर	विंटर स्कूल ऑन "एनवायरनमेंट एजुकेशन	03/01/2018 to 23/01/2018	में भाग लिया

		एंड डिजास्टर मैनेजमेंट" एट एचआरडीसी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर		

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं:

क्र. सं.	नाम	परियोजना का नाम	वित्तपोषित एजेंसी	अनुमोदित राशी	परियोजना की स्थिति चाहे परियोजना की स्थिति के साथ चल रहा हो या पूर्ण हो गया हो
1.	डॉ. रीना कुमारी.	डेवलपमेंट ऑफ़ मेथड़ोलॉजी फॉर वेजिटेशन कैरिक्टराइज़ेशन एंड बायोमास एस्टमेशन ऑफ़ मैन्ग्रोव एंड ड्राई-डिसिजूअस फारेस्ट ओवर गुजरात टेस्ट साइट्स	आईएसआर ओ	रु. 20.42 लाख	चल रही है

अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान को भारत में (एसआईएस) अंतर्राष्ट्रीय मामलों के ज्ञान के संविधान में विविधता को प्रोत्साहित करने हेतु गठित किया गया है। इसका वर्तमान उद्देश्य सुरक्षा अध्ययन और अंतर्राष्ट्रीय रणनीति सहित अंतर्राष्ट्रीय संबंध के मुख्य क्षेत्रों में नए और प्रासंगिक ज्ञान (आईआर) को बढ़ाने पर है। वर्तमान में इस संस्थान के दो केंद्र चलते हैं, अर्थात

- सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र
- सुरक्षा अध्ययन केंद्र

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय:

अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा केंद्र की स्थापना सन् 2009 में की गई थी। वर्ष 2012 में, इसका नाम बदलकर सुरक्षा अध्ययन केंद्र (सीएसएस) कर दिया गया था। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य मौजूदा ज्ञान का प्रसार करना और शिक्षण और अनुसंधान के माध्यम से सुरक्षा के मुद्दों से संबंधित नया ज्ञान उत्पन्न करना है। इस केंद्र का अन्य उद्देश्य सुरक्षा अध्ययनों में शोधार्थियों और विश्लेषकों की एक नई पीढ़ी को प्रशिक्षण देना है। यह अनुशासन नियम/कानून पालन में बहुत आवश्यक रुचि पैदा करने का उद्देश्य बनाकर रखता है। आने वाले वर्षों में, यह केंद्र सुरक्षा और रणनीतिक अध्ययन के सभी क्षेत्रों में शोध कार्य को आगे बढ़ाने का इरादा रखता है। इसमें विभिन्न आंतरिक सुरक्षा खतरों, परमाणु प्रतिरोध और रणनीति, अंतरिक्ष और साइबर डोमेन, राष्ट्रीय सुरक्षा संरचना और उच्च रक्षा प्रबंधन से उत्पन्न होने वाले खतरों आदि सहित शोध कार्य शामिल है। यह केंद्र सुरक्षा अध्ययन पाठ्यक्रम में एम.फिल-पीएच. डी. की उपाधियों को प्रदान करता है। संकाय सदस्य राजनीति और अंतर्राष्ट्रीय संबंध (पीआईआर) में एमए के पाठ्यक्रम भी पढ़ाते हैं जो एक संस्थान स्तर का पाठ्यक्रम है।

मई 2018 में, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुमोदन प्राप्त करने के साथ ही, सुरक्षा अध्ययन केंद्र को राष्ट्रीय सुरक्षा अध्ययन संस्थान में अद्यतन (अपग्रेड) कर दिया गया था। प्रस्तावित संस्थान अपने आप को एक उत्कृष्ट संस्थान के रूप में स्थापित करने हेतु और भारत में सुरक्षा अध्ययन के क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता वाले शोध को प्रोत्साहित करने हेतु कार्यरत है। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न आयामों से संबंधित क्षेत्रों में काफी योगदान करने का प्रयास कर रहा है। वर्तमान में, इस संस्थान में कुल तीन केंद्र हैं, अर्थात् जिनके नाम निम्नलिखित हैं,

- सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- सामरिक प्रौद्योगिकी केंद्र
- समुद्री सुरक्षा अध्ययन केंद्र

संस्थान/केंद्र में आयोजित हुए अतिथि व्याख्यान:

क्रम संख्या	शीर्षक	वक्ता	दिनांक
1	न्यूक्लियर इस्स्यू इन साउथ एशिया	डॉक्टर सिताकान्ता मिश्रा	अप्रैल 8, 2017
2	इंडियास इंटरनल सिक्योरिटी इस्स्युज (भाग-i)	डॉक्टर विनोद के माल	अप्रैल 13, 2017 और अप्रैल 18, 2017
3	इंडिया-चाइना बॉर्डर डिसप्यूट्स	एलटी. जनरल ए एल चवन	मई 9, 2017
4	सिटुएशन इन जे एंड के: कोण्टोर्स ऑफ कोन्फ़्लिक्ट	एलटी. जनरल एजे स चीमा	अगस्त 8, 2017
5	आर्टीक एनर्जी एक्स्प्लोरेशन, इन्वार्न्मेंलट चैलेंजेस एंड द लिटटोरल कंट्रीज	डॉक्टर संजय प्रधान	अगस्त 17, 2017
6	इंडो-पैसिफिक इमार्जिन्ग पावर्स, एवोल्विंग रिजन्स एंड चैलेंजेस टु ग्लोबल गवर्नेंस	प्रोफेसर दर्वेश गोपाल	नवंबर 20, 2017.
7	इवोल्विंग स्ट्रेटजिक डायनामिक्स इन द इंडो-पैसिफिक एंड इंडियास मारिटाइम सिक्योरिटी	डॉक्टर विजय सखुजा	मार्च 22, 2018

संस्थान/केंद्र में आयोजित होने वाले संगोष्ठी/सम्मेलन:

"युवा विद्वानों के लिए सामरिक मुद्दे (स्ट्रेटजिक इस्यूज फॉर यंग स्कालर्स) "विषय पर एक कार्यशाला संयुक्त रूप से सुरक्षा अध्ययन केंद्र, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान और करनेगी इंडोवमेंट ऑफ इन्टरनेशनल पीस, वासिंगटन डीसी द्वारा 6 नवंबर से 10 नवंबर 2017 के बीच आयोजित किया गया था।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

डॉक्टर संजय कुमार झा, व्याख्याता और अधिष्ठाता, अन्तराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

अनुसंधान रुचियाँ: अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध; राष्ट्रीय सुरक्षा; आंतरिक सुरक्षा; उग्रवाद; आतंकवाद; माओवाद; संघर्ष प्रबंधन और संकल्प; दक्षिण एशिया और सीमा प्रबंधन में सुरक्षा और राजनीति।

डॉक्टर अरुण विश्वनाथन, एसोसिएट प्रोफेसर और अध्यक्ष
शोध रुचियां: हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण; परमाणु रणनीति और प्रतिरोध; भारत का रक्षा पारिस्थितिक तंत्र; उच्च रक्षा प्रबंधन; भारतीय विदेश और रक्षा नीति।

डॉक्टर किशोर जोश, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचियां: गैर पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियां; ऊर्जा सुरक्षा और मध्य एशिया की राजनीति और समाज।

डॉक्टर नोंगमैथेम मोहनदास सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचियां: राष्ट्रीय सुरक्षा और उत्तरपूर्व भारत-; भारत में आंतरिक संघर्ष; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध; रूस और मध्य एशियाई अध्ययन; सुरक्षा और विकास; विद्रोह और काउंटर विद्रोह; भारत और पड़ोसी मुल्क।

डॉक्टर मानसी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचियां: यूरोपीय अध्ययन; अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय संगठन; वैश्विक शासन; बहुपक्षीय; भारत की विदेश नीति

श्री टी के सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचियां: साइबर सुरक्षा, आतंकवाद और काउंटर आतंकवाद, खुफिया और काउंटर इंटेलिजेंस, संगठित अपराध और अवैध तस्करी, मंद तीव्रता संघर्ष, उच्च रक्षा संगठन, नागरिक सैन्य सहयोग

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन वर्ष/महिना का नाम खंड और संख्या के साथ
1	विश्वनाथन, अरुण	"हाउ रियल इज द स्पेक्टर ऑफ़ न्यूक्लियर टेररिज्म"	*इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल साइंस रिसर्च एंड ग्लोबल सिक्यूरिटी*	जनवरी-मार्च 2018. खंड. 1, सं.1. पृ.सं. 168-182,
2	विश्वनाथन, अरुण	"व्हाई वार्स हैपन?"	*द बुक रिव्यु इंडिया*	अप्रैल 2018. खंड एक्सएलआईआई, संख्या 4. पृ.सं. 19-20.

3	शर्मा, इंद्रजीत; सिंह, एन. मोहनदास	"रीसर्जन्स ऑफ़ यू एल "एफए (I) इन असमः इम्प्लूकेशन फॉर इंटरनल सिक्यूरिटी"	*इंडियन डिफेन्स रिव्यु*	जुलाई-सितम्बर 2017. खंड. 32, सं. 3 पृ.सं. 55-59
4	सिंह, टी.के.	"लेटर्सः सिक्यूरिटी स्टडीज इन इंडिया"	*इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल वीकली*	सितम्बर 2, 2017. खंड. 52, सं. 35.
5	सिंह, टी.के.	"द माइटली बुर्हन एंड बर्निंग कश्मीर"	*इंडियन जर्नल ऑफ़ स्ट्रेटेजिक स्टडीज*	2017. खंडः XXXIII.
6	सिंह, मानसी	"एसएएआरसीफॉर जिओपॉलिटिकल सिम्बलिज़मः विदर मुल्टीलेट्रलीज्म?"	*साउथ एशियन सर्वे*	2018, खंड 23, सं. 1, पृ.सं. 1-16.
7	सिंह, मानसी	"इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशन्स एज ¤एक्सपर्ट्स· ऑन इंडीकेटर्स एंड मेशर्मन्ट्सः अन्डर्स्टैन्डिंग पॉलिटिक्स ऑफ़ ओइसीडी एस टेक्नोकैटराइजेशन ऑफ़ इनोवेशन"	*पर्सपेक्टिव ऑन ग्लोबल डेवलपमेंट एंड टेक्नोलॉजी*	2018, खंड.17. पृ.सं. 264-280.

संपादित खण्ड में प्रकाशित प्रपत्र:

क्र.सं	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन वर्ष/महिना का नाम खंड और संख्या के साथ
1.	झा, संजय कुमार	"ग्लोबलाइजेशन एंड इनोवेशन इन इंडियन डिफेन्स सेक्टर"	ग्लोबलाइजेशन एंड इंडिया इनोवेशन सिस्टमः अ क्रिएटिव डिस्ट्रक्शन	2017. एम.जी. यूनिवर्सिटी

2.	झा, संजय कुमार	"इमर्जिंग कान्टुर्स ऑफ़ इंडिया-पाकिस्तान रिलेशन्स"	*इंडियन फॉरेन पॉलिसी एंड डिप्लोमेसी: इमर्जिंग सिनेरियो एंड चैलेंजेस*	2017. न्यू सेंचुरी पब्लिकेशन्स.
3.	सिंह, टी. के.	"आईसीटी थ्रेअट्स इन साइबर स्पेस"	*आईसीटी इनिटिएशन फॉर डेवलपमेंट इन इंडिया:पर्सपेक्टिव्स एंड चैलेंजेस*	2018. न्यू दिल्ली: बुकवेल.

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल्स)

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	शीर्षक	प्रकाशक / प्रकाशन का नाम वर्ष/महिना, खंड और संख्या के साथ
1	विश्वनाथन, अरुण	मिसिन्फर्मेशन, *फेक न्यूज़ एंड नेशनल सिक्यूरिटी*	मार्च 20, 2018. एनाडू (तेलुगू), हैदराबाद.
2	शर्मा, इंद्रजीत; सिंह एन. मोहनदास	*व्हाट एल्स इंडिया कनेक्टिविटी स्ट्रेटेजी इन द नार्थईस्ट?*	मई 15, 2017. वाशिंगटन डी सी : साउथ एशियन वॉइसेस, स्टिमसन सेंटर.

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों / सम्मेलनों / कार्यशालाओं आदि में प्रस्तुत प्रपत्र :

क्र.सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी, सम्मलेन, कार्यशाला की विषय-वस्तु	आयोजक संस्था और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1	झा, संजय कुमार	इंडिया एंड बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई)	वर्कशॉप ऑन "स्ट्रेटेजिक इश्यूज फॉर यंग स्कॉलर्स"	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात एंड कार्नेगी एंडोमेंट ऑफ़ इंटरनेशनल पीस	नवंबर 6-10, 2018.
2	विश्वनाथन, अरुण	क्राइसिस एस्कलैशन एंड कंट्रोल : अ केस	वर्कशॉप ऑन "स्ट्रेटेजिक इश्यूज फॉर यंग स्कॉलर्स"	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात एंड कार्नेगी एंडोमेंट	नवंबर 6-10, 2018

		स्टडी ऑफ़ द क्यूबा मिसाइल क्राइसिस		ऑफ़ इंटरनेशनल पीस	
3	सिंह, एन. मोहनदास; शर्मा, इंद्रजीत	रोहिंग्या क्राइसिस काजेज़, कान्सक्वेन्स एंड रिस्पांस	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन "ट्रांसनैशनलिज़म, कल्चर एंड डायस्पोरा इन द एरा ऑफ़ ग्लोबलाइजेशन".	सेंटर फॉर स्टडी ऑफ़ डायस्पोरा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात.	फ़रवरी 21-23, 2018
4	सिंह, एन. मोहनदास	इंडिया नेशनल सिक्यूरिटी एंड रिफ्यूजी मैनेजमेंट	ट्राइलैटरल विंटर लॉ स्कूलः नेशनल सिक्यूरिटी एंड डिफेंस लॉस एंड प्रेक्टिसेस ' फ्रांस, जर्मनी एंड इंडिया	गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी (जीएनएलयू) इन कोलैबोरेशन विथ यूनिवर्सिटी पेरिस नैनटेर, पेरिस एंड यूनिवर्सिटी ऑफ़ पोस्टडम यूनिवर्सिटी ऑफ़ पोस्टडम, जर्मनी	फ़रवरी 13-16, 2018
5	सिंह, मानसी	इयू एंड एशियन सिक्यूरिटी आर्डरः नॉर्मटिव ऐस्परेशन एंड स्ट्रेटेजिक इंटरेस्टस	इंटरनेशनल सेमिनार ऑन चैलेंजेस बिफोर द यूरोपेन इंटीग्रेशन प्रोजेक्टः इमप्लीकेशन्स फॉर इंडिया	सेंटर फॉर यूरोपेन स्टडीज, जे.एन.यू. नई दिल्ली	सितंबर 13-14, 2017.

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला, आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र. सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी, सम्मेलन, कार्यशाला की विषय-वस्तु	आयोजक संस्था और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1	झा, संजय कुमार	वार एंड पीस इन अर्थशास्त्रः कन्टेम्परेरी	नेशनल कांफ्रेंस ऑन चाणक्या विजडमः अ रीअप्रैज़ल	एसआईइएस कॉलेज ऑफ़ आट्र्स, साइंस	फ़रवरी 10, 2018.

		सिग्निफिकन्स फॉर इंडिया नेशनल सिक्यूरिटी		एंड कॉमर्स, सायन (वेस्ट), मुंबई	
2	झा, संजय कुमार	स्ट्रेटेजिक इमप्लीकेशन्स ऑफ़ बीआरआई: चैलेंजेस एंड आपर्टूनिटी फॉर इंडिया	सेमिनार आर्गनाइज्ड बाई एमएकेएआईएस, कोलकता	एमएकेएआईएस, कोलकता	अगस्त 28, 2017

संगोष्ठी / सम्मेलन, आदि के अलावा प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षिक वार्ता/संगोष्ठी इत्यादि:

क्र. सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	संस्था
1.	झा, संजय कुमार	चाइना, इंडिया एंड पाकिस्तान: इमर्जिंग डायनामिक्स	लेक्चर जन. 10, 2018	जीएलएस यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद
2	सिंह, एन. मोहनदास	केस स्टडी: डिज़ाइन एंड मेथड	टेन 'डे रिसर्च मेथडालजी वर्कशॉप फॉर पीएच. डी. स्टूडेंट्स इन सोशल साइंसेज, स्पोंसर्ड बाई आईसीएसएसआर एंड आर्गनाइज्ड बाई डिपार्टमेंट ओद इकोनॉमिक्स, आईजीएनटीयू मार्च 24, 2017	इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक (मध्य प्रदेश)

शोध छात्र / निर्देशन:

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, चाहे एम.फिल./पीएच. डी. .	निर्देशित छात्रों की संख्या
1	प्रो. संजय के. झा	एम.फिल	04
2	प्रो. संजय के. झा	पीएच. डी.	07
3	डॉ. अरुण विश्वनाथन	एम.फिल	02
4	डॉ. किशोर जोस	एम.फिल	03
5	डॉ. किशोर जोस	पीएच. डी.	04
6	डॉ. एन. मोहनदास सिंह	एम.फिल	02
7	डॉ. एन. मोहनदास सिंह	पीएच. डी.	03
8	डॉ. मानसी सिंह	एम.फिल	01
9	डॉ. मानसी सिंह	पीएच. डी.	04

केंद्र द्वारा हस्ताक्षरित अकादमिक सहयोग और एमओयू:

1. रक्षा अध्ययन और विश्लेषण संस्थान (आईडीएसए), नई दिल्ली

केंद्र और इसके संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किए गए प्रसारी, बाह्यप्रसारी और अन्य दूसरी गतिविधियां:

इस केंद्र द्वारा एम. फिल., पीएच. डी. के शोधार्थियों के लिए विभिन्न प्रकार के विस्तार प्रदान करने वाले और बाह्यस पहुँच बढ़ाने वाली गतिविधियों का आयोजन किया जाता रहता है। इसमें एम. ए. (पीआईआर) के छात्र भी शामिल किए जाते हैं। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य स्व-अध्याय की भावना को बढ़ाना, सामूहिकता की भावना को बढ़ाना होता है। स्व-अध्ययन के घटकों में पुस्तकों को पढ़ना, समीक्षा करना, मोक प्रस्तुतियाँ देना, लेखों की समीक्षा करना, क्षेत्रीय कार्य योजनाओं पर जाना और सामूहिक चर्चा करना आदि चीजें इसमें शामिल हैं। एम. ए. के छात्रों को भी सेल्फ स्टडी प्रोजेक्ट· जमा करने की आवश्यकता होती है। जिसके अंत में छात्रों को एक लिखित रिपोर्ट जमा करनी होती है। केंद्र के संकाय सदस्य फील्ड यात्रा आयोजित करने और प्रभारी संकाय के रूप में कार्य करने में भाग लेते हैं। यात्रा का मुख्य उद्देश्य अलग अलग जगहों, साइट्सों, संस्थानों और लोगों से मिलने और बात करने के द्वारा छात्रों को बाहरी दुनिया से परिचित कराना है। जिससे कि छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, सुरक्षा और भारतीय राजनीति की समझ हेतु छात्रों को एक समृद्ध, अनुभवी आयाम प्रदान करके समझ विकसित करना है। अब तक तीन फील्ड यात्राएं नई दिल्ली के अफगानिस्तान दूतावास में, भुज कच्छ जिला गुजरात में, पाकिस्तान भारत सीमा की यात्रा और गोवा विश्वविद्यालय के नौसेना युद्ध कॉलेज, गोवा और रणनीति विज्ञान विभाग में आयोजित किए जा चुके हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन में संकाय के सदस्यों के रूप में संकाय की भागीदारी या अतिरिक्त जिम्मेदारियों का वहन करना:

प्रोफेसर संजय कुमार झा, व्याख्याता

- अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान अधिष्ठाता, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- अध्यक्ष, प्रवेश समिति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (2014-2017)
- सचिव, वित्त समिति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (2014-अब तक)
- अध्यक्ष, अध्ययन परिषद, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- अध्यक्ष, एडवांस अध्ययन और शोध समिति, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- सदस्य,आधिकारिक परिषद , केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात
- सदस्य, अकादमिक परिषद , केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात
- सदस्य, आईक्यूएसी, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात
- सदस्य, योजना एवं निरीक्षण परिषद, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात

डॉक्टर अरुण विश्वनाथन, एसोसिएट प्रोफेसर

- अध्यक्ष, सुरक्षा अध्ययन केंद्र (मार्च 21, 2018 जारी)
- सदस्य, अध्ययन परिषद, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- सदस्य, अध्ययन परिषद, सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- सदस्य,सीएएसआर, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

डॉक्टर किशोर जोस, असिस्टेंट प्रोफेसर, सुरक्षा अध्ययन केंद्र

- वरिष्ठ वार्डेन, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात छात्रावास
- सदस्य, अध्ययन परिषद, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान
- सदस्य, अध्ययन परिषद, सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- सदस्य,सीएएसआर, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

डॉक्टर मानसी सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, सुरक्षा अध्ययन केंद्र

- सदस्य, अध्ययन परिषद, सुरक्षा अध्ययन केंद्र
- सदस्य, आईक्यूएसी
- सदस्य, आंतरिक शिकायत समिति

डॉक्टर एन मोहनदास सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, सुरक्षा अध्ययन केंद्र

- सह-संचालक, सुरक्षा अध्ययन केंद्र (दिसंबर 14, 2015 - मार्च 20, 2018)
- सदस्य, अध्ययन परिषद, सुरक्षा अध्ययन केंद्र (मई 22, 2014 - मई 22, 2017)
- सदस्य, अध्ययन परिषद संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान (मई 22, 2014‘मई 22, 2017)

मिस्टर टी के सिंह, असिस्टेंट प्रोफेसर, सुरक्षा अध्ययन केंद्र

- सहसंचालक, एम. ए. कार्यक्रम, राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (सीयूजी)।
- सदस्य, अध्ययन परिषद केंद्र, सुरक्षा अध्ययन केंद्र।
- कार्यकारी परिषद सदस्य, साउथ एशियन सोसाइटी ऑफ क्रिमिनोलोजी एंड विक्टिमोलोजी, (मुख्य कार्यालयः तिरुनेवेली, तमिलनाडु; शाखा कार्यालयः अहमदाबाद, गुजरात, भारत।)

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति अध्यन केंद्र

केंद्र का परिचय:

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र की स्थापना भारत के अंतर्राष्ट्रीय मामलों के ज्ञान के संविधान में विविधता को प्रोत्साहित करने हेतु किया गया है। इसका वर्तमान उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय संबंध (आईआर) और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के मुख्य क्षेत्रों में नए और प्रासंगिक ज्ञान को विकसित करने पर है। यह केंद्र आईआर सिद्धांतों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और विकास, अंतर्राष्ट्रीय कानून और वैश्वीकरण के क्षेत्रों में शोध कार्य करावा रहा है। अन्य वैश्विक मुद्दों के अतिरिक्त, इस केंद्र का तत्कालीन ध्यान का मुद्दा भारत के पड़ोसी हैं, यह मुद्दा तात्कालिक और विस्तृत दोनों ही है।

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र (सीआईपी) ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में वर्ष 2012 से एम.फिल-पीएच. डी. एकीकृत कार्यक्रम की शुरुआत किया है। इस केंद्र की अकादमिक गतिविधियां अंतर्राष्ट्रीय संबंधों (आईआर) के अनुशासन के ढांचे के अनुरूप आयोजित की जाती हैं। अंतर्राष्ट्रीय राजनीति का सिद्धांत और प्रयोग केंद्र में पढ़ाएँ जाने वाले शिक्षण और शोध का मुख्य केंद्र विषय है। यह केंद्र एम.फिल-पीएच.डी. हेतु पांच साल का एकीकृत कार्यक्रम प्रदान करता है। इसका कोर्स वर्क (पाठ्यक्रम काम) दो छमाही में बटा हुआ है। यह न्यूनतम 20 क्रेडिट का होता है। तीसरे और चौथे सेमेस्टर को शोध प्रबंध लेखन के लिए बाटा गया है। इसमें भी 20 क्रेडिट होते हैं। सभी पाठ्यक्रम यूजीसी विकल्प आधारित क्रेडिट सिस्टम के तहत तैयार किए गए हैं।

केंद्र में आयोजित हुए अतिथि व्याख्यान :

क्र. सं.	शीर्षक	वक्ता	दिनांक
1.	न्यूक्लीयर इश्यूज इन साउथ एशिया	डॉ. सिताकंता मिश्रा	अप्रैल 8, 2017 और अप्रैल 15, 2017
2.	इंडिया इंटरनल सिक्यूरिटी इश्यूज (पार्ट-I एंड II)	डॉ. विनोद के मॉल	अप्रैल 13, 2017 और अप्रैल 18, 2017
3.	इंडिया-चाइना बोर्डर दिस्पुटेस	एलटी. जेन. ए.एल. चवन	मई 8, 2017
4.	सिचुएशन इन जेएंडके: कान्टुर्स ऑफ़ कनफ्लिक्ट	एलटी. जेन. ए.जे.एस. चीमा	अगस्त 8, 2017
5.	आर्कटिक एनर्जी एक्सप्लोरेशन, एनवायर्नमेंटल चैलेंजेस एंड द लिटरल कन्ट्रीज	संजय प्रधान	अगस्त 17, 2017

6.	इंडो-पसिफ़िकः इमर्जिंग पॉवर्स, एवोल्विंग रीजन्स एंड चैलेंजेस टू ग्लोबल गवर्नेंस	प्रो. दरवेश गोपाल	नवंबर 20, 2017
7.	एवोल्विंग स्ट्रेटेजिक डायनामिक्स इन द इंडो-पसिफ़िक एंड इंडिया मैरीटाइम सिक्यूरिटी	डॉ. विजय सखुजा	मार्च 22, 2018

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

प्रो. मनीष, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष,
शोध रुचियां: विदेश नीति; शस्त्र नियंत्रण; निरस्त्रीकरण; आतंकवाद और दक्षिण एशिया

डॉक्टर सौरभ शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचियां: पोस्ट कोन्फ़्लिक्ट गवर्नेंस; शांति अध्ययन; आतंकवाद; छोटे हथियार प्रसार; दक्षिण और मध्य एशिया में ड्रग तस्करी।

मिस एवा लोरेंग, असिस्टेंट प्रोफेसर
शोध रुचियां: डायस्पोरा; स्थानांतरण; वैश्वीकरण और संस्कृति।

डॉक्टर वीरेंद्र सिंह- असिस्टेंट प्रोफेसर (अस्थाई रूप में),
अनुसंधान रुचियाँ: राजनीतिक सिद्धांत; भारतीय राजनीति; आधुनिक राजनीतिक विचार; भारत और आंतरिक सुरक्षा में सामाजिक-राजनीतिक आंदोलन।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ
1	मिश्रा, डॉली; शर्मा, सौरभ	ह्यूमन ट्रेफिकिंग ऑन इंडो-नेपाल बॉर्डर: अ मेजर सिक्यूरिटी कंसर्न	*साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ़ राजस्थान, जयपुर*	2017. खंड.14, सं.1.

2	सिंह, विजेंद्र	रीविजिटिंग द लिगेसी ऑफ़ चौधरी चरण सिंहः लेसन फॉर कंटेम्परेरी पेज़न्ट पॉलिटिक्स	*शोध मीमांसा, आईएसएसएन 2348-4624*	अक्टूबर‘ दिसंबर 2017. खंड IV, सं. XVI, पार्ट-II.

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलनों / कार्यशालाओं आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र. सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1	मनीष	के-नोट एड्रेस ऑफ़ टू-डेज नेशनल सेमिनार	द रोल ऑफ़ एनजीओ इन ट्राइबल एरियास इन त्रिपुरा	द पॉलिटिकल साइंस डिपार्टमेंट, होली क्रॉस कॉलेज, त्रिपुरा (सेंट्रल) यूनिवर्सिटी	जनवरी 24 - 25, 2018
2	मनीष	चेयर्ड अ सेशन ऑन “रिफ्यूजीसः प्रोब्लम्स एंड पर्सपेक्टिव”	ट्रांसनेशनलिज्म, कल्चर एंड डायस्पोरा इन द एरा ऑफ़ ग्लोबलाइजेशन	सेंटर फॉर स्टडी ऑफ़ डायस्पोरा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	फ़रवरी 21 - 23, 2018
3	शर्मा, सौरभ	एथनिसिटी एंड रिफ्यूजी क्राइसिस इन म्यांमार	वर्कशॉप ऑन स्ट्रेटेजिक इश्यूज फॉर यंग स्कॉलर्स	जॉइंटली आर्गनाइज्ड बाई सेंटर फॉर सिक्यूरिटी स्टडीज-स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात एंड कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस, वाशिंगटन डी.सी.	नवंबर 6 - 10, 2017
4	लोरेंग, ईवा	गन कंट्रोल एंड डोमेस्टिक पॉलिटिक्स इन यूएसए	वर्कशॉप ऑन स्ट्रेटेजिक इश्यूज फॉर यंग स्कॉलर्स	जॉइंटली आर्गनाइज्ड बाई सेंटर फॉर सिक्यूरिटी स्टडीज-स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल स्टडीज,	नवंबर 6 - 10, 2017

				सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात एंड कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस, वाशिंगटन डी.सी.	
5	सिंह, विजेंद्र	अरोविन्दोंस आइडियाज ऑफ़ नेशन	बियॉन्ड आइडेनटीटीजः रिफ्लेक्शन्स फ्रॉम साउथ एशियन इमैजिनरिस ऑफ़ नेशन एंड यूनिवर्स	डिपार्टमेंट ऑफ़ पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली, दिल्ली	मार्च 13 - 14, 2018
6	सिंह, विजेंद्र	पॉलिटिकल एंड सिक्यूरिटी इन साउथ एशिया	वर्कशॉप ऑन स्ट्रेटेजिक इश्यूस फॉर यंग स्कॉलर	जॉइंटली आर्गनाइज्ड बाई सेंटर फॉर सिक्यूरिटी स्टडीज-स्कूल ऑफ़ इंटरनेशनल स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात एंड कार्नेगी एंडोमेंट फॉर इंटरनेशनल पीस, वाशिंगटन डी.सी.	नवंबर 6 - 10, 2017

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रीफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी:

क्र. सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	शर्मा, सौरभ	90 ओरिएंटेशन प्रोग्राम एट गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद	अक्टूबर 23 - नवंबर 19, 2017	भागीदारी
2.	लोरेंग, ईवा	नेशनल वर्कशॉप ऑन फिल्म्स एंड डेमोक्रेसी	जनवरी 29 - 31, 2018	भागीदारी
3.	लोरेंग, ईवा	वन वीक ओरिएंटेशन प्रोग्राम ऑन सोशल साइंसरिसर्च	फरवरी 19 - 24, 2018	भागीदारी

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं :

क्र. सं.	नाम	परियोजना का शीर्षक	वित्तपोषित एजेंसी	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति, परियोजना की स्थिति के साथ चल रही हो या पूर्ण हो गई हो
1	शर्मा, शुभम	डिस्ट्रिक ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट फॉर महिसागर डिस्ट्रिक	गुजरात सोशल इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सोसाइटी, गवर्नमेंट ऑफ़ गुजरात	6,00,000 रुपए	चल रही है.

संकाय सदस्यों द्वारा निर्देशित शोध छात्र/छात्राएँ

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति एम.फिल./पीएच. डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या (केवल 2017-18 के दौरान पंजीकृत संख्या)
1	प्रो. मनीष	एम. फिल.	01
		पीएच. डी.	06
2	डॉ. सौरभ शर्मा	एम.फिल.	03
		पीएच. डी.	09
3	डॉ. अतुल मिश्रा	एम. फिल.	03
		पीएच. डी.	06
4	मिस. ईवा लोरेंग	एम.फिल.	01
5	डॉ. विजेंद्र सिंह ऐज को-सुपरवाइजर	एम.फिल.	01
		पीएच. डी.	03

केंद्र द्वारा हस्ताक्षरित एमओयूएस और अकादमिक सहयोग:

इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज़ एंड एनालिसिस (आईडीएसए), नई दिल्ली.

केंद्र एवं संकाय सदस्यों द्वारा किए गए एक्टेंसन, आउटरिच और दूसरी समान गतिविधियां:

यह केंद्र एम.फिल एवं पीएच. डी. के शोधार्थियों साथ-साथ एमए (पीआईआर) के छात्रों के लिए विभिन्न प्रकार के विस्तार और आउटरीच वाली गतिविधियों का आयोजन करता है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य आत्म-शिक्षण और सामूहिकता में काम करने की आदतों को विकसित करना है। स्व-अध्ययन के घटकों में पुस्तक पढ़ना और समीक्षा करना, मोक प्रस्तुतियां देना, लेख समीक्षा लिखना, क्षेत्रीय यात्राएं करना और समकालीन घटनाओं पर सामूहिक चर्चा करना आदि इसमें शामिल है। एमए (पीआईआर) के छात्रों को भी 'सेल्फ स्टडी प्रोजेक्ट' (एसएसपी) पूरा करने की आवश्यकता होती है। एसएसपी का एक प्रमुख घटक 'फील्ड ट्रिप' है जिसके अंत में छात्रों को एक लिखित रिपोर्ट जमा करनी होती है। केंद्र के संकाय सदस्य फील्डट्रिप्स का आयोजन एवं संचालन करते हैं और वे फील्ड यात्रा के लिए संकाय के रूप में भी कार्य करते हैं। यात्रा का मुख्य उद्देश्य खाली जगहों पर जाना, साइट्स, संस्थानों, लोगों से बातचीत के लिए पहल करना आदि है, जिसके द्वारा छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, सुरक्षा और भारतीय राजनीति की समझ पैदा की जा सके और यह सब प्रत्यक्ष, अनुभवात्मक आयाम के माध्यम से किया जाता है। इस केंद्र द्वारा अब तक तीन क्षेत्र यात्राएं (फील्ड ट्रिप) आयोजित की जा चुकी हैः

- नई दिल्ली के अफगानिस्तान दूतावास और दिल्ली में कई विचार-वाद विवाद,
- भुज (कच्छ जिला, गुजरात) में भारत-पाकिस्तान सीमा भ्रमण और
- गोवा विश्वविद्यालय के नौसेना युद्ध कॉलेज, गोवा के राजनीति विज्ञान विभाग का भ्रमण।

विश्वविद्यालय प्रशासन में संकाय सदस्यों की भागीदारी समिति सदस्य के रूप में अथवा इनके द्वारा वहन किए जाने वाले अतिरिक्त कार्यभार:

प्रोफेसर मनीष

- अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र (मार्च 21, 2018 अब तक).
- आईसीटी अध्यक्ष (मार्च 16, 2018 अब तक)
- सदस्य, अध्ययन परिषद, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (मार्च 14, 2018 अब तक)
- सदस्य, सुरक्षा अध्ययन परिषद केंद्र, सुरक्षा अध्ययन केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (मार्च 14, 2018 अब तक)
- सदस्य, अध्ययन परिषद, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (फरवरी 16, 2018 अब तक)
- सदस्य,सीएएसआर, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (2 फरवरी, 2018 अब तक)

डॉक्टर सौरभ शर्मा

- संयोजक इन-चार्ज (15 जुलाई 2017 से 20 मार्च 2018 तक)
- सदस्य, अध्ययन परिषद केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात।
- सदस्य, अध्ययन परिषद केंद्र, अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात ।
- वित्त एवं लेखा विभाग में ड्राविंग और डिस्बर्सिंग अधिकारी (अप्रैल, 2016 से अब तक)

मिस एवा लोरेंग

- एमए कार्यक्रम में संचालक. राजनीति एवं अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यक्रम 1 जनवरी, 2018।
- ¤सांस्कृतिक समिति· के सदस्य 9वें वार्षिक दिवस के, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात (अप्रैल 12, 2018)।
- सदस्य, अध्ययन परिषद, सुरक्षा अध्ययन केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात।
- सदस्य, अध्ययन परिषद, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात।

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान (एसएलएल एंड सीएस), मानविकी से संबंधित विभिन्न विषयों जैसे भारतीय और विदेशी भाषाओं के अध्ययन और साहित्य और संस्कृतियों के तुलनात्मक अध्ययन में स्नातकोत्तर और अनुसंधान कार्यक्रम चलाता है। लिंग, जाति, जाति और समाज में बहिष्कार और समाज में हाशियाकरण, प्रवास संबंधी प्रश्न और प्रवशी समुदाय की अस्मिता संबंधी प्रश्न इस संस्थान द्वारा विशुद्ध अध्ययन क्षेत्र के रूप में पढ़ाएँ जाने वाले पाठ्यक्रम हैं। इस संस्थान के सभी पाठ्यक्रम अंतरअनुशासनिक हैं। ये पाठ्यक्रम अभिनव प्रकृति के हैं। ये पाठ्यक्रम छात्रों को शिक्षण, शोध, मुद्रण (प्रिंट) और दृश्य मीडिया, प्रशासन, प्रकाशन, सम्पादन और नए उभरते हुए क्षेत्रों जैसे तकनीकी लेखन और सामाग्री विकास में छात्रों हेतु रोजगार के अवसर सृजित करते हैं।

इस संस्थान में पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम चुनाव आधारित क्रेडिट प्रणाली का अनुसरण करते हैं। स्नातक, परास्नातक और एम.फिल. पीएच-डी. के कोर्स वर्क संबंधी कक्षाओं में उपस्थिती अनिवार्य है। कक्षाओं में पढ़ाए जाने वाले व्याख्यानों को छात्रों की प्रतिभागिता व समझने के स्तर को ध्यान में रखते हुए किया गया है। शिक्षक निर्देश देने हेतु संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और फिल्मों के माध्यम का भी उपयोग करते हैं। छात्रों को उनके पाठ्यक्रम संबंधी कार्य के रूप में अधिन्यास, परियोजना कार्य और प्रपत्रों को नियमित रूप से जमा करना होता है। छात्रों को उनके विषय से संबन्धित बिंदुओ पर प्रस्तुति/संगोष्ठी पत्र प्रस्तुति भी देनी होती है।
अकादमिक वर्ष 2016-17 के दौरान भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान ने अपने यहाँ निम्नलिखित कार्यक्रमों को संचालित किया हैः

यह संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रमों का संचालन करता है :

- तुलनात्मक साहित्य में एम. फिल. और पीएच. डी.
- चीनी भाषा और संस्कृति में एम. ए. (पांच-वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम)
- जर्मन अध्ययन में एम. ए. (पांच-वर्षीय एकीकृत कार्यक्रम)
- अंग्रेजी में एम. ए. (दो-वर्षीय कार्यक्रम)
- हिन्दी भाषा और साहित्य में एम. फिल. और पीएच. डी.

चीनी भाषा अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय:

चीनी भाषा सीखना आज की दुनिया में एक प्रमुख अकादमिक अनुशासन के रूप में उभरता जा रहा है। चीन भारत का ठीक पड़ोसी देश है और व्यापार भागीदारों में से सबसे बड़ा भागीदार है। भारत और चीन दुनिया के दो

सबसे अधिक आबादी वाले देश होने के अलावा, 21वीं शताब्दी में दो सबसे बड़े विकासशील देशों के रूप में उभर रहे हैं।

वर्तमान समय में चीन के अभूतपूर्व विकास के कारण, विभिन्न शोधार्थी में चीनी भाषा को अच्छी तरह से सीखने-समझने की एक आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे चीनी भाषा अध्ययन और विशेष रूप से चीन के अध्ययन के क्षेत्र में मौजूद विभिन्न कमियों को कुशलतापूर्वक भर सकें। ऐसे शोधार्थियों को वित्तीय सहायता देने के लिए, गुजरात विश्वविद्यालय ने वर्ष 2011 में चीनी अध्ययन केंद्र, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान का हिस्सा बनाने के लिए चीनी अध्ययन केंद्र स्थापित किया। यह केंद्र पूरी तरह से कार्यात्मक भाषा प्रयोगशाला से लैस है जो छात्रों को कला शिक्षण की स्थिति - सीखने का अनुभव प्रदान करता है।
भारत और चीन के बीच बढ़ते व्यापार और निवेश चीनी भाषा में विशेषज्ञों को उत्कृष्ट रोजगार के अवसर प्रदान कर सकते हैं। इसकी स्थापना के ठीक बाद, यह केंद्र एक उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड बनाए रख रहा है।
इस केंद्र में छात्रों को नियमित रूप से विभिन्न पुरस्कारों, पुरस्कारों के साथ-साथ चीन में उच्च अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति के साथ भी सम्मानित किया जाता है।

केंद्र द्वारा पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

1. चीनी भाषा में बी. ए.
2. चीनी भाषा में एम. ए.

केंद्र/संस्थान में आयोजित हुए अतिथि व्याख्यान :

क्रम संख्या	विषय	प्रवक्ता	दिनांक
1.	"भारत-चीन संबंधों की वर्तमान स्थिति"	प्रोफेसर बी आर दीपक, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय।	अगस्त 28, 2017
2.	"द 19त्थ पार्टी कॉंग्रेस ऑफ सीपीसीः इंप्लीकेशन्स फॉर चाइना एंड इंडिया"	प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय।	नवंबर 7, 2017
3.	"वन बेल्ट वन रोडः चाइना· द ग्रांड स्ट्रेटजी?	प्रोफेसर श्रीकांत कोंडापल्ली, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय।	नवंबर 8, 2017

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

निशांत कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर और सह-संचालक
अनुसंधान रुचियाँ: आधुनिक और समकालीन चीनी साहित्य; चीनी भाषा और भाषाविज्ञान; अनुवाद और मौखिक संचार और इतिहास; चीन की समाज और संस्कृति।

प्रभात कुमार, असिस्टेंट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: चीनी भाषा, साहित्य, संस्कृति; चीनी मीडिया और सोसाइटी; अनुवाद और व्याख्या।

स्वामी कुन्दन किशोर, असिस्टेंट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: कविता अनुवाद; पत्रकारिता अनुवाद; पारंपरिक चीनी वर्ण सरलीकृत चीनी वर्ण, चीन का इतिहास।

प्रशांत कौशिक, असिस्टेंट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: चीनी भाषा और इतिहास; अनुवाद; अनुवाद सिद्धांत; व्याख्या।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला/ इत्यादि में प्रस्तुत प्रपत्र:

क्रम सं	लेखक/लेखकों के नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यश ाला का विषय	संचालक व्यक्ति और स्थान	कार्यक्रम की आयोजन तिथि/तिथियाँ
1.	कुमार प्रभात, कौशिक प्रशांत	"ओल्ड सिविलाइजेशन न्यू साइनेर्जी इंडिया एंड चाइना थ्रू पास्ट एंड प्रजेंट"	द प्रेसिडेंस·स फोरम ऑफ द ग्लोबल अलाइएन्स ऑफ फ़ोरेन स्टडीज़ यूनिवर्सिटीज़ एंड द 2017 फोरम ऑन रिजनल स्टडीज़ एंड ग्लोबल गवर्नेंस।	बीजिंग फ़ोरेन स्टडीज़ यूनिवर्सिटी, बीजिंग, चाइना	मई 18 - 20, 2017.

पुरस्कार, छात्रवृत्ति, सम्मान, पेटेंट अधिकार इत्यादि के रूप में प्राप्त सम्मान और उपलब्धियां

क्रम संख्या	नाम	सम्मान/पुरस्कार इत्यादि का तारीख के साथ विवरण
1.	कुमार, निशांत	विदेश मंत्रालय, सरकार में चीनी में जूनियर इंटरप्रेटर के पद के लिए एक विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित, चयन समिति, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) भारत सरकार। जनवरी 18, 2018.

विश्वविद्यालय प्रशासन में संकाय सदस्यों की भागीदारी समिति सदस्य के रूप में अथवा इनके द्वारा वहन किए जाने वाले अतिरिक्त कार्यभार:

1. **निशांत कुमार**:
   - अनुशासन समिति
   - भोजन समिति
   - वार्षिक दिवस आयोजन -सदस्य
   - गरबा रात्री महोत्सव 2017, सेक्टर-29 के परिसर में आयोजित किया गया था
   - वार्षिक दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम ' निर्णायक पैनेल के सदस्य
   - सह-संयोजक, चीनी भाषा अध्ययन केंद्र अगस्त 2018 से

2. **स्वामी कुन्दन किशोर**
   - अनुशासन समिति
   - भोजन समिति
   - वार्षिक दिवस महोत्सव - सदस्य
   - गरबा रात्री महोत्सव 2017, सेक्टर 29 के परिसर में आयोजित किया गया था।
   - वार्षिक दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम ' निर्णायक समिति के सदस्य

3. **प्रशांत कौशिक**:
   - अनुशासन समिति
   - भोजन समिति
   - वार्षिक दिवस महोत्सव ' सदस्य
   - गरबा रात्री महोत्सव 2017, सेक्टर 29 के परिसर में आयोजित किया गया था।
   - वार्षिक दिवस सांस्कृतिक कार्यक्रम ' निर्णायक समिति के सदस्य

छात्रों हेतु छात्रवृत्ति पुरस्कार:

- केंद्र के पाँच छात्रों का चुनाव चीन में अध्ययन हेतु पूर्ण छात्रवृत्ति के आधार पर हुआ था।
- केंद्र के तीन छात्र एक वर्षीय एडवांस-स्टडी हेतु एमएचआरडी छात्रवृत्ति में चुने गए थे।
- केंद्र का एक छात्र एमएचआरडी द्वारा एम. ए. पाठ्यक्रम की पढ़ाई हेतु छात्रवृत्ति में चुना गया था।
- केंद्र के एक छात्र का चयन चीन में पीएच. डी. के शोध कार्य हेतु चीन की सरकार द्वारा किया गया था।

छात्रों का चीन भ्रमण:

केंद्र के चार छात्र इंडियन यूथ डेलीगेशन, 2017 के रूप में 7 से 17 जून के बीच चीन भ्रमण के लिए गए थे।

तुलनात्मक साहित्य अध्ययन केंद्र

यह केंद्र तुलनात्मक साहित्य के अध्ययन के क्षेत्र में एक अंतःविषय अनुशासन के रूप में जाना जाता है। इस केंद्र ने पिछले कुछ दशकों में मानविकी शैक्षिक कार्यक्रमों में बहुत महत्व प्राप्त किया है। एक विषय के रूप में भारत जैसे बहुभाषी समाज के लिए इसकी प्रासंगिकता बहुत महत्त्वपूर्ण है। तुलनात्मक साहित्य छात्रों को प्रदर्शन अध्ययन, रंगमंच अध्ययन, फिल्म अध्ययन आदि से संबंधित क्षेत्रों के अतिरिक्त, विषय विज्ञान, वंशावली, साहित्यिक इतिहास, साहित्यिक प्रभाव, और अन्य नए विकसित हो रहे मुख्य विषयों में अनुसंधान करने का अवसर प्रदान करता है। यह किताबों के तुलनात्मक अध्ययन से परे है। किताबों के विश्लेषण में इतिहास, राष्ट्र, जाति, वर्ण, लिंग, क्षेत्र, संस्कृति इत्यादि के मुद्दे शामिल होते हैं। मौलिकता और साक्षरता के साथ-साथ प्रिंट और प्रकाशन के इतिहास से संबंधित मुद्दों के बीच भी तुलनात्मक साहित्य के तहत अध्ययन किए गए है और ऐसे विषयों का भी निर्माण कर सकते हैं। वर्तमान में यह केंद्र एकल एम.फिल की डिग्री और एकल पीएच. डी. की डिग्री प्रदान करता है।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

प्रोफेसर बालाजी रंगनाथन, अध्यक्ष एवं व्याख्याता
इनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र- ऐतिहासिक इतिहास, साहित्यिक इतिहास, मनोविश्लेषण, 19वीं शताब्दी भारतीय राजनीतिक विमर्श और औपनिवेशिक संस्थानों का गठन, प्रारंभिक भारत के न्यूमिज़्मेटिक स्टडीज, प्रारंभिक और मध्यकालीन भारतीय कांस्य विकास।

डॉक्टर जाकिया फिरदौस, असिस्टेंट प्रोफेसर
इनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र- उत्तरी अमेरिकी मूल कथा साहित्य, कन्नड साहित्य, लैंगिक अध्ययन, उत्तर-उपनिवेशवाद साहित्य, अंग्रेजी में भारतीय लेखन आदि हैं।

मिस जरना माहेश्वरी, असिस्टेंट प्रोफेसर
इनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र- अनुवाद अध्ययन और अभ्यास, यात्रा लेखन, औपनिवेशिक साहित्य, सार्वजनिक क्षेत्र हैं।

मिस निवेदिता कलरीक्कल, असिस्टेंट प्रोफेसर
इनकी विशेषज्ञता के क्षेत्र- अनुवाद अध्ययन और केरल में प्रिंट का इतिहास आदि हैं।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड/ यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और पत्र:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ
1.	ज़ाकिया फ़िरदौस	ऑन मार्जिन, कल्चर एंड इंडेंटीटीः द केस ऑफ़ अदर राइटिंग्स इन कनाडा एंड इंडिया	होरिजोंस ऑफ़ होलिस्टिक एजुकेशन	दिसंबर 2018. खंड3

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलनों / कार्यशालाओं, आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र. सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/ कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	रंगनाथन , बालाजी	रीविसिनिंग हिस्ट्रीः कंस्ट्रकटिंग सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ द पास्ट एंड लिट्रेरी सोर्सेस	री (विजिटिंग) हिस्ट्री, नेशनल एंड कल्चर थ्रू ऑटोबायोग्राफी, बायोग्राफी एंड मेमोरीज	आईआईएस यूनिवर्सिटी, जयपुर	जनवरी 12 -13, 2018.
2.	रंगनाथन , बालाजी	द खेड़ा सत्याग्रहः एवलुएटिंग द सरदार पटेल एंड कंटेस्टींग मैस्क्यलिनटी	"मेकिंग ऑफ़ अ गांधियन नेशनलिस्ट' लाइफ एंड टाइम्स ऑफ़ सरदार पटेल"	नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एंड लाइब्रेरी तीन मूर्ति हाउस, न्यू दिल्ली	अक्टूबर 31, 2017 ' नवंबर 1, 2017,
3.	फ़िरदौस, ज़ाकिया	बियॉन्ड ऑपरेशन एंड द स्टीरियोटाइपऑफ़ वेइलः अ थाउजेंड स्प्लेंडिड संस इन अ टू	वायलेंस इन साउथ एशियाः फिक्शन एंड रियलिटी	सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, स्कूल ऑफ़ लैंग्वेज लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	नवंबर 9 - 10. 2017.

4.	फ़िरदौस, ज़ाकिया	नारीवादी सौन्दर्य शास्त्र	साहित्य के नए सौन्दर्यशास्त्र	डिपार्टमेंट ऑफ़ हिंदी, गुजरात यूनिवर्सिटी	मार्च 27 - 28, 2018.
5.	महेश्वरी, ज़राना	नेशन इन द मेकिंग एंड द क्वेश्चन ऑफ़ कास्ट : अ स्टडी ऑफ़ गोवर्धनराम त्रिपाठी सरस्वतीचंद्र	सेकंड नेशनल सेमिनार ऑन अम्बेडकर लिटरेचर एंड मार्जिनालाइजड सोसाइटी	गुजराती दलित साहित्य अकादमी, गुजरात विद्यापीठ	अप्रैल 15 - 16, 2017.

संगोष्ठियों / सम्मेलनों आदि के अलावा प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षिक वार्ता:

क्र.सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1.	ज़ाकिया फिरदौस		राइटिंग स्किल्स एनहैसमेंट प्रोग्राम, सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, सीयूजी. नवंबर 27 ‘ 30, 2017	संसाधन व्यक्ति
2.	निवेदिता के.	ट्रांसलेशन एंड आइडियोलॉजी	ट्रांसलेटर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम, नेशनल ट्रांसलेशन मिशन, सितम्बर 20, 2017.	संसाधन व्यक्ति
3.	निवेदिता के.	ट्रांसलेशन एंड पॉलिटिक्स, कल्चर एंड पॉलिटिक्स	ट्रांसलेटर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम, नेशनल ट्रांसलेशन मिशन, जनवरी 24, 2018.	संसाधन व्यक्ति

शोध छात्र : निर्देशित

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, चाहे एम.फिल./पीएच. डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या (केवल 2017-18 के दौरान पंजीकृत)
1.	बालाजी रंगनाथन	एम.फिल. पीएच. डी.	03 02
2.	ज़ाकिया फ़िरदौस	एम.फिल. पीएच. डी.	02 01
3.	महेश्वरी जराना	एम.फिल.	02

विश्वविद्यालय प्रशासन में संकाय सदस्यों की भागीदारी अथवा इनके द्वारा वहन किए जाने वाले अतिरिक्त कार्य भार:

जाकिया फिरदौस:

- उप-संकाय अध्यक्ष, छात्र कल्याण

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचयः

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र की स्थापना सन् 2010 में हुई थी। यह केंद्र पूर्ण-समयकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम संचालित करता है जो चार छमाही का होता है। यह पाठ्यक्रम अंग्रेजी अध्ययन के अनुशासन में बदलते स्वरूप को दर्शाता है। इस एम.ए. कार्यक्रम का उद्देश्य पूर्णतः भाषा, साहित्य और संस्कृति के बारे में गंभीरता से सोचने के लिए प्रशिक्षित करना है।

केंद्र द्वारा पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रमः

अंग्रेजी अध्ययन केंद्र एमए अंग्रेजी में एक कार्यक्रम संचालित करता है जिसमें चार सेमेस्टर का पाठ्यक्रम कार्य (कोर्स वर्क) होता है। पाठ्यक्रमों में शामिल की गई अध्ययन सामग्री अंग्रेजी अध्ययन अनुशासन के बदलते स्वरूपों को दर्शाती है। प्रत्येक छमाही में पढ़ाए गए शुद्ध (कोर) साहित्य पाठ्यक्रम के अलावा, छात्रों को अनुवाद अध्ययन, संस्कृति अध्ययन, डिजिटल संस्कृतियों आदि के अध्ययन जैसे मजेदार क्षेत्रों में कई वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी शामिल किए गए हैं। पाठ्यक्रमों का वैकल्पिक संयोजन छात्रों को व्यक्तिगत स्तर पर अवसर तलाशने की दृष्टि से उनके व्यक्तिगत हितों को ध्यान में रखकर किया गया है। एमए पाठ्यक्रम का एक मात्र उद्देश्य छात्रों को भाषा, साहित्य और संस्कृति के बारे में मूल रूप से बताना और समीक्षकों के बारे में विचार करने हेतु प्रशिक्षित करना है। यह केंद्र फिल्म, संपादन, अंग्रेजी भाषा शिक्षण, अकादमिक लेखन और अनुवाद जैसे विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों के लिए अतिथि व्याख्यान, कार्यशालाओं और संगोष्ठियों का आयोजन करता रहता है। छात्रों को केंद्र में रखकर अन्य प्रतिष्ठित अकादमिक संस्थानों में आयोजित अकादमिक सम्मेलनों और संगोष्ठियों में पेपर प्रस्तुत करने हेतु प्रोत्साहित भी किया जाता है।

केंद्र/संस्थान स्तर पर आयोजित हुए संगोष्ठी/सम्मेलन

वुमेन एंड सेक्टेरियन वायलेन्स इन साउथ एशियाः फिक्सन एंड रियलिटि दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का 9 से 10 नवंबर 2017, को आयोजन

केंद्र स्तर पर संकाय सदस्य

प्रोफेसर भट्टाचार्य, अतानु, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, अधिष्ठाता
शोध रुचि: सांस्कृतिक अध्ययन, विज्ञान कथा, भाषा शिक्षण।

डॉक्टर, धारा के चोटाई, असिस्टेंट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: साहित्यिक इतिहासलेख, जीवन लेखन, औपनिवेशिक अध्ययन, दृश्य अध्ययन, भारत में तुलनात्मक साहित्य

डॉक्टर इश्मीत कौर चौधरी, असिस्टेंट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: आस्ट्रेलियन लिट्रेचर, इंडीजीनियस स्टडीज़, लिट्रेचर फ्राम द मरजीन्स, सिक्ख स्टडीज़, ट्रांसलेशन स्टडीज़

मिस अनुपमा ए., असिस्टेंट प्रोफेसर अस्थाई तौर पर
अनुसंधान रुचियाँ: 20 वीं शताब्दी का अमेरिकी साहित्य, आधुनिकता, संपादकीय सिद्धांत, साहित्यिक इतिहास, मनोविश्लेषण

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड/ यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और पत्र:

क्र. सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ
1.	भट्टाचार्य, अतानु	द इन्सेक्टेसमल टाल-टेलः हिस्टोरिकल ऑफ़ प्रेमेन्द्र मित्रा केथार्सिस एंड एथिक्स इन द साइंस फिक्सन	जर्नल ऑफ़ पोस्टकोलिनिअल राइटिंग	जून 2017; 54/2:1-13.
2.	चौधरी , इश्मित कौर	रीडिंग द कंट्री स्पेस : नेचर एंड यूनिटी इन मेलाफ्स एन इमेजिनरी लाइफ एंड विन्टंस शैलोज	हॉरिजंस ऑफ़ होलिस्टिक एजुकेशनः एन इंटरनेशनल क्वार्टरली पियर रिव्यूव्ड जर्नल	जनवरी-जून 2017, खंड - 4 इशू 1 एंड 2.
3.	चौधरी, इश्मित कौर	"बहनजी परमेशरी"	म्यूज इंडियाः द लिटरेरी ई जर्नल	जुलाई-अगस्त 2017;अंक 74

संपादित खंड में प्रकाशित लेख

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	भट्टाचार्य, अतानु	इंस्टिट्यूशनल डिस्कोर्सेज, टेक्नोलोजी मिडिएटेड	श्वेता राव गर्ग एंड दीप्तिगुप्ता (संपादित), इंग्लिश पैराडाइम इन इण्डियाः	2017; सिंगापुरः पालग्रेव मैकमिलन

		प्रैक्टिसेज एंड पेडागोगी : अ क्रिटिकल पर्सपेक्टिव	एशेज इन लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर	
2.	भट्टाचार्य, अतानु	डॉयलाग इन द वेबः डिजिटल टेक्नोलोजिज एंड पेडागोगी	लक्ष्मी बंदलामुदी एंड ई.वी.रामकृष्णन(संपादित), बख्तिनियन एक्सप्लोरेशंस ऑफ़ इंडियन टेक्स्ट्स, कल्चर एंड सोशायटीः प्लूरलिज्म, डोग्मा एंड डॉयलाग थ्रू हिस्ट्री	2017; सिंगापुरः स्प्रिंगर
3.	चौधरी, इश्मित कौर	"सोशल इमैजिनेशन एंड नेशनइमेजः एक्सप्लोरिंग द सोशियो कल्चर मिल्यू इन रीजनल इंडियन शार्ट स्टोरीज ट्रांसलेटेड इन इंग्लिश"	श्वेता राव गर्ग एंड दीप्ति गुप्ता (संपादित), द इंग्लिश पैराडाइमः एसेज इन लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर	2017, पालग्रेव मैकमिलन, सिंगापुर
4.	चौधरी , इश्मित कौर	राइटिंग द एबोरीजिनल विमेंस ऑटो / बायोग्राफिकल इक्सपिरिएंसः जैकी हगिंस एंड जिनाइ लिन	देवलीना दास एंड संजुक्ता दास गुप्ता (संपादित) क्लेमिंगस्पेस फॉर ऑस्ट्रेलियन विमेंस राइटिंग	2017; पालग्रेव मैकमिलन, स्विट्जरलैंड
5.	चौधरी , इश्मित कौर	इंग्लिश स्टडीज एंड लिटरेचर्स फ्रॉम मार्जिंसः अ स्टडी ऑफ़ पोलिटिकल प्रेजन्टेशंस एंडपोएटिक इमैजिनेशन ऑफ़	के.बी. कृष्णा, हेमराज बंसल (संपादित) होमोजेनिटी इन हेटेरोजेनिटीः मेमोरी, कल्चरएंड रेजिस्टेंस इन एबोरिजिनल लिटरेचर्स फ्रॉम अराउंड द वर्ल्ड	2017; ऑथरस्प्रेस न्यू दिल्ली

		केविन गिल्बर्ट एंड वोल सोयिंका		
6.	चौधरी, इश्मित कौर	रिप्रजेंटिंग द कम्यूनिटी, राइटिंग द कंट्रीः अ स्टडी ऑफ़ सलेक्ट ऑस्ट्रेलियन एबोरिजिनल वीमेन राइटर्स	इंदिरा नित्यनंदम एंड मिन्नी मैथ्यू (संपादित) द सेंटर कैन नॉट होल्डः फोर्थ वर्ल्ड लिटरेचर्स	2017, क्रिएटिव बुक्स, न्यू दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत प्रपत्र:

क्र.सं	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/ कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	भट्टाचार्य, अतानु	इंस्टीट्यूशनलडिसकोर्सेज एंड सिचुएटेड प्रैक्टिसेजः अ व्यू फ्रॉम इंडिया	सेंटर फॉर लैंग्वेज एजुकेशन रिसर्च सेमिनार सीरिज	स्कूल ऑफ़ एजुकेशन, यूनिवर्सिटी ऑफ़ लीड्स, यू.के.	28 जून, 2017
2.	भट्टाचार्य, अतानु	मिडिएटेड प्रैक्टिसेज एंड लैंग्वेज एजुकेशन	हॉर्नबाई ट्रस्ट रिसर्च स्कॉलर्स सेमिनार	सेंटर फॉर अप्लाइड लिंग्विस्टि, यूनिवर्सिटी ऑफ़ वार्विक, यू.के.	3 जुलाई, 2017
3.	भट्टाचार्य, अतानु	इमैजिंड टेरेनः निगोशिएटिंग द पैराडाइम्स ऑफ़ साइंस,नेशन,एंडद सेल्फइन नाइंटिंथ ' सेंचुरी बंगाली साइंस फिक्शन	द फिफ्टिंथ इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन न्यू डाइरेक्शंस इन द ह्युमैनिटि	इम्पिरीअल कॉलेज, लंदन, यू.के.	5-7 जुलाई 2017
4.	चौधरी, इश्मित कौर	राइटिंग एक्सपिरिएन्सेज,	अ टू डे इंटरनेशनल	सी.यू.जी., गांधीनगर	9-10 नवंबर 2017

		रिराइटिंग पार्टिशन हिस्ट्रिजएंड पर्सनल मेमोरिज	कॉन्फ्रेंस ऑन वीमेन एंड सेक्टेरियन वायलेंस इन साउथ एशिया: फिक्शन एंड रिअलिटी		

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला, आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/ कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	भट्टाचार्य, अतानु	प्रेपेरिंग अ 'गुड' प्रेजेंटेशन	फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम एट निरमा यूनिवर्सिटी	निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद	16 जून, 2017
2.	भट्टाचार्य, अतानु	बंगला साहित्य, हिंदी सिनेमा और दृश्य विकर्षण: कुछ विचार	भारतीय साहित्य और हिंदी सनेमा का अंतरसंबंध और रूपांतरण	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर	17-18 नवंबर, 2017
3.	चोटाई, धारा, के.	"गांधी टाइम बाइन्डिंग ऐज एन इंटरफ़ेस बिटवीन सेल्फ-रूल एंड स्वराज: अ पर्सपेक्टिव फ्रॉम नाइनटीथ सेंचुरी"	"गांधी एंड टाइम बाइन्डिंग: इंटरफ़ेसेस बिटवीन प्रिंसिपल्स एंड प्रैक्टिस,"	बलवंत पारेख सेंट्रल यूनिवर्सिटी फॉर जनरल सेमांटिक्स एंड अदर ह्यूमन साइंसेज इन कोलैबोरेशन विथ द इंस्टिट्यूट ऑफ़ पॉलिसी रिसर्च एंड इंटरनेशनल स्टडीज, एम,एस,बरोडा	23-24 जनवरी 2018

4.	चोटाई, धारा, के.	"शिफ्ट्स इन आईडिया ऑफ़ द लिटरेरीः द केस ऑफ़ लिरिक एंड इट्स रिसेप्शन"	"इंडियन माडर्नटीजः लिटरेचर, कल्चर एंड सोसाइटी"	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ कर्नाटक, कर्नाटक	22-23 मार्च 2018.
5.	चौधरी, इश्मित कौर	एशियन लिटरेचर्सः रीडिंग वीमेन एंड वायलेंस	कन्टेक्स्चूअलाइज ि◌ंग एशियन लिटरेचर्स (प्लेनरी एड्रेस)	इथिराज कॉलेज फॉर वीमेन, चेन्नई तमिलनाडु	21-23 मार्च, 2018

संगोष्ठी / सम्मेलन आदि के अलावा प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षिक वार्ता

क्र.सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1.	भट्टाचार्य, अतानु	इएलटी एंड टेस्टिंग	आमंत्रित वार्ताः 24-26 फ़रवरी, 2018	आमंत्रित वक्ता
2.	भट्टाचार्य, अतानु	उन मैप्स/इमैजिनेड टरेनः कोलोनियल स्पेसेस एंड साइंस फिक्शन (एसएफ) इन इंडिया	इन्वाइटेड टॉक बाई डाईलॉग्स (अ फॉर्ट्नाइट्ली सेमिनार सीरीज) ऐट आईआईटी, गांधीनगरः 7 मार्च, 2018	आमंत्रित वक्ता
3.	चोटाई, धारा, के.	लिटरेरी हिस्टोरिओग्राफी	वर्कशॉप ऑन रिसर्च मेथोड़ोलोजी बाई डिपार्टमेंट ऑफ़ स्टडीज एंड रिसर्च इन इंग्लिश, रानी चेन्नम्मा यूनिवर्सिटी, बीजापुर, कर्नाटकः 21 मार्च, 2018	मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया
4.	चौधरी, इश्मित कौर	कन्टेक्स्चूअलाइजिंग गुरु नाथ साहिब लिटरेचर पार्टीशन हिस्ट्रीज	यूजीसी टीचर एक्सचेंज प्रोग्राम, सौराष्ट्र यूनिवर्सिटी, राजकोट 21-22 अगस्त, 2017	आमंत्रित व्याख्यान

5.	चौधरी, इश्मित कौर	प्रिपरेशन ऑफ़ प्रोजेक्ट/रिसर्च मेथोड़ोलोजी	केसीजी, अहमदाबाद गुजरात 27 नवंबर, 2017	संसाधन व्यक्ति

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रीफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	चोटाई, धारा, के.	अभिविन्यास कार्यक्रम	20/02/207 से 21/03/2017	प्रतिभागी के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया
2.	चोटाई, धारा, के.	रिफ्रेशर कोर्स इन इंग्लिश	4/12/2017 से 23/12/2017	प्रतिभागी के रूप में कार्यक्रम में भाग लिया
3.	चौधरी, इश्मित कौर	फर्स्ट रिफ्रेशर कोर्स इन लैंग्वेज एंड लिटरेचर	08/01/2018 से 02/02/2018	भागीदारी

कार्यान्वित अनुसंधान परियोजनाएं

क्र.सं.	नाम	परियोजना का नाम	वित्तपोषित संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति चाहे परियोजना की अवधि के साथ चल रहा/पूर्ण हो
	इश्मित कौर	"(इ) रेज़ड चैप्टर्स: रेमेम्बरिंग द टेल्स ऑफ़ मोउर्निंग कार्नेज ·84"	सीयूजी	1 लाख	पूर्ण (दिसंबर,2015 to अप्रैल, 2018)

शोध छात्र / निर्देशित

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम चाहे एम.फिल./पीएच. डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या (केवल 2017-18 में पंजीकृत)
1.	चौधरी, इश्मित कौर	एम.फिल.	1

केंद्र एवं इसके संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले एक्टेंसन, आउटरिच एवं समान गतिविधियां

एम. ए., एम. फिल., पीएच. डी. के छात्रों के लिए 27 से 30 नवंबर, 2017 को लेखन पद्धति पर आधारित लेखन कौशल संवर्धन कार्यक्रम के तहत एक दिवसीय आर्यशाला का आयोजन किया गया था।

केंद्र एवं इसके संकाय सदस्यों एवं छात्रों ने अकादमिक वर्ष 2017 से 2018 में अंगीकृत किए गए स्कूल कार्यक्रम में स्वयं सेवक के रूप में काम किया। 12 सितंबर 2017 को आयोजित इस कार्यक्रम की कार्यशाला में प्राथमिक शिक्षा में भागीदार छात्रों ने भी इसमें भाग लिया।

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी अथवा इनके द्वारा वहन किए जाने वाले दूसरे कार्य भार:

भट्टाचार्य, अतानु

- अधिष्ठाता, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान
- अध्यक्ष, अंग्रेजी अध्ययन केंन्द्र
- प्रवोस्ट

चोटाई, धारा के.

- सदस्य टीवी9 एक्स्पो.
- वार्षिक दिवस कार्यक्रम आयोजन सदस्य

चौधरी, इस्मित कौर

- संयोजक, विद्यालय अंगीकरण कार्यक्रम
- संयोजक, लेखन कौशल विकास कार्यक्रम

ए. अनुपमा

- छात्र सलाहकार, एमए कार्यक्रम, अंग्रेजी अध्ययन केंन्द्र

जर्मन भाषा अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय:

जर्मन अध्ययन केंद्र की शुरुआत सन् 2011 में भारत में जर्मन भाषा, साहित्य और संकृति में ज्ञान, शिक्षण और शोध को विस्तार देने के उद्देश्य से की गयी थी। इस केंद्र के शुरुआत भारत और जर्मनी के घनिष्ठ सम्बन्धों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भी की गयी थी। यह केंद्र जर्मन में स्नातक और परास्नातक की डिग्री प्रदान करता है। वे छात्र जिन्होंने 10+2 (एआईएसएससीई) उत्तीर्ण कर लिया है वे जर्मन भाषा और संस्कृति में (बी.ए.ऑनर्स) हेतु योग्य होते हैं। जर्मन में बी.ए. करने के बाद छात्र एम.ए. का विकल्प रूप में चुनाव कर सकते हैं या फिर वे जर्मन भाषा विशेषज्ञ के रूप में काम कर सकते हैं। पाठ्यक्रम भाषा के संदर्भ के लिए सामान्य यूरोपीय फ्रेमवर्क (द कॉमन यूरोपियन फ्रेमवर्क ऑफ रिफरेंस फॉर लैंगवेजेज़ सीईएफ़आर) के अनुसार तैयार किया गया है। जर्मन अध्ययन केंद्र द्वारा अपनाई गयी शिक्षण प्रविधि बहुत ही बोधक और छात्रों की सुविधा केन्द्रित है। इससे छात्र को उसके व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ बौद्धिक विकास हेतु भी पर्याप्त स्थान व अवसर मिलता है। यह केंद्र स्टेट-ऑफ-द-आर्ट भाषा प्रयोगशाला से सुसज्जित है। इस प्रयोगशाला का उपयोग पाठ्य पुस्तकों का आडिओ-वीडियो के रूप में उपयोग करने के अतिरिक्त जर्मन भाषा का उच्चारण उनके ही देशीय स्वर में करने हेतु एक संपर्कीय माध्यम के रूप में उपयोग किया जाता है। इसके माध्यम से जर्मन भाषा के मूल उच्चारण को सुना और समझा जा सकता है। साथ ही जर्मन भाषी देशों की संस्कृति, समाज और राजनीति पर निर्मित सूचनात्मक कार्यक्रम भी देखे जा सकते हैं। स्नातक कार्यक्रम में छात्रों के लिए यह अनिवार्य होता है कि वे मानविकी और सामाजिक विज्ञान से संबंधित विषयों का चुनाव वैकल्पिक विषय के रूप में अपने कोर्स के साथ-साथ करें।

केंद्र द्वारा संचालित विशेष क्षेत्र:

जर्मन भाषा के स्नातक पाठ्यक्रम में छह छमाही शामिल हैं। इस कार्यक्रम के पहले दो छमाही के पाठ्यक्रम को जर्मन भाषा में पर्याप्त रूप से पूर्ण ज्ञान प्राप्त करने की दृष्टि से किताबों के साथ-साथ ऑडियो-विज़ुअल युक्त तकनीकी दोनों का ही उपयोग करते हुए तैयार किया गया है। इसके बाद, छात्रों को जर्मन साहित्य, भाषाविज्ञान और अनुवाद आदि से परिचित कराया जाता है। बी. ए. के इस छह सेमेस्टर के एक कोर्स के माध्यम से। बी.ए. के इस छह सेमेस्टर के कोर्सवर्क के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाता है कि छात्र ने सीईएफ़आर के अनुसार निर्धारित जर्मन भाषा के प्रवाहता बी2 स्तर का हाशिल कर पाया है या नहीं। यह छात्रों को स्कूलों में विदेशी भाषा पढ़ाने के रूप में जर्मन के शिक्षकों के रूप में काम करने के योग्य बनाता है और अमेज़ॅन, ड्यूश बैंक, टीसीएस, कॉन्सेन्ट्रिक्स, एचपी, सीमेंस, ओरेकल जैसे बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) में भी काम करने के योग्य करता है। मास्टर कार्यक्रम जर्मन साहित्य और शैली अध्ययन, साहित्यिक, वैज्ञानिक और तकनीकी अनुवाद, तुलनात्मक साहित्य, भाषाविज्ञान, आधुनिक यूरोपीय दर्शन, डीडैक्टिक्स, फिल्म अध्ययन और जर्मनी के इतिहास और जर्मन भाषी देशों पर आधारित पाठ्यक्रम व्यापक अध्ययन क्षेत्र प्रदान करता है। मास्टर कार्यक्रम के अंतिम सेमेस्टर में, छात्रों को जर्मन भाषा और साहित्य के साथ अपनी अर्जित ज्ञान के आधार पर अपनी रुचि के क्षेत्र में जर्मन भाषा में एक शोध प्रबंध लिखना होता है।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

डॉक्टर अनुष्का गोखले, असिस्टेंट प्रोफेसर और संयोजक
अनुसंधान रुचियाँ: इंडो-जर्मन संबंध; लोकप्रिय कथा; जर्मनी का सामाजिक इतिहास

डॉक्टर विनय कुमार डोंठूला, असिस्टेंट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: डीएएफ़, भाषाविज्ञान और अनुवाद

मिस्टर रोशन लाल जहेल, असिस्टेंट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: जर्मन साहित्य; डीएएफ़; जर्मन सिनेमा

मिस जसप्रीत कौर लायल, असिस्टेंट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: परिसर के भीतर मौजूद जर्मन बच्चों और किशोर के साहित्य का अंग्रेजी में अनुवाद, सबटाइटल और डबिंग के रूप में बच्चों और किशोर के साहित्य पर आधृत फिल्मों का रूपान्तरण।

संपादित खंडों के रूप में प्रकाशित प्रपत्र:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	गोखले, अनुष्का	इम सेन दे नोर्मेलिजीउंग हीस्तोर्से क्रीमीनाइओलेमने जुर वेमरर रूपब्लिक इम नेऊन जर्हुंदे	रोमांशफ एरजहेन वॉन गेश्तेचे वरगेगेवर्तिगेते वर्गांगएनहेतेन इम बेगीन्नेडेन 21, जह्डुंदेर्ट (एड. बाइ फूलदा डेनियल/ जाएगर, स्टीफन)	अक्टूबर , 2018. दे ग्रूएतेर बर्लिन. आईएसबीएन 978-3-11-054168-7

प्रकाशित किताबें:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	कुमार, विनय डी.	को-एडिटेड द बुक टाइटल्ड हेनरिक बॉल्स सिक्स शार्ट स्टोरीज एंड आल्सो ट्रांसलेटेड द जर्मन स्टोरी ' एस विरड एत्वास गेचेंहें· इन्टू तेलुगू	हेनरिक बॉल्स सिक्स शार्ट स्टोरीज	दिसंबर, 2017. हैदराबादः इएफएल यूनिवर्सिटी.

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	गोखले, अनुष्का	इम्पीरियल कोस्मोपोलीटिज्म एंड द ओरिजिंस ऑफ़ जर्मन स्टडीज इन इंडिया	कोस्मोपोलीटिज्म, ग्लोबलाइजेशन एंड लिटरेरी स्पेस पर्सपेक्टिव एंड नेरेशन ऑफ़ अ (न्यू) वर्ल्ड सिटीजनशीप	यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली, न्यू दिल्ली	फ़रवरी 21-23, 2018

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रीफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	अनुष्का गोखले	1 रिफ्रेशर कोर्स इन लिबरल आर्ट्स	मार्च 26, 2018 to अप्रैल 20, 2018.	भागीदारी

केंद्र एवं इसके संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले एक्स्टेंसन, आउटरिच एवं अन्य दूसरी समान गतिविधियां:

डॉक्टर डी विनय कुमार:

- अध्यक्ष, अध्ययन परिषद, जर्मन विभाग, एम एस विश्वविद्यालय, बरोदा, तीन साल की अवधि के लिए 1.4. 2018 से लागू।
- जर्मन भाषा के डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स हेतु प्रश्नपत्र आयोजक और पर्यवेक्षक, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, मई 2018
- अस्थाई असिस्टेंट प्रोफेसरों की भर्ती हेतु चुनाव समिति सदस्य, एम एस विश्वविद्यालय, वडोदरा, मई 2018.

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी अथवा इनके द्वारा वहन किए जाने वाले अन्य दूसरे कार्य-भार:

डॉक्टर अनुष्का गोखले:

- अध्ययन परिषद सदस्य, एसएलएल एंड सीएस
- सीएएसआर सदस्य एवं एसएलएल एंड सीएस.

डॉक्टर डी विनय कुमार:

- आधिकारिक परिषद सदस्य, सीयूजी.
- नोडल अधिकारी, आईसीटी
- विश्वविद्यालय विवरण एआईएसईएचई और एनआईआरएफ़ हेतु अपलोड करने की ज़िम्मेदारी।
- सीएएसआर सदस्य और एसएलएल एंड सीएस.

हिन्दी भाषा एवं साहित्य अध्ययन केंद्र

हिंदी भाषा और साहित्य अध्ययन केंद्र सन् 2011 में स्थापित किया गया था। यह केंद्र हिन्दी में एकीकृत रूप में एम.फिल / पीएच. डी. और एम. ए. पाठ्यक्रम की डिग्री प्रदान करता है। इस केंद्र के पाठ्यक्रम को विभिन्न संस्थानों में रोजगार की वर्तमान प्रकृति के अनुसार इसकी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। इसलिए इस पाठ्यक्रम में महिलाएं, दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और हाशिये आदि विषयों पर आधृत अध्ययन शामिल करते हुए साहित्य और भाषा के अंतःविषय दृष्टिकोण को पढ़ाया जाता है। इसके अतिरिक्त इस पाठ्यक्रम में विभिन्न सैद्धांतिक स्थितियों, तुलनात्मक दृष्टिकोण, अनुवाद अध्ययन, मीडिया अध्ययन और आधुनिक और उत्तर-आधुनिक सिद्धांतों के दृष्टिकोण से इन सिद्धांतों की जांच की जाती है। यह केंद्र वर्तमान उद्देश्य को संबोधित करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सम्मेलन, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं आदि का भी आयोजन करता है। इस केंद्र के छात्र और शिक्षक दोनों ही विभिन्न शोध पत्रिकाओं में अपने पेपर / किताबें / लेख आदि प्रकाशित करवाने के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय / राष्ट्रीय सम्मेलनों और संगोष्ठियों में भाग लेने हेतु भी शामिल होते रहते हैं। इनके इन कार्यों द्वारा ये हिंदी भाषा और साहित्य को बड़े स्तर पर समृद्ध बनाने की दिशा में अपना योगदान करते हैं।

केंद्र / विद्यापीठ में अतिथि व्याख्यान

क्र.सं.	दिनांक	व्याख्यान का शीर्षक	व्याख्यान का विवरण
1	05-01-2018	लंबी कविताओं का वितान और हमारा समय	डॉ. अरुणाभ सौरभ, पुरस्कृत युवा कवि, दिल्ली
2	24-11-2018	समकालीन यथार्थ के कलात्मक रूपांतरण की चुनौतियां	श्री अखिलेश, प्रसिद्ध लेखक और तद्भव के संपादक, लखनऊ
3	24-11-2018	लेखक की रचना प्रक्रिया	श्री अखिलेश, प्रसिद्ध लेखक और तद्भव के संपादक, लखनऊ
4	29-09-2017	भाषा का व्यवहार और हमारा मानस	डॉ. देवेन्द्र कुमार देवेश, अधिकारी-विशेष कर्तव्य, साहित्य अकादमी, दिल्ली

केंद्र द्वारा आयोजित सम्मेलन/संगोष्ठी

क्र.सं.	आयोजक का नाम	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	दिनांक
1.	दुबे, संजीव कुमार	भारतीय साहित्य और हिंदी सिनेमा का अंतरसंबंध	हिंदी सेंटर, सीयूजी, गांधीनगर	17-18 नवंबर, 2017

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल

प्रोफेसर आलोक कुमार गुप्ता, प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: आधुनिक साहित्य, तुलनात्मक साहित्य, भारतीय साहित्य और अनुवाद अध्ययन

प्रोफेसर संजीव कुमार दुबे, प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: सांप्रदायिकता और हाशिये का समाज, कार्यात्मक हिंदी और हिंदी पत्रकारिता के विशेष संदर्भ में समकालीन हिंदी लघु कथाओं, उपन्यासों और कविता का अध्ययन।

डॉक्टर किंगसन सिंह पटेल, असिस्टेंट प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: कथासाहित्य, स्त्री, दलित और आदिवासी साहित्य।

डॉक्टर प्रमोद कुमार तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: आधुनिक कविता (हिन्दी), भाषा (हिन्दी), लोक साहित्य (भोजपुरी), पत्रकारिता, शिक्षा (प्रारंभिक साक्षरता)

डॉक्टर गजेन्द्र कुमार मीणा, असिस्टेंट प्रोफेसर
रुचि के क्षेत्र: सठोत्तरी हिन्दी कविता, आदिवासी साहित्य।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड/ यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और प्रपत्र:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ
1.	गुप्ता, आलोक कुमार	अमृत लाल नगर और गुजरात	समकालीन भारतीय साहित्य -191	मई - जून 2017पेज 69-65 आईएसएसएन नं. 0970-8367
2.	गुप्ता, आलोक कुमार	हिंदी और गुजराती में अनुवाद की वैज्ञानिक समस्याएँ	अनुवाद की प्रक्रिया और भाषा, गुजरात यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद	जून 2017
3.	पटेल, किंगसन सिंह	धर्म और स्त्रीः नारीवाद के हवाले से	कथादेश	अप्रैल 2017, पेज 74-81
4.	तिवारी, प्रमोद कुमार	जीवन जैसी खांटी कहानियों का लेखकः अरुण प्रकाश	समवेद स्पेशल अंक	जुलाई 2017 पेज (32-26 आईएसएसएन 2231-3885
5.	तिवारी, प्रमोद कुमार	भारतेन्दु युग की कथाएं और सज़ा भुगतती सदियां	अनघ (एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हिंदी)	जून (2017) पेज 1-105 आईएसएसएन 2456-947X
6.	तिवारी, प्रमोद कुमार	देश का दिमाग इतना बेहाल क्यों	बाया	अप्रैल -जून 2017 (Page49-52) आईएसएसएन 2321-9858
7.	तिवारी, प्रमोद कुमार	सामाजिक पुनरुत्पादन और स्त्री की गुलामी	अनघ (एन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ हिंदी)	सिप (2017) पेज 01 -05 आईएसएसएन 2456-947X

8.	मीणा गजेंद्र कुमार	इक्कीसवी सदी का आदिवासी कथा साहित्य	इक्कीसवी सदी का गद्य साहित्य	2017, मईa Prakashan, Kanpur
9.	मीणा गजेंद्र कुमार	आदिवासी इतिहासः ¤हूल पहाडिया·	आदिवासी संवेदना और हिंदी उपन्यास	2017, उत्कर्ष पब्लिशर्स, कानपुर

संपादित खंडों में प्रकाशित प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1	गुप्ता, आलोक कुमार	चिताः विश्लेषण और मूल्यांकन	भारतीय कहानी-3	अप्रैल 2017 ,एमएचडी12-आईजीएनओयू, दिल्ली टीएसबीएन 978-93-86375-79-
2	गुप्ता, आलोक कुमार	हिंदी प्रेम कहानी की शताब्दी यात्रा एन दृष्टिपात	कथालोचना दृश्य ‘ परिदृश्य 2017 संपादकः हरिमोहन शर्मा विनोद तिवारी	हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली यूनिवर्सिटी पेज : 28-37 आईएसबीएन -93-978 9-85-80172
3	पटेल किंगसन सिंह	स्त्रीः घर और बाहर	इक्कीसवीं सदी का गद्य साहित्य	2017, माया प्रकाशन, कानपुर
4	पटेल किंगसन सिंह	गायब होता देशः भुमंडलिकृत विकास की प्रेतकथा	आदिवासी संवेदना और हिंदी उपन्यास	2017, उत्कर्ष पब्लिशर्स, कानपुर
5	तिवारी, प्रमोद कुमार	हमारे भीतर के नाखूनों को उर्जा देता है राष्ट्रवाद	आज़ादी और राष्ट्रवाद	अक्टूबर 2017अनन्या प्रकाशन, दिल्ली पेज नं.. 142-152 आईएसबीएन नं. 978-93-87145-11-5

लेखक के रूप में प्रकाशित किताबें

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1	गुप्ता, अलोक कुमार (गार्गी शाह के साथ)	भारतीय साहित्याना निर्माता गुरु गोविंद सिंह	2017/ साहित्य अकादमी, दिल्ली, आईएसबीएन 978-93-86771-17-9
2	रघुनंदन सिंह, पटेल किंगसनसिंह (सं.)	स्त्री-दर्पण	2017, समन्वय प्रकाशन, गाजियाबाद

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल्स)

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1	तिवारी, प्रमोद कुमार (अतिथि संपादक)	विष्णुचंद्र शर्मा विशेषांक जनपथ पत्रिका	जनवरी-अप्रैल 2018 आईएसएसएन 2277-6583

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	गुप्ता, आलोक कुमार	पर्सपेक्टिव ऑफ़ अ राइटर ऑन द आस्पेक्ट ऑफ़ वायलेंस एंड वीमेन	वीमेन एंड सेक्टारियन वायलेंस इन साउथ एशिया : फिक्शन एंड रियलिटी	सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, स्कूल ऑफ़ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	9-10 नवंबर, 2017
2.	गुप्ता, आलोक कुमार	प्रेजेंट पेपर	द जर्नी ऑफ़ इंडियन लैंग्वेजेज; पर्सपेक्टिव ऑन कल्चर एंड सोसाइटी	बीएओयू, अहमदाबाद	14-15 अक्टूबर2017

3.	गुप्ता, आलोक कुमार	ओल्ड सिविलाइज़ेशन, न्यू सिनर्जीः इंडिया 'चाइना थ्रू पास्टएंड प्रेजेंट	ओल्ड सिविलाइज़ेशन, न्यू सिनर्जीः इंडिया ' चाइना थ्रू पास्टएंड प्रेजेंट	फोरम ऑन रिजनल स्टडीज एंड ग्लोबल गवर्नेंस, बीजिंग फॉरेन स्टडीज यूनिवर्सिटी, बीजिंग, चाइना	18-20 मई, 2017
4.	दुबे, संजीव कुमार	हिंदी कविता में पर्यावरण विज्ञान	विज्ञान और साहित्य	बिरला कॉलेज, मुंबई	12-13 जन, 2018
5.	दुबे, संजीव कुमार	भक्ति साहित्य और सूफी चेतना	भक्ति साहित्य और संत कबीर	केएचएस आगरा	27-28 जन, 2018
6.	दुबे, संजीव कुमार	भारतीय साहित्य में राष्ट्रीय चेतना	स्वाधीनता संग्राम में राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों के अवदान	जोधपुर सेमिनार	24-25, मार्च, 2018
7. 2	पटेल, किंगसन सिंह	जेंडर आधारित भाषा और सत्ता विमर्श	द जर्नी ऑफ़ इनडियन लैंग्वेजेज : पर्सपेक्टिव ओं कल्चर एंड सोसाइटी	आईजीएनओयू, दिल्ली एंड डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर ओपन यूनिवर्सिटी अहमदाबाद, एट अहमदाबाद	14-15 अक्टूबर, 2017
8.	पटेल किंगसन सिंह	हिंदी के आदिवासी उपन्यास और स्त्री हिंसा	वीमेन एंड सेक्टारियन वायलेंस इन साउथ एशियाः फिक्शन एंड रियलिटी	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर	9-10 नवंबर 2017
9.	प्रमोद कुमार तिवारी	लैंग्वेज लिटरेचर एंड नेशनलिज्म	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन लैंग्वेज लिटरेचर एंड नेशनलिज्म	गवर्नमेंट आर्ट्स कॉलेज, गांधीनगर	24-25 फ़रवरी 2018

10.	मीणा, गजेंद्र कुमार	आदिवासी साहित्य के समक्ष चुनौतियां	भारतीय आदिवासी साहित्य	एमटीबीआर्ट्सकॉलेज, सूरत एंड इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक एट सूरत	10-11 मार्च, 2018
11.	मीणा, गजेंद्र कुमार	आदिवासी भाषाएं	द जर्नी ऑफ़ इनडियन लैंग्वेजेज : पर्सपेक्टिव ऑन कल्चर एंड सोसाइटी	आईजीएनओयू, दिल्लीएंड डॉ. बाबासाहेबअम्बेडकर ओपनयूनिवर्सिटी अहमदाबाद,एट अहमदाबाद	14-15 अक्टूबर, 2017

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/ कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	गुप्ता, अलोक कुमार	मैथिलीशरण गुप्ता की राष्ट्रीय चेतना	मैथिलीशरण गुप्ता का हिंदी साहित्य में योगदान	हिंदी साहित्य अकादमी और हिंदी साहित्य परिषद, अहमदाबाद	3 मार्च 2018
2.	गुप्ता, अलोक कुमार	भारतीय चिंतन में अनुवाद का तात्पर्य	अनुवाद कार्यशाला	साहित्य अकादमी, दिल्ली	16 फ़रवरी. 2018
3.	गुप्ता, अलोक कुमार	भारतीय साहित्य और हिंदी सिनेरुपांतरण	भारतीय साहित्य और हिंदी सिनेमा का अंतरसंबंध	साहित्य अध्ययन केंद्र, सीयूजी	17-18 नवंबर 2017
4.	दुबे, संजीव कुमार	नई सदी की हिंदी कहानियों में अल्पसंख्यक संवेदना	नई सदी की हिंदी कहानीः विमर्श के विविध धरातल	एसआईइएस कॉलेज, मुंबई	20 अप्रैल, 2017

5.	दुबे, संजीव कुमार	हिंदी भाषा प्रौद्योगिकी और ई-शिक्षण	भाषा प्रौद्योगिकी और ई-शिक्षण	केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा	21 अप्रैल 2017
6.	दुबे, संजीव कुमार	विज्ञापन और हिंदी	इक्कीसवीं सदी में हिंदीः चुनौतियां एवं संभावनाएँ	सोमानिया कॉलेज, मुंबई	20-21,जुलाई 2017
7.	दुबे, संजीव कुमार	रामचरित्र मानस की सामाजिक और शैक्षणिक प्रासंगिकता	रामचरित्र मानस की सामाजिक और शैक्षणिक प्रासंगिकता	एमिटी इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन	27, जुलाई, 2017
8.	दुबे, संजीव कुमार	नई सदी की कविता में	नई सदी की कविताः चेतना के नए स्वर	आर.जे. कॉलेज सेमिनार	11-12, अगस्त
9.	दुबे, संजीव कुमार	भारत इतिहास और संस्कृत के विचारणीय बिंदु	मुक्तिबोध का अवदान	श्री शंकराचार्य संस्कृत विद्यापीठ, कालडी, कोची, केरल,	18-19-20, सितंबर, 2017
10.	दुबे, संजीव कुमार	हिंदी नीति काव्य पर चाणक्य का प्रभाव	चाणक्य विजडमः अ रीअप्रैज़ल	एसआईइएस कॉलेज, मुंबई सेमिनार	09-10 फ़रवरी, 2018
11.	दुबे, संजीव कुमार	प्रगतिवादी सौन्दर्यशास्त्र	साहित्य के ए सौन्दर्यशास्त्र	जीयू, सेमिनार	27-28, मार्च, 2018
12.	पटेल किंगसनसिंह	पंजाबी साहित्य और हिंदी सिनेमा	भारतीय साहित्य और हिंदी सिनेमा का अंतरसंबंध	केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली एंड सी.यू.जी., एट गांधीनगर, गुजरात	17-18 नवंबर 2017
13.	तिवारी, प्रमोद कुमार	मुख्य धारा और जेंडर	जेंडर सेंसटाइजेशन ट्रेनिंग ऑफ़ डिस्ट्रिक जेंडर को-ऑर्डिनेटर, एसएसए	यूएनआईसीइएफ एंड एसएसए, गुजरात	27-28 नवंबर 2017

14.	तिवारी, प्रमोद कुमार	संभावनाओं की द्वारः नई मीडिया	समकालीन पत्रकारिताः चुनौतियां और संभावनाएँ	साहित्य परिषद, सीयूजी, गांधीनगर	25 नवंबर 2017
15.	तिवारी, प्रमोद कुमार	मुक्तिबोध होने का मतलब	मुक्तिबोधः जीवन और साहित्य	मुकतिबोध जन्म शताब्दी समारोह, प्रलेस, गुजरात. अहमदाबाद	19 नवंबर 2017
16.	तिवारी, प्रमोद कुमार	साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध और साझे सरोकार	भारतीय साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध	केंद्रीय हिंदी निदेशालय एंड सीयूजी, गांधीनगर	18-17 नवंबर 2017
17.	तिवारी, प्रमोद कुमार	भाषा की चुनौतियां और सिंधी भाषा	चैलेंजेस एंड पोसिब्लीटीज ऑफ़ द सिंधु कल्चर इन द प्रेजेंट सिनेरियो	सिंधु शोध पीठ, एमडीएसयू, अजमेर	16 सितंबर 2017
18.	तिवारी, प्रमोद कुमार	कला, काव्य और हमारा समय	जयशंकर प्रसाद समारोह	भारत भवन भोपाल, एम.पी. गवर्नमेंट	18-14 जुलाई 2017
19.	मीणा, गजेंद्र कुमार	आदिवासी साहित्य और दर्शन	फिलोसोफिकल डायमेंशन ऑफ़ ट्राइबल सोसाइटी	आईसीएसएसआर, न्यू दिल्ली एंड डिपार्टमेंट ऑफ़ फिलोसोफी, एम.एल.एस.यू., एट उदयपुर, राजस्थान	2-3 फ़रवरी 2018
20.	मीणा, गजेंद्र कुमार	बहुजन साहित्य की चुनौतियां	बहुजन साहित्य दशा-दिशा एवं चुनौतियां	भारतीय जन लेखक संघ, मधुपुरा, बिहार एट दिल्ली	14-15 जनवरी 2018
21.	मीणा, गजेंद्र कुमार	राजस्थानी साहित्य और हिंदी सिनेमा	भारतीय साहित्य और हिंदी सिनेमा का अंतरसंबंध	केंद्रीय हिंदी निदेशालय, दिल्ली एंड सी.यू.जी., एट गांधीनगर, गुजरात	17-18 नवंबर 2017

संगोष्ठी / सम्मेलन, आदि के अलावा प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षिक वार्ता

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	व्याख्यान / सम्मेलन / कार्यशाला की विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	दुबे, संजीव कुमार	पीताम्बर दत्ता बधात्तावाल स्मृति व्याख्यान माला	लखनऊ यूनिवर्सिटी, लखनऊ	24, फ़रवरी, 2018
2.	दुबे, संजीव कुमार	ब्रिटिश हिंदी लेखिका जाकिया ज़ुबेरिन का कथा साहित्य	हाउस ऑफ़ कॉमन, यूके	13, सितंबर, 2017
3.	दुबे, संजीव कुमार	कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ़ द स्टूडेंट हिंदी लैंग्वेज एंड लिटरेचर टू इंडियन इकॉनमी	ऑक्सफ़ोर्ड बिज़नस कॉलेज, यूके	13, सितंबर, 2017

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रीफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1	दुबे, संजीव कुमार	इफेक्टिव ऑफिस एडमिनिस्ट्रेशन एंड फाइनेंसियल मैनेजमेंट	24-28 जून एट लेह, लद्दाक	नेशनल प्रोडक्टीवीटी काउंसिल
2	मीणा, गजेंद्र कुमार	13t रिफ्रेशर इन संस्कृत एंड हिंदी (कोर)	21-07-2017 से 10-08-2017	भागीदारी

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं:

क्र.सं.	नाम	परियोजना का नाम	वित्तपोषित संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति चाहे परियोजना की अवधि के साथ चल रहा/पूर्ण हो
1	पटेल, किंगसन सिंह	आदिवासी समाज में पितृसत्ताः 2000-2015	सेंट्रल यूनिवर्सिटी	75000/	चल रही है

		केहिंदी उपन्यासों के संदर्भ में	ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर		
2	तिवारी, प्रमोद कुमार	हिंदी काव्य भाषा के बदलते स्वरूप का अध्ययन (1850 से 1936 तक)	यूजीसी/ सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	1 लाख	चल रही है
3	मीणा, गजेंद्र कुमार	इक्कीसवीं सदी के आदिवासी जीवन केंद्रित हिंदी उपन्यासों की प्रमुख प्रवृतियों का अध्ययन	सीयूजी, गांधीनगर	1 लाख	चल रही है

शोध छात्र / निर्देशित

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम एम.फिल./पीएच. डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या
1	गुप्ता, आलोक कुमार	एम.फिल./पीएच. डी.	1+2
2	संजीव कुमार दुबे	एम.फिल./पीएच. डी.	2+2
3	पटेल, किंगसन सिंह	एम.फिल./पीएच. डी.	1+1
4	तिवारी, प्रमोद कुमार	एम.फिल.	1
5	मीणा, गजेंद्र कुमार	एम.फिल.	1

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी अथवा इनके द्वारा वहन किए जाने वाले अन्य दूसरे कार्य भार:

प्रोफेसर संजीव कुमार दुबे

- परीक्षा नियंत्रक (कार्यवाहक)
- अध्यक्ष, हिन्दी अध्ययन केंद्र
- अध्यक्ष, हिन्दी भाषा एवं साहित्य अध्ययन मण्डल (2017-2018)।
- अध्यक्ष, प्रवेश समिति
- अध्यक्ष, अध्यादेश एवं संविधान (नियम) समिति
- सदस्य, कर्मचारी परिषद
- सदस्य, अकादमिक परिषद
- सदस्य, योजना एवं परीक्षण परिषद

- सदस्य, पुस्तकालय समिति
- सदस्य, सीयू पोर्टल स्टैंडिंग समिति
- सदस्य, शिकायत समिति

डॉक्टर किंगसन सिंह पटेल

- सदस्य, हिन्दी भाषा एवं साहित्य अध्ययन मण्डल, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर (2017-2018)
- सदस्य, जर्मन भाषा अध्ययन मण्डल, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात , गांधीनगर. (2017-2018)
- सदस्य, हिन्दी सलाहकार समिति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर. (2017-2018)
- सह' संयोजक हिन्दी पखवाड़ा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर. (2017-2018)
- सदस्य, शिकायत निवारण समिति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर. (2017-2018)
- सदस्य, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शती आयोजन समिति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात , गांधीनगर. (2017-2018)

डॉक्टर प्रमोद कुमार तिवारी

- संस्थान बोर्ड, सदस्य, भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अध्ययन संस्थान, सीयूजी, गांधीनगर.
- केंद्र बोर्ड, सदस्य, हिन्दी भाषा एवं साहित्य केंद्र, सीयूजी, गांधीनगर.
- वार्षिक प्रतिवेदन समिति, सीयूजी, गांधीनगर
- सदस्य, शिकायत निवारण समिति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात , गांधीनगर.
- अनुशासन समितिः वार्षिक खेल बैठक 2018, सदस्य, सीयूजी, गांधीनगर
- सांस्कृतिक समिति, वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम 2017-18, सदस्य, सीयूजी, गांधीनगर
- टीवी ९ हेतु समिति, गुजराती शिक्षा एक्स्पो, सदस्य,
- छात्र पत्रिका मनसा, सम्पादन समिति 2017-2018, सदस्य, सीयूजी, गांधीनगर

डॉक्टर गजेन्द्र कुमार मीणा

- सेंटर बोर्ड, सदस्य, हिन्दी भाषा एवं साहित्य केंद्र, सीयूजी, गांधीनगर.
- सदस्य, अर्न ह्वाइल यू लर्न (ईडबल्यूवाईएलएस) योजना, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर. (2017-2018)
- सदस्य, खेल समिति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर. (2017-2018)
- सह' संयोजक, हिन्दी पखवाड़ा, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर. (2017-2018)
- सदस्य, वार्षिक दिवस समिति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर. (2017-2018)

गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र

गुजराती भाषा और साहित्य केंद्र शैक्षणिक वर्ष 2017-18 से आरंभ हुआ। इस केंद्र में गुजराती में एम.ए. की पढ़ाई होती है। यह 4 सेमेस्टर (2 साल) का पाठ्यक्रम है। इसके अंतर्गत गुजराती भाषा और साहित्य के अनिवार्य पाठ्यक्रम के साथ-साथ विविध अंतर-अनुशासनिक वैकल्पिक पाठ्यक्रम भी शामिल हैं। यह पाठ्यक्रम न केवल गुजराती भाषा और साहित्य में व्यापक कौशल और ज्ञान प्रदान करना चाहता है बल्कि लोक साहित्य, सांस्कृतिक अध्ययन, फिल्म और साहित्य तथा तुलनात्मक साहित्यिक अध्ययनों में अंतर-अनुशासनिक अंतर्दृष्टि प्रदान करना चाहता है। यह केंद्र भाषा साहित्य एवं सांस्कृतिक अध्ययन संस्थान का (एसएलएलसीएस) का हिस्सा है, हर साल यह केंद्र कार्यशालाओं, संगोष्ठियों और विशेष व्याख्यानों का आयोजन करता है जिससे केंद्र के छात्रों को शैक्षिक लाभ मिलता है और उनका अध्ययन वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने में मदद मिलती है।

सिंधी भाषा एवं साहित्य अध्ययन केंद्र

सिंधी भाषा एवं साहित्य अध्ययन केंद्र अप्रैल 2016 में शुरू किया गया था। सिंधी भाषा एवं साहित्य के प्रचार के लिए केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात एवं सिंधी भाषा राष्ट्रीय प्रचार परिषद (एनपीसीएसएल) के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयूएस) पर हस्ताक्षर किए गए थे। इस समझौता ज्ञापन (एमओयूएस) के अनुसार इस केंद्र का संचालन अर्थात वित्तपोषण प्रदान किए गए कार्पस फंड से प्राप्त ब्याज के माध्यम से होगा। इस केंद्र का अध्यक्ष प्रोफेसर संजीव कुमार दुबे को नियुक्त किया गया है। इस केंद्र द्वारा सिंधी भाषा के शिक्षकों हेतु एक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जाता है। इसके अतिरिक्त अनुवाद अध्ययन में एक डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी संचालित किया जाता है। इस केंद्र द्वारा सिंधी भाषा एवं साहित्य के प्रचार-प्रसार हेतु संगोष्ठियों एवं कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाएगा। ͦलर्निंग एंड टीचिंग ऑफ सिंधी लैंगवेज़ इन गुजरातः चैलेंजेस एंड ओप्पर्ट्यूनिटी· विषय पर एक एक संगोष्ठी का आयोजन 25 मई 2016 को किया गया था। सिंधी भाषा राष्ट्रीय प्रचार परिषद की उपाध्यक्षा श्रीमति अरुणा जेठवानी इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। इनके अतिरिक्त सिंधी भाषा एवं साहित्य के इस संगोष्ठी में कई प्रतिष्ठित विद्वानों ने भी भाग लिया था।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान संस्थान

संस्थान का परिचय:

केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात में पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान जैसे कार्यक्रम भी पढ़ाया जाता है जो आज के ज्ञान समाज के वर्तमान संदर्भ में अत्यधिक प्रासंगिक हैं। इस केंद्र को देश की संस्कृति, विरासत, विज्ञान, कला और लोक परंपरा आदि को संरक्षित करने हेतु और संवाद हेतु, ज्ञान के महासागर को जीवित बनाए रखने हेतु और कुशल मानव संसाधन को प्रशिक्षित करने के उद्देश्यों के साथ स्थापित किया गया था।
यह केंद्र छात्रों को आईसीटी अनुप्रयोग के उपयोग करने हेतु इन्हें सक्षम बनाता है। इसके अतिरिक्त इसके उपयोग के लिए, ज्ञान के संरक्षण हेतु, कौशल विकसित करने, सक्षम पेशेवरों को डिजिटलीकरण की प्रक्रिया के साथ पारंपरिक और सामाजिक रूप से उपयोगी ज्ञान तक पहुंच को बढ़ावा देने और क्षमता निर्माण गतिविधियों में शामिल करने के लिए, सक्षम पेशेवरों को विकसित करने के लिए, बड़े पैमाने पर एक डिजिटल भारत बनाने हेतु काम करता है।

पाठ्यक्रम संरचना पुस्तकालय और सूचना विज्ञान के डिजिटल दृष्टिकोण पर जोर देने के साथ-साथ, लचीला और अभ्यास उन्मुख एवं पसंद आधारित है। शिक्षण प्रक्रिया में इंटरैक्टिव लेक्चर, वीडियो ट्यूटोरियल, फील्ड विज़िट, इंटर्नशिप, असाइनमेंट्स और सेमिनार, प्रोजेक्ट्स और हस्त-प्रशिक्षण आदि शामिल हैं।

पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

- पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में एमए (एम लिब आई एससी)
- पीएच. डी. (सीधे) पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
- स्नातकोत्तर डिप्लोमा डिजिलट पुस्तकालय और सूचना प्रबंधन (पीजीडीएलआईएम)

संस्थान/केंद्र में आयोजित हुए अतिथि व्याख्यान:

क्र. सं.	विषय	वक्ता	दिनांक
1.	न्यू फ्यूचर, न्यू चैलेंजेस, न्यू रोल्स : अ रिफ़्लेक्शन	डॉ. मारिया जोया अमानते, डॉक्यूमेंटेशन सर्विसेस डायरेक्टर एट आईएससीटीइ, पुर्तगाल	फ़रवरी 28, 2018.
2.	डिजिटल प्रिज़रवेशन एंड अर्चिविंग (प्रैक्टिकल वर्कशॉप)	मी. अभिषेक, इनफ़्लिबनेट	फ़रवरी 9, 2018.

3.	इनफार्मेशन एक्सेस एंड सर्विसेस	डॉ. विनीत कुमार, असिस्टेंस प्रोफेसर, बीएओयू, यूपी	फ़रवरी 8, 2018.
4.	डिजिटल लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर	डॉ. मल्लिकार्जुन अंगदी, टीआईएसएस, मुंबई	फ़रवरी 4, 2018.
5.	डिजिटल प्रिज़रवेशन एंड अर्चिविंग	डॉ. होसमानी, इनफ़्लिबनेट	फ़रवरी 3. 2018.
6.	डिजिटल लाइब्रेरी आर्किटेक्चर	डॉ. मितेश पंड्या, इनफ़्लिबनेट	फ़रवरी 1- 2, 2018.
7.	एसपीएसएस स्टैटिस्टिकल सॉफ्टवेयर	डॉ. हरीश जैन, एसपीआईएसइआर, अहमदाबाद	नवंबर 9 - 10, 2017.
8.	ट्रेंड्स इन लाइब्रेरियनशीप	प्रो. कैसर खान, मंगलौर यूनिवर्सिटी	सितंबर 7, 2017.
9.	लाइब्रेरी मैनेजमेंट एंड कंटीन्यूइंग एजुकेशन	प्रो. आशु शोकीन, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी	सितंबर 7, 2017.
10.	ऑंटोलॉजिस, हार्वेस्टर्स एंड फ़ेडरेटेड सर्च इंजन्स	डॉ. ए आर डी प्रसाद, डीआरटीसी, बैंगलोर	अगस्त 29 - 30, 2017.
11.	कलेक्शन डेवलपमेंट इन डिजिटल लाइब्रेरीज	मी. अभिषेक, इनफ़्लिबनेट, गांधीनगर	अगस्त 23 - 25, 2017.
12.	फाउंडेशन्स ऑफ़ डिजिटल लाइब्रेरीज	डॉ. मल्लिकार्जुन अंगदी, टीआईएसएस, मुंबई	अगस्त 21 - 22, 2017.

केंद्र/स्कूल द्वारा आयोजित संगोष्ठी/सम्मेलन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक
1.	ओपन एक्सेस वीक सेलिब्रेशन	अक्टूबर 25 - 27, 2017

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

प्रोफेसर, मुत्तैय्या कोग्गुरमाथ, व्याख्याता और अधिष्ठाता

डॉक्टर भक्ति गाला, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: ज्ञान संगठन और पहुंच; सोशल मीडिया और पुस्तकालय; सतत पुस्तकालय; विभिन्न संस्कृतियों में जानकारी का सामाजिक उपयोग; सूचना साक्षरता; व्यवहार की तलाश में जानकारी; ओपन एक्सेस और ओपन सामग्री; डिजिटल सामग्री।

डॉक्टर मीनाक्षी परमार, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: ज्ञान संगठनः वर्गीकरण, बिब्लियोमेट्रिक, आईसीटी आवेदन, अनुसंधान पद्धति, पुस्तकालय प्रबंधन।

डॉक्टर रश्मि कुंबार, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: पुस्तकालय और सूचना प्रबंधन; ज्ञान प्रबंधन; सूचना संसाधन और सेवाएं; सूचना साक्षरता; स्कूल लाइब्रेरियनशिप; जीवन कौशल; अकादमिक लेखन और तकनीकी संचार।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और प्रपत्र:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ.
1.	मीनाक्षी ए परमार	बिब्लियोमीट्रिक एनालिसिस ऑफ़ फिजिकल थेरेपी जर्नल डूरिंग 2011 टू 2015	जर्नल ऑफ़ एडवांसमेंट इन लाइब्रेरी साइंसेज (जेओएएलएस)	2018. खंड 5 अंक 1

संपादित खंडो में प्रकाशित प्रपत्र :

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	गाला, भक्ति	अ रिव्यु ऑफ़ चेंजिंग जेनर्स एंड रीडिंग हैबिट्स इन चिल्ड्रेन लिटरेचर.	रिसर्च इन चिल्ड्रेन लिटरेचर इन इंडिया	नवंबर, 2017. न्यू दिल्लीः न्यू भारतीय बुक कॉर्पोरेशन

2.	गाला, भक्ति; परमार, सगेंदर	ई-गवर्नेंस थ्रू पब्लिक लाइब्रेरीज; अ सुजेस्टिव मॉडल	ट्रांसफार्मेशन ऑफ़ लाइब्रेरीज फॉर टुमारो	फरवरी, 2018, मणिपालः मणिपाल अकादमी ऑफ़ हायर एजुकेशन
3.	कुंभार, रश्मि	स्कूल लाइब्रेरीज	ग्लोबल लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस, आईएफएलए सीरीज 2 सं. द्वारा अब्दुल्लाही, रहमानी	नवंबर, 2017. बोस्टनः इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ़ लाइब्रेरी एसोसिएशन पब्लिकेशन 174 डीइ ग्रुय्टर एसएयूआर
4.	कुंभार, रश्मि	डेवलपिंग रीडिंग एज अ वर्चु इन इंडियन स्कूल लाइब्रेरीज : अ केस स्टडी ऑफ़ ज्यदुस स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस	रोल ऑफ़ स्कूल लाइब्रेरीज इन क्वालिटी एजुकेशनः अ सेलेक्टिव रीडिंग	अगस्त 2017 नई दिल्लीः एनसीइआरटी
5.	कुंभार, रश्मि	कोलाबोरेटिव लर्निंगः अ टूल टू एनहेंस स्कूल लाइब्रेरी प्रोग्राम्स	एमपावरिंग स्कूल एजुकेशनः रोल ऑफ़ इनोवेंटिव लाइब्रेरी प्रोग्राम्स	जनवरी 2018 अहमदाबादः एडिनेट.

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचारपत्र, वेब पोर्टल्स):

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	नाम	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	गाला, भक्ति	माइंडफूलनेस एंड लाइब्रेरियनशीप [ब्लॉगपोस्ट ऑन आईएलएन ब्लॉग]	बुधवार 21, जून 2017. इंटरनेशनल लाइब्रेरियन्स नेटवर्क [आईएलएन]; https://interlibnet.org/2017/06/21/mindfulness-and-librarianship/

2.	कुंभार, रश्मि	लाइब्रेरीजः लेट्स मेक देम हप्पेनिंग पल्सेस इन आवर स्कूल! [न्यूज़पेपर आर्टिकल]	नवंबर 5, 2017. ﮦद ओपन पेज·, मंथली स्कूल न्यूज़पेपर अहमदाबादः त्रिपदा लर्निंग सलूशन प्राइवेट एलटीडी.

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला, आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	गाला, भक्ति	राइटिंग रिसर्च पेपर्सः अ गाइड टू ऑनलाइन रिसोर्सेस	मेथोड़ोलोजी ऑफ़ राइटिंग रिसर्च आर्टिकल्स	ओरिएंटल इंस्टिट्यूट, एम एस यूनिवर्सिटी ऑफ़ बरोड़ा	मार्च 9, 2018.
2.	गाला, भक्ति ; परमार, संगेंदर	ई-गवर्नेंस थ्रू पब्लिक लाइब्रेरीज; अ सुजेस्टिव मॉडल	3 नेशनल कांफ्रेंस ऑन मैनेजमेंट ऑफ़ मॉडर्न लाइब्रेरीज (एनएसीएमएल).	मणिपाल अकादमी ऑफ़ हायर एजुकेशन कर्नाटक	फरवरी 9 -10, 2018

संगोष्ठी / सम्मेलन, आदि के अलावा प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षिक वार्ता:

क्र. सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1.	प्रो. मुतैया कोगानुरामाथ		यूजीसी (नेट/जेआरएफ) कोचिंग सेशन ऑन आईसीटी (इनफार्मेशन, कम्युनिकेशन एंड टेक्रोलॉजी), नवंबर 2017.	संसाधन व्यक्ति
2.	प्रो. मुतैया कोगानुरामाथ	रीडिंग हैबिट्स, दिल्ली पब्लिक स्कूल, गांधीनगर	लाइब्रेरी वीक सेलिब्रेशन, जनवरी 16, 2018	मुख्य अतिथि

3.	प्रो. मुतैया कोगानुरामाथ	"इमर्जिंग एंड इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन्स इन लाइब्रेरीज एंड इनफार्मेशन सेंटर्स" (इआईटीएएलआईसी-17)	अ नेशनल सेमिनार ऑन "एमर्जिंग एंड इनोवेटिव टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन्स इन लाइब्रेरीज एंड इनफार्मेशन सेंटर्स" (इआईटीएएलआईसी-17) राजस्थान कॉलेज ऑफ़ इंजीनियरिंग फॉर वीमेन (आरसीइडब्यू), जयपुर, दिसंबर 3, 2017	मुख्य अतिथि और बिज वक्तव्य वक्ता
4.	प्रो. मुतैया कोगानुरामाथ	"इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज इन द डिजिटल एनवायरनमेंटः के इश्यूज"	वन डे सेमिनार ऑन "इलेक्ट्रॉनिक रिसोर्सेज इन द डिजिटल एनवायरनमेंटः के इश्यूज" डिपार्टमेंट ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस, कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़ मार्च 9, 2018	मुख्य अतिथि और बिज वक्तव्य वक्ता
5.	प्रो. मुतैया कोगानुरामाथ	एम.आर कुम्भर मेमोरियल लेक्चर	एम.आर कुम्भर मेमोरियल लेक्चर डिपार्टमेंट ऑफ़ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस, कर्नाटक यूनिवर्सिटी, धारवाड़, मार्च 9, 2018.	संसाधन व्यक्ति
6.	गाला, भक्ति	ऑनलाइन रीडिंग रिसोर्सेज : पार्ट 2	संवित्ति फाउंडेशन, गवास हाउस, वड़ोदरा. जुलाई 28, 2017.	संसाधन व्यक्ति
7.	गाला, भक्ति	प्रोसेसिंग ऑफ़ रीडिंग एंड ऑनलाइन रीडिंग	दूरदर्शन गिरनार रिकॉर्डिंग एंड टेलीकास्ट जुलाई 16, 2017.	संसाधन व्यक्ति
8.	गाला, भक्ति	रीडिंग	विब्ग्योर हाई, वड़ोदरा, जुलाई 1, 2017	संसाधन व्यक्ति
9.	गाला, भक्ति	द प्रेसस ऑफ़ ऑनलाइन रीडिंग एंड रिसोर्सेस	संवित्ति फाउंडेशन जून 25, 2017.	संसाधन व्यक्ति
10.	कुंभार, रश्मि	कलैबरेटिव लर्निंगः अटूल टू इनहैंस स्कूल लाइब्रेरी प्रोग्राम्स	अ वर्कशॉप ऑन ឰएमपावरिंग स्कूल एजुकेशन : रोल ऑफ़ इनोवेटिव लाइब्रेरी प्रोग्राम्स· कंडक्टेड बाई	मुख्य चर्चा

			एडीआईनेट दिल्ली पब्लिक स्कूल, भोपाल, जनवरी 20, 2018	
11	कुंभार, रश्मि	इनहैन्सिंग रीडिंग हैबिट्स	अ वर्कशॉप कंडक्टेड एट अडानी विद्या मंदिर दिसंबर 8, 2017.	संसाधन व्यक्ति

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रीफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	गाला, भक्ति	39वां ओरिएंटेशन प्रोग्राम एट एचआरडीसी, एस.पी. यूनिवर्सिटी, वल्लभ विद्यानगर	जनवरी 22 - फ़रवरी 18, 2018.	भागीदारी
2.	गाला, भक्ति	रेजिडेंशियल ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन इनहैन्सिंग ऑर्गनाइजेशनल प्रोडक्टिविटी थ्रू आईसीटीफ्रॉम ऑर्गनाइज़ड बाई नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल, गोवा	सितंबर 11 - 15, 2017.	भागीदारी
3.	गाला, भक्ति	माइक्रो प्लानिंग फॉर कम्युनिटी एंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पोंसबिलिटी माइक्रो प्लानिंग फॉर कम्युनिटी एंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पोंसबिलिटी, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात.	अप्रैल 4 - 5, 2017.	भागीदारी
4.	गाला, भक्ति	3सरा ग्लोबल कांफ्रेंस ऑन एमर्जिंग ट्रेंड्स इन बिज़नस लाइब्रेरियनशीप (इटीबीएल).	नवंबर 21 -22, 2017.	भागीदारी
5.	परमार, मीनाक्षी	सेल्फ-लर्निंग मटेरियल डेवलपमेंट वर्कशॉप	अप्रैल 13 - 14, 2018.	कंटेंट डेवलपर एट बीएओयू
6.	कुंभार, रश्मि	नेशनल वर्कशॉप ऑन मेटाडाटा स्टैंडर्ड्स : रेट्रोस्पेक्टिव कन्वर्शन, प्रिजर्वेशन एंड माइग्रेशन कंडक्टेड बाई इनफ्लिबनेट, गांधीनगर	जून 7 - 9, 2017	भागीदारी

7.	कुंभार, रश्मि	नेशनल वर्कशॉप ऑन क्रिएटिंग एंड मैनेजिंग डिजिटल लाइब्रेरीज यूजिंग ईप्रिंट्स· एट इनफ्लिबनेट सेंटर, गांधीनगर	जुलाई 5 - 7, 2017.	भागीदारी
8.	कुंभार, रश्मि	हाफ-डे वर्कशॉप ऑनः यूजर एक्सपीरियंसेस (यूएक्स) इन लाइब्रेरीजः कैप्चरिंग यूजर बीहैवीयर्स यूजिंग एथनोग्राफी	नवंबर 22, 2017.	भागीदारी

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं :

क्र.सं.	नाम	परियोजना का नाम	वित्तपोषित संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति चाहे परियोजना की अवधि के साथ चल रहा/पूर्ण हो
1.	गाला, भक्ति (कंसलटेंट) प्रोजेक्ट अवार्डेड टू डॉ. देवेन्द्र पॉटनिस, असोसिएट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेनेसी एटक्रोक्सविल्ले, यूएसए	फाइनेंसियल इनफार्मेशन लिटरेसी टूलकिट टू एजूकेट बोर्रोवेर्स (एफआईएलटीआर) अचैनल फॉर पब्लिक लाइब्रेरीज विथ गवर्नमेंट्स फॉर फाइनेंसियल इन्क्लूशन इन द डेवलपिंग वर्ल्ड	एएलआईएसए/ओ सीएससी लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस रिसर्च ग्रांट प्रोग्राम (एलआईएसआरजीपी) 2017	$25,000	अप्रैल 'दिसंबर , 2017 पूर्ण

केंद्र एवं इसके संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले एक्टेंसन, आउटरिच और अन्य दूसरी समान गतिविधियां:

पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान ने अपने यहाँ 25-27 अक्टूबर 2017 के बीच ग्लोबल ओपन एक्सेस वीक समारोहों के रूप में ओपन एक्सेस की ओर जागरूकता अभियान चलाया।

क्र.सं.	गतिविधियों की प्रकृति	भागीदारी	दिनांक	संकायअध्यक्ष
1.	फील्ड ट्रिप टू सेंट्रल लाइब्रेरी आईआईटी गांधीनगर, इडीआईआई, इडीआई, भट, गांधीनगर, स्टेट सेंट्रल लाइब्रेरी, गांधीनगर, केइआईसी- एमआईसीए, अहमदाबाद, केएमसी- एनआईडी पालडी, अहमदाबाद	22 स्टूडेंट्स ऑफ़ एम. लिब. आई.एस.सी., पीजीडीएलआईएम एंड पीएच. डी. प्रोग्राम एंड 1 फैकल्टी	फ़रवरी 15, 2018.	डॉ. रश्मि कुम्बर
2.	फील्ड ट्रिप टू आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम, लोथल	22 स्टूडेंट्स ऑफ़ एम. लिब. आई.एस.सी., पीजीडीएलआईएम एंड पीएच. डी. प्रोग्राम एंफैकल्टी	फ़रवरी 17, 2018.	डॉ. रश्मि कुम्बर

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की प्रभागिता अथवा संचालित की जाने वाले अन्य दूसरी जिम्मेदारियाँ

डॉक्टर भक्ति गाला

- सदस्य, पुस्तकालय एवं सूचना विभाग परिषद संस्थान
- सदस्य, वार्षिक प्रतिवेदा 2016-17 निर्माण समिति
- सदस्य, छात्र शिकायत निरीक्षण समिति
- सदस्य, छात्र पत्रिका मंसा संपादक समिति
- सदस्य, अनुशासन समिति, खेल सप्ताह

डॉक्टर मीनाक्षी परमार

- संयोजक,एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी)
- सदस्य, छात्र चुनाव समिति
- सदस्य, वस्तु प्रमाणन समिति
- सदस्य, टीवी9 एक्स्पो

जीव विज्ञान संस्थान

संस्थान का परिचय:

सन् 2010 में केन्द्रीय विश्वविद्यालया गुजरात (सीयूजी) द्वारा एक स्वतंत्र संस्थान के रूप में जीव विज्ञान संस्थान की स्थापना की गई। अपनी नींव स्थापना के बाद से ही यह संस्थान यानि जीव विज्ञान संस्थान (एसएलएस) ने अपनी गुणवत्ता युक्त शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करने के साथ-साथ सीमावर्ती क्षेत्रों जैसे जैविक विज्ञान में अग्रिम शोध को बढ़ावा देने की दिशा में एक सतत प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। यह संस्थान एम. एस.सी. और पीएच.डी. की डिग्री के जीव विज्ञान अध्ययन कार्यक्रम के क्षेत्र में प्रदान करता है। यह संस्थान अपने एम. एस.सी. के छात्रों को बुनियादी उपकरण के उपयोग और आधुनिक जीव विज्ञान के अग्रिम उपकरण और तकनीकों के उपयोग हेतु इन्हें ज्ञान और प्रशिक्षण प्रदान कराता है। पीएच.डी. के शोध छात्रों को जैविक विज्ञान में तकनीकों और शोध प्रविधियों को आगे के पाठ्यक्रमों में विभिन्न पहलुओं के रूप में पढ़ाने हेतु एक वर्षीय कोर्सवर्क पढ़ाया/कराया जाता है, इसके बाद ये अपने पीएच. डी. कार्य को अपनी विशिष्ट परिकल्पना आधारित पद्धति के अनुसार अपने शोध कार्य को आगे बढ़ाते हैं। इस पाठ्यक्रम की प्रकृति अंतर-अनुशासनात्मक एवं जैविक और भौतिक विज्ञान के बीच के जटिल इंटरफेस के साथ घनिष्ठ रूप से एकीकृत है। एडवांश प्रयोग को बढ़ावा देने हेतु और उच्च गुणवत्ता युक्त शोध कार्य हेतु छात्रों को एवं शोधार्थियों को मार्ग दर्शन प्रदान करने के लिए इस संस्थान ने अच्छी तरह से सुसज्जित केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा (सीआईएफ) को अपने यहाँ स्थापित किया है। इसके अलावा, इस संस्थान के पास कैंसर जीवविज्ञान, चयापचय विकार और सूजन रोगजनक, पौधे वायरोलॉजी और नैनो-बायोमटेरियल और ऊतक इंजीनियरिंग जैसे विषयों के क्षेत्रों में अत्याधुनिक अनुसंधान को सफल बनाने हेतु निजी विश्व स्तरीय, अच्छी तरह से सुसज्जित प्रयोगशालाएं हैं।

केंद्र / संस्थान में आयोजित संगोष्ठी / सम्मेलन:

17 मार्च, 2018 को जीव विज्ञान संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात में "एड्वांसेस इन बायो टेक्नोलोगी एंड बायोमेडिकल रिसर्च" नामक विषय एक राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठी का आयोजन किया था। इस संगोष्ठी में, व्याख्यान देने के लिए निम्नलिखित प्रमुख वक्ताओं को आमंत्रित किया गया था:

1. प्रोफेसर हरीश प्रधान, पूर्व कुलपति, एस पी विश्वविद्यालय, वल्लभा विद्यानगर, गुजरात
2. डॉक्टर एस आर दावे, एड्जंक्ट प्रोफेसर, एलसीआरडी, अहमदाबाद गुजरात
3. प्रोफेसर शलिनी राजकुमार, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात
4. डॉक्टर सरद गुप्ता, आईआईटी, गांधीनगर
5. डॉक्टर भूमिका मयूर पटेल, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, गुजरात

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

प्रोफेसर जे. पी. एन. मिश्रा, व्याख्याता और अधिष्ठाता
अनुसंधान रुचियाँ: स्लीप एंड सिर्काडिएन रिद्म साइकोलोजी, न्यूरोएंडोकृनोलोजी, मेटाबोलिक एंड स्ट्रेस बोर्न डिसोर्डर, सेल मेडीटेड एंड ह्यूमोरल इम्यूनिटी, रेस्पिरेट्री पाइथोंफिजियोलोजी एंड केमिकल कंट्रोल ऑफ रेस्पिरेशन।

डॉक्टर उमेश सी. एस. यादव, उप सीईओ और एसोसिएट प्रोफेसर, एसएलएस
अनुसंधान रुचियाँ: बायोकेमिकल एंड मोलिक्युलर मकेनिजाम ऑफ मेटाबोलिक डिसोर्डर इंक्लूडेड क्रोनिक इन्फ़्लेमेट्रि डिजिज़ इंक्लुडिंग डाइबेटिक एंड कार्डियोवासक्यूलर डिसोर्डर्स, कैंसर एंड अस्थमा एंड सीओपीडी।

डॉक्टर सीमा रावत, एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: मोलेक्युलर माइक्रोबियल इकोलोजी टेक्नोलोजी, माइक्रोबायल टेक्नोलोजी, माइक्रोबायल स्ट्रेस फिजियोलोजी, बायोरेमेडीशन, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, प्लांट ग्रोथ प्रोमोट्रि रिजोबैक्टीरिया।

डॉक्टर राजेश वसिटा , सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: टिस्यू इंजीनियरिंग एंड नैनो बायोमाटेरियल्स।
डॉक्टर सुनीता पटेल, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: बायोकेमिस्ट्री, बायोफिलिकाल केमिस्ट्री, आरएनए प्रोटीन इंट्रेक्सन्स, प्रोटीन केमिस्ट्री, स्पेक्ट्रोस्कोपीः एप्लेकेशन टू बायोलॉजी।

डॉक्टर अंजु पप्पचन, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: माक्रोमोलेक्युलर क्रिस्टालोग्राफी, बायोफिजिकल टेकनिक्स, मोलेक्युलर बायोलॉजी, बायोइन्फोर्मेटिक्स।

डॉक्टर स्वाती जोशी, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: इंडस्ट्रियल माइक्रोबायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलोजी, मेटाजियोनिजम रेसर्च, प्रोटीन इंजीनियरिंग, हेट्रोलोगस प्रोटीन एकप्रेसन सिस्टम एंड डाउनस्ट्रीम प्रोसेसिंग।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और प्रपत्र :

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ
1.	मिश्रा, जे.पी.एन.; श्यान्ती, आर.के.; शेखावत, ए.; सिंह, एस.वी.; मिश्रा, जे.; सिंह, आर.पी.	जेरुमबोन मोड्युलेट्स सीडी 1 डी एक्सप्रेशन एंड लिपिड एंटीजन प्रजेंटेशन पाथवे इन ब्रेस्ट कैंसर सेल्स	टॉक्सिकोलोजी इन विट्रो	2017. खंड44. पृ.सं.74-84
	महेशवरी, विवेक; मिश्रा, जे.पी.एन; पाण्डेय, अलोक	एनहेंसमेंट ऑफ़ मोटिवेशनल इफिशन्सी ऑफ़ ऐडलेसन्ट थ्रू; इन्डिजनस नॉन- इन्वेसिव इन्टर्वेन्चन	जर्नल ऑफ़ प्रिवेंटिव मेडिसिन एंड होलिस्टिक हेल्थ	खंड4. अंक संख्या 1
2.	धोलिया एन.; यादव यूसीएस.	लिपिड मीडिएटर लूकोत्रिएने डी4-इनड्यूस एयरवे एपिथेएयल सेल्स प्रोलिफरेशन थ्रू इजीएफआर/इआरके1/2 पाठवे.	प्रोसटैगलैंडिंग अदर लिपिड मीडियल .	मई 2018. 136. पृ.सं.55-63
	प्रसाद एन.; सबरवाल ए.; यादव यूसीएस.; सिंह आर.पी.	लुपोल इनड्यूस एस-फेज अरेस्ट एंड माइटोकॉन्ड्रिया मीडिएटेड अपॉपसीसइन सर्वाइकल कैंसर सेल्स.	जे. बायोस्की.	जून 2018. 43(2). पृ.सं.249-261.
	वर्घेस जेएफ, पटेल, आर, यादव यूसीएस.	नावेल इनसाइट्स इन द मेटाबोलिक सिंड्रोम इनड्यूसेड ओक्सीडेटिव स्ट्रेस एंड इन्फ्लेमेशन-मेडीएटेड अथरोसक्लेरोसिस	कर्र कार्डीयोल रिव.	मार्च , 2018 14 (1). पृ.सं.4-14.
	प्रसाद एन. एंड यादव यूसीएस	एंटी-इंफ्लेमेटरी इफेक्ट्स ऑफ़ अकैसिटिन इन	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़	जनवरी , 2018. 8 (1).

		आईएल-1β इनड्यूस्ड कोलन एपथीलीअम (सीएसीओ2) सेल्स.	फार्मेसी एंड बायोलॉजिकल साइंसेज	पृ.सं 150-156.
	रामटेके पी. एंड यादव यूसीएस.	एंटीप्रोलीफरेटिव इफ़ेक्ट ऑफ़ हेसप्रेटिन इन स्माल एयरवे एथ्थिलियल सेल्स	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फॉर्मेसी एंड बायोलॉजिकल साइंसेज.	जनवरी , 2018. 8 (1). पृ.सं.278-284.
3.	रानावत, प्रीती; रावत, सीमा	मेंटल-टोलरेंट थर्मोफाइल्सः मेंटल एज इलेक्ट्रान डोनर्स एंड एक्सेप्टर्स, टोक्सीसिटी, टोलरेन्स एंड इंडस्ट्रियल इनएप्लीकेशन्स	एनवायर्नमेंटल साइंस एंड पोलूशन रिसर्च .	फ़रवरी 2018. खंड सं.25, अंक सं.05
4.	पटेल बी.; पटेल डी.; परमार के.; चौहान आर.; सिंह डीडी.; पप्पचन ए.	एक्सपीआरटीः मॉलिक्यूलर केरक्टरिज़ैशन एंड इवैल्यूएशन ऑफ़ इनहैबिटर्स	बायोचिम बायोफीस एक्ट ' प्रोटीन्स एंड प्रोटेमिक्स	मार्च , 2018. 1866 (3). पृ.सं.426-441
5.	नेहा बसोत्रा; जोशी, स्वाति; सत्यनारायण, टी.; कुमार, प्रताप; पती, एड्रिअन त्सांग; चढ़ा, भूपिंदर एस.	एक्सप्रेशन ऑफ़ कैटालिटिकली एफिसिएंट जायलनेजेज फ्रॉम थर्मोफिलिक फंगस मल्ब्रोसिया सिनेमामिया फॉर सिनरजिस्टिक एनहेन्सिंग हाइड्रोलिसिस ऑफ़ लिग्नोसेलीलोसिस	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ बायोलॉजिकल मैक्रमालक्यूल	मार्च 2018, एल्सेविएर

संपादित खंडों में प्रकाशित प्रपत्र :

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	जोशी, स्वाति; मोहपात्रा, बलराम; मिश्रा, जे. पी. एन.	माइक्रोबिअल सोइल एंजाइम्सः इमप्लीकेशन्स इन द मेंटेनेंस ऑफ़ राइज़स्फेयर एकोसिस्टम एंड सोइल हेल्थ	एडवांसेस इन सोइल माइक्रोबायोलॉजीः रीसेंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट	मार्च , 2018. सिंगापुरः स्प्रिंगर पब्लिशर
2 - 3.	मुस्ताक, असीफा; रावत, सीमा	राइज़स्फेयर माइक्रोबायोम मेटाजेनोमिक्सः एलूसीडेटिंग द अब्डीटिव माइक्रोफ़्लोरा	मीनिंग ऑफ़ माइक्रोबिअल वेल्थ एंड मेटाजेनोमिक्स	अक्टूबर , 2017 सिंगापुरः स्प्रिंगर पब्लिशर
	रावत, सीमा; रौटेल, रचना; जोहरी, बी. एन.	फंगल वर्ल्ड ऑफ़ केव इकोसिस्टम	डेवलपमेंट्स इन फंगल बायोलॉजी एंड एप्लाइड मायकोलॉजी	दिसंबर, 2017. सिंगापुरः स्प्रिंगर पब्लिशर
4.	जोशी, स्वाति; मोहपात्रा, बलराम; मिश्रा, जे. पी. एन.	माइक्रोबिअल सोइल एंजाइम्सः इमप्लीकेशन्स इन द मेंटेनेंस ऑफ़ राइज़स्फेयर एकोसिस्टम एंड सोइल हेल्थ	एडवांसेस इन सोइल माइक्रोबायोलॉजीः रीसेंट ट्रेंड्स एंड फ्यूचर प्रॉस्पेक्ट	मार्च, 2018. सिंगापुरः स्प्रिंगर पब्लिशर

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत प्रपत्र:

क्र.सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सम्मेलन/संगोष्ठी / कार्यशाला का विषय वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1-5.	मिश्रा, जे.पी.एन.; शेखावत, पी. एस.	इम्यूनोलॉजिकल बेसिस ऑफ़ साइकोसमैटिक डिसऑर्डर्सः एटिलॉजिकल पर्सपेक्टिव्स	इम्यूनोलॉजी' इम्यूनोकॉन ' 2017	निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद एंड इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस रिसर्च, गांधीनगर, एट निरमा यूनिवर्सिटी	दिसंबर 14-16, 2017.
	मिश्रा, जे. पी. एन.	मैडिटेशन, कांसीक्रेंसेस एंड स्लीप क्वालिटी : पाथवे ऑफ़ मैकेनिज्म	स्लीप मेडिसिन एंड रिसर्च	इंडियन सोसाइटी फॉर स्लीप रिसर्च एट क्लब टेनिस डे गास्पर दिआस, मिरामार, गोवा, इंडिया	सितंबर 20 -23, 2017.
	मिश्रा, जे. पी. एन.	स्लीप क्वालिटी एंड सीएचडी : मॉलिक्यूल बेसिस ऑफ़ मैनेजमेंट	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन योगा ट्रेडिशन एंड इट्स साइंटिफिक एप्लीकेशन; योगा ट्रेडिशन एंड एप्लीकेशन	यूनिवर्सल योग सोसाइटी ह्यूमन कांसीक्रेंसनेस एंड साइकोसमैटिक डिसआर्डर, आईसीसीआर भवन, आईटीओ, न्यू दिल्ली	दिसंबर 1-2, 2017.
	मिश्रा, जे. पी. एन.	पाथोफिज़ीआलजी ऑफ़ क्रोनिक रेस्पीरटोरी रेस्परटॉरी डिसऑर्डरः देयर मैनेजमेंट बाई नॉन इनवेसिव टेक्निक्स	4था इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मल्टीडिसीप्लिनरी रिसर्च एंड प्रैक्टिस	इंटरनेशनल स्टैंडड्र्स ऑफ़ रिसर्च एंड पब्लिकेशन अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन, अहमदाबाद	जनवरी 3, 2018.
	मिश्रा, जे. पी. एन.	न्यूरल रेगुलेशन ऑफ़ स्लीप	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन होलिस्टिक	लाकुलिश योगा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद	जनवरी 5-7, 2018.

			हेल्थ स्लीप मेडिसिन एंड न्यूरो बायोलॉजी;	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन होलिस्टिक हेल्थ	
6-13.	यादव, यू. सी. एस.	अंडरस्टैंडिंग द मॉलिक्यूलर लिंक बिटवीन ओबेसिटी एंड अस्थमा	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन "ट्रेंड्स इन बायोकेमिकल एंड बायोमेडिकल एंड रिसर्चः एडवांसेस एंड चैलेंजेस (टीबीबीआर-2018)"	इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, इंडिया	फ़रवरी 13-15, 2018
	यादव, यू. सी. एस.	अकेस्टिन केसपेस ' इंडिपेंडेंट अपोप्टोसिस इन कोलोरेक्टल ऐडनोकार्सनोम सेल्स	इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन ◻कैंसर प्रिवेंशन एंड ट्रीटमेंट·	स्कूल ऑफ़ लाइफ साइंस, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली, इंडिया	फ़रवरी 9 - 10, 2018.
	पटेल. आर; यादव, यू,सी.एस.	ओक्सिडेटिवली मॉडिफाइड लिपिड्स ड्यूरिंग मेटाबोलिक डिसऑर्डर इनड्यूसड अल्टरेशन इन इएनओएस वाया यर्क मेडीएटेड पाथवे लीडिंग टू एनडोथिलिया सेल डायफंक्शन	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन "ट्रेंड्स इन बायोकेमिकल एंड बायोमेडिकल एंड रिसर्चः एडवांसेस एंड चैलेंजेस (टीबीबीआर-2018)"	इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंस, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी, वाराणसी, इंडिया	फ़रवरी 13-15, 2018
	रामटेके, प्रेरणा; यादव, यू,सी.एस.	हेस्पेरेटिन अ साइट्रस बायोफ़्लावोनॉयड	इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन	स्कूल ऑफ़ लाइफ साइंस, जवाहर लाल	फ़रवरी 9 - 10, 2018.

		रेगुलेट्स इंटरलेक्विन-1β लंग एडेनोकार्सीनोमा सेल्स ग्रोथ एंड इन्फ्लमेशन थ्रू सीओक्स-2	◻कैंसर प्रिवेंशन एंड ट्रीटमेंट·	नेहरू यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली, इंडिया	
	वार्घीस जे.एस.; यादव, यू,सी.एस.	आक्सडाइज़ लो-डेंसिटी लेपोप्रोटीन इनड्यूस एसआरइबीपीएस - मेडीएटेड फोम सेल फार्मेशन .	6वां इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मॉलिक्यूलर सिग्नल्लिंग	यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद, हैदराबाद तेलंगाना, इंडिया	फ़रवरी 8 - 10, 2018.
	सिंह, मोहित; कुमारी भावना; यादव, यू,सी.एस.	इम्पैक्ट ओं साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑन सोशल डेवलपमेंट	इंटरनेशनल यूथ समिटः आईएनवाईएस	गुजरात यूनिवर्सिटी, बी.के. स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट, अहमदाबाद, इंडिया	जनवरी 30 -31, 2018.
	कुमारी, भावना; सिंह, मोहित; यादव, यू. सी. एस.	एडवांसमेंट इन हेल्थकेयर सिस्टम एंड लाइफस्टाइल टुवर्ड्स रायसिंग क्वालिटी ऑफ़ लाइफ	इंटरनेशनल यूथ समिटः आईएनवाईएस	गुजरात यूनिवर्सिटी, बी.के. स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट, अहमदाबाद, इंडिया	जनवरी 30 -31, 2018.
	सिंह, मोहित; कुमारी भावना; यादव, यू,सी.एस	आग्मेन्टेशन ऑफ़ ओक्स-एलडीएल-इनड्यूसेड इन्फ्लमेशन इन मैक्रफेज बाई बेरबेरिने	4था निरमा इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी इंटरनेशनल कांफ्रेंसः एनआईपीआईकेओए न-2018	इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, इंडिया	जनवरी 23 -25, 2018.

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला, आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1-12	यादव, यू.सी.एस.	मेटाबोलिक सिंड्रोम इनड्यूसेड इंटेट इम्यून डिस्गुलेशन इन एथरोस्क्लेरोसिस	44वां एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ द इंडिया इम्यूनोलोजी सोसाइटी (इम्यूनकॉन-2017) ऑन "इम्यून मैकेनिज्म ऑफ़ इन्फेक्शस डिजीज एंड बियॉन्ड"	निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, इंडिया	दिसंबर 14-16, 2017
	यादव, यू.सी.एस.	इनोवेंशन क्लब ऑफ़ सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	"फेस्टिवल ऑफ़ इनोवेंशन एंड आन्ट्रप्रनर्शिप - 2018"	नेशनल इनोवेंशन फाउंडेशन इंडिया एट राष्ट्रपति भवन, न्यू दिल्ली, दिल्ली, इंडिया	मार्च 19 - 21, 2018.
	यादव, यू.सी.एस.	अटेंड द वर्कशॉप टू इम्प्लीमेंट एनएडीएट सीयूजी	अ रीजनल वर्कशॉप / ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन नेशनल अकादमिक डिपाजिटरी (एनएडी)	मिनिस्ट्री ऑफ़ ह्यूमन रिसोर्सेज डेवलपमेंट एंड यूनिवर्सिटी ग्रांड कमीशन एटयूनिवर्सिटी ऑफ़ पुणे, पुणे, महाराष्ट्र	जून 16, 2017.
	यादव, यू.सी.एस.	मेकेनिज्म ऑफ़ मेटाबोलिक डिसऑर्डर इनड्यूसेड कार्डियोवास्कुलर पैथालजी	आमंत्रित संगोष्ठी	डिपार्टमेंट ऑफ़ जूलॉजी, बीएचयू, वाराणसी, इंडिया	मई 18, 2017.

	सिंह, मोहित; कुमारी, भावना; यादव, यू.सी.एस.	बीआरसीसी 36 - अ डूबीक्विटिनिंग प्रोटीन रेगुलेट्स माइक्रोफेज्स इन्फ्लमेशन	नेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ कन्वर्जेन्स ऑफ़ फार्मसूटिकल साइंस एंड बायोमेडिकल टेक्नोलॉजीः सीपीएसबीटी-2018	एनआईपीइआर-ए, गांधीनगर, गुजरात, इंडिया	मार्च 21-23, 2018.
	सिंह, मोहित; कुमारी, भावना; यादव, यू.सी.एस.	रोल ऑफ़ डूबीक्विटिनिंग इन इन्फ्लामाजोम एक्टिवेशन (बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन अवार्ड)	नेशनल सेमिनार ऑन एडवांसेज इन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोमेडिकल रिसर्चः बीआईवाईओएम 2018	स्कूल ऑफ़ लाइफ साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, इंडिया	मार्च 17, 2018.
	कुमारी, भावना; सिंह, मोहित; यादव, यू.सी.एस.	ऑल्टरेशन इन विसफटिन कंसंट्रेशन, अ लीडिंग कॉज ऑफ़ बेटा सेल डाईफंक्शन	नेशनल सेमिनार ऑन एडवांसेज इन बायोटेक्नोलॉजी एंड बायोमेडिकल रिसर्चः बीआईवाईओएम 2018	स्कूल ऑफ़ लाइफ साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर, गुजरात, इंडिया	मार्च 17, 2018
	कुमारी, भावना; सिंह, मोहित; यादव, यू.सी.एस.	पैन्क्रीऐटिक बेटा-सेल डाईफंक्शन ड्यूरिंग मेटाबोलिक इन्फ्लमेशन बाई विसफटिन	नेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ कन्वर्जेन्स ऑफ़ फार्मसूटिकल साइंस एंड बायोमेडिकल टेक्नोलॉजीः सीपीएसबीटी-2018	एनआईपीइआर-ए, गांधीनगर, गुजरात, इंडिया	मार्च 21-23, 2018.
	सिंह, मोहित; कुमारी, भावना; यादव, यू.सी.एस.	मेटाबोलिक बायोएक्टिव मॉलिक्यूल ऑक्सीडाइजड - एलडीएल इन मैक्रोफेजेस इन्फ्लमेशन .	44र्थ एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ द इंडिया इम्यूनोलोजी सोसाइटी (इम्यूनकॉन-2017) ऑन "इम्यून मैकेनिज्म ऑफ़ इन्फेक्शस डिजीज एंड बियॉन्ड"	निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, गुजरात, इंडिया	दिसंबर 14 -16, 2017.

	कुमारी, भावना; सिंह, मोहित; यादव, यू.सी.एस.	रेगुलेशन ऑफ़ पैन्क्रीऐटिक बेटा-सेल विअबिलिटी बाई विसफसिन	44र्थ एनुअल कांफ्रेंस ऑफ़ द इंडिया इम्यूनोलोजी सोसाइटी (इम्यूनकॉन-2017) ऑन "इम्यून मैकेनिज्म ऑफ़ इन्फेक्शस डिजीज एंड बियॉन्ड"	निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद गुजरात, इंडिया	दिसंबर 14-16, 2017.
	कुमारी, भावना; सिंह, मोहित; यादव, यू.सी.एस.	इन ' सिलको कैरिक्टरिज़ेशन ऑफ़ विसफटींन एंड पंरेअटिक बेटा-सेल रेगुलेशन	नेशनल कांफ्रेंस ऑन मैटेरियल्स एंड बायोलॉजिक्स; एनसीओएनसी- 18	आईआईटी-गांधीनगर, गुजरात, इंडिया	जनवरी 4 -5, 2018.
	अग्रवाल, हिना; यादव, यू.सी.एस.	फिजेटियन डाउनरेगुलेट्स सिगरेट स्मोक एक्सट्रेक्ट इनड्यूसेड एम्पिथेलियल मसेंमल ट्रांजीशन इन एयरवे एम्पीथेटिकल सेल्स (बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन अवार्ड)	86वां कांफ्रेंसेस ऑफ़ सोसाइटी ऑफ़ बायोलॉजिकल केमेस्ट्री: एमर्जिंग डिसकवरिस इन हेल्थ एंड एग्रीकल्चर साइंसेज	स्कूल ऑफ़ लाइफ साइंस, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली, इंडिया	नवंबर 16 -19, 2017.
13.	पटेल,बी.; पटेल, डी; सिंह, डी. डी.; पप्पचन, ए.	मॉलिक्यूलर केरक्टरिज़ेशन ऑफ़ एल. डोनोवानी एक्सपीआरटी यूजिंग एन एक्सपेरिमेंटल एंड इन सिलिको एप्रोच	एमर्जिंग ट्रेंड्स इन बायोफिजिक्स	इंडियन बायोफिजिकल सोसाइटी एट आईआईएसइआर, पुणे	मार्च 9 - 11, 2018

संगोष्ठी / सम्मेलन, आदि के अलावा प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षिक वार्ता:

क्र. सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1	प्रो. जे. पी. एन. मिश्रा	मॉलिक्यूलर बेसिस ऑफ़ कार्डियन रिदम	मई 17, 2017.	आमंत्रित व्याख्यान
2.	प्रो. जे. पी. एन. मिश्रा	मेन्टेनिंग फिजियोलॉजिकल होमीअस्टेसिस थ्रू योगा एंड लाइफ स्टाइल मॉडिफिकेशन	सितंबर 24, 2017.	आमंत्रित व्याख्यान
3.	प्रो. जे. पी. एन. मिश्रा	एडवांस टेक्रिक्स फॉर अस्सेस्मेंट ऑफ़ साइकोफिजीयोंलॉजिकल चेंज इन इन-विवो इंटरवेंशनः हुमैस्टिक एप्रोच	अक्टूबर 19-20, 2017.	आमंत्रित व्याख्यान
4.	पप्पचन ए	साइंटिफिक राइटिंग, प्रिपरेशन ऑफ़ प्रपोजल्स फॉर फंडिंग एजेंसीज	रिसर्च मेथोड़ोलोजी वर्कशॉप फॉर पीएच. डी. कैंडिडेट्स ओं लीगल एंड इन्टर्डिसप्लनेरी रिसर्च आर्गनाइज्ड बाई गुजरात नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी ऑन 15 नवंबर , 2017	आमंत्रित व्याख्यान

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं :

क्र.सं.	परियोजना का नाम	प्रिंसिपल अन्वेषक का नाम	वित्तपोषित संस्था	वित्तपोषित राशि
1.	अंदरस्टैंडिंग बायोकेमिकल एंड मॉलिक्यूलर लिंक बिटवीन ओबेसिटी एंड अस्थमा	यादव, यू.सी.एस.	डीएसटी	89 लाख
2.	रेगुलेशन ऑफ़ इंडोथेलियल सेल्स डाईफंक्शन बाई यर्क-5 इन मेटाबोलिकडिस ऑर्डर	यादव, यू.सी.एस.	डीएसटी	40 लाख

3.	एसआरइबीपी- मेडीएटेड डाईरेगुलेशन ऑफ़ लिपिड होमओस्टसीस इन फोम सेल फार्मेशन	यादव, यू.सी.एस.	गुजरात स्टेट बायोटेक्रोलॉजी मिशन, गवर्नमेंट ऑफ़ गुजरात	26 लाख
4.	बायोफिजिकल केरक्टरिज़ेशन ऑफ़ अडेनयलोसुसिनेट लयास-अ पोटेंशियल ड्रग टारगेट फ्रॉम लेइश्मानिया डोनोवानी- अ कम्प्यूटेशनल एंड मॉलिक्यूलर एप्रोच	डॉ अर्जुन पप्पचन, असिस्टेंट प्रोफ़ेसर	डीबीटी	27.85 लाख
5.	मॉडूलेशन ऑफ़ सिनेप्टिक प्लास्टिसिटी बाईन्यूरल-इम्यून इंटरेक्शन अंडर हाइपोक्सिक एनवायरनमेंटः एन इन विट्रो एप्रोच	मिश्रा, जे.पी.एन	डीआईपीएएस (डीआरडीओ)	12 लाख
6.	ट्रांसक्रिप्टोमिक एनालिसिस ऑफ़ उसना एसपी फॉर द रिट्राइवल ऑफ़ जेन्स इन्वालव्ड इन सिंथेसिस ऑफ़ थेरप्यूटिकली यूज़फूल लाइकेनमेटाबोलिटीज	जोशी, स्वाति	डीबीटी	36.5 लाख
7.	डिज़ाइन एंड केरक्टरिज़ेशन ऑफ़ हाइब्रिड स्काफ्फोल फॉर स्टेम सेल बेस्ड बोन टिस्सू इंजीनियरिंग	वसिता राजेश	गुजरात स्टेट बायोटेक्रोलॉजी मिशन, गवर्नमेंट ऑफ़ गुजरात	16.77 लाख
8.	वाटर सौबल साल्यबल ग्लाइकोसिलेटेड अम्फिफिक पोरफिंग सिंथेसिस फोटोफिजिकल स्टडीज एंड बायो-इमेजिंग एप्लीकेशन्स	वसिता राजेश	डीएसटी	41.26 लाख
9.	डेवलपमेंट ऑफ़ बायो इनस्पिरेड ड्यूल ड्रग डिलीवारिंग	वसिता राजेश	डीएसटी	37.57 लाख

	नैनोफाईब्रस स्काफ्फोल्ड बोनटिश्यू इंजीनियरिंग			
10.	द स्टडी ऑफ़ सरफेस केमिस्ट्री इनड्यूसेड थ्री डायमेंशनल ट्यूमर मॉडल एंड इट्स इफ़ेक्ट ऑन ट्यूमर प्रोग्रेशन एंड ड्रग रिस्पांस	वसिता राजेश	डीएसटी	33.36 लाख

केंद्र एवं इसके संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले एक्टेंसन, आउटरिच और अन्य दूसरी समान गतिविधियां:

प्रोफेसर जे. पी. एन. मिश्रा

- अध्यक्ष, योग कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति
  निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गयाः
  1. 11 मई, 2017 योग त्यौहार का आयोजन, जिसमें प्रोफेसर के के दीपक, शिक्षा अधिष्ठाता अखिल भारतीय आयुर्वेद विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, साइकोमैथिक हेल्थ एंड योगा विषय पर एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण व्यख्यान दिया।
  2. 3सरा अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस, 21 जून, 2017 का आयोजन।

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की प्रभागिता अथवा संचालित की जाने वाले अन्य दूसरी जिम्मेदारियाँ:

प्रोफेसर जे. पी. एन. मिश्रा

- अधिष्ठाता, जीव विज्ञान संस्थान
- निर्देशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल
- सदस्य, अकादमिक परिषद सीयूजी
- सदस्य,आधिकारिक परिषद सीयूजी
- अध्यक्ष, योगा कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति सीयूजी

डॉक्टर उमेश सी. एस. यादव

- उप परीक्षा नियंत्रक सीयूजी
- सदस्य, जीव विज्ञान परिषद संस्थान
- सदस्य, अकादमिक परिषद सीयूजी

डॉक्टर सीमा रावत

- संयोजक, छात्र शिकायत निरीक्षण समिति

डॉक्टर राजेश वसिटा

- सदस्य, जीव विज्ञान में उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान समिति
- संयोजक, परियोजना सेल सीयूजी

डॉक्टर सुनीता पटेल

- सदस्य, जीव विज्ञान में उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान समिति

नैनो विज्ञान संस्थान

संस्थान का परिचय:

केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के विज्ञान परिसर में नैनो विज्ञान संस्थान (एसएनएस) को अभी हाल ही में नैनो विज्ञान केंद्र से संस्थान के रूप में अपग्रेड किया गया था। यह संस्थान अपने यहाँ एम. फिल.-पीएच. डी. में एक एकीकृत कार्यक्रम संचालित करता है। वर्तमान समय में, इस संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में कम से कम 30 से अधिक छात्र अध्ययनरत हैं। इसके अलावा, यह संस्थान अपने यहाँ सीधे (डाइरेक्ट) पीएच. डी. की डिग्री भी प्रदान कर रहा है। पिछले साल से नैनो विज्ञान कार्यक्रम में और जुलाई 2016 से एम. एससी. (नैनो टेक्नोलॉजी) की शुरुआत कर दी गई है। वर्तमान समय में इस संस्थान के छात्र एम.फिल और पीएच. डी. कार्यक्रमों के छात्र नैनोकोंपोंसाइट्स इन एनवायर्नमेंट रेमेडिएशन, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा भंडारण उपकरणों में नैनो-सामग्री के उपयोग, इसके साथ-साथ दवा वितरण संबंधी विभिन्न परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं। नैनो विज्ञान संस्थान के छात्रों को विश्वविद्यालय की केंद्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा में डीएलएस, एक्सआरडी, एक्सपीएस, एनएमआर, एएफएम, एसईएम, एफएसीएस, एमएलडीआई-टीओएफ, कन्फोकल माइक्रोस्कोप इत्यादि जैसे कई परिष्कृत उपकरणों के उपयोग की विधियाँ सिखाई जाती हैं। इन उपकरणों के अतिरिक्त इस संस्थान को (एसएनएस) सेल संस्कृति की सुविधाओं के अतिरिक्त ओवन, इनक्यूबेटर, बाथ सोनिकेटर, अपकेंद्रित्र, अग्नि रोधी और हॉल उपकरण जैसे नियमित उपकरणों से सजाकर रखा गया है। इस संस्थान के छात्रों द्वारा 20.00 लाख रुपये से भी अधिक मूल्य वाली नैनोसाइंस / नैनो टेक्नोलॉजी से संबंधित किताबों और पत्रिकाओं, विशेष रूप से हार्ड कॉपी और इलेक्ट्रॉनिक दोनों ही रूपों में उपलब्ध हैं। इनके पास विश्वविद्यालय की केंद्रीय पुस्तकालय के माध्यम से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय साइटों तक पहुंच को भी आसान बनाया गया है।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

प्रोफेसर टी. बागची, अधिष्ठाता
अनुसंधान रुचियाँ: एप्लिकेशन ऑफ नैनोबायोटेक्नोलोजी इन डायग्नोशिश, ड्रग डेलीवरी, सोलर सेल एंड फ्यूल जेनरेशन।

डॉक्टर इंद्राणी बैनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँ: प्लाजमा प्रोसेसिंग ऑफ नैनो मटीरियल्स

डॉक्टर चारुलता दुबे, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: माइक्रोवेव प्रोसेसिंग ऑफ माटेरियल्स, डेवलप्मेंट ऑफ ग्राफिटिक मटेरियल्स फॉर वैरियस एप्लिकेशंस।

डॉक्टर मनु शर्मा, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: सिंथेसिस ऑफ हाई एफ़िसिएंट फोटोकटालाएसट, सेमीकंडक्टर मेटल ऑक्साइड एंड नैनोकम्पोजाइट्स फॉर कटालिटिक एप्लिकेशंस। इसके अतिरिक्त इनकी रुचियाँ, वेस्ट मैनेजमेंट एंड डिजाइनिंग ऑफ पोरोस नैनोमटीरियल्स फॉर वाटर प्यूरिफिकेशन जैसे विषयों में भी हैं।

डॉक्टर हितेश कुल्हारी, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: नैनोटेक्नोलोजी, ड्रग एंड जीन दिलेवरी, बायोइमाईजिंग, बायोमतीर्यल्स, फार्मास्युटिकल साइंस।

डॉक्टर उमेश कुमार, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: डेवलपमेंट ऑफ मल्टीफंक्शनल, बायोडीग्रडेबल एंड बायोकंपैटिबल नैनो करियर्स फॉर डीलेवरींग स्माल मोलेक्युलस टू प्लांट्स/एनिमल्स विथ इन्हेंस बायोएवैलबिलिटी एंड एफ़िकेसी। बायोलोजिकल/केमिकल सिंथेसिस ऑफ मेटल/ मेटल ऑक्साइड ओर पोलिमेरिक नैनोपार्टिकल्स एंड देयर थ्रु कैरेक्टराइजेशन्स, सरफेसफंक्शनलाइजेशन ऑफ पोलिमेरिक नैनोपार्टिकल्स, हैडलिंग ऐज़ वेल ऐज़ मेंटीनेंस ऑफ मम्मालियन /माइक्रोबायल कालचर्स, हाई रिजोल्यूशन माइक्रोस्कोपी ईजी टीईएम, एसईएम, एचआर-टीईएम, कोंफोकल फ्लुरेसेंस, एटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोपी ईटीसी, बायोफिजिकल स्टडीज़ ऑफ सेल्स।

प्रतिष्ठित/ पीयर रिव्यूड/ यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख एवं प्रपत्र:

क्रम संख्या	प्रकशन क्रम के प्रस्तुति क्रमानुसार लेखक/कों के नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	खंड और संख्या में प्रकाशित होने का महिना/वर्ष
1.	गोपी किशन, एस, बैनर्जी, आई पाठक, आनंद, महापात्रा एस के	एक्सियल डिस्ट्रीबुसन ऑफ प्लाजमा फ़लकचुएशन्स प्लाजमा पारामीटर्स, डेपोजिसन रेट एंड ग्रेन साइज ड्यूरिंग कॉपर देपोजिसन	*रेडिएशन इफेक्ट एंड डिफ़ेक्ट्स इन सॉलिड्स*	2017. 172 (7-8), पृ. सं. 545-554
2.	बैनर्जी इंद्राणी, बरखाड़े तेजल	फोटोकैटालिटिक दिग्रेडेसन ऑफ रोडमाइन बी डाइ उजिंग फे डोपेडटीआईओ2	*एआईपी कोन्फरेंस प्रोसीडिंग्स*	2018. 1961, 030016

3.	जोसेफ किथेरी, स्टेननेट, मार्टिन सी हयात, नील सी, असुवाथ्रामन, आर दूबे, चारु एल गंडी, एमी एस, कुट्टी, के वी गोविंदन, जॉल्ली, केन्नी, राव, पी आर वासुदेव, स्मिथ रोगर	आयरन फास्फेट ग्लासेस बल्क प्रॉपर्टीज़ एंड एटोमिक स्केल स्ट्रक्चर	*जर्नल ऑफ न्यूक्लियर मटेरियल्स*	अक्टूबर, 2017. खंड 494, पृ. सं. 342-353
4.	सक्सेना, नमिता, दूबे, चारु लता	पीएच स्टडीज़ इन द सिंथेसिस ऑफ अमीनो एसिड कोटेड हाइड्रोफिलिक एमएनपीएस	*एआईपी कोफरेंस प्रोसीडिंग्स*	अप्रैल 2018. 1942 050053 (2018)
5.	ओझा, के शर्मा, एम कोलेव, एच, गांगुली, ए के	रिड्यूस ग्राफेन ऑक्साइड एंड एमओपी कम्पोजीट ऐज़ हाइली एफ़िसिएंट एंड डूरेबल इलेक्ट्रोकैटालाइस्ट फॉर हाइड्रोजन इवोलुशन इन बोथ एसिडिक एंड अल्केलाइन मीडिया	*कैटालिसिस साइंस एंड टेक्नोलोजी*	2017. 7 (3). पृ. सं. 668 -676.
6.	मेहता, ए, शर्मा, एम, कुमार, ए, बासु, एस	इफेक्ट ऑफ एयू कोंटेंट ऑन द इन्हेंस्ड फोटोकैटालिटिक एफिसिएन्सि ऑफ मेसोपोरस एयू/टीआईओ2 नैनोकंपोजिट्स इन यूवी एंड सनलाइट	*गोल्ड बुल्लेटिन*	2017. 50 (1). पृ. सं. 33 ‘ 41.
7.	शर्मा, एम, वैद्य, एस, गांगुली, ए के	इन्हेंस्ड फोटोकैटालिटिक एक्टिविटी ऑफ **g-C_3N_4-TiO_2** नैनोकंपोजिट्स फॉर दिग्रेडेशन ऑफ रोडामाइन बी द्ये	*जर्नल ऑफ फोटोकेमिस्ट्री एंड फोटोबायोलॉजी ए केमिस्ट्री*	2017. 335. पृ. सं. 287 -293.

8.	साहा, एस, ओझा, के, गांगुली, ए के	Ni_3Co/गालोए ऐज़ ऐन अर्थ-एबंडनट रोबोस्ट एंड स्टेबल इलेक्ट्रोकैटालाइस्ट फॉर द हाइड्रोजन इवोल्यूसन रीएक्सन	*न्यू जे चेम*	2017. 41. पृ. सं. 5916 - 5923.
9.	यादव के.के.; ए. गुप्ता; शर्मा एम; दाबास, एन; गांगुली, ए.के.; झा, एम.	लो टेम्परेचर सिंथेसिस प्रोसेस ऑफ़ स्टेबलाईजेशन ऑफ़ क्यूबिक यत्त्री जिरकोनिया स्पाइनलेस: एन इम्पोर्टेन्ट हाई टेम्परेचर सिरेमिक मेटेरिअल	*मरेरिअल्स रिसर्च एक्सप्रेस*	2017. 4 (10), 105044.
10.	कुमार, ए.; शर्मा, एम.; एम.; गौतम, आर.के.; अग्रवाल, पि.; बासु, एस.	सिंथेसिस ऑफ़ मेसोपोरोउस सैरियम ऑक्साइड (CeO_2) नैनोपार्टिकल्स एंड इफ़ेक्ट ऑफ़ सैरियम प्रेसर्स ऑन ट्रांसएडमिशन ऑफ़ एक्टमाईड विथ एन-ओक्ट्यलामिने अंडर साल्वेंट-फ्री कंडीशन्स	*जर्नल ऑफ़ नैनो एंड नैनोसाइंस टेक्रोलॉजी*	2017. 17 (7). पृ. सं. 4983 - 4988.
11.	शर्मा, एम.; कुमार, ए.; गौतम, आर.कर.; बेल्वल, एम.	सिंथेसिस एंड केरक्टरिज़ेशन ऑफ़ ZnO‘ CeO_2 नैनोकम्पोजिट विथ एनहेंसड यूवी-लाइट-ड्रिवेन फोटोकैटॉलाएटिक डाई डीग्रेडेशन ऑफ़ र्होडामिने-बी	*जोर्नल ऑफ़ नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्रोलॉजी*	2018. 18 (5). पृ. सं. 3532 - 3535.
12.	ओझा, कासी.; शर्मा, एम.; गांगुली, ए.के.	सिंथेसिस ऑफ़ शेव्रेल फेज (Cu1.8Mo6S8) इन कम्पोजिट विथ मॉलिब्डेनम कार्बाइड फॉर हाइड्रोजन एवैलूएशन रिएक्शन्स	*बुलेटिन ऑफ़ मैटेरियल्स साइंस*	2018. मात्र स्वीकृत

13.	सिंह, मयंक कुमार; दीप, पूजा; रवुरी, हल्ले गोरा; गुनुकुला, अनुषा; कुल्हारी, हितेश; सिस्टला, रामकृष्ण	फेब्रिकेशन ओग सर्फेक्टेंट ' स्टेबलाइज़्ड नैनोससपेंशन ऑफ़ नारिन्गेनिन टू सुर्पस्सिट्स पुअर फिजियोकेमिकल प्रॉपर्टीज एंड लो ओरल बायोएविलिटी	*फाईडोमेडिसिन*	फरवरी 2018. खंड 40, पृ. सं. 48 -54.
14.	रंजन, निहार; कुमार, उमेश; देशमुख, सुनील कुमार.	नॉवेल टारगेट एंड एडवांसमेंट्स इन ड्रग डिस्कवरी: द केस ऑफ़ एचआईवी-एडीआईएस (पुस्तक पाठ)	*बायो-रिसर्च एंड बायोप्रोसेस इन बायोटेक्रोलॉजी - //*	जून 2017. सिंगापुर: स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर

शोध छात्र/निर्देशन

क्रम संख्या	नाम	एम.फिल./पीएच. डी. के रूप में कार्यक्रम की प्रकृति	निर्देशित छात्रों की संख्या (केवल 2017-18 में पंजीकृत)
1	डॉक्टर इंद्राणी बैनर्जी	पीएच. डी..	01
2	डॉक्टर इंद्राणी बैनर्जी	एम. फिल.	01
3.	चारु लता दूबे	पीएच. डी..	01
4.	चारु लता दूबे	एम. फिल.	01
5.	शर्मा मनु	एम. फील.	01
6.	शर्मा मनु	पीएच. डी.	01
7.	कुल्हारी उमेश	एम. फिल.-पीएच. डी.	01
8.	कुमार उमेश	पीएच. डी.	02

पत्रिका, समाचारपत्र, वेब पोर्टल इत्यादि के रूप में अन्य प्रकाशन

क्रम संख्या	प्रकाशन क्रमानुसार लेखक/लेखकों के नाम	शीर्षक	प्रकाशन महिना/वर्ष/ प्रकाशक और स्थान का नाम
1	दुबे चारु लता	फ्यूरियर ट्रान्सफ़ोर्म इंफ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी: फास्ट एंड वर्षटाइल टेक्निक फॉर केमिकल कैरेक्टराइजेशन	इंस्टीट्यूट मैगजीन ऑफ उत्तर प्रदेश टेक्सटाइल टेक्नोलोजी इंस्टीट्यूट, कानपुर

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर पर प्रस्तुत संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला इत्यादि:

क्रम संख्या	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सम्मेलन / संगोष्ठी / कार्यशाला का विषय-वस्तु	संचालक व्यक्ति और स्थान	कार्यक्रम की आयोजन तिथि/तिथियाँ
1	दूबे, चारू लता	माइक्रोवेव प्रोसेसिंग- अ वर्सटाइल ग्रीन प्रोसेसिंग टेक्नीक फॉर द सिंथेसिस ऑफ़ मेटलिक टू इंसुलेटिंग विथ डिफरेंट मोर्फोलोजिस	मटेरियल फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट एंड न्यू टेक्नोलॉजी, डिपार्टमेंट ऑफ़ नैनो साइंस एंड मटेरियल्स	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ जम्मू	अप्रैल 28-29, 2017
2.	सक्सेना, नमिता; दूबे, चारु लता	पीएच स्टडीज इन द सिंथेसिस ऑफ़ एमिनो एसिड कोटेड हाइड्रोफिलिक एमएनपीएस	फेज ट्रांजीशन, सॉफ्ट कंडेंस्ड मैटर इन्क्लुडिंग बायोलॉजिकल सिस्टम, एक्सपेरिमेंटल टेक्निक्सएंड डिवाइसेस, ग्लास एंड अम्रोफौस सिस्टम, सरफेस इंटरफ़ेस एंड थिन फिल्म्स,	बोर्ड ऑफ़ रिसर्च इन नुक्लेअर साइंस, डीएइ, हेल्ड एट बीएआरसी, मुंबई.	दिसम्बर 26 - 30, 2017.

			इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर एंड फोनोंस, सिंगल क्रिस्टल्स, ट्रांसपोर्ट प्रॉपर्टीज, सेमीकंडक्टर फिजिक्स, सुपरकंडक्टिविटी मग्नेटिस्म एंड स्पिन्ट्रोनिक्स, नोबल मैटेरियल्स.		
3.	भार्गव, वी. एस.; सिंह, जी.; शर्मा, एम.	स्नेर्जिस्टिक प्रॉपर्टीज ऑफ़ ग्राफिटिक्स कार्बन नाइट्राइड/सैरियम मोलीबडेट नैनोकम्पोजीशन फॉर एनहेंसड फोटोकैटेलिटिक एक्टिविटी	एआईपी कांफ्रेंस प्रोसेडिंग	पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी, गांधीनगर	जनवरी 29 - 31, 2018
4.	सिंह, जी.; भार्गव, वी. एस.; शर्मा, एम.	सिंथेसिस ऑफ़ ग्रफिम ऑक्साइड-कॉपर मोलीबडेट (GO-CuM) नैनोकम्पोजिट्स फॉर फोटोकैटेलिटिक एप्लीकेशन	एआईपी कांफ्रेंस प्रोसेडिंग	पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी, गांधीनगर	जनवरी 29 -31, 2018
5.	तवकर, एन.; शर्मा, एम.	एनहेंसड फोटोकैटेलिटिक एक्टिविटी ऑफ़ नैनोसेल्यूलोस सपोर्टेडजिंक ऑक्साइड कम्पोजिट फॉर आरएचबी डाई एज सिप्रोफ्लोक्सासिन ड्रग अंडर सनलाइट/विज़िबल लाइट	एआईपी कांफ्रेंस प्रोसेडिंग	पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी, गांधीनगर	जनवरी 29 -31, 2018

6.	तवकर, एन.; शर्मा, एम.	एग्रो-वैस्ट एक्सट्रेक्टेड सेल्यूलोस सपोर्टेड सिल्वर फ़ोस्फाते नैनोकम्पोजिट फॉर एनहेंसड विज़िबल लाइट फोटोकटैलिसीस	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोटेक्नोलॉजी आइडियाज, इनोवेशन एंड इनिशिएटिव्स	आईआईटी रूरकी, उत्तराखंड इंडिया	दिसंबर, 6 - 8, 2017.
7.	कुल्हारी, हितेश	इन्टेग्रिन टार्गेटिंग पेप्टाइड मेडिएटेड डिलीवरी ऑफ़ एंटीकैंसर ड्रग्स यूजिंग बायोपॉलीमर-बेस्ड नैनोपार्टिकल्स	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोसाइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी- "नैनोसाईंटेक2017 ”.	पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ	नवंबर 8 - 10, 2017.

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/रिफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी: प्रशिक्षण/अभिविन्यास/रिफ्रेशर कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	प्रतिभागिता की प्रकृति
1.	दूबे, चारू लता	हैंड्स ऑन ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन “नैनोफेब्रिकेशन टेक्नोलॉजीस”, एट आईएनयूपी, आईआईएससी, बंगलौर.	सितंबर 12 ‘ 22, 2017	प्रतिभागी
2.	कुमार, उमेश	ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन रिसर्च बेस्ड पेडागोगिकल टूल्स (आरबीपीटी)	1 सप्ताह	प्रतिभागी

कार्यान्वित परियोजनाएं:

क्रम संख्या	नाम	परियोजना का शीर्षक	वित्तपोषित संस्थान	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति
1.	दुबे चारु लता	सिंथेसिस ऑफ़ ग्रफिम ऑक्साइड फॉर नैनो डिवाइसेस	गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय	1 लाख	जारी है
2.	शर्मा मनु	सिंथेसिस, केरक्टरिज़ेशन ऑफ़	सीयूजी गांधीनगर	1 लाख	जारी है

		मेंटल ऑक्साइड्स एंड नाइट्राइड फॉर फोटोकैटेलिटिक एप्लीकेशन			
3.	कुल्हारी, हितेश	डीएसटी इंस्पायर प्रोजेक्ट	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली	35 लाख	जारी है

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की प्रभागिता अथवा संचालित की जाने वाले अन्य दूसरी जिम्मेदारियाँ:

प्रोफेसर टी. बागची, अधिष्ठाता

- अकादमिक परिषद
- आधिकारिक परिषद
- वार्षिक दर समनुदेशन समिति
- स्वच्छ भारत अभियान

डॉक्टर इंद्राणी बैनर्जी, एसोसिएट प्रोफेसर

- प्रोक्टर, अनुशासन परिषद समिति
- अकादमिक परिषद समिति
- विश्वविद्यालय खरीद समिति
- वार्षिक दर समनुदेशन समिति

डॉक्टर चारुलता दूबे, सहायक व्याख्याता

- सदस्य एक भारत श्रेष्ठ भारत समूह, सीयूजी.
- एनआईटीआई अयोध के दिशानिर्देशों के अनुसार अटल इनक्यूबेशन सेंटर के लिए प्रस्ताव तैयार करने के लिए सदस्य, सीयूजी।
- सदस्य, स्थानीय खरीद समिति, नैनो विज्ञान संस्थान, सीयूजी।
- सदस्य, विशेषज्ञ समिति, केन्द्रीय इंस्ट्रुमेंटेशन सुविधा और अन्य प्रयोगशालाओं में (सीआईएफ) उपकरणों के रखरखाव और समीक्षा की निगरानी के लिए, सीयूजी।
- संकाय प्रभारी, टीजीए/डीएससी, पी-एक्सआरडी सीआईएफ़, सीयूजी।
- सीआईएफ, सीयूजी में स्थापित सभी वैज्ञानिक मशीनरी के संचालन और रखरखाव से संबंधित लंबित मुद्दों को हल करने के सभी संभावित तरीकों से प्रशासन को सलाह देने के लिए समिति के सदस्य

- समिति सदस्य, सीएएसआर, नैनो विज्ञान संस्थान, सीयूजी.
- संस्थान परिषद के समिति सदस्य, नैनो विज्ञान संस्थान, सीयूजी.

डॉक्टर हितेश कुल्हारी, सहायक व्याख्याता

- अनुशासन समिति छात्र परिषद चुनाव हेतु
- प्रवेश सत्र 2018 के प्रवेश समिति
- भोजन समिति वार्षिक आयोजन 2018 हेतु

सामाजिक विज्ञान संस्थान

संस्थान का परिचय:

सन् 2009 में अपनी स्थापना के बाद से सामाजिक विज्ञान संस्थान एक गतिशील संस्थान बना रहा है। इस संस्थान के छात्र और संकाय सदस्य सामाजिक विज्ञान की विभिन्न धाराओं में विद्वत्तापूर्ण अध्ययन के लिए समर्पित हैं। यह संस्थान हमेशा ही वर्तमान समकालीन क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों का विश्लेषण करना चाहता है और उनके लिए समाधान भी प्रदान करता है। यह संस्थान अपने आदर्श सैद्धांतिक और पद्धतिपरक

दृष्टिकोण की योग्यता के आधार पर एक प्रमुख स्थिति प्राप्त करता है। यह संस्थान अभिनव मॉडलों के विकास के माध्यम से उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को बनाए रखने का प्रयास करता है, इसके अतिरिक्त मानव व्यवहार और डिजिटल और विविधता पूर्ण समाज के सामाजिक-आर्थिक आयामों को समझने के लिए मजबूत और प्रभावी पद्धतियों का उपयोग करता है।

सामाजिक विज्ञान संस्थान का दृष्टिकोण बहुत व्यापक है। इन व्यापक दृष्टिकोणों के माध्यम से यह संस्थान विभिन्न पृष्ठभूमि से विद्वानों को एक साथ लाने के लिए प्रयासरत है। यह पृष्ठभूमि औपचारिक से व्याख्यात्मक और गुणात्मक से मात्रात्मक की दिशा में होगी।

यह मौलिक शोध प्रश्नों को संबोधित करने और सामाजिक दबाव को कम करने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए होगा। यह संस्थान निरंतर सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक कारकों की गहन समझ का पता लगाने और इन्हें विकसित करने के लिए अंतःविषय संपर्क भी स्थापित करता रहता है। यह संस्थान नीतियों को अपनाने, नियमों को तैयार करने और लैंगिक और सामाजिक न्याय से संबंधित मुद्दों पर बहुत असर डालेगा। यह संस्थान सामाजिक वैज्ञानिकों को पोषित करता है जो ऊर्जा, जलवायु और पारिस्थितिक विज्ञान पर मानववंशीय गतिविधियों और पर्यावरण परस्पर क्रियाओं के प्रभाव की खोज करके वर्तमान समय में सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों को कुशलता से संबोधित कर रहे हैं। यह संस्थान अपने क्षेत्रों में बहुआयामी होने और सामाजिक विज्ञान में अभिनव पद्धतियों के लिए खुले होने के कारण, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के इस संस्थान में मानवता को बढ़ाने वाली विविधताएं, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों के मूल्यों को जोड़ती हैं इन्हें बढ़ाने वाली विशेषताएँ शामिल हैं।

पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

- समाज कार्य पाठ्यक्रम में एम. ए.

अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय:

अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन और अनुसंधान केंद्र की स्थापना वर्ष 2010 में "इंटीग्रेटेड एम. फिल. / पीएच. डी. " नामक एक कार्यक्रम के रूप में की गई थी। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य गुणवत्ता युक शिक्षा प्रदान करना और अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान की योग्यता पैदा करना है। यह केंद्र अर्थशास्त्र के विभिन्न क्षेत्रों में सैद्धांतिक ज्ञान को आधार बनाने के अलावा, स्थानीय, राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उभरते सामाजिक-आर्थिक मुद्दों को हल करने के लिए भी विश्लेषणात्मक सोच और अनुभवजन्य शोध कौशल को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य अर्थशास्त्र के विभिन्न आयामों में गुणवत्ता युक्त अनुसंधान प्रदान करना, एवं नीति अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान करना, समावेशी और सतत विकास की सुविधा प्रदान करना है। वर्ष 2015 में, इस केंद्र ने अर्थशास्त्र में एमए कार्यक्रम की शुरुआत की ताकि विद्यार्थियों को आवश्यक टूलकिट बनाने में मदद मिल सके जिससे वे अपने भविष्य के करियर में आर्थिक विश्लेषक या नीति विश्लेषण के क्षेत्र में या बाद में आने वाली चुनौतियों को दूर करने में सफल हो सकें और अपने डॉक्टरेट शोध कार्य को आगे बढ़ा सकें। इस केंद्र के संकाय सदस्य अकादमिक उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्ध हैं और ये छात्रों को उनके मूल्यवान और प्रामाणिक अनुसंधान के माध्यम से देश की भलाई हेतु जरूरी योगदान करने और सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं।

केंद्र में संचालित हुए अतिथि व्याख्यान:

क्रम संख्या	व्याख्यान का नाम	प्रवक्ता का नाम	दिनांक
1	इकोलोजी एंड डेवलपमेंट	मार्क लिंडे	अगस्त 18, 2017
2	द न्यू मोनेटरिज़्म	मार्क लिंडे	अगस्त 19, 2017
3	दिकोण्टेंट्स ऑफ इकोनॉमिक्स	मार्क लिंडे	अगस्त 19, 2017
4	जीएसटी एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इकोनोमी	प्रोफेसर एम गोविंदा राव	नवंबर 16, 2017

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

प्रोफेसर इंदिरा दत्ता प्रोफेसर और अधिष्ठाता

अनुसंधान रुचियाँ: इन्वार्न्मेंलट इकोनॉमिक्स, रिजनल इकोनॉमिक्स, डेलपमेंट इकोनॉमिक्स एंड लेबर इकोनॉमिक्स।

प्रोफेसर सरिता अग्रवाल, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
अनुसंधान रुचियाँः इकोनॉमिक्स ऑफ क्यूमान रिसोर्सेस, जेंडर इकोनॉमिक्स, एडुकेशन/इन्स्टीट्यूशनल इकोनॉमिक्स।

डॉक्टर जया प्रकाश प्रधान, एसोसिएट प्रोफेसर
अनुसंधान रुचियाँः इकोनॉमिक्स ऑफ इंटर्नेशनलाइजेशन एंड दडेवपलमेंट, फ़र्म लेवल टेक्नोलोजिकल एंड एक्सपोर्ट एक्टिविटीज़, सेक्टरल एनालिसी, इंडियन फार्मास्युटिकल, आटोमोटिव एंड सॉफ्टवेयर इंडस्ट्रीज, रिजनल डेवलपमेंट एंड एप्पलाइड इकोनोमेट्रिक्स।

डॉक्टर सरला दसारी, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँः पब्लिक इकोनॉमिक्स, इकोनॉमिक्स ऑफ सोसल सेक्टर, एजुकेशन फ़िनान्स एंड पॉलिसी, रिजनल डेवलपमेंट एंड डेवलपमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स।

डॉक्टर तूलिका त्रिपाठी, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँः सोसल सेक्टर इकोनॉमिक्स, जेंडर माइक्रोफिनेंस एंड एम्पावर्मेंट इम्प्लोयमेंट।

डॉक्टर क्षमानिधि अदाबर, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँः इकोनॉमिक ग्रोथ एंड डेवलपमेंट, कंवर्जेंस रिजनल डेवलपमेंट ह्यूमन डेवलपमेंट लेबर इस्स्युज, पब्लिक फिनेंस, एप्पलाइड इकोनोमेट्रिक्स।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और प्रपत्र :

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ
1.	हैदर, स्तुति; दत्ता, इंदिरा	टेक्नोलॉजिकल कैपबिलिटीज ऑफ़ मेजर शिपब्रेकिंग नेशन्स अ कॉम्प्रेटिव स्टडी	एमइआरसी ग्लोबल इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सोशल एंड मैनेजमेंट	2018. खंड 5, अंक 1
2.	हैदर, स्तुति; दत्ता, इंदिरा	ग्रीन आन्ट्रप्रनर्शिप इन थ्योरी एंड प्रैक्टिसः इनसाइड फ्रॉम द इंडियन मार्किट	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ट्रेंड इन	अगस्त 2017 खंड 1, अंक -5

			साइंटिफिक रिसर्च एंड डेवलपमेंट	
3.	अग्रवाल, सरिता	वोकेशनल एजुकेशन इन इंडियाः इशूज ऑफ़ लेबर मार्किट सस्टैंबिलिटी एंड इक्कलिटी	एशिया पसिफ़िक जर्नल ऑफ़ रिसर्च	अक्टूबर , 2017 खंड1, अंक 56
4.	खान, जाविद; अग्रवाल, सरिता	डब्लूटीओ एंड इंडो-पाक रिलेशन	जर्नल ऑफ़ ग्लोबल इकॉनमी	अक्टूबर , 2017 खंड 13, संख्या 3
5.	प्रधान, जया प्रकाश	'इंडियन आउटवार्ड एफडीआईः अ रिव्यु ऑफ़ रीसेंट डेवलपमेंटस'	ट्रांसनेशनल कारपोरेशन	जून 2017 न्यू यॉर्क एंड जेनेवाः यूनाइटेड नेशन
6.	दसारी, सरला; बिश्वेश्वर, एम	पब्लिक हेल्थ एक्सपेंडीचर एंड हेल्थ आउटकम इन इनफाँट मोर्टेलिटी रेट इन इंडियन स्टेट्स	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन सोशल साइंसेज	जनवरी 2018 खंड 8 अंक 1
7.	दसारी, सरला; कान्त, रवि	‘ग्रोथ एंड ट्रेंड्स ऑफ़ पब्लिक स्पेंडिंग ऑन हायर एजुकेशन इन इंडिया	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मुल्टीडिसीप्लिनारी एजुकेशन रिसर्च,	दिसंबर, 2017 खंड 6, अंक 12 (1).
8.	त्रिपाठी, तुलिका; मिश्रा के. नृपेंद्र	फुज़्जिनेस इन कांसेप्टूअलाइजेशन ऑफ़ विमेंस एम्पावरमेंट, एक्सेस टू रिसोर्स एंड ऑटोनोमीः एवीडेन्स फ्रॉम इंडियन स्टेट्स	जर्नल ऑफ़ सोशल एंड इकॉनमी डेवलपमेंट, स्प्रिंगर.	2017
9.	अदाबर, क्षमानिधि	इम्पैक्ट ऑफ़ फ़ेडरल फिस्कल ट्रांसफर्स ऑन रीजनल कन्वर्जेन्सएंड ग्रोथ इन इंडिया	इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन मैनेजमेंट एंड सोशल साइंसेज	अप्रैल - जून 2018. खंड 6, अंक 2 (I).

10.	पेडी, मानस कुमार; अदाबर, क्षमानिधि	इंटरनल माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट नेक्सुस इन इंडियाः रिव्यु ऑफ़ एविडेंसस	एशियन जर्नल ऑफ़ रिसर्च इन सोशल साइंसेज एंड ह्यूमेनीटीज	2018, खंड 8, अंक : 3.
11.	अदाबर, क्षमानिधि.	एनालिसिस ऑफ़ ह्यूमन डेवलपमेंट एक्रोस इंडियन स्टेट्स	क्रॉनिकल ऑफ़ ह्यूमेनीटीज एंड कल्चरल स्टडीज	2018. खंड 4, अंक 2.

संपादित खंडों में प्रकाशित प्रपत्रः

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	नेहा राय, सरिता अग्रवाल	स्टेट ऑफ़ मोर्बिडिटी इन इंडिया एविडेंसेस फ्रॉम आईएचडीएस डाटा	इकोनॉमिक्स डेवलपमेंट ऑफ़ इंडिया, एडिटेड बाई सिंह, शैलेश कुमार; पाण्डेय, पियूष कुमार; कुमार, आनंद	2018. गाजियाबादः स्वरांजलि पब्लिकेशन.
2.	अग्रवाल, सरिता	जेंडर बेस्ड इनइक्वालिटी इन इंडिया	डेवलपमेंटल स्टेट एंड मिलेनियम डेवलपमेंट गोल्सः कंट्री एक्सपीरियंसेस एडिटेड बाई राय, कार्तिक; कर, संदीप	2018. सिंगापुर वर्ल्ड साइंटिफिक
3.	प्रधान, जय प्रकाश एंड की ह्वी वी	इंडियन एफडीआई एंड कम्पनीज इन एएसइएएन	एएसइएएन इन्वेस्टमेंट रिपोर्ट 2017: फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट एंड	नवंबर 2017 जकार्ताः द एएसइएएन सेक्रेटेरिएट एंड यूएनसीटीएडी

			इकोनॉमिक्स ज़ोन्स इन एएसएएन	

प्रकाशित किताबें

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	मजूमदार, आर; सेनगुप्ता, ए; प्रधान, जय प्रकाश (एडिटर्स)	ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इन इंडिया रीजनल डाइमेंशंस (एडिटरर्स)	जनवरी 2018. न्यू दिल्ली; सेगमेंट बुक्स.

पत्रिका, समाचारपत्र, वेब पोर्टल इत्यादि के रूप में अन्य प्रकाशन

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	प्रधान:, जयप्रकाश	'समिंग अप की इलेक्टोरल आउटकम्स इन गुजरात असेंबली 2017 '	दिसंबर, 2017. डेल्ही: द क्रिटिकल मिरर

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक/ लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	दत्ता, इंदिरा	इफेक्टिव पॉलिसी मेकिंग एंड रिकवरी ऑफ विक्टिमाइज्ड	टू-डे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन "विमेन एंड सेक्टीरियन वायलेंस	सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़	नवंबर 9-10, 2017.

		वूमेन ए केस स्टडी ऑफ इंडिया	इन साउथ एशिया फिक्सन एंड रियलिटी"	गुजरात, गांधीनगर	
2.	अग्रवाल, सरिता	वोकेशनल एजुकेशन इन इंडिया : इस्यूज ऑफ लेबर मार्केट सस्टेनेबिलिटी एंड इक्विटी	आठवां आईसीएल एलसी ई, कॉन्फ्रेंस बाली	आठवां आईसीए ल एलसी ई, कॉन्फ्रेंस, बाली, इंडोनेशिया	सितंबर 19-20, 2017.
3.	अग्रवाल, सरिता	ग्रोथ ऑफ नॉलेज इकोनामी : चैलेंज फॉर हायर एजुकेशन इन कॉन्टेक्स्ट आफ इक्विटी एंड एफिशिएंसी	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन "इंडिया आफ्टर 5 ईयर्स ऑफ इकोनामिक रिफॉर्म्स व्हाट्स : अचीव्ड? व्हाट्स अहेड?"	डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स:, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ केरला	मार्च 1-3, 2018.
4.	अग्रवाल, सरिता	ग्लोबलाइजेशन एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इन रूरल इंडिया : एन इंटरस्टेट एनालिसिस	इंटरनेशनल सेमिनार इन "टूवर्ड्स ए बेटर ग्लोबल इकोनामी: पॉलिसी इंप्लीकेशंस फॉर द वेलफेयर ऑफ द वर्ल्ड इन द 21 सेंचुरी"	ग्लोबल इकोनामिस्ट फोरम इंडिया इकोनामिक एसोसिएशन गुजरात इकोनामिक एसोसिएशन एंड एनएस पटेल आर्ट्स कॉलेज आनंद	मार्च 6, 2018.

5.	आतिफ, मोहम्मद; सरला, डी.	द क्वालिटी ऑफ एलीमेंट्री एजुकेशन इन इंडिया ,	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एडवांस इन इंग्लिश स्टडी विमेन एंपावरमेंट बिजनेस ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज-	कार्मेल कॉलेज फॉर वूमेन, नुएम गोवा इंडिया	दिसंबर 28-30, 2017.
6.	सरला, डी.	द इफेक्टिवेनेस आफ सोशल सेक्टर एक्सपेंडिचर ऑन इन्फेंट मोर्टालिटी रेट इन इंडिया	"डायनामिक्स ऑफ़ इकोनॉमिक ग्रोथ एंड डेवलपमेंट इन एशिया विद स्पेशल रेफरेंस टू इंडिया"	बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर सेंट्रल यूनिवर्सिटी लखनऊ उत्तर प्रदेश इंडिया	अक्टूबर 25-27, 2017.
7.	त्रिपाठी, तूलिका	"फ्यूजिनेस ने इन "कॉन्सेप्ट्लाइजेशन एंड मेजरमेंट आफ एंपावरमेंट रिफ्लेक्शन फ्रॉम एन एफ एच एस -3, इंडिया"	चैलेंजिंग इक्वलिटीज़ : ह्यूमन डेवलपमेंट एंड सोशल चेंज	एच डी सी ए 2017 कॉन्फ्रेंस केप टाउन, साउथ अफ्रीका	सितंबर 6-8, 2017.
8.	अदाबार, क्षमा निधि; चंद्र, राजेश	कन्वर्जेंस इन सेंट्रल लेबर प्रोडक्टिविटी एक्रॉस स्टेट्स इन इंडिया	डेवलपमेंट चैलेंजिस आफ इंडिया आफ्टर 25 ईयर्स आफ इकोनामिक रिफॉर्म्स	डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी	मार्च 16 -18, 2018.
9.	अदाबार, क्षमा निधि;साहू तृप्ति माई	स्ट्रक्चरल चेंज इकोनामिक ग्रोथ एंड एंप्लॉयमेंट इन इंडियाः स्टेट वाइज एनालिसिस	इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंस- 2018	बिट्स पिलानी, गोवा कैंपस गोवा, इंडिया	फ़रवरी 16-17, 2018.

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर पर संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रपत्र प्रस्तुति:

क्र.सं.	लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/ कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	दत्ता, इंदिरा	लो कार्बन एनर्जी ट्रांजिशन इन इंडिया ए स्टेप टुवड्र्स सस्टेनेबल डेवलपमेंट	नेशनल वर्कशॉप ऑन "क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट"	स्कूल आफ एनवायरमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	मार्च 22-23, 2018.
2.	अग्रवाल, सरिता	जीएसटी एंड हायर एजुकेशन	नेशनल सेमिनार ओन जीएसटी ; इंप्लीमेंटेशन प्रोग्रेस एंड प्रॉब्लम्स	डिपार्टमेंट ऑफ इकोनॉमिक्स, वी एन साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी सूरत एंड जे बी धारूकावाला महिला आट्र्स कॉलेज एंड जे डी गवानी कॉमर्स कॉलेज सूरत	सितंबर 9, 2017.
3.	अग्रवाल, सरिता	इंडस्ट्री एंड एंप्लॉयमेंट इन द पोस्ट डिमॉनेटाइजेशन एरा	48 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ गुजरात इकोनामिक एसोसिएशन	गुजरात इकोनामिक एसोसिएशन हेल्ड अट महाराजा श्री भगवत सिंह जी आट्र्स एंड कॉमर्स कॉलेज गोंडल	फ़रवरी 9-11, 2018.
4.	अग्रवाल, सरिता	इंक्लूसिव ग्रोथ एंड जेंडर मेंस्ट्रीमिंग : वेयर आर वी नाउ?	कॉन्फ्रेंस ऑन मॉर्डनाइजेशन एंड सस्टेनेबल पॉलिसी चेंजेज	डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वर्क सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु	फ़रवरी 14-15, 2018.

			प्रोस्पेक्टस एंड स्ट्रेटजीज़		
5.	त्रिपाठी, तुलिका	"अर्ली चाइल्डहुड इंटरवेंशन लाइफ कोर्स प्रोस्पेक्टिव"	पॉवर्टी एंड सोशल एक्सक्लूजन ए : लाइफ कोर्स प्रोस्पेक्टिव	आईआईपीए न्यू दिल्ली	अप्रैल 12-13, 2018.
6.	अदाबार, क्षमानिधि	स्ट्रक्चरल चेंजएंड इकोनामिक ग्रोथ एक्रॉस इंडियन स्टेट	54 एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑफ टी आई ई एस	श्री माता वैष्णो देवी यूनिवर्सिटी कटरा जम्मू एंड कश्मीर	मार्च 07-09, 2018.
7.	साहू, तृप्ति माई; अदाबार, क्षमानिधि	स्ट्रक्चरल चेंज इकोनामिक ग्रोथ एंड एंप्लॉयमेंट इन उड़ीसा 1970 टू 2015-16	50 एनुअल कॉन्फ्रेंस	नवा कृष्णा चौधरी सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज(एन सी डी एस) इन कोलैबोरेशन विद ओरिसा इकोनामिक एसोसिएशन	फ़रवरी 10-11, 2018.
8.	अदाबार, क्षमानिधि; नायक, अशोक	इंडडेब्डनेस ऑफ एग्रीकल्चरल हाउसहोल्ड्स इन इंडिया सम इमर्जिंग इश्यूज	नेशनल सेमिनार ऑन प्रॉब्लम एंड प्रोस्पेक्ट्स आफ इंडियन एग्रीकल्चर	पद्मश्री विखे पाटील कॉलेज आफ आर्ट साइंस एंड कॉमर्स प्रावरा नगर अहमदाबाद	जनवरी 12-13,2018.
9.	अदाबार, क्षमानिधिएंड बेहेरा मुरारी	ऐस्टीमेटिंग फॉर्मर्स इनकम फ्रॉम कल्टीवेशन इन इंडिया इन इंडिया	पॉलिसी एंड टेक्नोलॉजी कॉल ऑप्शन फॉर डबलिंग फार्मर्स इनकम	सेंटर फॉर रिसर्च इन रूरल एंड इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट चंडीगढ़	मार्च 22-23, 2018.

10.	अदाबार, क्षमानिधिएंड नायक, अशोक	हायर एजुकेशन इन इकोनामिक ग्रोथ एक्रॉस इंडियन स्टेटस	फ्यूचर ऑफ हायर एजुकेशन : सोशल एंड इकोनामिक कॉन्टेक्स्ट	नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एजुकेशनल प्लैनिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशनः, न्यू दिल्ली	सितंबर 7-8, 2017.

संगोष्ठी/सम्मेलन के अतिरिक्त प्रतिष्ठित संस्थानों में अकादमिक स्तर की बातचीत:

क्र.सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1.	दत्ता, इन्दिरा	एनर्जी फॉर ऑल कॉल : फॉर इंक्लूसिव मैनेजमेंट	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन एनर्जी फ्यूचर सोशल प्रोसपेक्टिवस ऑन23rdमार्च 2018	पैनल डिस्क्सेंट
2.	अग्रवाल, सरिता	ग्लोबलाइजेशन एक्स्पेक्टेशन एंड डिस्कंटेंटस	रिफ्रेशर कोर्स इन ग्लोबलाइजेशन एंड इमर्जिंग इकोनामिक ट्रेन्ड्स ऑर्गेनाइज्ड अंडर द असपिक्स आफ यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर एमडीएस यूनिवर्सिटी अजमेर ऑन दिसंबर 14, 2017	संसाधन व्यक्ति
3.	अग्रवाल, सरिता	ग्लोबलाइजेशन एंड लेबर	रिफ्रेशर कोर्स इन ग्लोबलाइजेशन एंड इमर्जिंग इकोनामिक ट्रेन्ड्स ऑर्गेनाइज्ड अंडर द असपिक्स आफ यूजीसी ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट सेंटर एमडीएस यूनिवर्सिटी अजमेर ऑन दिसंबर 14, 2017	संसाधन व्यक्ति
4.	अग्रवाल, सरिता	ग्लोबलाइजेशन माइग्रेशन एंड सोशल सिक्योरिटी	ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑर्गेनाइज्ड बाई महात्मा गांधी लेबर इंस्टीट्यूट अहमदाबाद इन कोलैबोरेशन विद वी वी गिरी नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट नोएडा ऑन "सोशल	संसाधन व्यक्ति

			सिक्योरिटी फॉर अनोर्गनाइज्ड वर्कर्स" ऑन दिसंबर 28, 2017	
5.	त्रिपाठी, तुलिका	सर्कुलर माइग्रेशन एंड फ्रिक्वेंट कंप्यूटर्स इन उत्तर प्रदेश रोल ऑफ रोड एंड ट्रांसपोर्टेशन	इंटरनेशनल सेमिनार इन डेवलपमेंटल चैलेंज ऑफ इंडिया आफ्टर 5 ईयर्स आफ इकोनामिक रिफॉर्म्स, मार्च 16, 2018 to मार्च 18, 2018	इन्वाइटेड टॉक
6.	अदाबार, क्षमानिधि	इंपैक्ट आफ जीएसटी ऑन इंडियन इकोनामी	इंपैक्ट आफ जीएसटी ऑन इंडियन इकोनामी ऑर्गेनाइज्ड बाय डिपार्टमेंट ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स आट्र्स साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज कोल्हार अहमदनगर महाराष्ट्र ऑन जनवरी 12, 2018	गेस्ट स्पीकर
7.	अदाबार, क्षमानिधि	बजट डिस्कशन 2018-19	अर्थ संवाद- यूनियन बजट डिस्कशन 2018-19 हेल्ड अट फैकेल्टी आफ इकोनॉमिक्स एस एल एस, पंडित दीनदयाल पैट्रोलियम यूनिवर्सिटी गांधीनगर ऑन फ़रवरी 8, 2018.	ओनेबल स्पीकर
8.	अदाबार, क्षमानिधि	ओरियंटेशन इन इकोनॉमिक्स	उदय भान सीजी रीजनल इंस्टीट्यूट आफ कोऑपरेटिव मैनेजमेंट (यू आर आई सी एम) सेक्टर 30 गांधीनगर ऑन 26 जुलाई 2017	गेस्ट लेक्चर

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/रिफ्रेशर कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	त्रिपाठी, तुलिका	समर स्कूल ऑन लोंगिट्यूडनल एंड लाइव कोर्स रिसर्च, जैकब्स सेंटर फॉर	अगस्त 21-25, 2017.	भागीदारी

		प्रोडक्टिव यूथ डेवलपमेंट यूनिवर्सिटी ज़ीनरिच स्विट्ज़रलैंड		
2.	अदाबार, क्षमानिधि	रिफ्रेशर कोर्स इन इकोनॉमिक्स 8h एचआरडीसी जेएनयू न्यू दिल्ली.	सितंबर 4 - 29, 2017.	भागीदारी

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं:

क्र.सं	नाम	परियोजना का नाम	वित्तपोषित संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति चाहे परियोजना की अवधि के साथ चल रहा/पूर्ण हो
1.	दत्ता, इन्दिरा	गुजरात ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट केस स्टडी ऑफ महीसागर डिस्ट्रिक्ट	गुजरात सोशल इन्फ्राट्रक्चर डेवलपमेंट सोसायटी जीएसआईडीएस गवर्नमेंट ऑफ गुजरात	आईएनआर 6,00,000	कार्य जारी है
2.	अग्रवाल, सरिता; उपाध्याय, एच. आर.	वूमेन डॉमेस्टिक वर्कर्स इन अर्बन इनफॉरमल सेक्टर, अ केस स्टडी ऑफ़ बरोड़ा सिटी	जीईएएसजेएफटी गुजरात	50,000	कार्य जारी है
3.	दसारी, सरला	पाइलट प्रोजेक्ट	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात	1 लाख	कार्य जारी है
4.	त्रिपाठी, तुलिका (को-पीआई)	फॉर्मेशन ऑफ इंडियन विलेजेज़	इंडियन कौंसिल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च		कार्य जारी है, अप्रैल 2016-अप्रैल, 2018

पुरस्कार, छात्रवृत्ति, सम्मान, पेटेंट अधिकार इत्यादि के रूप में प्राप्त सम्मान और उपलब्धियां:

क्र.सं.	नाम	डीटेल्स आफ अवॉर्डप्राइस/, ईटीसी विथ .डेट
1.	अग्रवाल, सरिता	अपॉइंटेड एज़ मेंबर आफ साइंटिफिक कमिटी फॉर द इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑर्गेनाइज्ड बाई क्वीन मार्गेट यूनिवर्सिटी एडिनबर्ग
2.	त्रिपाठी, तुलिका	यूजीसी रमन पोस्ट डॉक्टरल फैलोशिप 2016-17

शोध छात्र/निर्देशन

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति, एम.फिल./पीएच. डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या (केवल 2017-18 में पंजीकृत)
1.	दत्ता, इन्दिरा	एम. फिल, पीएच. डी.	2+0
2.	अग्रवाल, सरिता	एम. फिल, पीएच. डी.	2+1
3.	प्रधान, जयप्रकाश	एम. फिल, पीएच. डी.	1+5
4.	दसारी, सरला	एम. फिल, पीएच. डी.	1+1
5.	त्रिपाठी, तुलिका	एम. फिल, पीएच. डी..	0+3
6.	अदाबार, क्षमानिधि	एम. फिल, पीएच. डी.	7+1

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की प्रभागिता अथवा संचालित की जाने वाले अन्य दूसरी जिम्मेदारियाँ

प्रोफेसर सरिता अग्रवाल

- अध्यक्ष, अर्थशास्त्र एवं योजना अध्ययन केंद्र
- सदस्य, अकादमिक परिषद
- सदस्य, केंद्रअध्ययन परिषद
- सदस्य, संस्थान अध्ययन परिषद
- सदस्य, समिति
- सदस्य, उन्नत अध्ययन एवं शोध समिति
- वार्षिक प्रतिवेदन 2016-17 निर्माण समिति
- सदस्य, सामानों की शारीरिक जांच समिति
- सदस्य, नॉन-एनईटी (नेट) छात्रवृत्ति दिशानिर्देश निर्माण समिति

- सदस्य, प्रवेश शिकायत सेल समिति
- सदस्य, अध्यादेश एवं संविधान निर्माण समिति
- सदस्य, एमओयूएस के लिए कोर समिति'सीयूजी, यूजीसी और एमएचआरडी के बीच हस्ताक्षरित

डॉक्टर सरला दसारी

- वार्डेन (महिला छात्रावास)
- सदस्य, अर्नह्वाइल यू लर्न
- सदस्य, स्थानीय खरीदसमिति

सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र (सीएसएसएम)

केंद्र का परिचय:

सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र केंद्रीय विश्वविद्यलय गुजरात में एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता (सीएसएसएम) की विशेष दृष्टि से स्थापित किया गया था। यह संस्थान जटिल मुद्दों का समाधान देने हेतु सामाजिक विज्ञान के दायरे में प्रबंधन और सामाजिक कार्य के विषयों को एकीकृत करता है और समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। यह संस्थान एक अकादमिक कार्यक्रम के रूप में सामाजिक प्रबंधन नीति के मुद्दों के संबंध में व्यावहारिक ज्ञान और कौशल को समझना और विकसित करना चाहता है, ताकि परिवर्तन के एक मार्गदर्शक के रूप में यह संस्थान कार्य कर सके। यह केंद्र अपने यहाँ चलाए जा रहे कार्यक्रमों में मुख्य कार्यक्रम के रूप में सामाजिक प्रबंधन विषय में पांच साल का एकीकृत कार्यक्रम चलाता है जिसमें सामाजिक प्रबंधन में एमए की उपाधि और सामाजिक प्रबंधन में डाइरेक्ट पीएच. डी. की उपाधि शामिल हैं। इन उपाधियों के अंतर्गत सिद्धांतों, बाजारों का विकास, नए सार्वजनिक प्रबंधन, निगमों की जिम्मेदारी की नैतिकता, भारत में समाज, नागरिक समाज पहलों, राज्य, पैरा परतों-स्टेट संस्थानों और शासन की बहु-आदि जैसे बिन्दुओं पर अध्ययन कराया जाता है। पब्लिक डोमेन के विभिन्न क्षेत्रों को देखते हुए, सीएसएसएम विभिन्न स्तरों पर शिक्षाविदों, सरकार, नागरिक समाज और गैर सरकारी संगठनों के बीच बातचीत के लिए एक मंच खोलना चाहता है। इस केंद्र का मुख्य विचार यह है कि यह पेशेवरों और शोधकर्ताओं को आवश्यक सामाजिक कार्य और प्रबंधन के शोध कौशल को जोड़कर सामाजिक विज्ञान के भीतर मौजूद विकास क्षेत्रों में अभिनव और महत्वपूर्ण तरीकों से योगदान कर सके।

केंद्र/संस्थान स्तर पर आयोजित हुए संगोष्ठी/सम्मेलन

- सेमेस्टर के पूर्व छात्रों के लिए कार्यक्रम परीक्षण और मूल्यांकन पर कार्यशाला
- सेमेस्टर के पूर्व छात्रों के लिए ग्रूमिंग साक्षात्कार कौशल के लिए कार्यशाला

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

डॉक्टर सुदीप बासु, सहायक व्याख्याता और संयोजक
अनुसंधान रुचियाँ: शरणार्थी और डायस्पोरा अध्ययन; प्रवासन और विकास; ज्ञान का समाजशास्त्र; कानून और समाज; हाशियाकरण और सामाजिक बहिष्करण।

डॉक्टर सोनी कुंजप्पन: सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: कानून और शासन, पुलिस अध्ययन, अपराध विज्ञान और मानवाधिकार

डॉक्टर लिट्टी डेनिस: सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: वित्तीय समावेशन; माइक्रोफाइनेंस; कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी और सतत विकास।

डॉक्टर रोजा लक्ष्मी: सहायक व्याख्याता (अस्थाई रूप में)
अनुसंधान रुचियाँ: शिक्षा का समाजशास्त्र; सामाजिक आंदोलन; विकास अध्ययन; लिंग और शोध प्रविधि।

डॉक्टर रंजन सिंह: सहायक व्याख्याता (अस्थाई रूप में)
अनुसंधान रुचियाँ: उद्यमिता, महिला उद्यमिता; उद्यमिता और अर्थशास्त्र।

प्रतिष्ठित/ पीयर समीक्षित/ यूजीसी प्रमाणित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख एवं प्रपत्र:

क्रम संख्या	प्रकाशन में दिए गए क्रमानुसार लेखकों के नाम	आलेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	खंड एवं संख्या के साथ प्रकाशन वर्ष/माह
1	सिंह, आर. सेबाश्चन, टी०	फेमलियल लेगसिज: अ स्टडी ऑन गुजराती वोमैन एंड फैमिली इंटर्प्रिन्युर्शिप	जर्नल ऑफ ग्लोबल इंटर्प्रिन्युर्शिप रिसर्च, स्प्रिंगर ओपेन	फरवरी, 2018. 8:5

लेखक रूप में प्रकाशित पुस्तकें:

क्रम संख्या	प्रकाशन में दिए गए क्रमानुसार लेखकों के नाम	पुस्तक का शीर्षक	प्रकाशन वर्ष/माह/ प्रकाशक का नाम एवं प्रकाशन स्थान
1.	बासू, सुदीप.	*इन डायस्पोरिक लैंड्स: तिब्बतें रिफ़्यूजिस एंड देयर ट्रांसफ़ोरमेशन सीन्स द एक्सोडस*	2018. नई दिल्ली: ओरिएंट ब्लैक स्वान
2.	बासू, सुदीप. (सह-संपादक)	*मार्जिनैलीटीज़ इन इंडिया: थीम्स एंड पर्सपेक्टिव्स*	2018. सिंगापुर; स्प्रिंगर नेचर

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला इत्यादि में प्रस्तुत प्रपत्र:

क्रम सं	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषया	संचालक संस्था एवं स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	डेनिस, लिट्टी.	वायलेन्स एंड वायलेशन ऑफ वोमैन- अ स्टडी ऑफ कम्युनिटी	अ टू-डे नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन वोमैन एंड सेक्टेरियन वायलेन्स इन साउथ	सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज़ स्कूल ऑफ लैंगवेज़, लिट्रेचर एंड	नवंबर 9 - 10, 2017

		इनफ्लेकटेड सेक्स वर्क इन नट एंड देवदासी कम्युनिटीज़	एशियाः फिक्सन एंड रियलिटी	कल्चर स्टडीज़, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात	
2.	बासू, सुदीप	नोट्स ऑन द सिटुएशन ऑफ इंटर्नली डिस्प्लेस्ड परसन्स इन इंडियाः अ रिएप्रेसल	इंटरनेशनल सेमिनार ऑन "रिफ़्यूजीज एंड द स्टेट"	डिपार्ट्मेंट ऑफ पोलिटिकल साइंस, विद्यासागर यूनिवर्सिटी, वेस्ट बंगाल	फरवरी 26 - 27, 2018.
3.	कुंजप्पन, सोनी	ट्रांजेक्सन कॉस्ट एनालिसिस इन पोलिसींग	ला एंड इन्स्टीट्यूसन्स फॉर इकोनोमिक डेवलपमेंट; थियरी एंड प्रेक्टिस फ्राम इंडिया	यूनिवर्सिटी ऑफ केरला, त्रिवेन्द्रम	अगस्त 11, 2017.

राष्ट्रीय संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला इत्यादि में प्रस्तुत प्रपत्रः

क्रं. सं.	शीर्षक	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्य शाला का विषय	आयोजक संस्था एवं स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	बासू, सुदीप	मर्जीनैलिटि ऐज़ ऐन आइडिया एंड प्रेक्टिस इन इंडिया	नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन सोसल साइंसेज इन 21स्ट सेंचुरीः इंडियन इंटिलेक्चुयल ट्रेडिसन्स	जी बी पंत सोसल साइंसेज इंस्टीट्यूट, इलाहाबाद	मार्च 24 - 25, 2018.
2.	कुंजप्पन, सोनी	न्यू पब्लिक मैनेजमेंटः फॉर बेटर परफ़ोर्मेंसेज एंड अकाउंटेबिलिटी	40वाँ आल इंडिया क्रिमिनोलोजी कॉन्फ्रेंस	जीएनएलयू, गांधीनगर	जनवरी 19 - 21, 2018.

		प्रेक्टिसेज इन पॉलिसी			
3.	कुंजप्पन, सोनी	क्रिमिनल जस्टिस पॉलिसी	40वाँ आल इंडिया क्रिमिनोलोजी कॉन्फ्रेंस (चेयर्ड द सेसन ऑन क्रिमिनल जस्टिस पॉलिसी)	जीएनएलयू, गांधीनगर	जनवरी 20, 2018.
4.	डेनिस, लिट्टी	सस्टेनेबल टूरिज़म लाइवलिहुड इन महिसागर डेवलपिंग रेसिलिएन्स थ्रु ऐन एप्रोप्रिएट पॉलिसी फ्रेमवर्क	वर्कशाप ऑन क्लाइमेट चेंज एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट	स्कूल ऑफ इन्वारमेंट एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात	मार्च 6 - 7, 2018.
5.	लक्ष्मी, रोजा	लाइट ऑफ मैन्युअल स्केवेंजर्सः अ स्टडी फ्राम द डेवलपमेंट मॉडल स्टेट ऑफ गुजरात	नेशनल सेमिनार ऑन “सोसल एंड ओक्युपेशनल मोबिलिटी ऑफ मैन्युअल स्केवेंजर्स इन इंडियाः अ पॉलिसी एनालिसिस फ्रम सोसल एक्सक्लूजन पर्सपेक्टिव	सेंटर फॉर स्टडी ऑफ सोसल एक्सक्लूजन एंड इंक्लूसिव पॉलिसी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद	मार्च 27-29, 2018.
6.	लक्ष्मी, रोजा	वर्कशॉप ऑन स्ट्रेटजिज़ फॉर इम्प्रुविंग न्यूट्रीशन अमोंग वोमैन एंड चिल्ड्रेन इन इंडिया ऐट नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पँचायती राज	वर्कशॉप ऑन स्ट्रेटजिज़ फॉर इम्प्रुविंग न्यूट्रीसन एमोङ्ग वोमैन एंड चिल्ड्रेन इन इंडिया	नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रूरल डेलपमेंट एंड पँचायती राज (एनआईआरडी एंड पीआर), हैदराबाद	फरवरी 5 - 9, 2018.

प्रतिष्ठित संस्थानों अथवा अन्य रूपों में जैसे संगोष्ठी / सम्मेलन आदि में दिए गए अकादमिक स्तर के व्याख्यानः

क्रं.सं.	नाम	प्रस्तुत व्याख्यान का शीर्षक	तिथि अनुसार कार्यक्रम का नाम	प्रतिभागिता की प्रकृति
1.	कुंजप्पन सोनी	क्रिमिनल जस्टिस सोसल वर्क	रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी, जनवरी 23, 2018	प्रवक्ता

प्रशिक्षण/ उन्मुखीकरण/ पुनश्चर्या आदि कार्यक्रमों में प्रतिभागिताः

क्रं सं०	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधी	प्रतिभागिता की प्रकृति
1.	कुंजप्पन, सोनी	यूनिफ़ोर्म्ड वोमैन इन प्रिजन एडमिनिस्ट्रेसन	2 दिवसीय, सितंबर 14 - 15, 2017	ओफिसियली डेलीगेटेड फ्रम सीयूजी टू ब्यूरो ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड डेवलपमेंट, न्यू डेलही
2.	डेनिस, लिट्टी	ययूजीसी-एचआरडीसी रिफ्रेसर कोर्स ऐट गुजरात यूनिवर्सिटी	21 दिवसीय, दिसंबर, 2017 से 2018	प्रतिभागी
3.	बासू, सुदीप	यूजीसी-एचआरडीसी रिफ्रेसर कोर्स ऐट गुजरात यूनिवर्सिटी	21 दिवसीय, दिसंबर, 2017 से 2018	प्रतिभागी
4.	लक्ष्मी, रोजा	समर स्कूल ऑन मार्क्सिजम मॉड्यूल- II, साउथ एशियन	10 दिवसीय, जून 3 से 12, 2017	प्रतिभागी
5.	लक्ष्मी, रोजा	ट्रेनिंग कोर्स ऑन रिसर्च मेथडोलोजी इन सोसल साइंसेज, सेंटर फॉर सोसल डेवलपमेंट, न्यू डेलही	12 दिवसीय, दिसंबर 11-12 2017	प्रतिभागी

क्रियान्वित शोध परियोजनाएं:

क्रं सं	नाम	परियोजना का शीर्षक	वित्तपोषित संस्था	निर्गत राशि	परियोजना की स्थिति जारी है अथवा पूरी हो चुकी है
1.	लिट्टी डेनिस, प्रिंसिपल इंवेस्टिगेटर	डिस्ट्रीक्ट ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट, महिसागर	गवर्नमेंट ऑफ गुजरात	6 लाख रुपये	पूर्ण

शोध छात्र/निर्देशित

क्रं सं	नाम	कार्यक्रम की प्रकृति एम फिल अथवा पीएच डी	निर्देशित छात्रों की संख्या (केवल 2017-18 के दौरान नामांकित छात्र)
1.	बासू, सुदीप	पीएच० डी०	03
2.	डेनिस, लिट्टी	पीएच० डी०	03

केंद्र और इसके संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किए जाने वाले इक्स्टेंसन, आउटरिच एवं अन्य दूसरी गतिविधियाँ

डॉक्टर लिट्टी डेनिस

- विद्यालय अंगीकरण कार्यक्रम; ग्राम अंगीकरण कार्यक्रम, रक्त दान शिविर।
- को-ओपरेटिव मैनेजमेंट फॉर उदय भानसिंह जी क्षेत्रीय संस्थान, गांधीनगर में संचालित परियोजना के छात्रों के बाह्य पर्येक्षक

डॉक्टर सुदीप बासू

- सदस्य, महानिर्वाण कलकत्ता रिसर्च ग्रुप
- विधि संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय अहमदाबाद, के छात्रों के बाह्य पर्यवेक्षक

डॉक्टर सोनी कुंजप्पन

- सदस्य, अध्ययन परिषद, क्रिमिनोलोजी विभाग, रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय, क्रिमिनोलोजी विभाग के पीएच० डी०, एम० फिल० एवं एम० ए० के पाठ्यक्रम निर्माण संस्था के सदस्य
- विधि संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय अहमदाबाद, के छात्रों के बाह्य पर्यवेक्षक

विश्वविद्यालय संचालन में समिति सदस्य अथवा इसके समान पद पर कार्य करने हेतु संकाय सदस्यों की प्रतिभागिता

डॉक्टर सुदीप बासू

- सदस्य, ज़ीरो सेमेस्टर समिति
- सदस्यम, अध्ययन परिषद, सामाजिक प्रबंधन केंद्र

डॉक्टर सोनी कुंजप्पन

- अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के सलाहकार, सीयूजी
- संचालक, केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, भूतपूर्व छात्र संघ
- सदस्य, आंतरिक शिकायत समिति, सीयूजी
- सदस्य,खेल परामर्श समिति, सीयूजी

डॉक्टर लिट्टी डेनिस

- सह-संचालक, सामाजिक प्रबंधन अध्ययन केंद्र, (दिसंबर 2015 से मार्च 2018 तक)
- सदस्य, उन्नत अध्ययन और शोध हेतु समिति
- सदस्य, प्रवेश समिति- 2017, सीयूजी
- सह-संचालक, प्रसारी, बाह्य उपलब्धियों से संबंधित कार्यक्रम और ग्राम अंगीकरण कार्यक्रम, सीयूजी
- नोडल अधिकारी, उन्नत भारत अभियान
- सदस्य, विद्यालय अंगीकरण कार्यक्रम
- सदस्यम सीयूजी में स्वच्छता पखवाड़ा आयोजन हेतु समिति
- सदस्य, वार्षिक सांस्कृतिक सम्मेलन के आयोजन हेतु सांस्कृतिक समिति
- सदस्य, एंटी-रेगिंग समिति, सीयूजी (मार्च 2018 तक)

समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र (सीएसएसडी)

केंद्र का परिचय:

समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र की स्थापना सन्न 2009 में हुई थी। यह केंद्र सामाजिक विज्ञान संस्थान, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के शैक्षिक केंद्रों में से एक है। यह केंद्र समाजशास्त्र और मानव विज्ञान के विषयों के अध्ययन से संबन्धित है। इस केंद्र में पढ़ाएँ जाने वाले कार्यक्रम विभिन्न सैद्धांतिक फॉर्मूलेशन और बहस के साथ स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों और विषयों से संबंधित ऐतिहासिक और समकालीन संदर्भों को शामिल करते हुए अध्यापन की शुरुआत करते हैं। इसका क्षेत्र कार्य (फील्डवर्क) सामाजिक वास्तविकता की जटिलता को समझने के लिए पाठ्यक्रमों का एक अभिन्न अंग है। छात्रों को उनके अकादमिक क्षितिज को गहरा बनाने के लिए चर्चा और संवाद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

यह केंद्र समाजशास्त्र और मानव विज्ञान के क्षेत्र में अंतःअनुशासनात्मक अंतर्दृष्टि पर आधारित समाज और विकास के अध्ययन पर एक उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में खुद को स्थापित करना चाहता है। यह केंद्र समाज और विकास को समझने के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान का उत्पादन और प्रसार करना चाहता है।

यह केंद्र एमए और एम फिल कार्यक्रमों में शिक्षण पाठ्यक्रमों.को संचालित करता है। इन पाठ्यक्रमों में समाज के सिद्धांत, सामाजिक विकास पर दृष्टिकोण, अनुसंधान पद्धति, भारतीय समाज को समझनाग्रामीण और शहरी , सामाजिक वर्गीकरण, जेंडर और सेक्सुऐलिटी, मानवाधिकार, हाशियाकरण और सामाजिक बहिष्कार, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, जनजातीय अध्ययन, वैश्वीकरण, राज्य और सामाजिक न्याय, स्वास्थ्य और विकास, प्रवासन और डायस्पोरा, पर्यावरण और सामाजिक उद्यमिता का समाजशास्त्र आदि विषय शामिल हैं। इस केंद्र की अध्यापन प्रक्रिया इंटरैक्टिव शिक्षण और रिफ्लेक्सिव पाठ्यक्रम पर आधारित है। क्षेत्रीय कार्य को सामाजिक वास्तविकता की जटिलताओं को समझने के लिए पाठ्यक्रमों का एक अभिन्न अंग बनाया गया है। छात्रों को उनके अकादमिक क्षितिज को बनाने बनाने हेतु चर्चा और संवाद में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

केंद्र द्वारा पढ़ाए जाने वाले पाठ्यक्रम:

- **समाजशास्त्र में एम.ए.**

  समाजशास्त्र में एमए एक दो साल का पूर्णकालिक कार्यक्रम है, जिसमें चार सेमेस्टर शामिल हैं। छात्रों के कुल 16 पाठ्यक्रम होते हैं, जिनमें से चार क्रेडिट प्रत्येक छात्र को लेने के लिए अनिवार्य होते है, इसमें कोर पेपर और वैकल्पिक पेपर दोनों ही शामिल होते हैं। इसके अतिरिक्त, छात्रों के कोर्स के एक हिस्से के रूप में एक स्व-अध्ययन परियोजना होती है जिसमें दो क्रेडिट शामिल करने की आवश्यकता होती है। छुट्टी के दौरान, छात्रों को सामाजिक विकास के क्षेत्र में काम कर रहे गैर सरकारी संगठनों, अनुसंधान संस्थानों और अन्य संस्थानों के साथ इंटर्नशिप कार्यक्रम शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

समाज विकास अध्ययन में एम. फिल.-पीएच. डी.

समाज और विकास अध्ययन में एक पूर्णकालिक एकीकृत कार्यक्रम के रूप में एम. फिल. और पीएच. डी. की पढ़ाई कराई जाती है। हालांकि, पीएच. डी. की तरफ आगे जाने हेतु छात्रों को एम. फिल. का न्यूनतम ग्रेड अंक पूरा करना अनिवार्य होता है। इस कार्यक्रम में प्रवेश लिए हुए छात्रों को दो सेमेस्टर का कोर्स वर्क करने की आवश्यकता होती है। इसके बाद इन्हें एक सेमेस्टर का शोध प्रबंध कार्य पूरा करना होता है, इसके बाद का एक सेमेस्टर द्वारा (फैलोशिप के बिना)पूरा किया जाता है। छात्रों को शोध प्रबंध तक पहुँचने हेतु यह अनिवार्य होता है कि वे एक सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के दौरान कम से कम न्यूनतम ग्रेड अंक को सुरक्षित करने में सफल हो सकें। इसके बाद आगे पीएच. डी. का शोध कार्य जारी रखने हेतु छात्रों को अपने एम फिल कार्यक्रम में.कम से कम न्यूनतम सीजीपीए मार्क को सुरक्षित बनाए रखने की अनिवार्य आवश्यकता होती है।

केंद्र/संस्थान में आयोजित हुए अतिथि व्याख्यान:

क्रम संख्या	व्याख्यान का नाम	प्रवक्ता का नाम	दिनांक
1	समाज और समुदाय	प्रोफेसर मार्क लिंडे	सितंबर 11, 2017
2.	ग्लोबलाइज़ेशन एंड वायलेन्स	प्रोफेसर मार्क लिंडे	सितंबर 12, 2017
3.	ड्रोट इन महाराष्ट्रा	प्रोफेसर मार्क लिंडे	सितंबर 13 2017
4.	हिस्ट्री ऑफ बेसिक पोलिटिकल एंड डेवलपमेंट	प्रोफेसर मार्क लिंडे	सितंबर 14, 2017
5	ओपेन डिस्कसन	प्रोफेसर मार्क लिंडे	सितंबर 15, 2017
6	फ्रम पॉलिटिक्स ऑफ रिकागनिशन टू रीडिस्ट्रिबुशनः मुस्लिम्स इन द डेवलपमेंट डिसकोर्स	डॉक्टर तनवीर फज़ल	मार्च 05, 2018

केंद्र/संस्थान स्तर पर आयोजित हुए संगोष्ठी/सम्मेलन :

डॉक्टर असीमा जेना और डॉक्टर मधुमिता बिसवाल ने 30 से 31 अक्टूबर 2017 को “रिथिंकिंग जेंडर एंड बॉडी इन टाइम्स ऑफ हेल्थ सेक्टर रीफ़ोर्म्स इन इंडिया” विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। यह आईसीएसएसआर, दिल्ली और केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात द्वारा वित्तपोषित था।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

डॉक्टर सुदर्शन पपन्ना, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: विकास की राजनीतिक अर्थव्यवस्था; वैश्वीकरण, सामाजिक परिवर्तन और सामाजिक परिवर्तन; समाज और विकास के सिद्धांत और दृष्टिकोण; शहरी समाजशास्त्र; सामाजिक सिद्धांत और पद्धति; इंडियन सोसाइटी

डॉक्टर असीमा जेना, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: स्वास्थ्य और विकास; लिंग और लैंगिकता; राजनीतिक समाजशास्त्र; वैश्वीकरण; राज्य और सामाजिक न्याय; सामाजिक स्तरीकरण और सामाजिक गतिशीलता; समाज एवं शोध प्रविधि के सिद्धांत।

डॉक्टर खाइखोलेन होकिप, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: विकास की सिद्धांत; सामाजिक सिद्धांत; शोध प्रविधि और मानवाधिकार।

डॉक्टर जयश्री अंबेवादीकार, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: शोध प्रविधि, सामाजिक सिद्धांत; सामाजिक स्ट्रैटिफिकेशन और गतिशीलता; ग्रामीण समाज; सामाजिक बहिष्करण: संरचना, प्रक्रियाएं और हाशियाकरण: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य।

डॉक्टर मधुमिता बिसवाल, सहायक व्याख्याता (अस्थाई रूप में)
अनुसंधान रुचियाँ: लिंग और स्वास्थ्य का समाजशास्त्र; लिंग का समाजशास्त्र; लिंग और लैंगिकता: मुद्दे और परिप्रेक्ष्य, शोध प्रविधि, सामाजिक सिद्धांत, सामाजिक विकास: सिद्धांत और व्यवहार, भारतीय समाज की समझ।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और प्रपत्र:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ
1	अंबेवादिकर, जयश्री	रिमेंबरिंग लाइफ एंड वर्क ऑफ प्रोफेसर येलीनॉर जेलीयट राइटिंग ऑन बाबासाहेब आंबेडकर एंड दलित मूवमेंट	इकोनामिक एंड पॉलीटिकल वीकली	जून, 2017, अंक-एलआईआई, संख्या 23.
2	अंबेवादिकर, जयश्री	कांसेप्चुअल फ्रेमवर्क ऑफ डिस्क्रिमिनेशन, पॉवर्टी एंड	एक्सप्लोरेशंस ई-आईएसएस	अक्टूबर, 2017. अंक-1 (2).

		सोशल एक्सक्लूजन ऑफ़ शेड्यूल्ड कास्ट्स इन रूरल इंडियाः ए लिटरेचर रिव्यू	जर्नल, इंडियन सोशियोलॉजिकल सोसायटी	
3	अंबेवादिकर, जयश्री	मार्जिन आफ विलेज : अम्बेडकर ऑन रिकंस्ट्रकशन ऑफ़ सोसायटी रुल	सोशल एक्शन	अक्टूबर-दिसंबर, 2017. अंक-67, क्रमांक.4.
4	अंबेवादिकर, जयश्री	बियोंड मार्जिनः सोशल एक्सक्लूजन ऑफ दलित्स इन इंडिया	जर्नल ऑफ़ एक्सक्लूजन स्टडीज	अक्टूबर, 2017. अंक- 7, 2.
5	अंबेवादिकर, जयश्री	इंक्लूजन ऑफ ओल्ड एज पर्सन एंड सोशल सिक्योरिटी इन इकोनामिक रिफॉर्म	जर्नल ऑफ सोशल डिफेंस, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल डिफेंस एंड एंपावरमेंट, गवर्नमेंट ऑफ इंडिया	अक्टूबर, 2017. अंक-01.
6	अंबेवादिकर, जयश्री	रिविजिटिंग समवन कैरेक्टर ऑफ द महाभारतः इश्यूज एंड प्रोस्पेक्टिव्स	मैन इन इंडिया	जनवरी, 2018. 97(26). पृ.सं.495-506,
7	बिसवाल, मधुमिता	पुस्तक समीक्षाः टू बी केयर फॉर द पावर ऑफ कन्वर्जन एंड फॉरेनर्स ऑफ बिलॉन्गिंग इन एन इंडियन स्लम बाय नाथेनियल रॉबर्ट्स	इंटरनेशनल सोशल साइंस रिव्यू	2018. अंक- 94, 1.
8	बिसवाल, मधुमिता	पुस्तक समीक्षाः कंटेस्टेड नॉलेजः साइंस, मीडिया एंड डेमोक्रेसी इन केरला बाय सिंजू सैम वारुघेसे	सोसायटी एंड कल्चर इन साउथ एशिया	2018. अंक- 4, 1.

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला में प्रपत्र वाचन:

क्र.सं.	लेखको / लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	अंबेवादिकर, जयश्री	अप्रेजिंग द पर्सनल एंड सोशल ट्रबल्स ऑफ द दलित्स इन इंडिया	एनुअल कॉन्फ्रेंस ऑन "रिकवरिंग द सोशल पर्सनल ट्रैवल्स एंड पब्लिक इश्यूज"	राउंड टेबल 12 इन यूनिवर्सिटी प्रेस, ब्रिटिश सोशियोलॉजिकल एसोसिएशन, यूनिवर्सिटी ऑफ मैनचेस्टर, मैनचेस्टर, यूनाइटेड किंगडम.	अप्रैल 4 - 6, 2017
2.	अंबेवादिकर, जयश्री	4th लर्निंग एंड टीचिंग डेवलपमेंट कॉन्फ्रेंस	स्टूडेंट एस पैरंटर्स: वर्किंग टुगेदर टो नेविगेट द लर्निंग जर्नी	सोसाइटी ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, लंदन	जून 9, 2017.
3,	हाओकिप, खाईखोलेन	माइग्रेशन, इंडीजीनस पॉलिटिक्स एंड ह्यूमन राइट्स: एक्सप्लोरेशन फ्रॉम इंडियाज़ नॉर्थ ईस्ट फ्रंटियर	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन "ट्रांसनेशनलिज़्म कल्चरल डायस्पोरा इन द एरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन"	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर	21-23फरवरी, 2018.

राष्ट्रीय/क्षेत्रीय स्तर पर संगोष्ठी/सम्मेलन कार्यशाला इत्यादि में प्रपत्र वाचन:

क्र.सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	अंबेवादिकर, जयश्री	पिलग्राइमेज टू बुद्धिज्मः थ्रो डिवोशन टू पैरामाइट्स	इंटरनेशनल बुद्धिस्ट कॉन्फ्रेंस/ फेस्टिवल	स्पॉन्सर्ड बाय गवर्नमेंट ऑफ गुजरात, गांधीनगर	सितंबर 17 - 23, 2017.
2.	अंबेवादिकर, जयश्री	डिसेबिलिटी एंड मेंटल इलनेस	चेयर्ड ए सेशन एट टू-डे नेशनल सेमिनार ऑन “री थिंकिंग जेंडर एंड बॉडी इन टाइम्स आफ हेल्थ सेक्टर रिफॉर्म्स इन इंडिया”	सेंटर फॉर स्टडीज इन सोसाइटी एंड डेवलपमेंट, सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ गुजरात	अक्टूबर 30 - 31, 2017
3.	हाओकिप, खाईखोलेन	माइक्रो प्लैनिंग फॉर कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी	टू-डे वर्कशॉपः “माइक्रो-प्लैनिंग फॉर कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी"	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात एंड नेशनल काउंसिल ऑफ़ रूरल इंस्टीट्यूटस, मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट गांधीनगर	अप्रैल 4-5, 2017.
4.	पापन्ना, सुदर्शन	माइक्रो प्लैनिंग फॉर कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी	टू-डे वर्कशॉपः “माइक्रो-प्लैनिंग फॉर कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी"	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात एंड नेशनल काउंसिल आफ रूरल इंस्टीट्यूटस,	अप्रैल 4-5, 2017

				मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट गांधीनगर	
5.	जेना, आसीमा	माइक्रो प्लैनिंग फॉर कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी	टू-डे वर्कशॉपः "माइक्रो-प्लैनिंग फॉर कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी"	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात एंड नेशनल काउंसिल आफ रूरल इंस्टीट्यूटस, मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट गांधीनगर	अप्रैल 4-5, 2017.
6.	बिसवाल, मधुमिता	माइक्रो प्लैनिंग फॉर कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी	टू-डे वर्कशॉपः "माइक्रो-प्लैनिंग फॉर कम्युनिटी इंगेजमेंट एंड सोशल रिस्पांसिबिलिटी"	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात एंड नेशनल काउंसिल आफ रूरल इंस्टीट्यूटस, मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट गांधीनगर	अप्रैल 4-5, 2017.

संगोष्ठी/सम्मेलन के अतिरिक्त अकादमिक स्तरीय प्रतिष्ठित संस्थानों में बातचीत:

क्र.सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की तिथि	भागीदारी की प्रकृति
1.	जेना, आसीमा	क्वियर एंड इंटरसेक्शनैलिटी	फिल्म फेस्टिवल ऑन "जेंडर मैस्क्युलिनिटी एंड रिलेशनशिप" ऑर्गेनाइज्ड बाई एमएवीए (मेन अगेंस्ट वायलेंस एंड एब्यूज), मुंबई डिपार्टमेंट ऑफ लैंग्वेज लिटरेचर एंड एसथेटिक्स, पीडीपीयू, गांधीनगर	जनवरी , 10 - 11, 2018.	इनॉग्रल एड्रेस एंड की डिस्कशन

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/रिफ्रेशर कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	डॉ. खाईखोलेन हाओकिप	38वां रिफ्रेशर कोर्स इन सोशियोलॉजीयूजीसी-एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली	जुलाई 31, 2017 to अगस्त 25, 2017	भागीदारी
2.	डॉ. सुदर्शन पापन्ना	रिफ्रेशर कोर्स इन ह्यूमन राइट्स, यूजीसी-एचआरडीसी, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद, हैदराबाद.	सितंबर 8 - 28, 2017	भागीदारी

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं :

क्र.सं.	नाम	परियोजना का नाम	वित्तपोषित संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति चाहे परियोजना की अवधि के साथ चल रहा/पूर्ण हो
1.	नायर, तारा (प्रोजेक्ट डायरेक्टर); गुएरिन इसाबेल (प्रधान को-डायरेक्टर); अंबेवादिकर, जयश्री(को-डायरेक्टर); मिश्रा रूद्र प्रसाद(को-डायरेक्टर)	फाइनेंशलाइजेशन एंड इट्स इंपैक्ट ऑन डोमेस्टिक इकोनॉमिक्स: इंटर डिसीप्लिनरी इंक्वायरी इन द कांटेक्ट ऑफ सिलेक्ट इंडियन स्टेट्स	इंडियन काउंसिल फॉर सोशल साइंस रिसर्च, न्यू डेल्ही	25 लाख	परियोजना जारी
2.	डेनिस, लिट्टी; राजाराम, एन.; दत्ता, इन्दिरा; अंबेवादिकर, जयश्री; शर्मा, सौरभ.	डिस्ट्रिक्ट ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट महिसागर डिस्ट्रिक्ट गुजरात	डिस्ट्रिक्ट ह्यूमन डेवलपमेंट रिपोर्ट महिसागर डिस्ट्रिक्ट गुजरात	6 लाख	पूर्ण
3	अंबेवादिकर, जयश्री;अतिथि विद्वान	"अंडरस्टैंडिंग कांसेप्चुअल एंड एनालिटिकल फ्रेमवर्क आफ कार्स इन ब्रिटेन"	डिपार्टमेंट ऑफ एंथ्रोपोलॉजी एंड सोशियोलॉजी, स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज, यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन, यूनाइटेड किंगडम	1 लाख	पूर्ण

शोध छात्र/निर्देशन

क्रम संख्या	नाम	पाठ्यक्रम की प्रकृति एम. फिल. अथवा पीएच. डी..	निर्देशित छात्रों की संख्या (केवल 2017-18 के दौरान नामांकित छात्र)
1.	जेना, आसीमा	पीएच. डी..	एक
2.	जेना, आसीमा	एम. फिल.	एक
3.	अंबेवादीकार, जयश्री	एम. फिल.	दो
4.	पपन्ना, सुदर्शन	एम. फिल.	दो
5.	हाओकीप, खाइखोलेन	एम. फिल.	दो

केंद्र एवं इसके संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले एक्टेंसन, आउटरिच और अन्य दूसरी समान गतिविधियां:

पेठापुर और गांधीनगर में 10 से 12 अक्टूबर 2017 के बीच एक क्षेत्रीय कार्य आयोजित किया गया था। यह मुख्य रूप से साबरमती सेवा संघ नामक गैर सरकारी संगठन के साथ केस स्टडी के रूप में आयोजित किया गया था। एम. ए. के छात्रों (अकादमिक वर्ष 2016-17 और 2017-2018) इसके अध्ययन का हिस्सा थे। डॉक्टर खाईखोलन हाकीप और डॉक्टर मधुमिता बिस्वाल ने इस बाह्य-पहुँच की गतिविधि का समन्वय किया।

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की प्रभागिता अथवा संचालित की जाने वाले अन्य दूसरी जिम्मेदारियाँ:

डॉक्टर आसीमा जेना

- संयोजक, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र
- सदस्य, उन्नत अध्ययन एवं अनुसंधान समिति, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, संस्थान परिषद, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, दिव्यांग व्यक्तियों हेतु सेल
- सदस्य, अध्ययन परिषद, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र

डॉक्टर सुदर्शना पपन्ना

- सदस्य, संस्थान परिषद, सामाजिक विज्ञान संस्थान
- सदस्य, अध्ययन परिषद, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र
- सदस्य,सीएएसआर, सामाजिक विज्ञान संस्थान

डॉक्टर जयश्री अंबेवादीकार

- सदस्य, अध्ययन परिषद, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र

डॉक्टर खाइखोलेन हाओकीप

- सदस्य, अध्ययन परिषद, समाज एवं विकास अध्ययन केंद्र

विज्ञान, तकनीकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र (सीएसएसटीआईपी)

केंद्र का परिचयः

विज्ञान, तकनीकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र की स्थापन सामाजिक, सांस्कृतिक गतिशीलता एवं अन्तः विषयक तुलनात्मक ढांचे को ध्यान में रखकर किया गया था। यह केंद्र विज्ञान और समाज के इंटरफेस पर आधारित विषयों और मुद्दों पर केन्द्रित है। विज्ञान, प्रद्यौगिकी और समाज के अध्ययन के उभरते शैक्षणिक क्षेत्र द्वारा सैद्धांतिक अंतर्दृष्टि पर आधारित है। भारत में इस केंद्र की स्थापना विज्ञान और प्रद्योगिकी के क्षेत्र में दार्शनिक, ऐतिहासिक, सामाजिक, विकास और सांस्कृतिक आयामों का अध्ययन करने का प्रयास करता है और अपने छात्रों को विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीतियों का गंभीर विश्लेषण करने के लिए तैयार करता है।

यह केंद्र अपने यहाँ के एम. फिल. एवं पीडीएच की पढ़ाई कर रहे शोध छात्रों को एक उत्कृष्ट अकादमिक वातावरण प्रदान करता है जो छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी और अकादमियों, नीति निर्माताओं, एसएंडटी विभागों और एजेंसियों, नागरिक समाज संगठनों और आंदोलनों, उद्यमियों, नवप्रवर्तनकों और टेक्नोक्रेट्स के साथ बातचीत करने की संभावनाएं प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त जो शोधार्थी या एम. फिल. के छात्र यहाँ अध्ययनरत हैं उन्हें सरकारी विभागों एजेंसियों और नागरिक समाज संगठनों में रोजगार के /व्यापक अवसरों का लाभ उठाने हेतु प्रेरित करता है।

विज्ञान, तकनीकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र सीएसएसटीआईपी) में)पढ़ाएँ जाने वाले कार्यक्रमः

- विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनव नीति में एम. फिल., पीएच. डी. अध्ययन पर एकीकृत कार्यक्रम
  यह केंद्र अपने यहाँ एक एकीकृत कार्यक्रम के रूप में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और अभिनव नीति अध्ययन में एम. फिल. -पीएच. डी. की डिग्री प्रदान करता है। इस कार्यक्रम का एक उद्देश्य छात्रों को ज्ञान, प्रथाओं और समावेशी नीतियों के बारे में सामाजिक रूप से मजबूत करना और नैतिक रूप से प्रतिबद्ध उत्पादन को आकार देने में सक्षम बनाना है। इसके लिए छात्रों को दक्षिण एशिया के विशिष्ट अनुशासनात्मक, क्षेत्रीय और संस्थागत संदर्भों में सौन्दर्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार का विश्लेषण करने के लिए तैयार करना है। छात्रों को इन क्षेत्रों के माध्यम से अकादमिक बहस के संपर्क में लाया जाएगा और अनुसंधान के मात्रात्मक और गुणात्मक आयामों में उन्हें कठोर प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- सेंटर / स्कूल स्तर पर संगोष्ठी / सम्मेलन आयोजितः
- सिंटोमेट्रिक्स विश्लेषण विषय पर 27 से 28 मार्च 2018 के बीच एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। यह कार्यशाला केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर द्वारा वित्तपोषित था।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

डॉक्टर शिजू शाम वर्गिज

अनुसंधान रुचियाँ: विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ सार्वजनिक जुड़ाव; मीडिया और विज्ञान संचार; लोकप्रिय संस्कृति में विज्ञान; ज्ञान का सामाजिक इतिहास; विज्ञान शिक्षा।

डॉक्टर कुणाल सिन्हा

अनुसंधान रुचियाँ: विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार नीति के विविध विषयगत क्षेत्रों; अभिनव और सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन; अनुसंधान प्रविधि, प्रौद्योगिकी भविष्य विश्लेषण और बौद्धिक संपदा अधिकार और विकास, नृवंशविज्ञान, वैश्वीकरण, राज्य और सामाजिक न्याय।

डॉक्टर पार्वती के अय्यर

अनुसंधान रुचियाँ: एस एंड टी के साथ सार्वजनिक जुड़ाव; भारत में लिंग और विज्ञान; एस एंड टी और शासन में अकादमिक उद्योग सहयोग; एस एंड टी में जोखिम और नियामक मुद्दे; विज्ञान, प्रौद्योगिकी और विकास; भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इतिहास; अनुसंधान प्रविधि, क्षेत्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी नीति।

डॉक्टर हेमंत कुमार

अनुसंधान रुचियाँ: अनौपचारिक क्षेत्र नवाचार; नवाचार की प्रणाली; सामाजिक-तकनीकी संक्रमण; अभिनव और आर्थिक परिवर्तन; भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का इतिहास; विज्ञान और प्रौद्योगिकी के दर्शन; अनुसंधान प्रविधि।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और प्रपत्र:

क्र. सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ
1	अय्यर, पर्वती के.	“पॉलिटिकल इकॉनमी ऑफ़ डेवलपमेंट एंड डिसप्लेसमेंट इन इंडिया: इमप्लीकेशन्स फॉर मार्जिनालाज्ड ग्रुप्स	एशिया पसिफ़िक जर्नल ऑफ़ रिसर्च	जनवरी 2018. खंडा, अंक LVIV.
2	शर्मा, गौतम ; कुमार हेमंत	इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड इनफॉर्मल सेक्टर इनोवेंशन: एक्सप्लोरिंग	द जर्नल ऑफ़ वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी	जनवरी 2018; 1- 17 दिनांक: 10. 1111 /jwip.12097.

		ग्रासरूट्स इनोवेंशन्स इन इंडिया		
3	देवी, वैरोक्पम प्रेमी; कुमार, हेमंत	फ्रूगल इनोवेंशन्स एंड एक्टर ' नेटवर्क थ्योरी : अ केस ऑफ़ बम्बू शूट्स प्रोसेसिंग इन मणिपुर, इंडिया	यूरोपियन जर्नल ऑफ़ डेवलपमेंट रिसर्च	जनवरी 2018. 30 (1). 66-83. DOI: 10. 1057/s 41287-017-0116-1.
4	कुमार, हेमंत	रिव्यु ऑफ़ द बुक ग्रासरूट्स इनोवेंशन: माइंडस ऑन द मार्जिन आर नाट मार्जिनल माइंडस बाई अनिल के गुप्ता	करंट साइंस	अप्रैल 2017. 112 (9). 1957-58.
5	वाघमारे, विकास; सिन्हा कुणाल .	करंट स्टेट्स ऑफ़ वाइन प्रोडक्शन एंड कंसम्पशन इन नाशिक डिस्ट्रिक ऑफ़ महाराष्ट्र	यूनीरिसर्च ' इंटरनेशनल मुल्टीडिसीप्लनरी ई- रिसर्च जर्नल	जून 2017. खंड8 अंक . 6. पृ.सं.20-26.
6	सोलंकी, कुमार; दीपक सिन्हा, कुनाल	इनोवेंशन एंड डेवलपमेंट इन इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी इन इंडिया: स्पेसिफिक टू सॉफ्टवेयर इंडस्ट्री	जर्नल ऑफ़ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट फॉर ग्रोविंग इकोनॉमिक्स	अक्टूबर 2017. खंड 8, सं 2. पृ.सं.129-144

संपादित खंड में प्रकाशित प्रपत्र:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	लाला, कंचन; सिन्हा, कुणाल	चैलेंजेस एंड प्रॉस्पेक्ट्स ऑफ़ टेक्नोलॉजी इनकुबटेशन इन इंडिया	पॉलिसी पर्सपेक्टिव ऑन इनोवेंशन एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट	दिसंबर , 2017. न्यू दिल्ली: स्याही पब्लिकेशन हाउस
2.	सिन्हा, कुणाल	पर्लिमेंटरी डेमोक्रेसी	स्टेट, डेमोक्रेसी एंड नेशन बिल्डिंग	दिसंबर 2017 न्यू दिल्ली: आईजीएनओयू

लेखक के रूप में प्रकाशित किताबें:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	वर्गिज , शिजू सम (को-एडिटर)	केरला मॉडर्निटीः आइडियाज, स्पेसेस एंड प्रैक्टिसेस इन ट्रांजीशन (पेपरबैक एडिशन)	अप्रैल, 2017 हैदराबादः ओरिएंट ब्लैकस्वान
2.	सिन्हा, कुनाल	चेंजिंग प्रोफाइल ऑफ़ द इंडियन वैक्सीन इनोवेंशन सिस्टम	अगस्त 2017 न्यू दिल्लीः सेगमेंट ,

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल्स):

क्र.सं	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	नाम	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1.	वर्गिज , शिजू सम	"पोर्ट्रेट ऑफ़ एन इनस्ट्युशन बिल्डर", अ बुक रिव्यु ऑफ़ इंदिरा चौध्युरी, ग्रोविंग द ट्री ऑफ़ साइंसः होमी भाभा एंड द टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ फंडामेंटल रिसर्च (2016),	द बुक रिव्यु	मई 2017. खंड XLI, सं. 5. न्यू दिल्ली : ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस. पृ.सं.23'24,

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत प्रपत्र:

क्र. सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/ कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	देवी, वैरोक्पा एम प्रेमी; कुमार, हेमंत	फ्रूगल इनोवेंशन्स एंड एक्टर ' नेटवर्क थ्योरी अ केस ऑफ़ बम्बू शूट्स प्रोसेसिंग इन मणिपुर	साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेंशन (एसटीआई) पॉलिसी रिसर्च	सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंडिया इन कोलैबरेशन विथ नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज (एनआईएएस), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़	दिसंबर 11-13, 2017.

				साइंसेज, बेंगलुरु, कर्नाटक, इंडिया	
2.	कुमार, हेमंत	ट्रेंड्स इन इनफॉर्मल सेक्टर इनोवेंशन्स रिसर्चः अ स्कीएंटोमीट्रिक एनालिसिस ऑफ़ पब्लिकेशन्स एक्रोस द ग्लोबल	द फोर्थ इंडिया एलआईसीएस इंटरनेशनल कांफ्रेंस 2017 ऑन इनोवेंशन फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंटः पर्सपेक्टिव, पॉलिटिक्स एंड प्रक्टिसस इन साउथ एशिया	सीएसएसपी, जेएनयू, आरआईएस एंड सीएसआईआरनीआईएसटीए डीएस, न्यू दिल्ली	नवंबर 2-4, 2017.
3.	सिन्हा, कुणाल	इशूज ऑफ़ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स एंड एक्सेस टू वैक्सीन इन इंडिया	VII एनुअल इंटेलेक्चुअल प्रोपर्टी टीचिंग वर्कशॉप	सेंटर फॉर इनोवेंशन, इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी एंड कॉमपटीशन (सीआईआईपीसी) इन एसोसिएशन विथ नेशनल अकादमी ऑफ़ लॉ टीचिंग एट लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली (एनएलयूडी)	मार्च 23 - 24, 2018
4.	सिन्हा, कुणाल	स्टेटस ऑफ़ बायोएनर्जी इनोवेंशन सिस्टम इन इंडिया	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन "एनर्जी फ्यूचर एंड सोसाइटल पर्सपेक्टिवस"	पीडीपीयू, गांधीनगर	मार्च 22, 2018.

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलनों / कार्यशालाओं, आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाल ा का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	वर्गिज , शिजू सम	¤एनवायर्नमेंटल इमेजिनेशन इन साइंस एंड मीडिया·	सिम्पोजियम ऑन सस्टनेबल डेवलपमेंट प्रोसेसः एनगेजमेंट्स इन नॉलेज एंड डेमोक्रेसी, सेकंड इंटर-डिससिप्लिनारी सिम्पोजियम ऑन द एसडीजीएस	शिव नदर यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश	जनवरी 16 -17, 2018.

संगोष्ठी / सम्मेलन आदि के अलावा प्रतिष्ठित संस्थानों में शैक्षिक वार्ता:

क्र.सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1.	वर्गिज , शिजू साम	'बायोपॉलिटिकल ट्रांसफॉरमेशन ऑफ़ द सोशल कंट्रैकत ऑफ़ साइंसः इंडोसल्फान सुर्विवोर्स ऐज ¤नॉन-पब्लिक· इन केरल·	डिपार्टमेंट ऑफ़ ह्यूमनीटीज एंड सोशल साइंसेज, आईआईटी बॉमबे, अप्रैल 10, 2017.	सार्वजानिक व्याख्यान
2.	वर्गिज , शिजू साम	¤नेगोसीएटिंग बाउंड्रिज ऑफ़ साइंसः द "कोलौरेड रेन" कंट्रोवरसि इन द रीजनल मीडिया इन केरल·	धीरुभाई अंबानी इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनफार्मेशन एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (डीए-आईआईसीटी), गांधीनगर, गुजरात सितंबर 21, 2017.	सार्वजानिक व्याख्यान

3.	अय्यर, पार्वती के.	प्रसोशल इंस्टिट्यूशन एंड कल्चरः कॉन्सेप्ट्स रेलेवेंस टू पब्लिक हेल्थ·	आमंत्रित व्याख्यान एट इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ पब्लिक हेल्थ, गांधीनगर जनवरी 4, 2018.	आमंत्रित व्याख्यान
4.	अय्यर, पार्वती के.	प्रकंटेंट एनालिसिस·	टेन-डे आईसीएसएसआर स्पान्सर्ड प्रोग्राम ऑफ़ कैपेसिटी बुल्डिंग इन रिसर्च मेथडालजी, गुजरात इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेवलपमेंट रिसर्च अहमदाबाद, मार्च 10, 2018.	आमंत्रित व्याख्यान
5.	अय्यर, पार्वती के.	प्रफेनोमेनॉलोजिकल मेथडालजी·	टेन-डे आईसीएसएसआर स्पान्सर्ड प्रोग्राम ऑफ़ कैपेसिटी बुल्डिंग इन रिसर्च मेथडालजी, गुजरात इंस्टिट्यूट ऑफ़ डेवलपमेंट रिसर्च अहमदाबाद, मार्च 10, 2018.	आमंत्रित व्याख्यान
6.	कुमार, हेमंत	इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्सः सिचूएटिंग द कांटेक्स्ट ऑफ़ इनोवेशन, सस्टेनबिलिटी एंड डेवलपमेंट	द इंडियाएलआईसीएसइंटरनेशनल ट्रेनिंग प्रोग्राम 2017, इनोवेशन फॉर सस्टेनबल डेवलपमेंटः पर्सपेक्टिव पॉलिटिक्स एंड प्रैक्टिसेस इन साउथ एशिया सेंटर फॉर स्टडीज इन साइंस पॉलिसी, जेएनयू, एंड सीएसआईआर एनआईएसटीएडीएस, न्यू दिल्ली, नवंबर 1- 5, 2017.	आमंत्रित व्याख्यान
7.	कुमार, हेमंत	क्वालिटेटिव डाटा एनालिसिस	आईसीएसएसआर फंडेड कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप फॉर यंग फैकल्टी इन सोशल साइंसेज 2018 आर्गनाइज्ड बाई इंडियन	आमंत्रित व्याख्यान

			इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी गुवाहाटी, गुवाहाटी, असम मार्च 11, 2018	
8.	कुमार, हेमंत	हिस्टोरियोग्राफी ऑफ़ साइंस	आईसीएसएसआर फंडेड कैपेसिटी बिल्डिंग वर्कशॉप फॉर यंग फैकल्टी इन सोशल साइंसेज 2018 आर्गनाइज्ड बाई इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी गुवाहाटी, गुवाहाटी, असम. मार्च 11, 2018.	आमंत्रित व्याख्यान
9.	कुमार, हेमंत	टॉट अ कोर्स ऑन "इनफार्मेशन गवर्नेंस एंड एथिक्स"	इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी वडोदरा (आईआईआईटी-वी), गांधीनगर, गुजरात ऑटम सेमेस्टर, 2017	अतिथि संकाय
10.	कुमार, हेमंत	टॉट अ कोर्स मॉड्यूल ऑन "इनोवेंशन एंड डिज़ाइन"	नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ डिज़ाइन (एनआईडी) पीजी कैंपस गांधीनगर सितंबर 4-8, 2017	अतिथि संकाय

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रीफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	अय्यर, पार्वती के	38 रिफ्रेशर कोर्स इन सोसाइटी, एचआरडीसी, जवाहरलाल नेहरु यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली	जुलाई 3, 2017-अगस्त 25, 2017	भागीदारी
2.	अय्यर, पार्वती के	टू-डे ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन साइंटोमीट्रिक एनालिसिस, सी एसएसटीआईपी, सीयूजी	मार्च 27-28, 2018.	भागीदारी

3.	कुमार, हेमंत	थ्री-डे वर्कशॉप ऑन "साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेंशन (एसटीआई) पॉलिसी रिसर्च" कांडक्टेड बाई सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च, डिपार्टमेंट ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, इंडिया इन कोलैबरेशन विथ नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ़ एडवांस्ड स्टडीज (एनआईएएस), इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ साइंसेज, बेंगलौर, कर्नाटक	दिसंबर 11-13, 2017	भागीदारी
4.	कुमार, हेमंत	टू-डे ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन साइंएटोमीट्रिकस एनालिसिस, सीएसएसटीआईपी, सीयूजी	मार्च 27-28, 2018.	भागीदारी
5.	वर्गिज , शिजू सम	टू-डे ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन साइंएटोमीट्रिकस एनालिसिस, सीएसएसटीआईपी, सीयूजी	मार्च 27-28, 2018.	भागीदारी
6.	सिन्हा, कुणाल	टू डे ट्रेनिंग वर्कशॉप ऑन साइंएटोमीट्रिकस एनालिसिस, सीएसएसटीआईपी, सीयूजी	मार्च 27-28, 2018.	भागीदारी

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं :

क्र.सं.	नाम	परियोजना का नाम	वित्तपोषित संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति चाहे परियोजना की अवधि के साथ चल रहा/पूर्ण हो
1	कुमार, हेमंत	सोशल कंस्ट्रक्शन ऑफ़ स्मार्टफोन, सेल्फी एंड सरविलांसेस: अ स्टडी	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	1 लाख	चल रही है अप्रैल 17, 2017 - अक्टूबर 16, 2018.

		ऑफ़ ͣटेक्नोलॉजिकल कल्चर· अमंग मोबाइल फोन इंटरनेट यूजर इन इंडिया			
2	कुमार, हेमंत (प्रोजेक्ट डायरेक्टर), भदौरि सरैंदु एंड सैकिया, अभिनंदन	अ स्टडी ऑफ़ एग्रो-बेस्ड ग्रासरूट्स इनोवेंशन्स इन इंडिया· मेजर रिसर्च प्रोजेक्ट	आईसीएसएसआर, न्यू दिल्ली	चल रही है	जारी है. जून 1, 2017-मई 31, 2019.

शोध छात्र / निर्देशित

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम चाहे एम.फिल./पीएच. डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या (केवल 2017-18 में पंजीकृत)
1.	वर्गिज , शिजू साम	एम.फिल.	01
2.	वर्गिज , शिजू साम	पीएच. डी.	06
3.	सिन्हा, कुणाल	एम.फिल.	01
4.	सिन्हा, कुणाल	पीएच. डी.	09
5.	अय्यर, पार्वती के	एम.फिल.	01
6.	अय्यर, पार्वती के	पीएच. डी.	07
7.	कुमार, हेमंत	एम.फिल.	01
8	कुमार हेमंत	पीएच. डी.	07

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की प्रभागिता अथवा संचालित की जाने वाले अन्य दूसरी जिम्मेदारियाँ:

वर्गिज , डॉक्टर शिजू साम

- सदस्य,सीएएसआर, सामाजिक विज्ञान संस्थान;
- सदस्य, अध्ययन परिषद, सामाजिक विज्ञान संस्थान

अय्यर, पार्वती के.

- सदस्य, अकादमिक परिषद , केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात
- सदस्य, आंतरिक शिकायत समिति (यौन उत्पीड़न)
- वार्डेन, महिला छात्रावास, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात
- सदस्य, अध्ययन परिषद, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र
- सदस्य, अटल उद्भवन केंद्र के अंतर्गत उन्नत अनुसंधान योजना के प्रस्ताव की तैयारी करने हेतु समिति।

कुणाल सिन्हा

- सदस्य, अध्ययन परिषद, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र
- सदस्य अध्यादेश समिति, सीयूजी
- अध्यक्ष अर्न ह्वाइल यू लर्न समिति, सीयूजी
- हॉस्टल वार्डेन
- अध्यक्ष जर्नल समिति, एसएसएस
- सदस्य अध्ययन परिषद सामाजिक प्रबंधन, एसएसएस, सीयूजी
- सदस्यसीएएसआर, एसएसएस, सीयूजी

हेमंत कुमार

- सदस्य, अध्ययन परिषद, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति अध्ययन केंद्र
- सदस्य, अनुशासन समिति, सीयूजी, गरबा रात्रि
- सदस्य, अनुशासन समिति, सीयूजी, वार्षिक दिवस

गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र (सीजीटीपीएस)

केंद्र का परिचय:

गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन केंद्र की स्थापना अंतःविषय शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए की गई थी। सत्याग्रह, अहिंसा और इनके सिद्धांतों और विचारों की बहुलता को समझने के लिए एम के गांधी एक महत्वपूर्ण संदर्भ बिंदु बने हुए हैं। इनके विचारों की समकालीन प्रासंगिकता ने इस शांति अध्ययन अनुशासन को नींव प्रदान करता है। इस केंद्र के शोध कार्यक्रम में नामांकित छात्र विभिन्न विषयों जैसे समझौते के माध्यम से शांति निर्माण, न्याय हेतु सामाजिक आंदोलनों, धर्म और संघर्ष, हिंसा और विभिन्न रूप आदि विषय में अभिव्यक्ति विचारों आदि की खोज करते हैं।

इस केंद्र में पढ़ाए जाने कार्यक्रम: एम. ए. राजनीति विज्ञान

यह केंद्र अपने यहाँ सन् 2017-18 से एमए का कार्यक्रम चला रहा है। यह दो साल का पूर्णकालिक कार्यक्रम होता है, जिसमें अनिवार्य और वैकल्पिक दोनों तरह के पाठ्यक्रम शामिल हैं, इसमें चार क्रेडिट होते हैं। जिन्हें चार सेमेस्टर में समान रूप से पढ़ाया जाता है। इसके अलावा, आठ क्रेडिट की स्वअध्ययन परियोजना- कार्य हैं।

- इस कार्यक्रम के अनिवार्य या कोर पाठ्यक्रम राजनीतिक सिद्धांत दर्शन /, राजनीतिक विचार पश्चिमी) (प्रक्रियाओं संस्थानों और) भारत में राजनीति (और भारतीय गांधीवादी विचार पर जोर देने के साथ, तुलनात्मक राजनीति, भारत में आधुनिक विचारक, अंतर्राष्ट्रीय राजनीति, शोध पद्धति, सार्वजनिक नीति और अंतर्राष्ट्रीय मुद्दों आदि शामिल हैं और इनका अध्यापन कराया जाता है।
- वैकल्पिक पाठ्यक्रम के रूप में शासन, विकास, लोकतंत्र, राजनीतिक अर्थव्यवस्था, मानवाधिकार, सामाजिक आंदोलन, आधुनिकतावाद, वैश्वीकरण और शांति और संघर्ष अध्ययन आदि जैसे विषयों पर केंद्रित हैं। इस कार्यक्रम का लक्ष्य राजनीति के सैद्धांतिक ज्ञान के साथ साथ राजनीतिक प्रक्रियाओं-से छात्रों को विकसित करना है।

संस्थान/केंद्र में आयोजित अतिथि व्याख्या

क्रम संख्या	व्याख्यान का नाम	प्रवक्ता का नाम	दिनांक
1	गांधी पर अंबेडकर का प्रभाव	मार्क लिंडले	सितंबर 4, 2017.
2	स्वास्थ्य एवं स्वास्थ्य देखभाल पर गांधी के विचार	मार्क लिंडले	सितंबर 5 - 6, 2017.
3	21वीं सदी एवं गांधी के विचारः वैश्विक सामान्य आय	मार्क लिंडले	सितंबर 8 - 9, 2017.

4	स्क्वेयरिंग द सर्कलः महात्मा गांधी और जेवीश नेशनल होम	पी आर कुमारस्वामी	नवंबर 8, 2017.
5	संवैधानिकता एवं लोकतन्त्रः अंबेडकर की दृष्टि से	वालेरियन रोड्रिगओस	जनवरी 25, 2018.
6	इंटरफ़ेसिंग अंबेडकर एंड गांधी	वालेरियन रोड्रिगओस	जनवरी 25, 2018.
7	ब्रिटिश कोलोनियल स्टेट एंड इट्स एडिवासिस इन इंडिया	भंगया भूक्या	फरवरी 19, 2018.
8	एडिवासिस एंड पाराडाइम ऑफ डेवलपमेंट इन इंडिया	भंगया भूक्या	फरवरी 19, 2018.
9	अंडरस्टैंडिंग पॉलिटिक्सः थियरी एंड मेथड्स	जी हरगोपाल	मार्च 13, 2018.
10	बहुरूपी एम के गांधी	मुजफ्फर एच अस्सादी	मार्च 23, 2018.
11	हिन्द स्वराज एंड माइनोरिटीज इन इंडियाः कास्ट, आइडेंटिटी क्राइसिस एंड पॉलिटिक्स ऑफ इंडिया	मुजफ्फर एच अस्सादी	मार्च 23, 2018.

केंद्र/संस्थान स्तर पर आयोजित हुए संगोष्ठी/सम्मेलन :

एक दिवसीय संगोष्ठी दिनांक 20 अप्रैल 2017 को गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र, केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात *द्वारा " डिबेटिंग सत्याग्रहः हंड्रेड इयर्स ऑफ चंपारण सत्याग्रह" विषय पर आयोजित किया गया था।* केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

डॉक्टर बेरेल आनंद, संयोजक और सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: पोलिटिकल एकोनोमी ऑफ कोन्फ़्लिक्त, पीस एंड कोन्फ़्लिक्त इन साउथ एशिया एंड द मिडिल ईस्ट।

मिस्टर स्मृति रंजन ढल, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: राजनीतिक सिद्धांत; राजनीतिक विचार और आधुनिक भारतीय इतिहास

डॉक्टर प्रिय रंजन कुमार, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: अंतरराष्ट्रीय संबंधों के सिद्धांत; शांति और संघर्ष अध्ययन; संघर्ष समाधान; हथियार नियंत्रण और निरस्त्रीकरण; पश्चिम एशिया और दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा।

डॉक्टर जगन्नाथ बेगारी, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: मानवाधिकार; जनतंत्र; दलित आंदोलन और हाशिए; क्षेत्रीय आंदोलन; राजनीतिक अर्थव्यवस्था; हाशिए और सामाजिक बहिष्कार।

डॉक्टर धनंजय राय, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: सांस्कृतिक सिद्धांत; राजनीतिक विचार; राजनीतिक सिद्धांत और राजनीतिक अर्थव्यवस्था।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड / यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख और प्रपत्र:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ .
1	राय, धनंजय	स्टेट हायर एजुकेशन काउंसिल बिलः एन अट्रोफिएड ऑटोनोमी	इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल वीकली	2017. खंड 52, अंक 13.
2	राय, धनंजय	बुक रिव्युः रोमिला थापर, इंडियन सोसाइटी एंड द सेक्युलर : एसेज. गुरगांवः थ्री एसेज कलेक्टिव, 2016	इंडियन जर्नल ऑफ़ पब्लिक एडमिनीस्ट्रेशन	2018. खंड 64, अंक 1.

संपादित खंड में प्रकाशित प्रपत्र

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1	कुमार, प्रिय रंजन	सिक्यूरिटी डायनामिक्स इन वेस्ट एशिया : रोल ऑफ़ एक्सटर्नल एक्टर्स	वेस्ट एशिया इन अ चेंजिंग वर्ड ऑर्डरः द इमर्जिंग रीजनल आर्किटेक्चर एंड इंडिया	2017. न्यू दिल्लीः अकादमिक फाउंडेशन

लेखक के रूप में प्रकाशित पुस्तकें:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1	राय, धनंजय	पॉलिटिक्सः एसेज इन ट्रिब्यूट टू रणधीर सिंह (एडिटेड)	जनवरी , 2018. न्यू दिल्ली. अक्षर बूक्स

अन्य प्रकाशन (पत्रिकाएँ, समाचार पत्र, वेब पोर्टल्स)

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1	राय, धनंजय	चंपारण सत्याग्रह के निहितार्थ	मई, 2017. न्यू दिल्ली; सबलॉग
2	कुमार, प्रिय रंजन	नीड फॉर अ रीजनल सिक्यूरिटी मैकेनिज्म इन वेस्ट एशिया	नवंबर 2017. न्यू दिल्लीः साउथ एशिया मॉनिटर

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशाला आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं.	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	राय, धनंजय	हायर एजुकेशन इन इंडियाः एन आउट लाइन ऑफ़ त्रजेक्टोरी	थर्ड एनुअल इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑफ़ इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सिल्क रोड स्टडीज (आई एएसएस),	इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर सिल्क रोड स्टडीज (आई एएसएस), एस यूएन, वियतनाम नेशनल स्टडीज ऑफ़ सोशल, साइंस एंड ह्यूमनीटिज,	नवंबर 10, 2017.

				हो चिन्ह मिन्ह शहर, वियतनाम)	
2.	राय, धंनजय	रेलेवेंस ऑफ़ ह्यूमन साइंसेज	द फ्यूचर ऑफ़ ह्यूमनीटिज इन द 21स्ट सेंचुरी	स्कूल ऑफ़ लिब्रल आर्ट्स एंड ह्यूमन साइंसेज, औरो यूनिवर्सिटी, सूरत	मार्च 24 - 25, 2018.
3.	कुमार, प्रिय रंजन	कांफ्लिक्टिंग स्ट्रेटेजीज एंड कलेक्टिव विज़न्स ऑफ़ इंडिया एंड चाइना : अ रिफ़्लेक्शन ऑन वेस्ट एशियन रीजन	चेंजिंग वर्ल्ड आर्डरः इंडिया एंड चाइना इन कंटेम्परारी टाइम्स	सेंटर फॉर चाइनीज एंड साउथ एशिया स्टडीज, जवाहरलाल नेहरु यूनिवर्सिटी इन कोलैबरेशन विथ बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी एंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ पंजाब	अप्रैल 14 - 15, 2017.
4.	कुमार, प्रिय रंजन	रीजनल सिक्यूरिटी रशीम इन वेस्ट एशियाः प्रोब्लम्स एंड प्रॉस्पेक्ट	गवर्नेंस, ह्यूमन राइट्स एंड रीजनल कोऑपरेशन इन साउथः आपर्टूनटी एंड चलेंजेस ऑफ़ ग्लोबलाइजेशन	यूजीसी - ह्यूमन रिसोर्सेस डेवलपमेंट सेंटर, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, न्यू दिल्ली	अप्रैल 19 - 20, 2017.
5.	कुमार, प्रिय रंजन		शिफ्टिंग सेंड्स इन वेस्ट एशियाः कल्चर, इकॉनमी एंड पोलिटी	डिपार्टमेंट ऑफ़ सिविक्स एंड पॉलिटिक्स, फिरोजशाह मेहता भवन एंड रिसर्च सेंटर, यूनिवर्सिटी ऑफ़ मुंबई, मुंबई	मार्च 12 - 14, 2018
6.	बेगारी, जगन्नाथम	ह्यूमन राइट्स, डेमोक्रेसी एंड वेल्फरिस्म इन	इंडिया एंड न्यू वर्ल्ड आर्डर इन कंटेम्परारी ग्लोबल पॉलिटिक्स	डिपार्टमेंट ऑफ़ पॉलिटिकल साइंस एंड ह्यूमन राइट्स, इंदिरा	मार्च 20 ‘ 21, 2018.

		इंडिया इन द एरा ऑफ़ ग्लोबलाइजेशन		गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्य प्रदेश, इंडिया	
7.	बेगारी, जगन्नाथम	बी.आर. अम्बेडकर, सोशल जस्टिस एंड मॉडर्निटी	रेक्लैमिंग सोशल जस्टिसः रीविजिटिंग : अम्बेडकर	गवर्नमेंट ऑफ़ कर्नाटक बेंगलौर, कर्नाटक	जुलाई 21 - 23, 2017.
8.	बेगारी, जगन्नाथम	तेलंगाना डायस्पोरा एंड द कंट्रीबूशन टुवड्‌र्स द सेपरेट तेलंगाना स्टेटहूड मूवमेंट इन इंडिया	ट्रांसनेशनलिज्म, कल्चर एंड डायस्पोरा इन द एरा ऑफ़ ग्लोबलाइजेशन	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर	फ़रवरी 21 - 23, 2018.
9.	आनंद, बेरिल	ट्रांसनेशनलिज्म, सिटीजनशीप लॉज़ एंड स्टेटलेसनेस इन साउथ एशिया	साउथ एशियन कांफ्रेंस ऑन स्टेटलेसनेस	टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ़ सोशल साइंसेज, मुंबई इन कोलैबरेशन विथ यूएनएचसीआर एंड स्टेटलेसनेस नेटवर्क एशिया पसिफ़िक (एसएनएपी)	नवंबर 29 - 30, 2017

राष्ट्रीय / क्षेत्रीय स्तर सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशाला, आदि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्र.सं	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यश ाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	राय, धंनजय	दिसओबीडीएन्स इन पॉलिटिकल कम्युनिटी : रीथिंकिंग चंपारण सत्याग्रह	डिबेटिंग सत्याग्रहः हंड्रेड इयर्स ऑफ़ चम्पारण सत्याग्रह	सेंटर फॉर गांधियन थॉट एंड पीस स्टडीज,स्कूल ऑफ़ सोशल साइंसेज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	अप्रैल 20, 2017.

2.	राय, धंनजय	मिसिंग इक्वलिटी	फोर्थ एनुअल क्रिएटिव थ्योरी कलोक्यूम	क्रिएटिव थ्योरी कलोक्यूम, इंडिया इंटरनेशनल	सितंबर 5-6, 2017
3.	राय, धंनजय	ट्रेडिशन इन स्वराज डिस्कोर्स	बियॉन्ड आइडेंटिटीजः रिफ्लेक्शन्स फ्रॉम साउथ एशियन इमेजिनरीसज ऑफ़ नेशन एंड यूनिवर्स	यूजीसी ' सीएएस ' एसएपी , डिपार्टमेंट ऑफ़ पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ दिल्ली	मार्च 13 -14, 2018.
4.	राय, धंनजय	रिलिजन एंड पॉलिटिक्स इन गुजरात : अ स्टडी ऑफ़ हिंदू पॉलिटिकल	रिलिजन, डिफरेंस एंड पॉलिटिकल एक्शन इन इंडिया	सेंटर फॉर पॉलिटिकल स्टडीज, जेएनयू, न्यू दिल्ली	मार्च , 19 -20, 2018
5.	बेगारी, जगन्नाथम	रेलेवेंस ऑफ़ चंपारण सत्याग्रह इन द एरा ऑफ़ मॉडर्न स्टेट	डिबेटिंग सत्याग्रहः हंड्रेड इयर ऑफ़ चंपारण सत्याग्रह	सेंटर फॉर गांधियन थॉट एंड पीस स्टडीज, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात	अप्रैल 20, 2017
6.	बेगारी, जगन्नाथम	मैपिंग द वॉइसेस ऑफ़ मार्जिन इन तेलंगाना मूवमेंट एंड द कॉन्ट्रिब्यूशन ऑफ़ लिटरेचर एंड सोंग्स फ्रॉम द सुबलटेर्न्सः अ क्वेश्चन ऑफ़ डेमोक्रेटिक स्टेटहूड	रेजिस्टेंस एंड रिबेलियन इन दलित एंड अफ्रीकन- अमेरिकन लिटरेचर	डिपार्टमेंट ऑफ़ इंग्लिश, पी.जी.कॉलेज, ओस्मानिया यूनिवर्सिटी, हैदराबाद	अप्रैल 13 - 14, 2017
7.	बेगारी, जगन्नाथम	इंट्रोगेटिंग द एमपॉवरमेंट ऑफ़ मुस्लिम माइनॉरिटीज इन मॉडर्न इंडियाः अ स्टडी ऑफ़ द डेवलपमेंट ऑफ़	पॉलिटिक्स ऑफ़ इनक्लूसनः एमपॉवरमेंट माइनॉरिटीज इन इंडिया	डिपार्टमेंट ऑफ़ पॉलिटिकल साइंस, यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद, गंचिबौली, हैदराबाद	सितंबर 5 - 6, 2017

		मुस्लिम इन तेलंगाना स्टेट			
8.	बेगारी, जगन्नाथम	इलेक्टोरल पॉलिटिक्स इन गुजरात स्टेटः ट्रेंड्स एंड चैलेंजेस इन द नेशनल सेमिनार ऑन इलेक्टोरल रिफॉर्म्स इन इंडिया चैलेंजेज	स्ट्रेटेजीज ऑफ़ इलेक्टोरल बीहैवीयरः इशू एंड चैलेंजेज	एम.वी.एस.पी.जी. कॉलेज (ऑटोनॉमोस), महबूब नगर, तेलंगाना	जनवरी 3, 2018
9	बेगारी, जगन्नाथम	एम.के. गांधीः मॉडर्निटी एंड डेवलपमेंट	गांधी टुडे	डिपार्टमेंट ऑफ़ पॉलिटिकल साइंस, उत्कल यूनिवर्सिटी, भुवनेश्वर	जनवरी 30, 2018
10.	बेगारी, जगन्नाथम	पैराडॉक्स बिटवीन मॉडर्निटी एंड मैन्युअल स्कैवन्जरः इंट्रोगेटिंग ह्यूमन राइट्स डेमोक्रेसी	सोशल एंड आक्यपेशनल मोबिलिटी ऑफ़ मैन्युअल स्कैवन्जर्स इन इंडियाः अ पॉलिसी एनालिसिस फ्रॉम सोशल इक्स्क्लूशन पर्सपेक्टिव	सेंटर फॉर सोशल इक्स्क्लूशन एंड इंक्लूसिव पॉलिसी, यूनिवर्सिटी ऑफ़ हैदराबाद, गचिबौली, हैदराबाद	मार्च 27-29, 2018

संगोष्ठी/ कार्यशाला इत्यादि अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में अकादमिक स्तर के दिए गए भाषण:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1	राय, धनंजय	डिबेटिंग स्वराज	डिबेटिंग स्वराज, आर्गनाइज्ड बाई एचएसएस, आईआईटी गांधीनगर, फ़रवरी 21, 2018.	आमंत्रित
2	बागरी, जगन्नाथम	दलित मूवमेंट इन इंडिया एंड डिमाक्रटज़ैशन	गवर्मेंट डिग्री कॉलेज, ज़ाहिराबाद, संगारेड्डी, डिस्ट्रिक, तेलंगाना, स्टेट, सितंबर 7, 2017.	आमंत्रित

3	बागरी, जगन्नाथम	डेमोक्रेसी एंड ह्यूमन राइट्स	क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बेंगलुरु जुलाई 21, 2017.	आमंत्रित

प्रशिक्षण / अभिविन्यास / रीफ्रेशर कार्यक्रम में भागीदारी:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	भागीदारी की प्रकृति
1.	कुमार, प्रिय रंजन	2nd रेफेशर कोर्स इन वीमेन स्टडीज, ह्यूमन रिसोर्सेस डेवलपमेंट सेंटर, जवाहरलाल नेहरु यूनिवर्सिटी, न्यू दिल्ली	9 अक्टूबर to 3 नवंबर , 2017	भागीदारी

शुरू की गई अनुसंधान परियोजनाएं:

क्र.सं.	नाम	परियोजना का नाम	वित्तपोषित संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति चाहे परियोजना की अवधि के साथ चल रहा/पूर्ण हो
1	बेगारी, जगन्नाथम	फॉर्मल एंड सब्स्टन्टिव डेमोक्रेसी: अ स्टडी ऑफ़ न्यू तेलंगाना स्टेट ‘ पब्लिक पॉलिसी एंड पीपल्स एस्पिरेशन्स	आईसीएसएस आर, न्यू दिल्ली	6,00,000	चल रही है

केंद्र एवं इसके संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले एक्टेंसन, आउटरिच और अन्य दूसरी समान गतिविधियां:

- राजपिपला के पास जनजातीय गांवों की दो दिवसीय यात्रा केंद्र द्वारा आयोजित की गई थी
- राजपिपला सोशल सर्विस सोसाइटी (आरएसएसएस) की स्थापना केंद्र ने की थी।

इस संबन्धित क्षेत्र कार्य के दौरे हेतु, केंद्र ने अपने यहाँ के एम. फिल. और पीएच. डी. कार्यक्रम से बाईस शोधार्थियों को शामिल किया था। डॉक्टर धनंजय राय और गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र के डॉक्टर प्रिय रंजन कुमार इस कार्यक्रम के संचालक एवं सह संयोजक थे।

यात्रा के पहले दिन, केंद्र की एक टीम ने शिक्षा, धर्म, विस्थापन, जनजातीय कानूनों और रीति-रिवाजों के जनजातीय मुद्दों पर कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की। यात्रा के दौरान, केंद्र की टीम ने कामोडिया, नंदोद और नर्मदा के जनजातीय क्षेत्रों में ग्रामीणों से मुलाकात की और इन गांवों में पेयजल, स्वास्थ्य, स्वच्छता, शिक्षा और विकास की समस्याओं का अध्ययन किया।

समाज कार्य में एम. ए. कार्यक्रम

सामाजिक कार्य में एमए की पढ़ाई वर्ष 2017 में शुरू की गई थी। यह पाठ्यक्रम पूरे दो साल का होता है जिसमें चार सेमेस्टर हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में सामाजिक कार्य के कौशल को जोड़ना है और इसे प्रयोगों के साथ एकीकृत करना है जो एक विस्तृत शासन ढांचे में नीति निर्माण, निगरानी और विश्लेषण की तर्कसंगत समझ के लक्ष्य के साथ युक्त होगा। इस कार्यक्रम का लक्ष्य क्षेत्रीय कार्य, परियोजनाओं और अभ्यास आधारित शोध के माध्यम से-छात्रों को अभिनव रणनीतियों को विकसित करने में रचनात्मक रूप से नीति निर्माताओं के साथ और जनता के साथ संपर्क करने के लिए प्रशिक्षण देना है। यह पाठ्यक्रम महत्वपूर्ण मानव संसाधन तैयार करना चाहता है जो कि एक परिवर्तन एजेंट के रूप में कार्य करेगा। इस कार्यक्रम के तीन मुख्य क्षेत्र हैं :1. शहरी, ग्रामीण और जनजातीय संदर्भ में विकास प्रयोग, 2. अपराध विज्ञान और आपराधिक न्याय और 3. परिवार, बाल और युवा के साथ सामाजिक कार्य प्रयोग।

कार्यक्रम के संयोजक डॉक्टर सोनी कुंजप्पन हैं। संकाय सदस्य विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति केंद्र, डॉक्टर पार्वती अय्यर, डाक्टर शिजू साम वर्गिज , डॉक्टर कुणाल सिन्हा और डॉक्टर हेमंत कुमार आदि ने कार्यक्रम को अच्छे से संचालित किए जाने हेतु सहायता की।

मिस फ़िजी होता कार्य क्षेत्र कार्यालय में संयोजक के रूप में कार्य करती है। इन्होने कई शैक्षिक संस्थानों का दौरे भुगतान करके किए हैं। जैसा कि अभी इस केंद्र का शुरुआती चरण है। इन यात्राओं के दौरान, उन्होंने उन विभिन्न संगठनों के बारे में पूछा जिन पर छात्रों को क्षेत्र के काम के लिए रखा गया है। उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालय / कार्यकलाप के संबंध में रिपोर्टिंग टेम्पलेट और अन्य सुझाव एकत्र किए हैं।

सुश्री फिजी होता ने छात्रों को न्यूनतम 15 दिनों के फील्डवर्क (मंगलवार और गुरुवार को प्रति दिन 5 घंटे) रखने के संबंध में कई गैर सरकारी संगठनों और सरकारी संगठनों का भी दौरा किया। यह प्रकृति में समवर्ती है। क्षेत्र कार्य के व्यापक उद्देश्यों को उन अधिकारियों को समझाया गया था जहां छात्रों को एजेंसी, उनके काम और लाभार्थियों की समझ होनी चाहिए।

अनुप्रयुक्त रसायन अध्यन केंद्र

केंद्र का परिचय:

अनुसंधान और अर्थव्यवस्था के बदलते वैश्विक परिदृश्य में विज्ञान का बहु अनुशासनात्मक दृष्टिकोण-से मांग बढ़ता जा रहा है ताकि इस क्षेत्र में सेल्फ-सस्टेंड होने और नेतृत्वकारी बना जा सके। यह अनुमान लगाया गया है कि यह 21वीं शताब्दी बस उन लोगों के लिए है जो संकुचित दृष्टिकोण और सोच से बाहर निकल गए हैं। यहां तक कि प्रधान मंत्री द्वारा घोषित भारत सरकार की हालिया पहल 'मेक इन इंडिया' इस सोच का ही समर्थन करती है। इसके अलावा, संयुक्त राज्य अमेरिका में ओबामा प्रशासन ने सामग्री जीनोमिक्स पर एक श्वेत पत्र जारी किया है जिसमें निम्नलिखित बाते कही गई है और आर्थिक सुरक्षा और मानव कल्याण के लिए उन्नत सामग्रीयों की आवश्यकता है, जिसमें कई उद्योगों में किए गए अनुप्रयोग शामिल है, इसमें स्वच्छ ऊर्जा, राष्ट्रीय सुरक्षा और मानव कल्याण जैसी चुनौतियाँ शामिल हैं। 21वीं शताब्दी में वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता को प्राप्त करने के लिए अग्रिम सामग्री प्रणाली की खोज और तैनाती की गति को तेज करना महत्वपूर्ण होगा।

यह उम्मीद की जाती है कि यह जीनोम सामग्री पहल पदार्थों के निर्माण का एक नया युग शुरू करेगा जो इन क्षेत्रों में घरेलू उद्योगों को मजबूत बनाने हेतु एक आधार प्रदान करेगी। इस पहल के माध्यम से कम से कम लागत मूल्य के एक अंश पर, आज से कम से कम दो गुना अधिक सामग्री उत्पाद, विकास, निर्माण और तैनाती का एक अनूठा अवसर प्रदान किया जा सकता है। इन नई प्रणालियाँ की खोज आधुनिक समय की आवश्यकताओं हेतु कुछ कड़े मानदंडों को पूरा करने की मांग कर सकती है।

इसलिए, इस केंद्र में नए विचारों और पद्धतियों के पारनिषेचन प्रदान करने का एक उद्देश्य है जो प्रयोगात्मक - शोध के बीच सहयोग के लिए एक संवेदना के रूप में कार्य कर सकता हैऔर यह वास्तविक दुनिया के डेटा को संश्लेषित, विशेषता और एकत्रित कर रहा है और मॉडल बिल्डिंग, सिमुलेशन और विश्लेषण में कम्प्यूटेशनल रिसर्च आदि जैसे सभी काम एक ही छत के नीचे किए जा रहे हैं। यह तालमेल महत्वपूर्ण मौलिकता प्रदान करता है जो नए प्रयोगों का मार्गदर्शन कर सकता है और खोज की गति को तेज कर सकता है।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

डॉक्टर प्रकाश चंद्र झा, एसोसिएट प्रोफेसर और अध्यक्ष
अनुसंधान रुचियाँ: मल्टीस्केल मॉडलिंग फ्राम मोलेक्युलस टू मटेरियल्स, कंप्युटेशनल एप्रोच टू ड्रग डिजायनिंग एंड रेशनल एप्रोच टू कटालिस्ट डिजायनिंग फॉर एनर्जी मटीरियल्स।

डॉक्टर एल राजू चौहान

अनुसंधान रुचियाँ: मल्टी-डिसिप्लिनरी रिसर्च प्रोग्राम्स इंक्लुडिंग टोटल सिंथेसिस ऑफ बायोएक्टिव मोलेक्युलस डिजाइन ऑफ नोवेल मेथोलोजी एंड कैटालिस्ट एस्सीमेट्रिक रिएक्शन

डॉक्टरऐश्वरिया बेगारी,

अनुसंधान रुचियाँ: मेडिसिनल केमिस्ट्री

डॉक्टर कमलेश कुमार

अनुसंधान रुचियाँ: स्मार्ट माटेरियल्स, लिक्विड क्रिस्टल्स, माइक्रो एंड नैनोस्ट्रक्चर्ड पॉलीमर मटीरियल्स

प्रतिष्ठित / पीयर रिबव्यूड / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और पत्र:

क्र. सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ .
1.	लोन, मोहसीनवाई कुमार, शिवकुमारपी अतहर, मो. झा, प्रकाशसी	एक्सप्लोरेशन ऑफ़ माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरकुलोसिस स्ट्रक्चरल प्रोटेमइन सिलिको अप्रोच	जर्नल ऑफ थ्योरिटिक ल बायोलॉजी	फ़रवरी 2018. अंक- 439
2.	अतहर, मो. लोन, मोहसीनवाई झा, प्रकाशसी	रिकॉग्निशन ऑफ अनियंस यूजिंग यूरिया एंड थिओयूरिया सब्सीट्यूटेड केलिक्सरेंस एडेंसिटी फंक्शनल थ्योरी : स्टडी ऑफ नॉन कोवेलेंट इंटरेक्शंस	केमिकल फिजिक्स	फ़रवरी, 2018 अंक- 501
3.	अतहर, मो.; लोन, मोहसीनवाई झा, प्रकाशसी	डिजाइनिंग आफ्टर इंजरी इन बेस्ट ड्रग केरियर फॉर डेसाटनिब,लैपाटिनिब एंड निलोटिनिब यूजिंग मल्टीलेवल मॉलिक्यूलर डॉकिंग एंड डायनॉमिक्स सिमुलेशन	जर्नल आफ इंक्लूजन फेमिना एंड मैक्रोसाइक्लिक केमिस्ट्री	फ़रवरी, 2018 अंक- 90
4.	कुमार, शिवकुमारपी झा, प्रकाशसी	मल्टीफार्माकोफ़ोर मॉडलिंग ऑफ - -कैस्पेस3 इन्हेबिटर्स यूजिंग क्रिस्टल डॉक एंड फ़्लैक्सिबल कंफर्मेशन स्कीम	कांबिनटोरियल केमेस्ट्री एंड हाई थ्रोपुट स्क्रीनिंग	जनवरी, 2018 अंक- 21

5.	पंचाल, मंथन, कोंगोर, अनीता अतहर, मो. मेहता, विरेन; झा, प्रकाशसी. जैन, विनोद के.	सेंसिंग ऑफ Ce (III) यूजिंग डी नेथ्थोलॉयडओक्साकैलिक्स [4] आरीनविया रियलिस्टिक सिम्यूलेशन एंड एक्सपेरिमेंटल स्टडीज़	न्यू जर्नल आफ केमेस्ट्री	2018. अंक- 42.
6.	अतहर, मो. लोन, मोहसीनवाई झा, प्रकाशसी	थियोरेटिकल एसेसमेंट ऑफ केलिक्स [n] आरीने एज़ ड्रग करियर्स फॉर सेकंड जेनरेशन टाइरोसीन काइनेस इन्हीबेटर्स	जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स	दिसंबर , 2017. अंक- 247
7.	कुमार, शिवकुमार पी.; पटेल, चिरागएन.; झा, प्रकाश सी.; पांड्या, हिमांशुए.	मॉलिक्यूलर डायनामिक्स स्टेडसिअफ़ोर्मा कोफॉर मॉडलिंग ऑफ़ कैस्पेस-3 इसाटिन सल्फ़ोनामाइड कॉम्प्लेक्स रिकॉग्नाइजिंग: एसेंशियल इंटर मॉलिक्यूलर कांटेक्ट एंड फीचर्स ऑफ़ सल्फ़ॉन्माइड इन्हीबिटर्स क्लास फॉर कैस्पेस-3 बाइंडिंग	कंप्यूटेशनल बायोलॉजी एंड केमिस्ट्री	दिसंबर , 2017. अंक- 247.
8.	पंचाल, मंथन; अतहर, मो.; झा,प्रकाशसी.; कोंगोर, अनीता; मेहता, विरेन; जैन, विनोदके.	क्विनोलिने ऍपेन्डेड ओक्साकालीसरेने ऐज़ टर्नव एंड ऑफ़ फ्लोरोसेंट प्रोब फॉर द सेलेक्टि-सेंसिटिव डेटर्मिनेशन ऑफ़ सीयू2+ आईओएनएस: अ कम्बाइंड एक्सपेरिमेंटल एंड डीएफ़टी स्टडी	जर्नल ऑफ़ लुमिनेसेन्स	दिसंबर, 2017. अंक- 192.
9.	लोन, मोहसीनवाई; अतहर, मो.; मनहस, अनु; झा,प्रकाशसी.; भट्ट, श्रुति; शाह, अनामिका.	इनसिलिकोएक्सप्लोरेशनऑफ़विंकाडोमेनट्यूबलिनइन्हिबिटर्स : अकॉम्बिनेशनऑफ़ 3डीक्यूएसएआर-बेस्डफार्माकोफोरेमॉडलिंग, डॉकिंगएंडमॉलिक्यूलरडायनामिक्ससिम्युलेशन्स	केमेस्ट्री सेलेक्ट	नवंबर, 2017. अंक- 2
10.	लोन, मोहसीनवाई; अतहर, मो.; गुप्ता,	प्रिऑरिटिज़ेशन ऑफ़ नेचुरल कंपाउंड्स अगेंस्ट माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसि 3-डीहाइड्रोक्विनेट डीहाइड्राटेज़ :	बायो केमिकल एंड बायो फिजिकल	सितंबर- 2017 अंक- 491

	विवेकके.; झा,प्रकाशसी.	अकंबाइंडइन-सिलिकोएंडइन-विट्रोस्टडी	रिसर्च कम्युनिकेशंस	
11.	लोन, मोहसीनवाई; ; मनहस, अनु;अतहर, मो.; झा,प्रकाशसी.	आइडेंटिफिकेशन ऑफ आईएनएचए इन्हीबिटर्स कंबीनेशन : ऑफ वर्चुअल स्क्रीनिंग, मॉलिक्यूलर डायनामिक्स सिमुलेशन एंड क्वांटम केमिकल स्टडीज	जर्नल आफ बायो मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनॉमिक्स	सितंबर 2017
12.	लोन, मोहसीनवाई.; अतहर,मो.; गुप्ता, विवेक के.; झा,प्रकाशसी.	आईडेंटिफिकेशन आफ माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्लोसिस इनोए-अक्यल कैरियर प्रोटीन रिडक्टेस इन्हीबिटर्स : ए कंबाइंड इन-सिलिको एंड इन-विट्रो एनालिसिस	जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर ग्रैफिक्स एंड मॉडलिंग	सितंबर 207, अंक- 76.
13.	अतहर, मो. लोन, मोहसीनवाई.खेड्कर,विजय एम. रदादिया, आशीष शाह, अनामिका झा, प्रकाश सी.	स्ट्रक्चरल इन्वेस्टिगेशन ऑफ विंग का डोमेन ट्यूबलीन बिंडर्स बाय फार्माकोफोर एटम बेस्ड क्यू एस ए आर, डॉकिंग एंड मॉलिक्यूलर डायनॉमिक्स सिमुलेशन	कांबिनटोरियल केमेस्ट्री एंड हाई थ्रोपुट स्क्रीनिंग	सितंबर, 2017. अंक- 20.
14.	मनहस, अनु लोन, मोहसिन वाई. झा, प्रकाश सी.	मल्टीकांप्लेक्स-बेस्ड फर्माकोफोर मॉडलिंग कपल्ड विद मॉलिक्यूलर डायनॉमिक्स सिमुलेशनः एन एफ़िसिएंट स्ट्रेटजी फॉर द आइडेंटिफिकेशन ऑफ़ नावेल इन्हीबिटर्स ऑफ पीएफ़डीएचओडीएच	जर्नल आफ मॉलेक्युलर ग्रैफिक्स एंड मॉडलिंग	अगस्त, 2017. अंक- 75.
15.	अतहर मो. लोन, मोहसिन वाई. झा, प्रकाश सी.	इन्वेस्टिगेशन ऑफ स्ट्रक्चर एंड कन्फॉर्मेशनल ईक्विलीबरियम ऑफ अक्साकेलिक्स आरीने डेंसिटी : फंक्शनल थ्योरी अप्रोच	जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर लिक्विड्स	जुलाई 2017 अंक- 237.

16.	भाट, हमीद आर.; झा, प्रकाश सी.	सिलेक्टिव कंपलेक्सेशन ऑफ सायनाइड एंड फ्लोराइड आयन्स विद अमोनियम बार्नेसः ए थियोरेटिकल स्टडी ऑन सेंसिंग मेकैनिज्म इंवाल्विंग इंटरमॉलिक्युलर चार्ज ट्रांसफर एंड कंफीग्रेशनल चेंज्स	जर्नल ऑफ फिजिकल केमेस्ट्री ए	मई, 2017. अंक- 121.
17.	अतहर मो.; कोंगोर, अनीता; पंचाल, मंथन; झा, प्रकाश सी.;जैन, विनोद के.	इण्ट्रेपमेंट ऑफ टॉक्सिस अनाइन्स यूजिंग कैलीक्सरेंस फ्रेमवर्क	एमओजे टेक्सीकोलॉजी	2017. अंक- 3.
18.	मेहता, विरेन; अतहर मो..; झा, प्रकाश सी.; कोंगोर, अनीता; पंचाल, मंथन; जैन, विनोद के.	ए टर्नऑफ फ्लूरेसेंस सेंसर फॉर - -इनसेंसेटिव म्यूनीशन यूजिंग एंथ्राक्वीनन अपेंडेड ओक्साकैलिक्स4 आरीने एंड इट्स कंप्यूटेशनल स्टडीज	न्यू जर्नल ऑफ केमेस्ट्री	2017. अंक- 21.
19.	भाट, हमीद आर.; झा, प्रकाश सी.	ए थियोरेटिकल स्टडी ऑफ एनीऑन सेंसिंग मेकैनिज्म आफ मल्टी फास्फोनियम ट्रीअरील्बोरेंस : इंटरमॉलिक्युलर चार्ज ट्रांसफर एंड कंफीग्रेशनल चेंज	फिजिकल केमेस्ट्री केमिकल फिजिक्स	2017. अंक- 19.
20.	शर्मा, बृजेश एम..; शिंदे, दिनेश आर.; जैन, रुचि; बेगारी, ऐश्वर्या; सतभइया श्रुति; गोन्नाडे राजेश जी.; प्रदीप कुमार	अंरेवेल्लिंग द न्यूक्लिओफिलिसिटी ऑफ ब्यूटेनोलिडेस फॉर 1, 6- कोंजुगेट एडिसन टू पी क्वीनोने मेथड्सः ए डिरेक्ट अकसेस टू डाइवर्सली सब्स्टीट्यूटेड ब्यूटेनोलिडेस- दिराइभ्ड डेयरीमेथेन्स	ऑरगैनिक लेटर्स	अप्रैल , 2018. 20. पृ.सं.2787–2791.
21.	पनाका, संगीता; त्रिवेदी, राजीव;सोनी, टी.;	सिल्वर (I) कैटालाइज्ड इंट्रामोलेक्युलर साइक्लाइजेशन ऑफ एन-(2-(एल्क-1-येन-1-येल))-1 एच-टेट्राजोलेस ऑफ	ऑरगैनिक केमेस्ट्री फ्रंटियर्स	2017. 4. पृ.सं.1574 - 1579

	प्रभाकर, एस.; चौहान, एल. राजू	एन-कायनो-2-सब्सिट्यूटेड इंडोल्स अंडर एम्बिएंट कंडीसंस		
22.	चौहान, एल. राजू; रेड्डी, एम.; रेड्डी, समीर; कुमार, एन. सतीश.	एन इफिसिएंट एंड रैपिड सिंथीसिस ऑफ 3-हाईड्रोक्सी-3-अल्काइल-2ऑक्सिनडोलेस विया ज़ेडएन मेडिएटेड बारबियर टाइप रिएक्सन अंडर एक्वियस कंडीशन	जर्नल ऑफ केमिकल साइंस	2017. 129. पृ.सं.1205 - 1209.
23.	कार्पे, समीर ए.; सिंह, मान; चौहान, एल. राजू	एक्वियस सिंगल स्टेप सिंथीसिस एंड स्ट्रक्चरल कैरेक्ट्राइजेशन ऑफ एलीलेटेड, प्रोपर्जीलेटेड, एंड बेंजीलेटेड 3- सब्सिट्यूड 3-अमीनोक्सिनडोल्स	सिंथेटिक कम्युनिकेशन्स	2017. 47. पृ.सं.1737 - 1746
24.	रेड्डी, मारी समीर; चौहान, एल. राजू; कुमार, नंदिगामा सतीश; रमेश, पंबला; सरतचंद्र ए बाबू एम..	एन एक्सपेडिएंट रेजिओ एंड डाई स्टीरियोसेलेक्टिव सिंथेसिस ऑफ नॉवेल स्पिरिओपायर्रोलिडेनोक्विनोक्सालिनेस वाया 1,3-डाइपोलरसाइक्लोएडिशन रिएक्सन	टेट्राहेड्रोनलेटर्स	2018. 59. पृ.सं.1366 - 1371
25.	राघवन, सद्गोपान; चौहान, एल. राजू	स्टीरियोसिलेक्टिव कार्बन कार्बन बॉन्ड - फॉरमेशन वाया1,2- एसिमिट्रिक इंडक्शन बाय ए β -सब्सीट्यूएंट इन द रिएक्शन ऑफ α- क्लोरो सल्फाइड विद ऑर्गेनिक रीजेंट्स	इंडियन जर्नल ऑफ केमेस्ट्री	2018. 57B. पृ.सं.327-339.

संचालित परियोजना कार्य:

क्र.सं.	नाम	परियोजना का नाम	वित्तपोषित संस्था	अनुमोदित राशि	परियोजना की स्थिति चाहे परियोजना की अवधि के साथ चल रहा/पूर्ण हो
1.	डॉ. प्रकाश सी. झा	रेशनल डिजाइन ऑफ बायोऑर्गेनोमैटेलिक - कंपाउंड्स एज़ पोटेंशियल एंटीमाइक्रोबियल एजेंट्स	डीएसटी /एसईआरबी परियोजना	3318480	जारी है
2.	डॉ. एल. राजू चौहान	स्टीरियोसिलेक्टिव सिंथेसिस आफ बायसाइक्लिक γ-लैक्टोन्स एंड इट्स एप्लीकेशन इन टोटल सिंथेसिस ऑफ हेजेंस ग्लैंड लैक्टोन्स, ट्रान्स-कुमायुसाइन एंड कुमायुसैलेन	डीएसटी - एसईआरबी	12.0 लाख	पूर्ण
3.	कुमार कमलेश	इंजायमी माइक्रो-पेटर्न सेल्फ-फोल्डिंग पॉलीमर कंटेनर्स फॉर सेल इंजीनियरिंग	यूजीसी	10 लाख	जारी है
4.	डॉ. ऐश्वर्या बेगारी	टोटल सिंथेसिस ऑफ एंड मोनोसेरीन-(+) इट्स एनालॉग्स	डीएसटी - इंस्पायर फ़ैकल्टी	35,00,000	जारी है
5.	डॉ. ऐश्वर्या बेगारी	α, β, γ ‘ रेजिओसेलेक्टिवटी ऑफ ब्यूटायरोलैक्टोन टूवर्ड्स 1,6 कोंजूगेट एडिशन	यूजीसी स्टार्टअप ग्रांट	10,00,000	जारी है

शोध छात्र/निर्देशित:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम का नाम चाहे एम.फिल./पीएच. डी.	निर्देशित छात्रों की संख्या (केवल 2017-18 में पंजीकृत)
1.	सिद्धिबेन केडिया	पीएच. डी.	01
2.	अल्पा दवे	पीएच. डी.	01
3.	कार्तिके धार द्विवेदी	पीएच. डी.	01
4.	पाम्ब्ले रामेल	पीएच. डी.	01

प्रवासी अध्ययन केंद्र

केंद्र का परिचय:

डायस्पोरा अध्ययन केंद्र (सीडीएस) की स्थापना सन् 2011 में केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर, भारत में की गई थी। यह केंद्र अपने यहाँ एम.फिल / पीएच. डी. का शोध कार्य डायस्पोरा अध्ययन कार्यक्रम में करवाता है। सीडीएस विश्वविद्यालय का एक स्वतंत्र केंद्र और भारत में यह एक अद्वितीय अंतर अनुशासनिक केंद्र है। अपने बहुआयामी ढांचे के साथ-साथ, यह केंद्र भारतीय डायस्पोरा पर ध्यान केंद्रित करने वाले गृह-देश और मेजबान देशों दोनों के प्रवासन पर और डायस्पोरा पर एवं इनके सांस्कृतिक, साहित्यिक, सामाजिक, जनसांख्यिकीय, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के विभिन्न पहलुओं और मुद्दों के अध्ययन संबन्धित कार्यक्रम आयोजित करता है। यह सर्वविदित है कि विदेशी भारतीयों का योगदान भारत के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, परोपकारी क्षेत्रों हेतु पर्याप्त मात्र में रहा है। साहित्य का एक बड़ा हिस्सा जैसे कि- उपन्यास, जीवनी, आत्मकथाएं, डायरी लेखन, लघु कथाएं, नाटक, कविताएं (फिल्मों का उल्लेख करने की जरूरत नहीं है) आदि और ऐतिहासिक, मानव विज्ञान, सामाजिक, लोगों के प्रवासन की प्रक्रिया का राजनीतिक और आर्थिक पहलु आदि से संबंधित मुद्दों पर विद्वानों के लेखन प्रमाण रूप में मौजूद है। डायस्पोरा अध्ययन नए अनुसंधान क्षेत्रों को रास्ता एक बड़ी संख्या में खोलता है, जिसे खोजने, अध्ययन करने और शोध करने की आवश्यकता है। इस केंद्र अपने बहुआयामी ढांचे से आपसी संबंधों को संबोधित करते हुए डायस्पोरा को रूपांतरित करने के अध्ययन कार्य को सक्षम बनाता है।

यह केंद्र अध्ययन हेतु आईसीटी के उपयोग युक्त अध्ययन-अध्यापन की प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करता है इसके साथ- साथ अपने छात्रों को एक उत्कृष्ट अकादमिक वातावरण भी प्रदान करता है। इस अध्ययन केंद्र में पाठ्यक्रमों का क्षेत्र कार्य की जरूरतों के हिसाब से समय-समय पर पुनरीक्षण और अद्यतनीकरण भी किया जाता है। यह केंद्र इस विषय से संबन्धित विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान देने हेतु भारत और विदेशों के प्रमुख विश्वविद्यालयों के विद्वानों को आमंत्रित करता है। इस प्रकार, यह केंद्र छात्रों और अपने संकाय सदस्यों को इस क्षेत्र में उभरते मुद्दों के बारे में जानने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस केंद्र में छात्र विभिन्न अनुशासनात्मक पृष्ठभूमि से होते है- जैसे कि- मानविकी और सामाजिक विज्ञान आदि क्षेत्रों के छात्र होते हैं। इस केंद्र के संकाय सदस्य मानविकी और सामाजिक विज्ञान से संबन्धित पृष्ठभूमि में और प्रवासन और डायस्पोरा के विभिन्न पहलुओं में विशेषज्ञता प्राप्त किए हुए होते हैं।

केंद्र में आयोजित हुए अतिथि व्याख्यान :

क्रम संख्या	व्याख्यान का नाम	प्रवक्ता का नाम	दिनांक
1.	“यूएसए में भारतीय डायस्पोरा”	प्रोफेसर बदरुल आलम	नवंबर 9, 2017.
2.	“कनाडा में भारतीय डायस्पोरा”	प्रोफेसर बदरुल आलम	नवंबर 9, 2017.

3.	“दक्षिणी अफ्रीका में भारतीय डायस्पोरा के नाटक”	डॉक्टर प्रणव जोशीपुरा	नवंबर 8, 2017.
4.	“मॉरीशस में हिन्दी फिल्मों का प्रभाव”	श्रीमान धुनपाल राज हीरमुन	अक्टूबर 6, 2017.
5.	”मॉरीशस में गांधी का प्रभाव"	श्रीमान धुनपाल राज हीरमुन	अक्टूबर 6, 2017.
6.	“भारतीय डायस्पोरा का सांस्कृतिक पहचान और आत्मसातिकरण”	प्रोफेसर पी चंद्रमोहन	अगस्त 17, 2017.
7.	“इंडेंटशिप के उन्मूलन के सौ साल बाद”	डॉक्टर सतरनारायण बालकृषण सिंह	अप्रैल 25, 2017.
8.	“सांस्कृतिक का पुनर्वसन : गिरमिटिया देशों में विरासत, नवाचार और निरंतरता”	डॉक्टर सतरनारायण बालकृषण सिंह	अप्रैल 26, 2017.

केंद्र/संस्थान स्तर पर आयोजित हुए संगोष्ठी/सम्मेलन:

- **अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन**

  इस केंद्र ने डॉक्टर अतानु महोपात्र के संचालन में “वैश्वीकरण के युग में पारस्परिकता, संस्कृति और डायस्पोरा" विषय पर अपना पहला अंतर्राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया था। इस कार्यक्रम के अन्य संचालक सदस्यों में डॉक्टर नरेश कुमार, डॉक्टर रजनीश के गुप्ता, डॉक्टर सिबा शंकर मोहंती, डॉक्टर शैलेंद्र कुमार और छप्परबन सैऔद्दीन निज़ामुद्दीन आदि थे।

संकाय सदस्यों की प्रोफाइल:

डॉक्टर अतानु मोहापात्रा, एसोसिएट प्रोफेसर और अध्यक्ष
अनुसंधान रुचियाँ: संचार सिद्धांत; विकास संचार; प्रेस कानून और मीडिया की नैतिकता; मीडिया और डायस्पोरा; मीडिया और संचार अनुसंधान; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध।

डॉक्टर सिबा शंकर मोहंती, सहायक व्याख्याता
अनुसंधान रुचियाँ: डायस्पोरिक साहित्य; डायस्पोरा के सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनीतिक पहलु; भारतीय डायस्पोरा; कैरीबियाई अध्ययन।

डॉक्टर नरेश कुमार, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: आंतरिक / अंतर्राष्ट्रीय प्रवास; भारतीय डायस्पोरा; जनसंख्या और जनसांख्यिकी; क्षेत्रीय भूगोल; शोध पद्धतियों में उपकरण और तकनीकें।

डॉक्टर रजनीश कुमार गुप्ता, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: डायस्पोरा और अंतर्राष्ट्रीय संबंध; भारतीय डायस्पोरा नीति; अफ्रीका में भारतीय डायस्पोरा; पहचान प्रतिधारण के मुद्दे; डायस्पोरा के बीच एकीकरण और आकलन; प्रवासी और डायस्पोरिक समुदायों के मानवाधिकार।

चप्परबन सैजौद्दीन निज़ामोद्दीन, सहायक व्याख्याता

अनुसंधान रुचियाँ: साहित्यिक आलोचना और सिद्धांत; प्रवासन और डायस्पोरा अध्ययन; प्रवासन अधिकार और मानवाधिकार; शरणार्थी और बलात प्रवासन अध्ययन; सांस्कृतिक अध्ययन; 9/11 के बाद के अध्ययन; समकालीन अंग्रेजी साहित्य, मुस्लिम साहित्य; मानविकी में अल्पसंख्यक अध्ययन और अनुसंधान पद्धतियां।

डॉक्टर शैलेंद्र कुमार, सहायक व्याख्याता (अस्थाई रूप में)

अनुसंधान रुचियाँ: सामाजिक, मानव विज्ञान और डायस्पोरिक सिद्धांत; सांस्कृतिक अध्ययन शिक्षा; प्रवासन, मीडिया, साहित्य और सिनेमा।

प्रतिष्ठित / पीयर रिव्यूड / यूजीसी द्वारा अनुमोदित पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख और पत्र:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	पत्रिका का नाम	प्रकाशन महिना/वर्ष का नाम खंड और संख्या के साथ
1.	कुमार, नरेश; बंजारे, संतोष कुमार.	इंडियन स्टूडेंट माइग्रेशन टू द यूएसएट्रेन ट्रेंड्स एंड पैटर्नस :	एशियन जर्नल आफ एडवांस्ड स्टडीज	अक्टूबर-दिसंबर 2017 अंक-III. संख्या 4.

संपादित खंडों में प्रकाशित प्रपत्र:

क्र.सं.	लेखक/लेखकों के नाम प्रकाशन क्रमानुसार	लेख/प्रपत्र का शीर्षक	किताब का शीर्षक	प्रकाशन/प्रकाशक महिना/वर्ष और स्थान का नाम
1	गुप्ता, रजनीश के.	ओरिजिन एंड ग्रोथ आफ लेफ्ट-विंग एक्सट्रीमिस्म इन शेड्यूल्ड ट्राइब्स डोमिनेटेड एरियाज आफ सेंट्रल इंडिया	एंड डेवलपमेंट एंड नक्सलिज्म इन इंडियाः रिफ्लेक्सिव डिसकोर्स एंड डिबेट्स	2018. जयपुर रावत प्रकाशन

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/ सम्मेलन/ कार्यशाला आदि में प्रस्तुत प्रपत्र:

क्र. सं	नाम	प्रपत्र का शीर्षक	सेमिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला का विषय-वस्तु	आयोजक समिति और स्थान	कार्यक्रम की तिथि
1.	गुप्ता, रजनीश के.	पूर्वी अफ्रीका में भारतीय समुदाय : मातृभूमि के पहचान की अवधारणा और सहभागिता	सेंटेनरी कमेमोरेशन ऑफ एबोलूशन ऑफ इनडेंजरशिप	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद(एआरएसपी) औरइंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र(आईजीएनसीए) , नई दिल्ली.	अप्रैल 20 - 22, 2017
2.	गुप्ता, रजनीश के..	अफ्रीका में भारतीय प्रवासनः ए वाइटलएसेट फॉर मुचुअल इगेज्मेंट्स	ए सेंचुरी ऑफ एबोलीसन ऑफ इंडेंचरशिप ऑफ इंडियन डायस्पोराः हिस्टोरीक स्ट्रगल्स ऑफ गिरमिटियाज़ एंड कंटेम्परारी इंगेजमेंट ऑप्शन फॉर इंडिया	जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	मार्च 20 - 21, 2018
3.	कुमार, नरेश	इन-माइग्रेंट्स इन डेल्ही : एन एनालसिस ऑफ साइकिल रिक्शा	इंटरनेशनल पोप्यूलेशन कॉन्फ्रेंस	इंटरनेशनल यूनियन ऑफ साइंटफिक रिसर्च इन पोप्यूलेशन (आईयूएसएसपी),	अक्टूबर 29, 2017 to नवंबर 4, 2017.

		पुलर्स, देयर इंटर-लिंकेज एंड नेटवर्किंग		केपटाउन, साउथ अफ्रीका	
4.	कुमार, नरेश	चेयर्ड ए पैरलल सेशन ऑन "वार एंड ओमेन ॥"	वूमेन एंड सेक्टीरियन वायलेंस इनसाउथ एशिया : फिक्स्न एंड रियल्टी	सीईएस/एसएलएल और सीएस द्वारा संचालित केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात	नवंबर 9 - 10, 2017
5.	कुमार, नरेश; बंजारे, संतोष	"इंडियन डायस्पोरा इन साइबरस्पेस : ए स्टडी ऑफ फेसबुक बेस्ड ग्रुप्स"	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन माइग्रेशन एंड डायस्पोरा एंड नेशन बिल्डिंग : ओपर्च्यूनीटीज़ एंड चैलेंजेज़	द यू जी सी'एच आर डी सेंटर, जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी, न्यू डेल्ही.	मार्च 7 - 8, 2018
.6	कुमार, नरेश	माइग्रेशन सिस्टम, नेटवर्क एंड लिंकेजेज़ इन पर्सपेक्टिव ऑफ इंडियन कम्युनिटीज़ एब्रोड	इन इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन "माइग्रेशन एंड डाइस्पोरा एंड नेशन बिल्डिंगः ओपर्च्यूनटीज़ एंड चैलेंजेज़"	द यू जी सी'एच आर डी सेंटर, जामिया मिलिया यूनिवर्सिटी, न्यू डेल्ही..	मार्च 7 - 8, 2018.
7.	कुमार, नरेश	इंडियन डाइस्पोरा एंड यू एस ए इम्मिग्रेशन पोलिसीसः रीज़नल ट्रेण्ड्स एंड पैटर्न्स	थ्री डे इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन "ट्रांसनेशनलिज़्म, कल्चर एंड डाइस्पोरा इन द इरा ऑफ ग्लोबलाइजेशन"	सेंटर फॉर स्टडी डाइस्पोरा, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ गुजरात, गांधीनगर	फ़रवरी 21 - 23, 2018.
8.	कुमार, नरेश	डेमोग्राफिक फैक्ट्स ऑफ इंडियन इंडेंचर्ड माइग्रेशन	इंटरनेशनल सेमिनार ऑन "पोप्यूलेशन, हेल्थ एंड डेवलपमेंट : ग्लोबल एंड नेशनल पॉलिसी"	आई आई पी एस, मुंबई	फ़रवरी 15 - 17, 2018.
9.	मोहंती, शिव शंकर	कल्चरल रेटेंशन एंडचेंज ऑफ द इंडियन डाइस्पोरा इन द कैरेबियन	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑनः सेण्टिनरी कोमेमोरेशन ऑफ	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद (इंडियन काउंसिल फॉर	अप्रैल 20 - 22, 2017.

			एबोलिशन ऑफ इंडेंचरशिप	इंटरनेशनल को-ऑपरेशन)	
10.	मोहंती, शिव शंकर	"जेंडर एंड कास्ट" (चेयर्ड द सेशन(	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन वूमेन एंड सेक्टीरियन वायलेंस इन साउथ एशियाः फिक्शन एंड रियलिटी	सेंटर फॉर इंग्लिश स्टडीज, स्कूल आफ लैंग्वेज, लिटरेचर एंड कल्चर स्टडीज, ऑफ गुजरात, गांधीनगर	नवंबर 9 - 10, 2017
11.	कुमार, शैलेंद्र	चेयर्ड द पैरलल सेशन	"विमेन वायलेंस इन साउथ एशियाफिक्शन एंड : रियलिटी"	सी ई एस/ एस एल एल एंड सी एस, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर	नवंबर 9 - 10, 2017
12.	चप्परबन, सजाउद्दीन निजामुद्दीन	"पैट्रियार्की, कल्चरल आईडेंटिटी एंड द मार्जिनलाईज़्ड वूमेन" चेयर्ड द पैरलल सेशन	टू-डे इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन विमेन एंड वायलेंस इन साउथ एशियाः फिक्शन एंड रियलिटी	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात, गांधीनगर	नवंबर 9 - 10, 2017.
13.	चप्परबन, सजाउद्दीन निजामुद्दीन	"विमेन (इन) विजिबिलिटी एंड नेशनल बाउंड्रीज." (चेयर्ड द पैरलल सेशन)	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन वूमेन एंड सेक्टीरियन वायलेंस इन साउथ एशियाः फिक्शन एंड रियलिटी"	सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ गुजरात,गांधीनगर	नवंबर 9 - 10, 2017
14.	डॉ. अतानु महापात्रा	इंगेजिंग का यूथ : द वे फॉरवर्ड	इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन "सेंटेनरी ऑफ एवोलूशन ऑफ इन डेंजर सिस्टम"	न्यूडेल्ही	अप्रैल 20 - 22, 2017.

15.	डॉ. अतानु महापात्रा	चेयर्डए सेशन	इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन “मीडिया लैंग्वेज एंड लिटरेचर : चेंजिंग कॉन्सेप्ट्स एंड डाइमेंशंस”	फैकेल्टी ऑफ़ मीडिया स्टडी इन मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, फरीदाबाद, हरियाणा	मार्च 22, 2018.

संगोष्ठी/ कार्यशाला इत्यादि अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में अकादमिक स्तर के दिए गए भाषण:

क्र.सं.	नाम	दिए गए व्याख्यान का शीर्षक	कार्यक्रम का नाम तिथि के साथ	भागीदारी की प्रकृति
1	चप्परबन, सजाउद्दीन निजामुद्दीन	"थ्योराइजिंग डायस्पोराएंड इंटर्डिप्लिनेरी प्रोस्पेक्टिव"	यूनिटी वूमेंस कॉलेज, मंजरी, केरला, इंडिया	नवंबर 25, 2017.

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/रिफ्रेशर कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की अवधि	प्रतिभागिता का प्रकृति
1.	छप्परबन सजौद्दीन निज़ामोद्दीन	12th शॉर्ट टर्म ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन “मेथड्स एंड एप्रोचेस इन रिसर्च ऑन माइग्रेशन इश्यूज”	20 से 25 नवंबर 2017, विकास अध्ययन केंद्र, तिरुवनंतपुरम केरला	प्रतिभागी

पुरस्कार, छात्रवृत्ति, सम्मान, पेटेंट अधिकार इत्यादि के रूप में प्राप्त सम्मान और उपलब्धियां

क्रम संख्या	नाम	सम्मान/पुरस्कार इत्यादि का तारीख के साथ विवरण
1	कुमार नरेश	आईआईयूएसएसपी ट्रेवेल ग्रांट 29 अक्टूबर तो 4 नवंबर 2017, केप टाउन, साउथ अफ्रीका।

केंद्र एवं इसके संकाय सदस्यों द्वारा किए जाने वाले एक्टेंसन, आउटरिच एवं अन्य दूसरी समान गतिविधियां:

क्षेत्र भ्रमण:

वर्ष 2017-18 के दौरान एक क्षेत्र कार्य का आयोजन करमसाद गाँव, गुजरात पर "डायस्पोरिक प्रवासन" विषय पर एम. फिल. और पीएच. डी. एकीकृत कार्यक्रम के छात्रों के लिए किया गया था। छात्रों ने इस क्षेत्र कार्य में हिस्सा लिया था और प्रभात कुमार, अनघा इंदीवर्मा, अपर्णा त्रिपाठी, विवेक झा, किरण झा, वसीम हुसैन, इसमें शामिल थे और यह क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम डॉक्टर अतानु मोहापात्रा (एसोसिएट प्रोफेसर) डॉक्टर सिबा शंकर मोहंती (सहायक व्याख्याता), डॉक्टर रजनीश कुमार गुप्ता (सहायक व्याख्याता) और चप्परबन सजौद्दीन निज़ामोद्दीन (सहायक व्याख्याता) के संचालन में आयोजित किया गया था।

विश्वविद्यालय संचालन में संकाय सदस्यों की भागीदारी अथवा इनके द्वारा वहन किए जाने वाले अन्य कार्य-भार:

डॉक्टर रजनीश कुमार गुप्ता

- योजना अधिकारी, एनएसएस
- सदस्य, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शती आयोजन समिति।
- सदस्य, सरदार वल्लभ भाई पटेल जन्म शती आयोजन समिति।

डॉक्टर नरेश कुमार

- सदस्य अध्ययन परिषद केंद्र (अकादमिक वर्ष 2017-18 से 2018-19) अंतर्राष्ट्रीय राजनीति केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, सीयूजी.

डॉक्टर सिबा शंकर मोहंती

- सदस्य आरडीसी, विदेश अध्ययन कार्यक्रम, गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद।
- सदस्य, सरदार बल्लभ भाई पटेल जन्म शती आयोजन समिति.
- सदस्य, सामानों की स्थिति जांच समिति (फिजिकल वैरिफिकेशन ऑफ स्टॉक) (पुस्तकालय पुस्तकें), केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर।

छप्परबान सजौद्दीन निज़ामुद्दीन

- सदस्य, बी आर अंबेडकर जन्म शती आयोजन समिति, 2017.

डॉक्टर अतानु मोहापात्रा

- बाह्य विषय विशेषज्ञ सदस्य अध्ययन परिषद, स्थानांतरण एवं डायस्पोरा अध्ययन विभाग, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, दिसंबर, 2017.
- नोडल अधिकारी एवं अध्यक्ष, ईबीएसबी.

- सदस्य, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शती आयोजन समिति।
- सदस्य, अध्ययन परिषद, गांधीवादी विचार एवं शांति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, सीयूजी.

केन्द्रीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय के बारे में:

केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात का केंद्रीय पुस्तकालय दुनिया में पेशेवर शोध और पेशेवर पुस्तकालयों के क्षेत्र में एक नियमितता में तेजी से विकसित होता हुआ और इनमें विशेष होने की दिशा में उभर रहा है। किताबों, ईबुक, पत्रिकाओं, ऑनलाइन डेटाबेस आदि जैसे सभी पुस्तक सूचीयों के विवरण कैंपस के विस्तृत ईथरनेट नेटवर्क के माध्यम से सुलभ हैं। इंट्रानेट / इंटरनेट के माध्यम से, सेक्टर- 30 और सेक्टर-29 दोनों ही खंडों के परिसरों में और सभी संस्थानों और केंद्रों एवं विश्वविद्यालय के सभी कार्यालय आदि केंद्रीय पुस्तकालय से जुड़े हुए हैं।

केन्द्रीय पुस्तकालय में, विशेष रूप से दृष्टिहीन छात्रों के लिए ब्रेल सॉफ्टवेयर, कुर्ज़वेल, सारा सीई, जिफी स्कैनर आदि को लगाया गया है और छात्रों के इन तक पहुंचने के लिए एक सुविधा स्थापित की गई है। इस प्रकार, केंद्रीय पुस्तकालय ने विशेष रूप से दृष्टिहीन छात्रों के लिए एक विशेष अध्ययन केंद्र बनाया है।

विश्वविद्यालय में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों का समर्थन करने, निर्बाध, लचीली और व्यापक संसाधन खोज करने के लिए एक अच्छी तरह से प्रबंधित सूचना पर्यावरण का समर्थन करने आदि के तरीकों का पता लगाने हेऊ केंद्रीय पुस्तकालय को अपने आप को और अधिक विस्तृत करने की आवश्यकता है।
वर्तमान में, इस पुस्तकालय में लगभग 66 पत्रिकाओं और सदस्यता ली हुए पत्रिकाएँ शामिल हैं। इनमें से सबसे प्रमुख पत्रिकाएँ ईशोधसिंधु के माध्यम से सब्सक्राइब किए गए हैं-। उच्च शिक्षा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के लिए कंसोर्टियम जैसा है। इस पुस्तकालय में लगभग 32450 किताबें और 2800 ईबुक का एक विशाल संग्रहण है। इसके अतिरिक्त इस विश्वविद्यालय ने कम से कम 66 से भी अधिक प्रिंट ऑनलाइन पत्रिकाओं और /मैगजीनों और कम से कम 8903+ ई-जरनल्स की सदस्यता लिए हुए है। यह अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए सुलभ कराने हेतु सेज (एसएजी) रिसर्च मेथड ऑनलाइन सुविधा पर एक लाख से भी अधिक का ईकोंटेंट की सदस्यता भी लिए हुए है। यह पुस्तकालय, पुस्तकालय संचालन और सेवाओं के लिए कोहा सॉफ्टवेयर का उपयोग करता है। परिसंचरण, अधिग्रहण, जर्नल सदस्यता, कैटलॉगिंग, ऑनलाइन कैटलॉग इत्यादि जैसे सभी तरह के पुस्तकालय संचालन संबंधी काम इस सॉफ्टवेयर का उपयोग करके प्रबंधित किए जा रहे हैं। केंद्रीय पुस्तकालय ने आरएफआईडी प्रौद्योगिकी को लागू कर लिया है। यह पुस्तकालय के लिए आरएफआईडी प्रणाली चोरी के विरुद्ध किताबों की सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित करता है और पुस्तकालय में आने-जाने हेतु स्वचालित चेक इन और चेक आउट सुविधा भी रदान करता है। यह पुस्तकालय, इस सुविधा के माध्यम से पाठकों के हिस्से का काफी समय बचाता है। सेंट्रल लाइब्रेरी पोर्टल को अधिक बेहतर नेविगेशन सुनिश्चित करने के संबंध में और मजबूत किया जाएगा ताकि सीयूजी सेक्टर 29 के परिसर से लेकफ़ सेक्टर 30 के परिसर तक पहुंच बनाने की सुविधा छात्रों को आसानी से मिल सके। नेटवर्क लाइब्रेरी प्रणाली द्वारा पुस्तकालय की सामग्री को फिर से लिखा जा रहा है और इसे फिर से पुनर्गठित किया जाएगा। वे सभी प्रकाशक जिनके साथ पुस्तकालय ने इनके संसाधनों के उपयोग करने की सदस्यता ले राखी है, इन्हें एक आईपी एड्रेस के नए सेट के साथ जोड़ा जा रहा है ताकि आईपी

प्रमाण के माध्यम से संसाधन पहुंच को सक्रिय किया जा सके। यह प्रणाली केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरता के उपयोगकर्ता छात्रों को अपने नाम और पासवर्ड का उल्लेख किए बिना ही संसाधनों तक त्वरित पहुंच प्रदान करेगा। केन्द्रीय पुस्तकालय की ई पत्रिकाओं और डेटाबेस के-लिए एज़प्रॉक्सि सॉफ्टवेयर के माध्यम से ऑफ कैंपस पहुंच प्रदान किया जाता है।

संचालन प्रणाली:

पुस्तकालय सलाहकार समिति:

अध्यक्ष	-	माननीय कुलपति महोदय
सदस्य	-	सभी संकाय अध्यक्ष (अधिष्ठाता)
		एसोसिएट प्रोफेसर
		कुलसचिव
		वित्त अधिकारी
सदस्य सचिव	-	पुस्तकलायाध्यक्ष

पुस्तकालय कर्मचारी प्रोफाइल

डॉक्टर के. बी. अगाड़ी	-	विश्वविद्यालय सहायक पुस्तकलायाध्यक्ष (एसएस)
मिस निकिता पाठक	-	पुस्तकालय सहायक (असिस्टेंट) (अस्थाई)
मिस करुणा के.	-	पुस्तकालय सहायक (असिस्टेंट) (अस्थाई)
मिस्टर विवेक रंजन	-	पुस्तकालय सहायक (असिस्टेंट) (अस्थाई)
मिस्टर चन्द्रकान्त इंगले	-	पुस्तकालय अटेंडेंट
मिस्टर पीयूष परमार	-	पुस्तकालय अटेंडेंट (अस्थाई)
मिस्टर अमित प्रजापति	-	पुस्तकालय अटेंडेंट (अस्थाई)

नीचे वर्णित एआर अवधि के लिए अधिग्रहण (पुस्तकें, ई-किताबें, ई-पत्रिकाओं, डेटाबेस आदि)

केंद्रीय पुस्तकालय संस्थानों / केंद्रों के संकाय सदस्य / अध्यक्ष / अधिष्ठाता द्वारा सिफ़ारिशें और अनुमोदन प्राप्त करता है। यह प्रक्रियाओं को संसाधित करता है। हर साल, केन्द्रीय पुस्तकालय को अप्रैल से मार्च के बजट आवंटन के लिए वित्त विभाग से अनुदान मिलता है। यह पुस्तकालय किताबों, पत्रिकाओं, ई-जर्नल्स, डेटाबेस और ई-बुक आदि की खरीद के लिए धन आवंटन की खरीद नीति का पालन करता है। यह पुस्तकालय विश्वविद्यालय के केंद्रों / संस्थानों के संकाय सदस्यों / अधिष्ठाताओं / अध्यक्षों द्वारा भेजी गई सिफारिशों के अनुसार पत्रिकाओं / ई-जर्नल्स / मैगजीन्स की सदस्यता लेता है।

अधिग्रहण:

विवरण	2017-18
प्रसंस्कृत पुस्तकों की कुल संख्या	1546
सदस्यता ग्रहीत जर्नल्स की कुल संख्या	31
सदस्य ग्रहीत मैगजीन्स/पेपर्स की कुल संख्या	35
द्य शिक्षा की इलेक्ट्रोनिक संसाधनों हेतु ई-जर्नलस और ई-शोधसिंधु कन्सोर्टीयम	8903
सदस्यता ग्रहीत ई-डाटाबेस a. स्कोपस b. ईपीडबल्यूआरएफ़ इंडिया टाइम्स c. सीएमआईई डाटाबेस	3
प्रत्यक्ष सदस्यता ग्रहीत ई-जर्नल्स	245
समाचारपत्र	16

छात्रों द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियां:

पाठ्यक्रम संबंधी गतिविधियां:

- पुस्तकालय और सूचना विज्ञान पाठ्यक्रम स्कूल ऑफ लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान में (पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में पी.जी.) पढ़ाया जाता है।
- पीजीडीएलएएन ने छात्रों को लघु-शोध प्रबंध लिखने हेतु मार्गदर्शन किया।

अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला इत्यादि में प्रस्तुत प्रपत्र

क्रम संख्या	प्रस्तुति क्रमानुसार लेखक/लेखकों के नाम	प्रपत्र का शीर्षक	संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला का विषय	संचालक व्यक्ति और स्थान
1.	अगाड़ी के. बी.	रिसर्च डाटा मैनेजमेंट सर्विसेज इन एकेडमिक लाइब्रेरिज पर्सेप्सन्स	वर्ड दाता सिस्टम एसिया-ओसेनिया कोन्फ्रेंस सेप्टेम्बर 27-29, 2017	क्योटो विश्वविद्याल, क्योटो जापान

प्रशिक्षण/अभिविन्यास/रिफ्रेशर कार्यक्रम में प्रतिभागिता:

क्रम संख्या	नाम	कार्यक्रम का नाम	आयोजक संस्था	दिनांक	कार्यक्रम की अवधि
1.	अगाड़ी के. बी.	एडवांस ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन बिब्लिओमेट्रिक्स एंड रिसर्च आउटपुट एनालिसिस	आईएनएफ़एलआईबीएनईटी (इनफ्लिबनेट) सेंटर, गांधीनगर	नवंबर 20'24, 2017.	पाँच दिन

केंद्र और इसके संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किए गए विस्तार, आउटरीच और अन्य समान गतिविधियां:

- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस और ईपीजीईयूयूएम, सीयूजी ने 14 जुलाई, 2017 को गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए दो ऑनलाइन पाठ्यक्रमों अर्थात् 'साहित्य चोरी से बचें' और 'अनुसंधान कौशल' के लिए प्रशिक्षण सह कार्यान्वयन कार्यक्रम आयोजित किया।
- केन्द्रीय पुस्तकालय और पुस्तकालय और सूचना विज्ञान संस्थान ने 12 अगस्त, 2017 को सीयूजी में डॉक्टर एस आर रंगनाथन लाइब्रेरियन दिवस के उत्सव पर इनका 125वां जयंती समारोह का उत्सव मनाया।
- 12 अगस्त, 2017 को 'पुस्तकालय दिवस उत्सव' के अवसर पर सीयूजी में एक निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई थी।
- केंद्रीय पुस्तकालय ने 12 अगस्त 2018 को सूचना साक्षरता सत्र आयोजित किया था।
- अपनी लाइब्रेरी को जानें: वर्चुअल लाइब्रेरी टूर का आयोजन किया गया था।
- स्कोपस डेटाबेस
- सीएमआईई डाटाबेस
- केन्द्रीय पुस्तकालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात ने भारतीय विश्वविद्यालयों के एसोसिएशन के प्रायोजन के साथ 19 से 21 दिसंबर के बीच "सूचना प्रबंधन के उभरते रुझान" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया था।
- 8 अगस्त, 2017 को गांधीनगर के केंद्रीय विश्वविद्यालय, एल्सेवियर लेखक कार्यशाला का आयोजन किया गया और एल्सेवियर से एक विशेष अतिथि को आमंत्रित किया गया था।
- 2 नवंबर 2017 को केन्द्रीय पुस्तकालय के पुस्तकालय ब्लॉग के माध्यम से मुफ्त ई पुस्तकों तक छात्रों की पहुँच के लिए एक जागरूकता अभियान आयोजित किया था।
- 1 मार्च, 2017 को सीयूजी सेक्टर 29 के परिसर, गांधीनगर के संगोष्ठी हॉल में "एंटी प्लेजरिज़्म" वेब टूल पर एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- 6 मार्च 2018 को "डिस्कवरींग स्कॉलर जर्नल जे-गेट लेख" विषय पर केन्द्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधीनगर के परिसर सेक्टर 29 के संगोष्ठी कक्ष में आयोजित किया गया था।

अनुलग्नक

वर्ष 2017-18 में नामांकन हेतु प्रवेश परीक्षा में हिस्सा लेने वाले छात्रों का विवरण

स्नातक/परास्नातक/एम.लिब.आइ.एस.सी.

क्रम संख्या	विषय	सारांश		घोषित प्रवेश	अंतिम प्रवेश 2017-18
		नामांकित	उपस्थित		
1	बी. वोक. (बैचलर ऑफ वोकेशन कोर्स ऑन रेशनल अप्रोच तो ड्रग डिजाइन)	86	41	20	9
2	बैचलर ऑफ आट्र्स (बी.ए.) ‘ जर्मन	173	114	12	15
3	बैचलर ऑफ आट्र्स (बी.ए.) ‘ चाइनीज़	169	117	12	14
4	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ‘ इकोनॉमिक्स	48	29	20	9
5	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ‘ इंग्लिश	53	31	20	17
6	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ‘ गुजराती	35	7	20	6
7	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ‘ हिंदी	11	4	20	2
8	मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एण्ड इन्फॉर्मेशन साइंसेज (एम.लिब.आई.साइन्स)	37	22	20	8
9	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ‘ माईग्रेशन एण्ड डायस्पोरा स्टडीज़	17	8	20	2
10	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ‘ पलिटिकल साइंस	40	26	20	12

11	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ' पॉलिटिक्स एण्ड इंटरनेशनल रिलेशन्स	56	38	20	10
12	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ' सोशल मैनेजमेंट	22	10	20	0
13	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ' सोशल वर्क	63	33	20	8
14	मास्टर ऑफ आट्र्स (एम.ए.) ' सोसिआलजी	37	18	20	5
15	मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) - केमिकल साइंसेज	208	133	20	17
16	मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) - क्लाइमेट चेंज एण्ड सस्टनेबल डेवलपमेंट	80	34	20	7
17	मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) - एनवाइरन्मेंटल साइंसेज	128	60	20	15
18	मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) - इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री	172	115	20	11
19	मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) - लाइफ साइंसेज	188	103	20	11
20	मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी.) - नैनो टेक्नॉलजी	72	48	20	11
21	पी.जी.डी.एल.आई.एम.	47	28	20	12
22	सर्टिफिकेट कोर्स इन एनालिटिकल टेक्निक फॉर विजुअली चैलेंज्ड (छः माह	--	--	20	0
23	एम. ए. चाइनीज़ (दो वर्ष)				0
	कुल	1742	1019	424	201

विषयवार सामान्य प्रवेश परीक्षा में एम.फिल. पीएच. डी. कार्यक्रम में भाग लेने वाले छात्रों का विवरण

क्रम संख्या	विषय	सारांश		प्रवेश	साक्षात्कार हेतु चयनित	अंतिम प्रवेश 2017-18
		नामांकित	उपस्थित			
1	इंटिग्रेटेड एम. फिल.- पीएच. डी. - केमिकल साइंसेज	35	24	15	13	7
2	इंटिग्रेटेड एम. फिल.- पीएच. डी. - डायस्पोरा स्टडीज़	88	65	6	37	7
3	इंटिग्रेटेड एम. फिल.- पीएच. डी. ‘ इकोनॉमिक्स	93	68	7	29	7
4	इंटिग्रेटेड एम. फिल.- पीएच. डी. - एन्वाइरन्मेंट सस्टनेबल डेवलपमेंट	138	105	7	80	7
5	इंटिग्रेटेड एम. फिल.- पीएच. डी. - लाइफ साइंसेज	83	57	6	26	6
6	इंटिग्रेटेड एम. फिल.- पीएच. डी. - नैनो विज्ञान	97	60	8	26	6
7	पीएच. डी. - नैनो विज्ञान	47	33	7	23	5
8	पीएच. डी. - अप्लाइड केमिस्ट्री	41	26	12	8	4
9	पीएच. डी. - लाइब्रेरी एण्ड इन्फॉर्मेशन साइंसेज	87	64	10	107	10
10	पीएच. डी. - सोशल मैनज्मंट	66	47	4	48	4
	कुल	775	549	82	397	63
	अंतिम आँकड़े : कुल	2517	1568	506		264
सैनिक छात्रों को द्विवर्षीय एम.ए. (चाइनीज़ भाषा एवं संस्कृति) में प्रवेश दिया गया।						05
कुल						269

सामान्य प्रवेश परीक्षा में हिस्सा लेने वाले छात्रों का विवरण

वर्गानुसार प्रवेश 2017-18

वर्ग	विद्यार्थियों की संख्या
सामान्य	136
अति पिछड़ा वर्ग	76
दिव्यांग	3
अनुसूचित जाति	39
अनुसूचित जनजाति	15
कुल योग	269

लैंगिक वर्गानुसार प्रवेश 2017-18

विवरण	विद्यार्थियों की संख्या
महिला	109
पुरुष	160
कुल योग	269

विश्वविद्यालय कर्मचारियों का विवरण

नियमित शिक्षण कर्मचारी

क्रम संख्या	कर्मचारी का नाम	पद	विद्यापीठ / विभाग	केंद्र/ उपविभाग
1.	प्रो. मान सिंह	प्रोफेसर	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.सी.एस.आर.
2.	प्रो. आलोक कुमार गुप्ता	प्रोफेसर	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.एस.एच.एल. एण्ड एल
3.	डॉ. (श्रीमती) इन्दिरा दत्ता	प्रोफेसर	एस.एस.एस.	सी.एस.इ.एण्ड पी
4.	प्रो. मुतैया कोगानुरमथ	प्रोफेसर	एम.एल. एण्ड आई. साइंस	एम.एल. एण्ड आई.साइंस
5.	प्रो. एम. एच. फुलेकर	प्रोफेसर	एस.इ. एण्ड एस.डी.	एस.इ. एण्ड एस.डी.
6.	प्रो. जे.पी.एन. मिश्रा	प्रोफेसर	एस.एल.एस.	एस.एल.एस.
7.	प्रो. तमिश्राहा बागची	प्रोफेसर	सी.एन.एस.	सी.एन.एस.
8.	प्रो. अतानु भट्टाचार्य	प्रोफेसर	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.इ.एस.
9.	प्रो.संजय कुमार झा	प्रोफेसर	एस.आइ.एस	सी.एस.एस.
10.	प्रो.संजीव कुमार दुबे	प्रोफेसर	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.एस.एच.एल.एण्ड एल.
11.	प्रो. बालाजी रंगनाथन	प्रोफेसर	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.सी.एल.एण्ड टी.एस.
12.	प्रो.सरिता अग्रवाल	प्रोफेसर	एस.एस.एस	सी.एस.इ.एण्ड पी.
13.	डॉ. जय प्रकाश प्रधान	एसोसिएट प्रोफेसर	एस.एस.एस	सी.एस.इ.एण्ड पी.
14.	डॉ. प्रकाश चन्द्र झा	एसोसिएट प्रोफेसर	एस.ए.एम.एस.	सी.ए.सी.
15.	डॉ. भावना पाठक	एसोसिएट प्रोफेसर	एस.इ.एण्ड एस.डी.	एस.इ.एण्ड एस.डी.
16.	डॉ. दिनेश कुमार	एसोसिएट प्रोफेसर	एस.सी.एस	सी.एस.सी.

17.	डॉ. आर. हिरण्यमय यादव	एसोसिएट प्रोफेसर	एस.ए.एम.एस	सी.एस.सी.
18.	डॉ. अतानु कुमार मोहपात्रा	एसोसिएट प्रोफेसर	-	सी.एस.आर.डी.
19.	डॉ. इंद्राणी बनर्जी	एसोसिएट प्रोफेसर	एस.एन.एस	एस.एन.एस
20.	डॉ. विनय कुमार दोंथुला	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.जी.एस.
21.	श्री प्रभात कुमार	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.सी.एल.एण्ड सी.
22.	डॉ. अनुष्का गोखले	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.जी.एस.
23.	डॉ. एल. राजू चौहान	सहायक प्राध्यापक	एस.सी.एस.	एस.ए.एम.एस.
24.	श्री रोशन लाल जहेल	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.जी.एस.
25.	डॉ. सौरभ शर्मा	सहायक प्राध्यापक	एस.आइ.एस.	सी.एस.आइ.पी.एण्ड जी.
26.	डॉ. किशोर जोस	सहायक प्राध्यापक	एस.आइ.एस	सी.एस.एस.
27.	डॉ. मोहनदास सिंह नोंग्माइथेम	सहायक प्राध्यापक	एस.आइ.एस	सी.एस.एस.
28.	डॉ. अतुल मिश्रा	सहायक प्राध्यापक	एस.आइ.एस	सी.एस.आइ.पी.एण्ड जी.
29.	डॉ. पार्वती कृष्णस्वामी अय्यर	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.टी.एण्ड आइ.पी.
30.	डॉ. शिजू सैम वर्गीज	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.टी.एण्ड आइ.पी.
31.	डॉ. कुणाल सिन्हा	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.टी.एण्ड आइ.पी.
32.	डॉ. सोनी कुंजप्पन	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.एम

33.	डॉ. मानसी सिंह	सहायक प्राध्यापक	एस.आइ.एस.	सी.एस.एस.
34.	डॉ. सरला दसारी	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.इ.एण्ड पी.
35.	डॉ. हेमंत कुमार	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.टी.एण्ड आइ.पी.
36.	डॉ. धनंजय कुमार राय	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.जी.टी.एण्ड पी.एस.
37.	डॉ. जगन्नाथम बेगारी	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.जी.टी.एण्ड पी.एस.
38.	डॉ. जयश्री अंबेवाडीकर	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.एण्ड डी.
39.	डॉ. असीमा जेना	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.एण्ड डी.
40.	डॉ. बेरिल आनंद	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.जी.टी.एण्ड पी.एस.
41.	श्री स्मृति रंजन धल	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.जी.टी.एण्ड पी.एस.
42.	डॉ. सुदर्शन पापन्ना	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.एण्ड डी.
43.	डॉ. लिट्टी डेनिस	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.M
44.	डॉ. इश्मित कौर चौधरी	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.इ.एस.
45.	सुश्री धारा के. चोटाई	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.इ.एस.
46.	डॉ. खाइखोलेन हाओकिप	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.एण्ड डी.
47.	सुश्री जराना दिलीपकुमार माहेश्वरी	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.सी.एल.एण्ड टी.एस.
48.	डॉ. किंगसन सिंह पटेल	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.एस.एच.एल.एण्ड एल.
49.	डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.एस.एच.एल.एण्ड एल.

50.	डॉ. ज़ाकिया फिरदौस सुलेमान	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.सी.एल.एण्ड टी.एस.
51.	सुश्री निवेदिता कलारीक्कल	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.सी.एल.एण्ड टी.एस.
52.	डॉ. गजेंद्र कुमार मीणा	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.एस.एच.एल.एण्ड एल.
53.	डॉ. तूलिका त्रिपाठी	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.इ.एण्ड पी.
54.	डॉ. प्रिय रंजन कुमार	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.जी.टी.एण्ड पी.एस.
55.	डॉ. क्षमानिधि अदाबर	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.इ.एण्ड पी.
56.	डॉ. सुदीप बसु	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.एम
57.	डॉ. राजेश सिंह	सहायक प्राध्यापक	एस.इ.एण्ड एस.डी.	एस.इ.एण्ड एस.डी.
58.	डॉ. उमेश चंद सिंह यादव	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एस.	एस.एल.एस.
59.	डॉ. पलामी साहू	सहायक प्राध्यापक	एस.इ.एण्ड एस.डी.	एस.इ.एण्ड एस.डी.
60.	डॉ. रीना कुमारी	सहायक प्राध्यापक	एस.इ.एण्ड एस.डी.	एस.इ.एण्ड एस.डी.
61.	डॉ. राजेश वासिटा	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एस.	एस.एल.एस.
62.	डॉ. धीरज राठौर	सहायक प्राध्यापक	एस.इ.एण्ड एस.डी.	एस.इ.एण्ड एस.डी.
63.	डॉ. सुनीता पटेल	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एस.	एस.एल.एस.
64.	डॉ. भक्ति कृष्णकांत गाला	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.इ.एण्ड पी.
65.	डॉ. धनन्जय मण्डल	सहायक प्राध्यापक	एस.सी.एस.	सी.एस.सी.
66.	डॉ. शिव शंकर मोहंती	सहायक प्राध्यापक	-	सी.एस.आर.डी.
67.	डॉ. चारु लता दुबे	सहायक प्राध्यापक	एस.एन.एस.	एस.एन.एस.
68.	डॉ. नरेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	-	सी.एस.आर.डी.
69.	श्री निशांत कुमार	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल. एण्ड सी.एस.	सी.सी.एस.आर.
70.	डॉ. लेनिन वी.दंदामुदी	सहायक प्राध्यापक	एस.सी.एस.	एस.सी.एस.

71.	श्री सजौदीन निजामुदिन छप्पर्बन	सहायक प्राध्यापक	-	सी.एस.आर.डी.
72.	डॉ. ऐश्वरीय बेगारी	सहायक प्राध्यापक	सी.ए.सी.	एस.ए.एम.एस.
73.	डॉ. मीनाक्षी अमृतलाल परमार	सहायक प्राध्यापक	एस.लाइब्रेरी साइंस	एस. लाइब्रेरी साइंस
74.	डॉ. रजनीश कुमार गुप्ता	सहायक प्राध्यापक	-	सी.एस.आर.डी.
75.	डॉ. हितेश कुल्हारि	सहायक प्राध्यापक	एस.एन.एस	एस.एन.एस
76.	डॉ. कमलेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	एस.ए.एम.एस.	सी.एस.सी.
77.	डॉ. गुरुराज नागराज गुद्देनगदी	सहायक प्राध्यापक	एस.सी.एस.	सी.ए.सी.
78.	डॉ. उमेश कुमार	सहायक प्राध्यापक	एस.एन.एस.	-
79.	श्री स्वामी कुन्दन किशोर	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल.एण्ड सी.एस.	सी.सी.एस.आर.
80.	डॉ. रश्मि तुकाराम कुंबार	सहायक प्राध्यापक	एस.लाइब्रेरी साइंस	एस.लाइब्रेरी साइंस
81.	सुश्री जसप्रीत कौर	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एल.एण्ड सी.एस.	सी.जी.एस.आर.
82.	डॉ. मनु शर्मा	सहायक प्राध्यापक	एस.एन.एस.	-
83.	डॉ. पंचमी प्रभाकरण	सहायक प्राध्यापक	एस.सी.एस.	सी.ए.सी.
84.	डॉ. विनीत कुमार	सहायक प्राध्यापक	एस.लाइब्रेरी साइंस	एस.लाइब्रेरी साइंस
85.	डॉ. प्रशांत कौशिक	सहायक प्राध्यापक	एस.सी.एस.	सी.एस.सी.

नियमित शिक्षणेत्तर कर्मचारी

क्रम सं	कर्मचारी का नाम	पद
1	प्रो. एस. एल. हिरेमठ	कुलसचिव
2	श्री जयप्रकाश सोनी	उप कुलसचिव
3	डॉ. हेमांग ए. देसाई	उप कुलसचिव
4	डॉ. कोतरय्या बसय्या अगादि	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
5	श्री मुकेश आशीर्वादभाई परमार	सहायक कुलसचिव
6	श्री तरुण कुमार सोनी	अनुभाग अधिकारी
7	श्री शमशेर सिंह	अनुभाग अधिकारी
8	श्री जयेश कुमार मनोहरलाल परमार	उच्च श्रेणी लिपिक
9	सुश्री बेला लक्षमनभाई चोलाविया	उच्च श्रेणी लिपिक
10	सुश्री रिनल बलदेवभाई पटेल	उच्च श्रेणी लिपिक
11	श्री मुकेश प्रजापति चावड़ा	उच्च श्रेणी लिपिक
12	श्री परेश चिमनलाल पारेख	चालक
13	श्री फुल सिंह मीणा	चालक
14	श्री चन्द्रकान्त अशोकराव इंगले	पुस्तकालय सहायक
15	श्री भरतकुमार बाबूभाई राठौड़	पुस्तकालय सहायक

शिक्षणेत्तर कर्मचारी(संविदा)

क्रम सख्या	कर्मचारी	पद
१	श्री सुरेशकुमार सोनी	रसोइया
2	श्री पीयूषकुमार के.परमार	कार्यालय सह संगणक ऑपरेटर
3	सुश्री उषाबेन सावजीभाई सोनारा	कार्यालय सहायक

4	श्री अनिरुद्धसिंह कालुसिंह बिहोला	कार्यालय सहायक
5	श्रीमती रीना तरुण सोलंकी	कार्यालय सह संगणक ऑपरेटर
6	श्री उमेशभाई डी. शुक्ला	कार्यालय सहायक
7	श्री दीपकभाई एन. गायकवाड़	कार्यालय सहायक
8	सुश्री पूजा मल्होत्रा	आशुलिपिक सह डाटा एंट्री ऑपरेटर
9	श्री विनोद कुमार	तकनीकी सहायक
10	श्री गिरिजेश कुमार सिंह	प्रयोगशाला सहायक
11	श्री मनीष बी. श्रीमाली	संगणक ऑपरेटर
12	श्री इमरान अहमद हुसैन शेख	डाटा एंट्री ऑपरेटर
13	श्री डी. वेंकटेश्वर राव	आइ.ए.ओ. परामर्शदाता
14	श्री जसवंतभाई के. उपाध्याय	कार्यालय सहायक
15	श्री राजेश भूरिया	कार्यालय सहायक सह संगणक परेटर
16	श्री एम. एन. चन्द्रशेखरन मेनन	आशुलिपिक
17	श्री मयूर देवीदास परमार	कार्यालय सहायक सह संगणक परेटर
18	श्री हरीश चन्द्र शर्मा	लेखाकार
19	श्रीमती श्वेता शर्मा	डाटा एंट्री ऑपरेटर
20	श्री गौरांग पटेल	आशुलिपिक
21	श्री आर.एच. पाठक	परामर्शदाता
22	श्री मकवाना बलवंतभाई बाबूभाई	चालक
23	डॉ. लीला ठाकुर	शारीरिक शिक्षा एवं खेल प्रशिक्षक
24	श्री आलोक कुमार पाण्डेय	योग प्रशिक्षक
25	सुश्री कृष्णा व्रजलाल पिलोजपाड़ा	सहायक संगणक प्रयोगशाला
26	सुश्री निशा धनवानी	लेखाकार सहायक
27	श्री हिमांशु डी. रावत	तकनीकी सहायक
28	सुश्री नेहा गोसाईं	तकनीकी सहायक

शैक्षणिक कर्मचारी (संविदा)

क्रम संख्या	कर्मचारी	पद	विद्यापीठ भाग	केंद्र / उपविभाग
1	सुश्री अनुपमा ए.	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एस.	एस.एल.एस.
2	डॉ. मधुमिता बिस्वाल	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.एण्ड डी.
3	डॉ. शैलेंद्र कुमार	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.डी.
4	सुश्री प्रियंका अशोक धारगवे	सहायक प्राध्यापक	सी.सी.एल. एण्ड सी.	एस.एल.एल.एण्ड सी.एस.
5	डॉ. स्वाती जोशी	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एस.	एस.एल.एस.
6	श्री निशांत सतीशचन्द्रकर	सहायक प्राध्यापक	एस.एल.एस.	एस.एल.एस.
7	डॉ. रोजा लक्ष्मी माइला	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.एम.
8	सुश्री रंजना सिंह	सहायक प्राध्यापक	एस.एस.एस.	सी.एस.एस.एम.
9	डॉ. विजेंद्र सिंह	सहायक प्राध्यापक	एस.आइ.एस.	एस.आइ.एस.

प्रदान की गई उपाधियां

कार्यक्रम का नाम	**प्रदत्त उपाधियों की की संख्या**
एकीकृत पंचवर्षीय कार्यक्रम में एम.ए. पाठ्यक्रम	31
चाइनीज भाषा एवं संस्कृति (एकीकृत पंचवर्षीय)	4
जर्मन स्टडीज़ (एकीकृत पंचवर्षीय)	6
सोशल मैनेजमेंट (एकीकृत पंचवर्षीय)	21
मास्टर ऑफ आर्ट्स	28
अर्थशास्त्र	6
इंग्लिश	5
हिन्दी	3
मास्टर ऑफ लाइब्रेरी एंड इन्फोर्मेशन साइंस	6
पॉलिटिक्स एंड इंटरनेशनल रिलेशंस	5
सोसिओलजी	3
मास्टर ऑफ साइंस	18
केमिकल साइंसेज	4
एनवाएरमेंटल साइंसेज	7
इंडस्ट्रियल केमिस्ट्री	2
जीव विज्ञान	5
यू. जी. डिग्री	1
सोशल मैनेजमेंट (एकीकृत पंचवर्षीय)	1
कुल योग	78

प्रदान की गई एम.फिल. उपाधि : 01.04.2017 से 31.03.2018 तक

पाठ्यक्रम का नाम	प्रदत्त उपाधियों की संख्या
एम.फिल. - पीएच. डी. (तुलनात्मक साहित्य)	2
एम.फिल. - पीएच. डी. (डायस्पोरा अध्ययन)	1
एम.फिल. - पीएच. डी. (अर्थशास्त्र)	1
एम.फिल. - पीएच. डी. (गांधी विचार एवं शांति अध्ययन)	2
एम.फिल. - पीएच. डी. (हिन्दी भाषा और साहित्य)	7
एम.फिल. - पीएच. डी. (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति)	4
एम.फिल. - पीएच. डी. (सुरक्षा अध्ययन)	4
एम.फिल. - पीएच. डी. (समाज और विकास)	11
एम.फिल.-पीएच. डी. (स्टडीज़ इन साइंस, टेक्नॉलॉजी एंड इनोवेशन पॉलिसी)	6
कुल योग	38

प्रदान की गई पीएच. डी. उपाधि: 01.04.2017 से 31.03.2018 तक

पाठ्यक्रम का नाम	प्रदत्त उपाधियों की संख्या
एम.फिल. - पीएच. डी. (केमिकल साइंसेज)	6
एम.फिल. - पीएच. डी. (तुलनात्मक साहित्य)	5
एम.फिल. - पीएच. डी. (अर्थशास्त्र)	4
एम.फिल. - पीएच. डी. (पर्यावरण एवं सतत विकास)	1
एम.फिल. - पीएच. डी. (हिंदी भाषा और साहित्य)	3
एम.फिल. - पीएच. डी. (आंतरिक सुरक्षा)	2
एम.फिल. - पीएच. डी. (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति और शासन)	1

एम.फिल. - पीएच. डी. (जीव विज्ञान)	7
एम.फिल. - पीएच. डी. (नैनो विज्ञान)	2
एम.फिल. - पीएच. डी. (विज्ञान, समाज और विकास)	4
एम.फिल. - पीएच. डी. (सुरक्षा अध्ययन)	1
एम.फिल. - पीएच. डी. (समाज और विकास)	1
कुल योग	37

गुजरात केन्द्रीय वि.वि.में उपचारात्मक कोचिंग प्रकोष्ठ में शामिल विद्यार्थियों की सूची

क्रम सं.	विद्यार्थी का नाम	विभाग/विद्यापीठ	वर्ग(जाति)	नेट/सेट/जेआरएफ
1	रामनाथ कुमार (2015)	समाज और विकास	अन्य पिछड़ा वर्ग	जेआरएफ
2	सत्य प्रकाश(2017)	हिंदी	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
3	मौसम(2017)	अंग्रेजी साहित्य	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
4	कपिल मीणा (2015)	अर्थशास्त्र	अनुसूचित जनजाति	जेआरएफ
5	रवि थोराट(2011)	अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन	अनुसूचित जाति	नेट
6	चाँदनी बधावना (2016)	विज्ञान, प्रौद्यौगिकी एवं अभिनव नीति	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
7	आलोक कुमार (2015)	अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
8	कृष्णा चेट्टी (2013)	समाज और विकास	अनुसूचित जाति	नेट
9	संघमित्र बैरागी (20)	गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन	अनुसूचित जाति	नेट
10	बिरेन्द्री (2017)	गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन	अनुसूचित जाति	नेट
11	ज्योत्सना(2013)	गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
12	राजेश चन्द्र (2016)	अर्थशास्त्र	अनुसूचित जाति	नेट
13	सिद्धार्थ मस्के (2012)	अंग्रेजी साहित्य	अनुसूचित जाति	नेट
14	राजेश लाकुम (2013)	समाज और विकास	अनुसूचित जाति	सेट
15	महेश लाकुम (2017)	समाज और विकास	अनुसूचित जाति	नेट
16	प्रथम पारेख (2013)	समाज और विकास	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
17	सूबोध कुमार (2	समाज और विकास	अन्य पिछड़ा वर्ग	जेआरएफ
18	रोहित सोलंकी	समाज और विकास	अनुसूचित जाति	नेट
19	प्रियंका चंदेला	समाज और विकास	अनुसूचित जाति	नेट

20	अंजलि	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति		नेट
21	विकास पाठे	समाज और विकास	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
22	तृप्ति साहु	अर्थशास्त्र	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
23	अरुण सोम	समाज और विकास	अनुसूचित जाति	जेआरएफ
24	मुहम्मद निज़ाम	अर्थशास्त्र	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
25	तरीफ़	अर्थशास्त्र	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
26	इंद्रकांत भारती	अर्थशास्त्र	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
27	संतोष गवई	डायस्पोरा	अनुसूचित जाति	नेट
28	कृष्णा लाला	अर्थशास्त्र	अनुसूचित जाति	नेट
29	अभिषेक	अर्थशास्त्र	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
30	गुरु प्रकाश	अर्थशास्त्र	अन्य पिछड़ा वर्ग	नेट
31	मानस कुमार पेंड्डी	अर्थशास्त्र	अनुसूचित जाति	नेट
32	हेंकोलाल	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति	अनुसूचित जनजाति	जेआरएफ
33	आनंद कुमार	समाज और विकास		नेट
34	शिवमोहन प्रजापति	विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अभिनव नीति		जेआरएफ
35	नेहा	अर्थशास्त्र		नेट
36	रवि शर्मा	अर्थशास्त्र		नेट
37	धमनदीप	अर्थशास्त्र		नेट
38	अश्विनी खांडेकर (2014)	गांधीवादी विचार और शांति अध्ययन	अन्य पिछड़ा वर्ग	सेट

2017-18 के दौरान पीएचडी डिग्री से सम्मानित छात्रों की सूची

क्रं सं		कार्यक्रम का नाम
1	अनीता बी० कर्था	एम. फिल. ' पीएच. डी. (जैविक विज्ञान)
2	विजय मोहन	एम. फिल. ' पीएच. डी. (जैविक विज्ञान)
3	चावड़ा मेहूलकुमार हरमसिंहभाई	एम. फिल. ' पीएच. डी. (विज्ञान, समाज और विकास)
4	जिया कमल साहनी	एम. फिल. ' पीएच. डी. (अर्थशास्त्र)
5	कनिका शर्मा	एम. फिल. ' पीएच. डी. (विज्ञान, समाज एवं विकास)
6	रोशनीबेन बाबूभाई पटेल	एम. फिल. ' पीएच. डी. (तुलनात्मक साहित्य)
7	प्रत्यक्ष जनार्दन	एम. फिल. ' पीएच. डी. (तुलनात्मक साहित्य)
8	जरना दिलीपकुमार माहेश्वरी	एम. फिल. ' पीएच. डी. (तुलनात्मक साहित्य)
9	चोटाई धारा कांतिबाई	एम. फिल. ' पीएच. डी. (तुलनात्मक साहित्य)
10	मकतेदार श्रीकांत शिवाजी	एम. फिल. ' पीएच. डी. (रासायनिक विज्ञान)
11	नेहा शिवानी	एम. फिल. ' पीएच. डी. (अर्थशास्त्र)
12	नरेंद्र सिंह	एम. फिल. ' पीएच. डी. (जैविक विज्ञान)
13	मनोज विमल	एम. फिल. ' पीएच. डी. (विज्ञान, समाज एवं विकास)
14	मिस झाला ध्वनि वीरभद्र सिंह	एम. फिल. ' पीएच. डी. (जैविक विज्ञान)
15	मिस हेमलता	एम. फिल. ' पीएच. डी. (हिन्दी भाषा एवं साहित्य)
16	मिस खैरे दीपाली रघुनाथ	एम. फिल. ' पीएच. डी. (आंतरिक सुरक्षा)
17	मिस्टर चंद्रकांत भोजरज चेल्लानी	एम. फिल. ' पीएच. डी. (सुरक्षा अध्ययन)
18	मिस रज़िया अज़हर खान	एम. फिल. ' पीएच. डी. (पर्यावरण एवं सतत विकास)
19	मिस ज्योति मीना	एम. फिल. ' पीएच. डी. (रासायनिक विज्ञान)
20	मिस्टर नितिन कुमार शर्मा	एम. फिल. ' पीएच. डी. (रासायनिक विज्ञान)
21	मिस्टर शौकत हसन	एम. फिल. ' पीएच. डी. (नैनो विज्ञान)
22	मिस्टर अभिषेक चंद्रा	एम. फिल. ' पीएच. डी. (रासायनिक विज्ञान)
23	मिस मोरिश सालूबेन गंगाराम भाई	एम. फिल. ' पीएच. डी. (समाज एवं विकास)
24	मिस्टर हामिद रसूल भट	एम. फिल. ' पीएच. डी. (रासायनिक विज्ञान)
25	पांड्या शिवानी राजकुमार	एम. फिल. ' पीएच. डी. (नैनो विज्ञान)
26	विमल कुमार लोडवाल	एम. फिल. ' पीएच. डी. (हिन्दी भाषा एवं साहित्य)
27	मयूरा वेदपाठक बालचंद्रा	एम. फिल. ' पीएच. डी. (आंतरिक सुरक्षा)
28	तारीफ़ हुसैन	एम. फिल. ' पीएच. डी. (अर्थशास्त्र)
29	जहाँगीर अहमद ख़ान	एम. फिल. ' पीएच. डी. (अंतर्राष्ट्रीय राजनीति एवं संचालन)

30	मिस्टर रीतिस कुमार भारतचंद्रा श्वान्ति	एम. फिल. ' पीएच. डी. (जैविक विज्ञान)
31	मिस्टर केदारिया धवल अश्विनभाई	एम. फिल. ' पीएच. डी. (जैविक विज्ञान)

वार्षिक बजट: एक दृष्टि में

XII योजना का संक्षिप्त विवरण (2012-13 से 2016-17) अनुदान

							रुपये लाख में	
XII योजना आवंटन	XI योजना प्रारंभिक शेष राशि	प्राप्त अनुदान	प्राप्त अनुदान पर कमाया हुआ ब्याज	अकादमिक रसीदें/ शुल्क/ अन्य दूसरी रसीदें आदि	कुल प्राप्त निधि	31.03.2018 तक व्यय की गई कुल राशि	% उपभोग का	01.04.2017 तक खर्च न की गई राशि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
15,500.00	183.00	11,886.17	1,355.61	299.09	13,723.87	10,691.19	78	3,032.68

12वीं योजना वर्ष-वार प्राप्त अनुदान और उपयोग की गई राशि (राशि लाख में) का विवरण

वित्त वर्ष	प्राप्त अनुदान राशि				व्यय की गई राशि			
	वस्तुओं के नाम				वस्तुओं के नाम			
	सरकार द्वारा प्राप्त आवर्ती राशि (31)	सरकार द्वारा प्राप्त वेतन राशि (36)	सरकार द्वारा प्राप्त अनावर्ती राशि (35)	कुल योग	आवर्ती राशि (31)	वेतन राशि (36)	अनावर्ती राशि (35)	कुल योग
2012-13	253.75	510.00	2,411.25	3,175.00	239.00	459.00	641.00	1,339.00
2013-14	2,546.47	500.00	-	3,046.47	629.00	668.00	712.00	2,009.00
2014-15	-	990.00	-	990.00	834.00	815.00	240.00	1,889.00
2015-16	489.18	1,829.60	2,825.58	5,144.36	1,077.97	1,017.58	644.20	2,739.75
2016-17	859.94	1,170.40	-2,500.00	-469.66	1,083.36	1,046.55	298.52	2,428.43
2017-18	-	-	-	-	286.01	-	-	286.01
योग	4,149.34	5,000.00	2,736.83	11,886.17	4,149.34	4,006.13	2,535.72	10,691.19

वित्त वर्ष 2017-18 के लिए प्राप्त अनुदान और व्यय की गई राशि का विवरण

				रुपये लाख में	
क्रम संख्या	विशेष	आवर्ती (31)	वेतन (36)	पूंजीगत संपत्ति (35)	कुल
1	वित्त वर्ष 2017-18* हेतु वार्षिक आवंटन	2,256.99	1,637.00	500.00	4,393.99
2	XII योजना की बचत सी/डी राशि	572.91	1,259.01	1,017.76	3,032.68#
3	वित्त वर्ष 2017-18 में यूजीसी द्वारा जारी किया गया अनुदान	2,256.99	405.13	0.00	2,662.12
4	कमाया हुआ ब्याज	94.79	16.91	43.30	155.00
5	अन्य रसीदें	56.92	0.00	0.00	56.92
6	कुल प्राप्त राशि	2,981.61	1,681.05	1,061.06	5,906.72
7	खर्च	976.26	1,373.35	178.35	2,527.96
8	बचत राशि	2,005.35	307.70	882.71	3,378.76

* **वित्तीय वर्ष 2017-18 हेतु वार्षिक आवंटन एफ़. नंबर 27-2/2017 (सीयू) दिनांक 12.03.2018 के पत्र संख्या के अनुसार**

वार्षिक प्रतिवेदन समिति के सदस्यः

:: संयोजक ::

प्रो. संजय कुमार झा

:: सदस्य ::

प्रो. सरिता अग्रवाल

डॉ. प्रमोद कुमार तिवारी

डॉ. मानसी सिंह

डॉ. भक्ति गाला

मिस जसप्रीत कौर लायल

डॉ. गजेंद्र कुमार मीणा

डॉ. जी एन गुरुराज

डॉ . हिरण्मयी यादव

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय
CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय

CENTRAL UNIVERSITY OF GUJARAT

सेक्टर-२९, गांधीनगर-३८२०३०, गुजरात, भारत दूरभाष: ०७९२३९७७४०५, फेक्स: ०७९२३२६००७६
ईमेल: registrar@cgu.ac.in, वेबसाइट: www.cgu.ac.in